सूर्योदय : 6:07
सूर्यास्त : 5:34
अधिकतम तापमान : 31.0
न्यूनतम : 18.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-17 अंक-180 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, शनिवार, 09 दिसम्बर 2023
23 जमादिउल अव्वल, 1445 हिजरी

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

थाने में दरोगा की पिस्टल से चली गोली, महिला गंभीर

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ कोतवाली नगर में ड्यूटी पर तैनात दारोगा की पिस्टल से गोली चलने से एक महिला घायल हो गई। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला अलीगढ़ कोतवाली नगर के सीसीटीएनएस ऑफिस में अपना पासपोर्ट वेरिफिकेशन कराने आई थी। इसी दौरान दरोगा मनोज शर्मा की सरकारी पिस्टल से गोली चल गई। गोली सीधे महिला के सिर के पीछे के हिस्से में लगी। लापरवाह दरोगा मनोज शर्मा फरार है। एसएसपी ने उसे निलंबित कर दिया है। एसएसपी ने लापरवाह दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दे दिए हैं।

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 2:50 बजे की बताई जा रही है। हड्डी इशरत जहां पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए अपने बड़े बेटे इशान के साथ गई थीं।

भीड़ देखकर मौके से फरार हुआ दरोगा

वीडियो में आगे देखा जा सकता है कि गोली की आवाज सुनते ही मनोज कुमार पिस्टल टेबल पर रख महिला की ओर आए, तब तक वह जमीन पर गिर चुकी थी। गोली की आवाज सुनते ही कोतवाली में भीड़ लग गई। इसी बीच दारोगा गायब हो गया। इसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस के खिलाफ जमकर नारे लगाए गए। गंभीर हालत में महिला को जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। आक्रोश देखते हुए कोतवाली में एकस्ट्रा पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है।

मुख्यमंत्री ने बेनेट विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में किया सम्बोधित

छात्र-छात्राओं को डिग्रियां एवं मेडल देकर किया सम्मानित

- प्रधानमंत्री ने देशवासियों से पंचप्रण अपनाने आह्वान किया
- सफलता का मार्ग परिश्रम और पुरुषार्थ से प्राप्त होगा: मुख्यमंत्री
- लक्ष्य तक पहुंचने का सही मार्ग पता हो, तो लक्ष्य प्राप्त होता है: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि सफलता का मार्ग परिश्रम और पुरुषार्थ से प्राप्त होगा। लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कभी भी शॉर्टकट का रास्ता नहीं अपनाना चाहिए। लक्ष्य निश्चित हो और उस तक पहुंचने का सही मार्ग पता हो, तो लक्ष्य अवश्य प्राप्त होता है। राह दिखाने का कार्य शिक्षण संस्थानों को करना है। मुख्यमंत्री ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर में बेनेट विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को डिग्रियां एवं मेडल देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व, उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। समारोह में विश्वविद्यालय के एक छात्र ने मुख्यमंत्री को श्रीराम दरबार का चित्र भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति जीवन के चाहे जिस क्षेत्र में कार्य कर रहा हो, उसे अपने कर्तव्यों का पालन सतत रूप से करते रहना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पंचप्रण अपनाने आह्वान किया है। वर्ष 2047 तक भारत को दुनिया की एक प्रमुख ताकत के रूप में स्थापित करना, स्वयं को गुलामी की मानसिकता से दूर रखना, विरासत पर गौरव की अनुभूति करना, एकता और एकीकरण बनाए रखना और नागरिक कर्तव्यों का पालन करना इन पंचप्रण में सम्मिलित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव ने देशवासियों को विगत 75 वर्षों में क्या खोया है और क्या पाया है, के आत्मावलोकन का अवसर प्रदान किया।

अतीत में हुई गलतियों का परिमार्जन कर विकास की ओर अग्रसर होना है। अगले 25 वर्षों का लक्ष्य तय कर भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में प्रयास करना है। जब 142 करोड़ आबादी वाला भारत एक साथ आगे बढ़ेगा तथा जब नागरिक 'हर काम देश के नाम' भाव के साथ कार्य करना प्रारम्भ करेगा, तो प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप वर्ष 2047 तक भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के रूप में स्थापित हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह प्राचीन भारत के विश्वविद्यालयों और गुरुकुलों के समावर्तन समारोह का ही परिवर्तित रूप है। उस समय के समावर्तन समारोह का मूल उद्देश्य तैत्तिरीय उपनिषद में वर्णित है। वेदमनूच्याचार्योऽन्तेवासिनमनुशास्ति । सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। आचार्याय प्रियं धनमाहृत्य प्रजानन्तुं मा व्यवच्छेसीः। सत्यान्न प्रमदितव्यम। धर्मान्न प्रमदितव्यम। कुशलान्न प्रमदितव्यम। भूत्यै न प्रमदितव्यम। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम।। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि। तानि सेवितव्यानि। नो इतराणि। यान्यस्माकं सुचरितानि। तानि त्वयोपास्यानि।।

अर्थात सत्य बोलो। धर्मसम्मत कर्म करो। स्वाध्याय के प्रति प्रमाद मत करो। सत्य से न हटना। धर्म से विमुख नहीं होना चाहिए।

पीएम मोदी ने 'उत्तराखंड इन्वेस्टर्स समिट' का किया आग़ाज़

यह दशक देवभूमि का: मोदी

- आकांक्षी भारत अब अस्थिरता नहीं, स्थिरता चाहता है
- देवभूमि में अवसरों की नहीं कमी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देहरादून में 'उत्तराखंड इन्वेस्टर्स समिट' का उद्घाटन किया। उन्होंने 44000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स की अधारशिला रखी।

गौतम अडानी, नवीन जिंदल समेत कॉर्पोरेट जगत के तमाम दिग्गज इस समिट में शामिल हुए। तीन केंद्रीय मंत्री, 15 देशों के राजदूत भी उत्तराखंड इन्वेस्टर्स समिट में शामिल हुए। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में आकर मन धन्य हो जाता है। कुछ वर्ष पहले जब मैं बाबा केदार के दर्शन के लिए निकला था, तो अचानक मेरे मुंह से निकला था कि 21वीं सदी का ये तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक है। मुझे खुशी है कि अपने उस कथन को मैं लगातार चरितार्थ होते हुए देख रहा हूं। पीएम मोदी ने कहा कि बीते दिनों उत्तरकाशी में टनल से हमारे श्रमिक भाइयों को सुरक्षित निकालने का जो सफल अभियान चला, उसके लिए मैं राज्य सरकार समेत सभी का अभिनंदन करता हूं। उत्तराखंड वह राज्य है, जहां आपको देवत्व और विकास दोनों का अनुभव एक साथ होता है। मैंने तो उत्तराखंड की भावनाओं और संभावनाओं को निकट से देखा है। मैंने उसे जिया है, अनुभव किया है। इन्वेस्टर्स समिट में आए उद्योग जगत के दिग्गजों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज आप सभी को उत्तराखंड के गौरव, उत्तराखंड की विकास यात्रा से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा- अगर एक राष्ट्र के रूप में आज हम भारत को लेकर एसडब्ल्यूओटी एनालिसिस करें तो हमारे चारों ओर आकांक्षाएं, आशा, आत्मविश्वास, नवाचार और अवसर ही दिखेंगे।

हाउस ऑफ हिमालय ब्रांड से बनेंगी 2 करोड़ लखपति

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर एक साल में 5 हजार शादियां भी यहां होने लग जाएं तो एक नया इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा हो जाएगा और दुनिया की शादियां यहां होने लग जाएंगी। मेरा एक संकल्प है, आने वाले कुछ समय में इस देश में 2 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाने के लिए मैंने लखपति दीदी अभियान चलाया है। हाउस ऑफ हिमालय ब्रांड से 2 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाने का काम तेजी से पूरा हो जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि चाहे कोरोना वैक्सीन हो या नीतियां, भारत ने हमेशा अपने सामर्थ्य पर भरोसा किया है। इसलिए भारत बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से अलग ही खड़ा है।

महुआ की सांसदी रद्द

- आचार समिति की सिफारिश मंजूर
- टीएमसी नेता बोलीं- यह भाजपा के अंत की शुरुआत

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को रिश्वत लेकर सवाल पूछने के मामले में शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने निष्कासन का प्रस्ताव पेश किया। इसे सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इससे पहले सदन में लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट पर चर्चा हुई। रिपोर्ट में महुआ को निष्कासित करने की सिफारिश की गई थी। फैसले के बाद महुआ ने कहा कि एथिक्स कमेटी के पास निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है। यह आपके अंत की शुरुआत है। चर्चा के दौरान तृणमूल कांग्रेस ने आसन से कई बार यह आग्रह किया कि महुआ मोइत्रा को सदन में उनका पक्ष रखने का मौका मिले। हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पहले इसकी इजाजत नहीं दी। उन्होंने इसके लिए संसदीय परिपाटी का हवाला दिया। समिति के छह सदस्यों ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया था। इनमें कांग्रेस से निलंबित सांसद परणीत कौर भी शामिल थीं। समिति के चार विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट पर असहमति जताई थी। विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट को फिक्स्ड मैच करार दिया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे शिकायत में कोई भी दम नहीं है।

महुआ मोइत्रा ने कही यह बात

लोकसभा सदस्य के रूप में अपने निष्कासन पर महुआ मोइत्रा ने कहा कि अगर इस मोदी सरकार ने सोचा कि मुझे चुप कराकर वे अदाणी मुद्दे को खत्म कर देंगे, मैं आपको यह बता दूं कि इस कंगारू कोर्ट ने पूरे भारत को केवल यह दिखाया है कि आपने जल्दबाजी और उचित प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है। यह दर्शाता है कि अदाणी आपके लिए कितने महत्वपूर्ण है और आप एक महिला सांसद को रोकने के लिए उसे किस हद तक परेशान करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि एथिक्स कमेटी के पास निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है। यह आपके अंत की शुरुआत है।

कांग्रेस सांसद के घर मिला 150 करोड़ रुपये कैश, पीएम ने कसा तंज

नई दिल्ली। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू इन दिनों चर्चा में हैं। दरअसल, आयकर विभाग की टीम ने कांग्रेस सांसद के ठिकानों पर छापमारी की है। छापेमारी के दौरान एजेंसी को इतना कैश मिला है कि उससे गिनने में दो से तीन दिन लग गए। कांग्रेस सांसद से मिले कैश के बाद विरोधी दलों के नेता उन पर निशाना साधने से नहीं चूक रहे हैं। उधर, पीएम मोदी ने भी इस छापेमारी को लेकर कांग्रेस पर तंज कसा है।

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर धीरज साहू पर टिप्पणी की है। अपनी पोस्ट में उन्होंने स्माइली इमोजी का भी इस्तेमाल किया है। पीएम ने कहा कि जनता से जो भी लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है।

पीएम ने अपनी पोस्ट में लिखा है, देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के भाषणों को सुनें। जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। पीएम ने ये भी लिखा कि नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के भाषणों को सुनें।

बता दें कि धीरज साहू शराब कारोबारी भी हैं। आयकर की टीम ने साहू से जुड़े तीन राज्यों के आधा दर्जन ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी में ओडिशा के बौध, बलांगीर, रायगढ़ा व संबलपुर के अलावा झारखंड के रांची व लोहरदगा व पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित ठिकाने शामिल हैं।

टैक्स चोरी का आरोप

कांग्रेस सांसद का ओडिशा में शराब का बड़ा कारोबार है। साहू पर टैक्स चोरी का आरोप है। छापेमारी बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज के दफ्तर में की गई है। छापेमारी के दौरान आयकर अधिकारी भी हैरान रह गए थे। सांसद के ठिकानों से इतना कैश मिला कि उसे ले जाने के लिए ट्रक का सहारा लेना ड़ा था।

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम को मिला रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण

अयोध्या। अयोध्या में होने वाले भगवान रामलला की भव्य प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का न्योता कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम को भी मिला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर निमंत्रण पत्र की तस्वीर साझा करते हुए भावुक संदेश भी लिखा है। बता दें कि हाल में ही तीन राज्यों में कांग्रेस की हार के लिए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सनातन विरोध को बताया था। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अपनी पोस्ट में लिखा, परमात्मा की असीम अनुकंपा कहो या प्रारब्ध के पुण्य का फल जो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जन्म भूमि के अद्भुत और अनूठे मंदिर के ÷गर्भ गृह÷ में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण प्राप्त हुआ, श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष पूज्यपाद नृत्योपाल दास जी महाराज के श्री चरणों में नमन और श्री चंपत राय जी को साधुवादजय श्री राम बता दें कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों पर हैं देश भर केकरीब 4000 साधू-संतों को आमंत्रण पात्र भेजा जा रहा है।

कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

- एससी ने कहा- उपदेश देने से बचना चाहिए

नई दिल्ली। 'लड़कियों को सेक्स की इच्छा पर नियंत्रण रखने की नसीहत' देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतों को किसी मामले में फैसला देते वक्त अपनी निजी राय/उपदेश देने से बचना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट की टिप्पणी बेहद आपत्तिजनक और गैर जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह आर्टिकल 21 के तहत मूल अधिकारों का हनन है। कोर्ट ने वकील माधवी दीवान को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया है। इसके साथ कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि क्या वो हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर करना चाहती है। वकील सरकार से निर्देश लेकर कोर्ट को अवगत कराएंगे। कलकत्ता हाई कोर्ट ने नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में दिए फैसले में कहा था कि 'लड़कियों को अपनी इच्छा को काबू में रखना चाहिए और 2 मिनट के आनंद पर ध्यान नहीं देना चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट ने लड़को को भी नसीहत दी थी कि उन्हें भी लड़कियों की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। कोर्ट ने लड़की के स्वेच्छा से यौन सम्बंध बनाने के बयान देने के बाद आरोपी लड़के को भी पॉक्सो के आरोप से बरी कर दिया था।

तीन बार से अधिक पेनॉल्टी लगी तो ब्लैक लिस्ट करें फर्म: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट की समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। हर परियोजना में अनिवार्य रूप से इनका पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव अपने विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं की पाक्षिक समीक्षा करें।

कार्य में देरी हो, मासिक टाइमलाइन का पालन न हुआ हो, गुणवत्ता मानक के अनुरूप न हो तो तत्काल जवाबदेही तय करें। समयबद्धता और गुणवत्ता का मानक पूरा न करने वाली फर्म पर पेनॉल्टी लगाई जाए। यदि तीन बार पेनॉल्टी लगानी पड़े तो संबंधित फर्म को ब्लैक लिस्ट कर दिया जाए।

अमित शाह ने किया एबीवीपी के राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन

अब भारत का समय आ गया है: ग्रहमंत्री

- एबीवीपी का रास्ता ज्ञान, शील, संकल्प का: शाह

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया। यहां हजारों की संख्या में देशभर से विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में आकर तीस साल खुद की उम्र कम महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं आज यहां राष्ट्रीय अधिवेशन के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कितना गौरव महसूस कर रहा हूं, ये मैं आपको समझा नहीं पाऊंगा। उन्होंने कहा कि ये अनुभव वही व्यक्ति कर सकता है, जिसकी शुरुआत राजकोट अधिवेशन में पंडाल के अंत में बैठकर हुई है और वो आज मुख्य अतिथि बनकर यहां खड़ा है। उन्होंने यहां कहा कि अब भारत का समय आ गया है, दुनिया हमारी तरफ आशा भरी नजरों से देख रहा है। एबीवीपी कार्यकर्ता ये संकल्प लें कि 2047 में भारत सर्वप्रथम होगा। ये आपकी जिम्मेदारी है। हमारी कई पीढ़ियां आजादी के संघर्ष में खप गईं, उनके सपनों का भारत बनाने की जिम्मेदारी युवाओं की है। युवा देश की रीढ़ होते हैं। आज स्वर्णिम भविष्य युवाओं की राह देख रहा है। घपले घोटाले की जगह नई नीतियों ने ले ली है। उन्होंने कहा कि देश के अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। लोगों को मूलभूत सुविधाएं दी जा रही हैं। अनुच्छेद 370 खत्म, अब लाल चौक पर तिरंगा लहराने से कोई नहीं रोक सकता। पूर्वोत्तर में शांति की स्थापना पिछले 10 साल में पीएम मोदी की सरकार के कारण हुआ। एबीवीपी का रास्ता ज्ञान, शील, संकल्प का है और

केजरीवाल सरकार की 'फरिश्ते' योजना का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार की 'फरिश्ते' योजना का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। केजरीवाल सरकार फरिश्ते योजना में रोड एक्सीडेंट पीड़ितों का इलाज फ्री करवाती थी। स्वास्थ्य सचिव दीपक कुमार ने एक साल से इस योजना को बंद किया है। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई कि जनहित में योजना को फिर से शुरू करवाया जाए। दिल्ली सरकार ने कहा कि स्वास्थ्य सचिव पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने एलजी और स्वास्थ्य सचिव को नोटिस जारी किया है। इस योजना की शुरुआत दिल्ली में सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए लोगों की जान बचाने के मकसद से हुई थी। जिसे केजरीवाल सरकार ने 2018 में शुरू किया था। जिसके तहत कोई भी शख्स सड़क हादसे में घायल होता है तो उन्हें निजी अस्पताल में इलाज की सुविधा मिलती है। इसका पूरा खर्चा दिल्ली सरकार उठाती है।

दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में

- 28 इलाकों में एक्यूआई 300 पार

नई दिल्ली। राजधानी में मौसम के करवट लेने के बावजूद हवा बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। अधिकतर इलाकों में आबोहवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। शुक्रवार को एक बार फिर एनसीआर में दिल्ली की हवा सर्वाधिक प्रदूषित रही। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 324 दर्ज किया गया, जोकि बेहद खराब श्रेणी है। इसमें गुरुवार के मुकाबले चार सूचकांक की वृद्धि देखने को मिली है।

दिल्ली के बाद ग्रेटर नोएडा की हवा सर्वाधिक प्रदूषित रही। सुबह से हल्की धुंध के साथ कोहरा छाया रहा। 28 इलाकों में हवा बेहद खराब और आठ इलाकों में हवा खराब श्रेणी में रही। दिल्ली में हवा समग्र रूप से बेहद खराब श्रेणी में बनी रही। कमोबेश यही स्थिति सोमवार तक बने रहने का अनुमान है।

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक शुक्रवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चली। इस दौरान हवा की गति आठ से 12 किलोमीटर प्रतिघंटे रही। शनिवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। वहीं, हवा की गति 12 से 15 किलोमीटर प्रतिघंटे रहने के आसार है। सुबह के समय धुंध व कोहरा छाए रहने की आशंका है। ऐसे में हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी।

रविवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चलेगी। इस दौरान हवा की चाल आठ से 15 किलोमीटर प्रतिघंटे रहने का अनुमान है। सोमवार को हवा पश्चिम दिशा से चलने की आशंका है। इस दौरान हवा की गति छह से छह किलोमीटर प्रति घंटे रहने की उम्मीद है।

जेएनएल में सर्वाधिक रही प्रदूषित हवा

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक दिल्ली में शुक्रवार को 28 इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें जेएलएन में 386, जहांगीरपुरी में 373, नरेला व बवाना में 372, अलीपुर में 370, विवेक विहार में 363 व वजीरपुर में 362 सूचकांक दर्ज किया गया। साथ ही, आठ इलाकों में हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई। यहां ओखला फेस 2 में 300, सीरोफोर्ट में 295, श्री अरबिंदो मार्ग में 294, नजफगढ़ में 287, आईजीआई एयरपोर्ट टर्मिनल 2 में 283 व मथुरा रोड़ में 241 सूचकांक दर्ज किया गया, जोकि खराब श्रेणी है। सीपीसीबी के अनुसार फरीदाबाद में 261, गाजियाबाद में 275, नोएडा में 253, ग्रेटर नोएडा में 294 व गुरुग्राम में 242 एक्यूआई दर्ज किया गया।

श्राप दे दूंगा तो अखिलेश को पीलिया हो जायेगा: राजभर

लखनऊ। यूपी के हरदोई में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर करारा हमला बोला है। राजभर ने कहा कि वो भगवान शंकर के पुजारी हैं और उनके झंडे का रंग पीला है। अगर उन्होंने श्राप दे दिया तो अखिलेश यादव को पीलिया हो जाएगा और तब तक ठीक नहीं होगा जब तक वो सुभासपा का झंडा नहीं पकड़ेंगे। वहीं मंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि जब यूपी में विस्तार होगा तब वो भी मंत्री बनेंगे। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि हम भारतीय जनता पार्टी के साथ आए तो सबसे ज्यादा अगर किसी को तकलीफ है या किसी को कोई बीमारी ने पकड़ लिया है तो उसका नाम समाजवादी पार्टी है। राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव जी कान खोल कर सुन लो, तुमने हम लोगों का हिस्सा लूटा है अब वोट की तरफ देखने की कोशिश मत करना, नहीं तो यह ओमप्रकाश राजभर शंकर भगवान का पुजारी है, हमारे झंडे का रंग पीला है मन बनाकर श्राप दूंगा तो पीलिया हो जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी देश में खुशहाली और विकास की गारंटी: महापौर

गलीरा चौक से शुरु हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा' के दूसरे चरण की शुरुआत आज गलीरा चौक से महापौर डॉ.अजय कुमार, विधायक राजीव गुंबर, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, नगरायुक्त ग़ज़ल भारद्वाज, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, महानगर अध्यक्ष पुनीत त्यागी ने सरकार की योजनाओं की जानकारी तथा पंच प्रण शपथ के साथ की। विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन के माध्यम से सरकार की योजनाओं का भी प्रचार प्रसार किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी के लिए स्टाल भी लगाये गए। नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पीएम स्वनिधि के दस हजार ऋण प्राप्त करने वाले 10 लाभार्थियों व शहरी आजीविका मिशन में स्वरोजगार हेतु ऋण प्राप्त 4 लाभार्थियों तथा पीए शहरी आवास योजना में 50 हजार रुपये की प्रथम किस्त मिलने वाले 6 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण और प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में जिनके आवास पूर्ण हो चुके है, ऐसे दस लाभार्थियों को चाबी वितरण किया गया। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों

ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए मोदी और योगी सरकार का आभार जताया। इस अवसर पर आठ शिशुओं को अन्न प्राशन तथा पांच महिलाओं की गोद भराई रस्म भी की गयी। महापौर डॉ.अजय कुमार, विधायक राजीव गुंबर, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, नगरायुक्त ग़ज़ल भारद्वाज, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, महानगर अध्यक्ष पुनीत त्यागी, पूर्व अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा व शीतल बिश्नोई आदि ने शिशुओं को चम्मच से खीर खिलाकर अन्न प्राशन कराया जबकि पांच गर्भवती महिलाओं की गोद में फल व अन्य सामान देकर गोद भराई रस्म की गयी। महापौर डॉ.अजय कुमार ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ हर घर और वर्ग तक पहुंच रहा है। देश का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है जिस पर देश आगे न बढ़ा हो। रेहड़ी-पटरी लगाने वाले देश की अर्थ व्यवस्था की रीढ़ है, इसे पहचानकर प्रधानमंत्री मोदी ने उनके उत्थान के लिए पीएम स्वनिधि रोजगार ऋण रोजगार योजना शुरु की है, जिसका लाभ देश के करोड़ों लोगों को मिला है। प्रधानमंत्री मोदी देश में विकास और खुशहाली की गारंटी बनकर सामने आये हैं। महापौर ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को पंच प्रण शपथ भी दिलायी। नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी योजनाओं को साकार करने के अलावा योजना का पूरा लाभ उसके पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए बिचौलियों को खत्म करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी और योगी सरकार गरीब के स्वास्थय की चिंता के साथ ही उसके भोजन, पानी, बिजली और विकास की चिंता कर रही है, किसान, मजदूर, व्यापारी की हित चिंता कर रही है। भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी समाप्त हुई है। नगर विधायक ने कहा कि सहारनपुर में यूनिवर्सिटी बन चुकी है और बस अड्डा बनवाने का प्रयास किया जा रहा है। पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा ने कहा कि विकास का संकल्प धरा पर कैसे पूरा हो रहा है यह हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देख रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में नौवें स्थान से पांचवे स्थान पर आ चुकी है, वर्ष 2028 में तीसरे स्थान पर और जब भारत 2047 में आजादी के सौ साल का महोत्सव मना रहा होगा, तब भारत पहले नंबर पर विश्व की सबसे बड़ी

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, विवाहिता को मारकर लटका देने का लगाया आरोप

लखीमपुर खीरी। पढुआ के सिसैया निवासी विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मायके पक्ष ने विवाहिता को मारकर लटका देने का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोग और ससुराली पोस्टमार्टम हाउस पर ही एक-दूसरे से भिड़ गए। बहसबाजी और धक्का-मुक्की हुई। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद सलेमपुर कोन निवासी शत्रोहन ने बताया कि करीब सात माह पहले बेटी गायत्री की शादी पढुआ के सिसैया निवासी सूरज के साथ की थी। शादी के कुछ समय बाद ही ससुराली अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान करने लगे। बृहस्पतिवार को मौत का पता चला तो मायके पक्ष के लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। ससुरालियों पर मारकर लटका देने का आरोप लगाया। आरोप-प्रत्योराप के बीच मायके पक्ष और ससुरालियों में बहसबाजी होने लगी। धक्का-मुक्की भी हुई। मौजूद लोगों ने समझा-बुझाकर दोनों पक्षों को शांत कराया।

पेड़ से लटकती मिली लापता अधेड़ की लाश

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। झंडी पुलिस चौकी क्षेत्र के तमोलिनपुरवा गांव के पांच दिनों से लापता एक अधेड़ की लाश पेड़ से लटकती मिली। गांव से तीन किलोमीटर दूर लटके मिले शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तमोलिन पुरवा गांव का फूलचंद (50) रविवार से लापता था। उसके बेटे अनिल ने बताया कि उसके पिता रविवार शामघर से कहीं गए थे। जब वह रात तक वापस नहीं नहीं आए तो घरवालों ने उनको तलाश करना शुरू किया लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। गुरुवार को लोगों ने गांव से करीब तीन किलोमीटर दूर एक खेत में लगे शीशम के पेड़ से उनकी लाश तौलिए से लटकती देखी। देर शाम उसकी पहचान हो पाने के बाद घरवालों को सूचना मिली। घरवालों ने अज्ञात लोगों पर मारकर लटकाने की शंका जताई। सूचना पर पहुंचे झंडी पुलिस चौकी इंचार्ज ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। झंडी पुलिस चौकी प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इसके बाद मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी। तब आगे कार्रवाई की जाएगी।

पेंशन बहाली की मांग को लेकर कैंडल मार्च निकाला

लखीमपुर खीरी। अटेवा पेंशन बचाओ मंच ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कैंडल मार्च निकाला। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर अटेवा का संकल्प दिवस मनाया गया। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर लखनऊ में आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज में मारे गाए डॉ. राम आशीष सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। जिला संयोजक विश्वनाथ मौर्य ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन अब जन आंदोलन बन चुका है। संदीप वर्मा, राकेश मिश्रा, आभा शुक्ला, सतीश वर्मा, अनिल वर्मा ने संबोधित किया। शहर के विलोबी मैदान में कार्यक्रम के बाद कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च में तमाम लोग शामिल हुए।

बाघ ने ली युवक की जान

लखीमपुर खीरी। दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन और कतर्निया घाट के करीब जंगल से निकले बाघ ने मवेशी चरा रहे युवक पर हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। बाघ युवक को खींचकर जंगल की ओर ले जा रहा था, लेकिन किसानों के शोर मचाने पर भाग गया।

एक अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

लखीमपुर खीरी। मोहम्मदी मार्ग पर मनिकापुर पुलिस सहायता केंद्र के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से लगभग 35 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के काफी प्रयास करने पर पहचान नहीं हो पाई है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है यह व्यक्ति अक्सर इधर-उधर घूमा करता था मंदबुद्धि था जिसकी सड़क हादसे में आज यहां टक्कर से मौत हो गई। फरधान थानाध्यक्ष बृजेश कुमार मौर्य ने बताया कि पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पहचान के लिए जिला मुख्यालय मोर्चरी भिजवा दिया है।

माध्यमिक शिक्षा परिषद ने जिले में बनाये 96 परीक्षा केन्द्र

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा जिले में मानक के अनुरूप प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों एवं प्राप्त आपत्तियों के सम्बन्ध में बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षा प्रारम्भ होने से पहले ही सभी तैयारियां पूर्ण करा ली जाएं, ताकि शान्तिपूर्ण एवं व्यवस्थापूर्ण ढंग से बोर्ड परीक्षा सम्पन्न करायी जा सके।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र ने सभी एसडीएम एवं जिला विद्यालय निरीक्षक से प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परीक्षा केंद्रों का अंतिम रूप से चयन करने के लिए गठित टीम को प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों की मूलभूत सुविधाओं का सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी परीक्षा केंद्र का सत्यापन करने के समय मूलभूत सुविधाओं के साथ यह भी ध्यान रखा जाए कि परीक्षा सुचिता के साथ संपन्न हो सके। डीएम ने कहा कि परीक्षा केंद्रों के निर्धारण के संबंध में प्राप्त 96 आपत्तियों का अच्छे ढंग से निस्तारण किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा मानक के अनुरूप पाये जाने पर 96 परीक्षा केन्द्रों को प्रस्तावित किया गया है।

एसटीएफबरेली व थाना मण्डी पुलिस ने पकड़े महिला समेत पांच नशा तस्कर

15 किलो चरस, 3 मोबाइल फोन व 3300 रूपये नगद बरामद

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। एसटीएफ बरेली व थाना मण्डी पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही कर नशे के कारोबार में लिप्त दो महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 15 किलोग्राम चरस, 3 मोबाइल फोन, 3300 रुपये नकद बरामद हुए है।

पुलिस महानिदेशक उप्र के निर्देशन में प्रदेश भर में नशीले पद्धार्थ के सेवन से युवाओं को बचाने व नशीले पद्धार्थ की तस्करी करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ.विपिन ताडा के निकट पर्यवेक्षण में एसटीएफ बरेली उत्तर प्रदेश व थाना कोतवाली मण्डी की संयुक्त पुलिस टीम ने नशे के कारोबार में लिप्त अभियुक्त सूरज तिवारी पुत्र राजेस्वर तिवारी निवासी रामगढ़वा थाना रामगढ़वा जिला मोतिहारी बिहार, अब्दुल बहाब पुत्र शकूर अली निवासी ग्राम मिर्जापुर थाना मिर्जापुर, फरदीन पुत्र अब्दुल बहाब निवासी ग्राम

मिर्जापुर थाना मिर्जापुर जिला सहारनपुर, वीना देवी पत्नी स्व.हरी बकाली निवासी ग्राम थाना मझोलिया हाल निवासी रामगढ़वा जिला मोतिहारी बिहार तथा विंदा देवी पत्नी सतेन्द्र पांडेय निवासी रामगढ़वा थाना रामगढ़वा जिला मोतिहारी बिहार को मय करीब 15 किलोग्राम अवैध चरस व 3 मोबाइल फोन एवं 3300 रुपये नकद के साथ बेहट बस अड्डे के बाहर से गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व अपराध के सम्बन्ध में थाने पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया। अभियुक्तगणो को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पूछताछ करने पर अभियुक्त अब्दुल वहाब ने बताया कि वह तथा उसका लड़का फरदीन मिर्जापुर क्षेत्र चरस बेचना का काम करता है उसकी नेपाल के रहने वाले एक मास्टर से वार्ता होती है तथा वह अपना माल मास्टर से बात करके मांगवाता रहता है। चूंकि सूरज, बीना देवी व विंदा देवी नेपाल बार्डर के पास रामगढ़वा में रहते हैं। इसीलिए मास्टर सूरज तिवारी, वीना देवी व विंदा देवी से बात करके मेरा माल बिहार भेजता रहता है।

जहां से ये माल मुझे सहारनपुर लाकर पहुँचा देते हैं। मैं इन लोगो को 20 हजार रूपये माल लाने के लिए देता हूँ। किन्तु अबकी बार जैसे ही ये लोग बेहट अड्डे पर आये और मैं भी माल लेने के लिए बेहट अड्डे पर अपने बेटे फरदीन के साथ आया, तो माल के साथ पुलिस ने हम लोगो को पकड लिया। नशा तस्करों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राशिद अली स्पेशल टास्क फोर्स लखनऊ की फील्ड यूनिट बरेली, उपनिरीक्षक बिजेंद्र सिंह, महिला कांस्टेबल कंचन, मीनाक्षी, हैड कांस्टेबल संदीप कुमार एसटीएफ नितिन कुमार एसटीएफ शिव ओम पाठक एसटीएफ संजय यादव, कमाण्डो राम किशन वर्मा एसटीएफ बरेली यूनिट शामिल रहे।

एसएसपी ने पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण कर किया निरीक्षण

सहारनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ.विपिन ताडा ने आज पुलिस परेड की सलामी ग्रहण कर पुलिस लाईन परिसर व विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने दस्तावेजों की जांच कर उन्हें दुरूस्त रखने के निर्देश दिये।

रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड की सलामी ग्रहण करने के पश्चात एसएसपी डॉ.विपिन ताडा द्वारा पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ.विपिन ताडा ने रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड की सलामी ग्रहण करने के पश्चात पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण कर एमटी शाखा, जिम, बारबर शॉप, जीडी कार्यालय आदि का निरीक्षण कर क्वार्टर गार्ड में भी सलामी ली। तत्पश्चात पुलिसकर्मियो का अर्दली रूम लिया गया एवं सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

परीक्षा शुल्क में वृद्धि के विरोध में विश्वविद्यालय कुलपति का किया घेराव

सहारनपुर। परीक्षा शुल्क में वृद्धि व परीक्षा परिणाम में हो रहे विलम्ब के विरोध में आज महाराज सिंह कॉलेज सहित विभिन्न कॉलेज की छात्र-छात्राओं ने मां शाकम्भरी देवी विश्वविद्यालय के कुलपति का उनके कार्यालय में घेराव कर अपनी मांगों का निस्तारण कराये जाने की मांग की।

आज छात्र नेता वैभव शर्मा और शुभम गोयल के नेतृत्व में महाराज सिंह कॉलेज व अन्य कॉलेजों की छात्र-छात्राओं ने बढ़ी हुई परीक्षा शुल्क, परीक्षा परिणाम में देरी आदि समस्याओं को लेकर मां शाकुंभरी देवी विश्वविद्यालय के कुलपति का घेराव किया। वैभव शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा दुगनी परीक्षा शुल्क ली जा रही है जिसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शुभम गोयल ने कहा कि उन्होंने दो दिन पूर्व भी परीक्षा नियंत्रक को अवगत कराया था, परंतु ना तो फीस कम हुई ना ही परीक्षा परिणाम जारी करने हेतु कोई कार्रवाई की गई, जिस कारण छात्राओं में रोष है। छात्रों के आक्रोश को देखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर एचएस सिंह ने तुरंत ही परीक्षा पोर्टल को बंद कराया और जल्दी बैठक बुलाकर फीस पर निर्णय लेने का आश्वासन दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आश्वासन दिया कि सभी कॉलेजों के प्राचार्य की तत्काल बैठक बुलाई जाएगी, जिससे समय से परीक्षा परिणाम जारी हो सकें। प्रदर्शन करने वालो में रित्विक गोयल, आशु वालिया, वजाहत शरीफ सिद्धांत, साहिल जैन, प्रशांत पुंडीर, वैभव चौहान, आकांक्षा, इलमा, भावना, महक, भानु प्रताप, चेतन शर्मा, शिवा कुमार, अर्जुन तोमर, शिवम सैनी, आयुष पंवार, शुभम पुंडीर, अंकित कुमार, अनीशा, रोहित आदि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने तहसील सलोन स्थित कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गोवंशों को दिए जाने वाले चारे पानी की व्यवस्था देखी। साथ ही पशुओं के रहने के स्थान का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वहां उपस्थित कर्मचारियों को निर्देश दिया कि ठंड के मौसम में पशुओं को गर्म रखने की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। चरनी, नाद और पानी पीने के स्थान का निरीक्षण करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि पशुओं को साफ सुथरा और स्वच्छ जल ही मिले। चारा पंजिका का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि चारे का पर्याप्त स्टाक रखा जाए। जिससे कि किसी प्रकार की दिक्कत ना आने पाए।उपस्थित कर्मचारियों को निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि पशुओं के लिए हरे चारे की भी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि गोवंशों की समय से चिकित्साकीय जांच कराई जाए। पशुओ की मृत्यु होने पर परीक्षण कराने के उपरांत ही उनका उचित तरीके से प्रबंधन कराया जाए। गौशाला में साफ सफाई रखी जाए। इस बात का खास ध्यान रखा जाए की पशुओं के रहने के स्थान पर जल जमाव की समस्या उत्पन्न ना हो। रात्रि के समय गौशालाओं में केयरटेकर उपस्थित रहे। प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए।

ऑपरेशन के तहत रायबरेली पुलिस को व्यापारियों एवं संभ्रांत नागरिकों द्वारा 40 कैमरे उपलब्ध कराए गए

रायबरेली। अपराधियों पर नियंत्रण हेतु श्रीमान पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के आदेश के क्रम में ऑपरेशन दृष्टि चलाया जा रहा है जिसके तहत शहरों एवं गांवों के मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए जा रहे हैं जिससे प्रत्येक आपराधिक गतिविधी एवं अपराधियों पर सर्तक दृष्टी रखी जा सकेद्य 8 दिसम्बर को रायबरेली शहर क्षेत्र के व्यापारियों एवं संभ्रांत नागरिकों ने पुलिस कार्यालय रायबरेली आकर पुलिस अधीक्षक रायबरेली श्री आलोक प्रियदर्शी से मुलाकात की तथा क्षेत्राधिकारी नगर श्री अमित सिंह के नेतृत्व में रायबरेली पुलिस के सहयोगार्थ 40 स्मार्ट सीसीटीवी कैमरे सौंपे गए हैं । सभी सीसीटीवी कैमरे हाईटेक और नाइट विजन युक्त हैं जिनकी सहायता से आपराधिक गतिविधियों और अपराधियों पर सतर्क दृष्टि रखी जायेगी। रायबरेली पुलिस को सौंपे गए सभी 40 सीसीटीवी कैमरे शहर के महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थापित किए जायेंगे। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर श्री अमित सिंह, क्षेत्राधिकारी महराजगंज श्री यादवेन्द्र बहादुर पाल,क्षेत्राधिकारी श्री इन्द्रपाल सिंह,क्षेत्राधिकारी श्री अनिल कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। आपरेशन दृष्टि के तहत रायबरेली पुलिस जनपदवासियों की सुरक्षा में अब तक करीब 8000 सीसीटीवी कैमरे लगवा चुकी है।

पीएम आवास योजना में निर्मित होने वाले मकानों का किया भूमि पूजन

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित होने वाले मकानों की श्रंखला में आज एक दलित बस्ती में मकान निर्माण हेतु भाजपा नेताओं ने भूमि पूजन कराया और लाभार्थी के उज्जवल भविष्य की कामना की। आज सर्किट हाउस रोड स्थित दलित बस्ती में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के मकान बन रहे है, जिसके अंतर्गत श्रीमती उपदेश नामक महिला के मकान निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर विधायक राजीव गुम्बर ने नारियल फोडकर किया। नगर विधायक राजीव गुम्बर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबो को छत देने का काम किया गया। उन्होने कहा कि आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानो की नींव रखने और डूडा विभाग के माध्यम से इन लोगो को रुपये मिलने का काम हुआ है। जिससे ये लोग अपने मकान का निर्माण कार्य करेंगे। भूमि पूजन कार्यक्रम में पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा ने भाजपा की केन्द्र व प्रदेश सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओ के बारे मे बताकर देश के प्रधानमंत्री के द्वारा शुरु की गई प्रधानमंत्री आवास योजना की जमकर प्रशंसा की।

बिजली चोरी पकड़े जाने पर विद्युत विभाग की टीम पर हमला

सहारनपुर। बेहट कस्बे में चैकिंग के दौरान बिजली चोरी पकड़े जाने से गुस्साए युवक ने बिजली चैकिंग कर रही विद्युत विभाग की टीम पर हमला कर दिया। युवक ने कई कर्मचारियों के साथ जमकर मारपीट की जिससे दो कर्मचारी चोटिल हो गए। मामले को लेकर विद्युत विभाग के जेई की ओर से थाने में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की गई है। पुलिस द्वारा कार्यवाही ना किए जाने से खफा संविदकर्मियो ने भी शनिवार से हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है

दरअसल, बेहट बिजलीघर पर तैनात जेई राजेश कुमार, टीजी 2 मोहनलाल, लाइनमैन अफजाल मिर्जा, पुलकित कुमार, शक्ति सिंह व रविन्द्र के साथ बेहट कस्बे की इंदिरा कालोनी में चौकिंग कर रहे थे। जेई बेहट राजेश कुमार के मुताबिक चैकिंग के दौरान मन्नो रानी पत्नी इकराम के घर विद्युत चोरी पकड़ी गई। बताया जाता है कि बिजली चोरी पकड़े जाने से गुस्साए महिला मन्नो के बेटे ने बिजली विभाग की टीम पर हमला बोल दिया। जिसमे लाइनमैन अफजाल मिर्जा व रविन्द्र घायल हो गए। विद्युत विभाग के जेई बेहट राजेश कुमार ने कोतवाली बेहट में तहरीर देकर बिजली चोरी करने, सरकारी काम के बाधा डालने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। हालाकि अभी तक पुलिस की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई है जिससे बिजली विभाग के कर्मचारियों में रोष पनप रहा है। संविदा कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस द्वारा आरोपित पर कार्यवाही नही की गई तो वे शनिवार से हड़ताल पर रहेंगे । उधर, बिजली चोरी रोकने पर मारपीट करने का विडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कोई भी गोवंश निराश्रित ना रहेः उद्यान मंत्री

रायबरेली। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने निराश्रित गोवंशों/दुर्घटनाग्रस्त बड़े पशुओं के परिवहन हेतु वाहन को जिला पंचायत कार्यलय से हरी झंडी दिखाकर ऊंचाहार के लिए रवाना किया। इस वाहन का इस्तेमाल दुर्घटनाग्रस्त पशुओ को शीघ्र चिकिसकीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि कोई भी पशु निराश्रित ना रहे। इन पशुओं को आश्रय स्थलों में रखा जाए। जहां पर इनका उचित तरीके से चिकित्साकीय परीक्षण किया जाए। साथ ही उनके भोजन, पानी और रहने के स्थान की व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर सी.डी.ओ पूजा यादव ,जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी, अपर मुख्य अधिकारी धर्मेंद्र कुमार व जिला पंचायत सदस्यगण उपस्थित रहे।

जरूरत मंदों की सहायता करना यह एक अनुकरणीय कार्य है

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। वर्तमान के परिवेश में बहुत लोग अपने माता पिता की सेवा न करके उनसे विमुख हो उन्हें वृध्दाश्रम में छोड़ रहें हैं, वहीं दिनेश सिंह राठौर द्वारा अपने गांव को तीर्थ मानकर अपनी माता जी की स्मृति में जिले की प्रतिभाओं व छात्र छात्राओं,का सम्मान किए जाना? जरूरत मंदों की सहायता करना यह एक अनुकरणीय कार्य है, और इससे दूसरों में भी संस्कार संस्कृति सभ्यता का संचार होता है,यह उद्गार अलीपुर गांव में मात्र छाया फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में पहुंचे मौनी महाराज उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए व्यक्त कर रहे थे। आपको बता दें कि अलीपुर गांव के रहने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश सिंह राठौर द्वारा अपनी पूज्य माताजी की पुण्यतिथि पर प्रत्येक वर्ष अनेका अनेक सामाजिक कार्य किए जाते हैं, उसी क्रम में शुक्रवार को पूज्य माता जी की छठवीं पुण्य तिथि पर मातृ छाया फाउंडेशन के तत्वाधान में वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश सिंह राठौर द्वारा जिले की प्रतिभाओं को पुरस्कृत करते हुए उनका उत्साह वर्धन किया गया वहीं जरूरतमंदों को कंबल आदि भी वितरित किए गए एवं निशुल्क चिकित्सा की भी व्यवस्था कार्यक्रम में की गई थी। इस दौरान डलमऊ मठ के मठाधीश देवेंद्र नाथ गिरि ने भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमलेश मिश्रा क्षेत्रीय अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह, बंटी सिंह स्वयंसेवक संघ अयोध्या पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह, परम सिंह स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय कार्यवाह, वीरेंद्र सिंह भदोरिया, डॉ बृजेंद्र सिंह राणा, जिलाध्यक्ष बुद्धि लाल पासी, पूर्व जिला अध्यक्ष अजय त्रिपाठी, पूर्व जिला अध्यक्ष आरबी सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दिलीप यादव समेत क्षेत्रीय गणमान्य मौजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से लोगों में आई सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूकता

पात्र व्यक्तियों को मिल रहा हैं सरकार की योजनाओं का लाभ

अवधनामा संवाददाता

गाजियाबाद। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन ग्राम खिंडौरा में विधायक श्रीमती मंजू शिवाच व ग्राम मतौर में ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी मुख्य अतिथियों की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के शुरूआत में माननीय प्रधान मंत्री जी का रिकार्ड किया गया संदेश, विकसित भारत के लिए संकल्प वीडियो, प्रारम्भिक चलचित्र का प्रसारण किया गया। तदोपरांत योजनाओं के सफल लाभार्थियों द्वारा अपने अनुभव साझा किया गया। जिसमें ग्राम प्रधान ने अपने विचार साझा किये। उन्होने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा से हर एक विभाग की उपलब्धियां दिखाई दे रहीं है। विकसित भारत संकल्प यात्रा से लोगों में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के प्रति जागरूकता आई है जिससे पात्र व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा हैं। कृषि गतिविधियों पर सत्र ड्रोन प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर प्रगतिशील किसानों के साथ बातचीत की गयी। जिसमें किसान सुशील त्यागी व किसान फतेह सिंह ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को खेती करने में सहायता मिलती है। महिला एसएचजी सदस्यों/स्कूली छात्रों/स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दिल है हिन्दुस्तानी, स्वच्छता गीत आदि सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं, स्थानीय खिलाड़ियों आदि का अभिनंदन करते हुए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिसमें छात्रों एवं छात्राओं को सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत की उपलब्धियों का जश्न- भूमि रिकॉर्ड का 100त्न डिजिटलीकरण, ओडीएफ+ स्थिति, जल जीवन मिशन की संतृप्ति, आदि पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की गयी।

स्वास्थ्य शिविर (टीबी स्क्रीनिंग, जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग) के शिविर लगाकर जांच की गई, पीएम उज्ज्वला के अलावा कार्यक्रम में राजस्व विभाग, ग्राम्य विकास ?विभाग, सहकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, अग्रणी जिला प्रबन्धक, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, आपूर्ति एवं विपणन विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, पुलिस प्रशासन सहित अन्य विभागों द्वारा स्टाल लगाकर जनमानस की समस्याओं सुना गया और सुझावों पर विचार किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से किसानों छात्राओं सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

अवधनामा संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद-गाजियाबाद के समस्त शहीद / भूतपूर्व आश्रितों व समस्त नागरिकों को सूचित किया जाता है कि जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, गाजियाबाद व मेजर जनरल ए0 जे0बी0 जैनी, अध्यक्ष जिला सैनिक बन्धु बैठक द्वारा आज दिनाँक 07 दिसम्बर 2023 को जिलाधिकारी कार्यालय में श्री राकेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी, गाजियाबाद को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के शुभ अवसर पर प्रतीक चिन्ह लगाकर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का शुभारम्भ किया गया और जिलाधिकारी द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस-2023 पुस्तिका का विमोचन भी किया। उसके पश्चात जिलाधिकारी, गाजियाबाद द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर आर्थिक दान दिया। उसके बाद जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (ई), अपर जिलाधिकारी (एल.ए.). अपर जिलाधिकारी (नगर), गाजियाबाद व जिला विकास अधिकारी, गाजियाबाद को प्रतीक चिन्ह लगाकर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस की शुभकामनायें दी । इस अवसर पर कार्यालय के श्री पवन कुमार, प्रभारी वरिष्ठ लिपिक, श्री जगदीश प्रसाद, कनिष्ठ सहायक, श्री विनोद कुमार, कनिष्ठ सहायक, श्रीमती सविता देवी, कनिष्ठ सहायक, श्री पवन, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तथा कुछ भूतपर्व सैनिक मौजूद रहें।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रतिभागियों की संया 1 करोड़ से अधिक हुई

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 नवंबर को झारखंड के खूंटी से शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा देश भर में नागरिकों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने वाला एक परिवर्तनकारी अभियान बनकर उभरी है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा विकसित किए गए कस्टमाइज्ड पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार, 7 दिसंबर,23 तक यह यात्रा 36,000 से अधिक ग्राम पंचायतों तक पहुंच चुकी है और 1 करोड़ से अधिक नागरिकों की भागीदारी इसमें देखी गई है। भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश 37 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी के साथ इसमें सबसे आगे है। इसके बाद महाराष्ट्र में 12.07 लाख और गुजरात में 11.58 लाख लोगों ने भाग लिया। इस यात्रा को जम्मू-कश्मीर में भी जोश भरा स्वागत मिला है, जहां से अब तक 9 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं।

हर गुजरते दिन के साथ लोगों की भागीदारी में और तेजी आई है। संकल्प यात्रा के पहले सप्ताह के दौरान 500,000 नागरिकों की भागीदारी देखी गई। पिछले 10 दिनों के दौरान देश भर से 77 लाख से अधिक लोगों ने इस यात्रा में भाग लिया। बहुत ही कम समय में, यह यात्रा शहरी क्षेत्र में 700 से अधिक स्थानों तक पहुंच गई है और कुल 79 लाख लोगों ने संकल्प लिया कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रयास करेंगे।

एक अभूतपूर्व आउटरीच प्रयास में यह यात्रा सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैनों का उपयोग करके 2.60 से अधिक ग्राम पंचायतों और 3600 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों को कवर करने की ओर बढ़ रही है। इन वैनों के जरिए लोगों से आह्वान किया जाता है कि वे अपने लाभ के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग करें। इस यात्रा का एक केंद्रीय बिंदु महिला-केंद्रित योजनाओं को लेकर जागरूकता बढ़ाना है जिसके चलते 46,000 से अधिक लाभार्थियों ने पीएम उज्ज्वला योजना के लिए नामांकन किया है। स्वास्थ्य शिविर भी एक बड़ा आकर्षण साबित हुए हैं और अब तक 22 लाख व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के हिस्से के रूप में किसानों के लिए किए गए ड्रोन प्रदर्शनों ने काफी उत्सुकता पैदा की है। ड्रोन दीदी योजना के तहत 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान किए जाएंगे और दो महिला सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके शुभारंभ के साथ ही बड़ी संख्या में महिलाएं ड्रोन उड़ानों को देखने के लिए आगे आ रही हैं। ये समूह एक शुल्क लेकर ड्रोन सेवाओं को किराए पर देंगे, जो कि इन स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए राजस्व के एक और जरिए के रूप में काम करेगा।

डाक्टर लक्ष्मण यादव को बहाल किया जाने की मांग

अवधनामा संवाददाता

कानपुर। भारतीय दलित पैंथर के बैनर तले डॉ.जाकिर हुसैन कॉलेज डी.यू.से डॉक्टर लक्ष्मण यादव को निष्कासित किए जाने के संबंध में राष्ट्रपति प्रधानमंत्री और राज्यपाल व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा और डाक्टर लक्ष्मण यादव को बहाल किया जाने की मांग की। ज्ञापन दे रहे पैंथर धनीराम बौद्ध(प्रदेश अध्यक्ष भारतीय दलित पैंथर उ प्र) का कहना है कि प्रोफेसर डॉक्टर लक्ष्मण यादव जी 14 वर्षों से दिल्ली विश्व विद्यालय के डॉ जाकिर हुसैन कॉलेज में अपनी सेवाएं दे रहे थे जिस प्रकार से साक्षात्कार की आड़ में डॉ लक्ष्मण यादव जी को निष्कासित किया है।

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी गयी श्रद्धांजलि

अवधनामा संवाददाता

कानपुर। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी की श्रद्धांजलि सभा ज्योती हाईट्स अपार्टमेंट निकट बारादेवी चौराहा में सम्पन्न हुई। श्रद्धांजलि सभा में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय के.के.दीक्षित को श्रद्धांजलि दी गयी। स्वर्गीय दीक्षित का निधन हृदय गती रूकने के कारण 24 नवम्बर को हो गया था। के.के.दीक्षित ने दिव्यांगजनो को राजनैतिक भागीदारी दिलाने के लिए राष्ट्रीय विकलांग पार्टी का गठन 2005 में किया था। पार्टी तब से लोकसभा, विधानसभा नगर निकाय, नगर पंचायतों में दिव्यांगजनो व किन्नर समाज के लोगों को चुनाव लड़वा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने श्रद्धांजलि सभा में कहा कि के.के.दीक्षित के निधन से अपूर्णीय छती हुयी है। हमने एक मार्ग दर्शक खो दिया है। दीक्षित की कमी हमें सदैव महसूस होती रहेगी। उन्होंने कहा की स्वर्गीय दीक्षित के कारवां को आगे बढाने का काम पार्टी करेगी। आज श्रद्धांजलि सभा में देश व प्रदेश के कोने कोने से पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार के अलावा प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, मण्डल अध्यक्ष अशोक कुमार, गुडडी दीक्षित, वैभव दीक्षित, गौरव कुमार, अर्जुन कुमार, राम कुमार गुप्ता सहित सैकड़ों लोग सामिल थे।

बेसिक बाल क्रीड़ा समारोह के दूसरे दिन नौगढ़ व इटवा में टक्कर

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। 31वें बेसिक बाल क्रीड़ा समारोह के दूसरे दिन शुक्रवार को मैदान में इटवा व मेजबान नौगढ़ तहसील के बीच कड़ा मुकाबला रहा जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रम में इटवा का दबदबा रहा। जूनियर 600 मीटर बालक वर्ग में बांसी के आनंद प्रथम व इटवा के शिवम द्वितीय रहे जबकि बालिका वर्ग में नौगढ़ की प्रीति यादव प्रथम व बांसी की अंकिता द्वितीय रही। 200 मीटर बालक वर्ग में नौगढ़ के आमोद प्रथम व शोहरतगढ़ के रामजीत द्वितीय रहे। बालिका वर्ग में इटवा की नैंसी प्रथम व नौगढ़ की प्रीति द्वितीय रही। बालिका वर्ग वालीबाल में नौगढ़ ने इटवा को पराजित किया। प्राथमिक बालक वर्ग के 100 मीटर दौड़ में इटवा के अखिलेश प्रथम व विशाल द्वितीय रहे। 200 मीटर में नौगढ़ के पवन प्रथम व शोहरतगढ़ के सुलेमान द्वितीय रहे जबकि 100 व 200 मीटर में इटवा के आर्शिद व बांसी की पुनीता द्वितीय रही। इसके पूर्व गुरुवार की रात में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में जूनियर बालक वर्ग के लोकनृत्य व एकांकी में इटवा अव्वल रहा। बालिका वर्ग के लोकगीत में इटवा व समूहगान में डुमरियागंज प्रथम रहे। प्राथमिक बालक वर्ग के लोकगीत व एकांकी में इटवा ने बाजी मारी। निर्णायक मंडल में उपेंद्र उपाध्याय, गुलाम हुसेन, रवींद्र सिंह गुर्जर, रामशंकर पांडेय, सुग्रीम, राजकुमार, बसंतु व सुनील सम्मिलित रहे।

बिल्हौर में स्थित राजकीय धान क्रय केंद्र चौबेपुर का औचक निरीक्षण किया

अवधनामा संवाददाता

कानपुर नगर। जिलाधिकारी विशाख जी. द्वारा आज तहसील बिल्हौर में स्थित राजकीय धान क्रय केंद्र चौबेपुर का औचक निरीक्षण किया गया। क्रय केंद्र चौबेपुर में धान खरीद हेतु 02 धान क्रय केंद्र स्थापित हैं। दिनांक-08.12.2023 तक प्रथम केन्द्र पर 68 किसानों से 3012.80 कुन्तल तथा द्वितीय केन्द्र पर 63 किसानों से 3413.60 कुन्तल धान खरीद की गयी है। निरीक्षण के दौरान दोनों धान क्रय केंद्र में क्रय प्रक्रिया संचालित पाई गई। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित किसानो से संवाद स्थापित किया गया तथा किसानों से फसलों के विक्रय में आ रही किसी भी प्रकार की समस्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। धान विक्रय कर चुके कृषक रामपाल पुत्र सत्यचरन से फोन से वार्ता की गयी जिसमें कृषक द्वारा धान तौल स्वीकार किया गया तथा किसी भी प्रकार की असुविधा से इन्कार किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा क्रय केन्द्र पर उपस्थित अपर जिलाधिकारी आपूर्ति एवं क्रय केंद्र प्रभारी को निम्न निर्देश दिए गए अपर जिलाधिकारी, आपूर्ति यह सुनिश्चित करें कि जनपद के समस्त धान क्रय केंद्रो में विक्रय हेतु आने वाले किसानों को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो तथा फसल विक्रय करने वाले किसानों को भुगतान शीघ्र कराया जाए।

दिनदहाड़े ज्वेलर्स से हुई लूट की घटना का खुलासा

लूट के माल सहित तीन गिरफ्तार चौथ फरार

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र में 15 दिन पूर्व हुई दिनदहाड़े सर्राफा व्यवसाई की दुकान से लूट की घटना का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और एसपी सिटी और क्षेत्राधिकार नगर की सुपरविजन में थाना सदर बाजार पुलिस थाना कोतवाली पुलिस स्वाट टीम और सर्विलेंस टीम नए संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट का माल सोने चांदी के आभूषण, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और अवैध असला बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे ने बताया थाना सदर बाजार क्षेत्र के अंतर्गत 21 नवंबर को नरसिंहपुरम स्थित ज्वेलर्स की दुकान में नकाब पोषधारक बदमाशों ने एकांत माहौल देखकर घुस गये दुकान मालिक को तमंचे की नौक पर लेकर दुकान में रखें करीब 50 ग्राम सोने और 3 किलो500 ग्राम चांदी के आभूषण लूट कर ले गए पीड़ित ने शोर मचाया तो बदमाशों ने उसके ऊपर फायरिंग कर दी घटना की सूचना मिलती है पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया घटना की रिपोर्ट पीड़ित अभिषेक पुत्र संजीव वर्मा निवासी नर्सीपुरम थाना सदर बाजार मथुरा ने अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को दर्ज करते हुए सीसीटीवी कैमरे और अन्य जांच में कार्तिक पटेल उर्फ पपला गुर्जर पुत्र राजवीर पटेल निवासी आजमपुर थाना रिफाइनरी अरविंद पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम अवेरनी थाना बलदेव और सौरभ चौधरी पुत्र विनोद कुमार निवासी नगला भरऊ थाना राया के नाम प्रकाश में आए की सूचना पर सिंचाई विभाग की खाली जमीन कच्चा रास्ता औरंगाबाद से 7 दिसंबर की शाम को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट का 90व मॉल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के अलावा असलाह बरामद किया है । बदमाशों का साथी दिनेश पुत्र भूरी सिंह निवासी रदोई थाना बलदेव फरार बताया जा रहा है जिसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है। एसएसपी ने पुलिस पार्टी को 25 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली रवि त्यागी प्रभारी स्वाट टीम अभय कुमार शर्मा प्रभारी सर्विलांस सेल विकास कुमार उपनिरीक्षक अमित कुमार त्यागी, सुनील कुमार सहित दो दर्जन पुलिसकर्मी शामिल रहे पत्रकार वार्ता के दौरान एसपी सिटी एमपी सिंह क्षेत्राधिकार नगर मौजूद रहे ।

शासन ने दिया छात्रवृत्ति आवेदन का एक और मौका

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेंद्र पाल सिंह ने बताया है उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर जनपद में विभिन्न शिक्षण संस्थानों और विद्यालय में अध्यनरत कक्षा 9 और 10 के छात्र-छात्राएं वित्तीय वर्ष के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन नहीं कर पाए हैं ऐसे छात्रों को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए सरकार ने एक मौका और दिया है जिसके माध्यम से समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित ऑनलाइन आवेदन करने के उपरांत जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय में भी प्रस्तुत कर सकते हैं जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय से पासवर्ड प्राप्त कर नवीन संस्थाएं और डाटा भी इसमें संपूर्ण सूचनाऐ भरकर 8 दिसंबर से 11 दिसंबर तक समय सारणी निर्धारित की गई है जिला समाज कल्याण अधिकारी के अनुसार जनपद में संचालित समस्त पूर्वदशम कक्षा 9 व 10 शिक्षण संस्थानों को समय रहते निर्गत समय सारणी को संज्ञान में रखते हुए शिक्षण संस्थान में अध्यनरत कक्षा 9 और 10 के छात्रों को ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन पत्र भरवाना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व प्रशासन, राजस्व कार्यो, राजस्व वादों, आईजीआरएस, लोकसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों तथा, खाय सुरक्षा/खाद्य एवं रसद विभाग विभाग के कार्यो की समीक्षा बैठक ली। जिलाधिकारी ने निर्धारित लक्ष्य से कम वसूली करने वाले अधिकारियों को चेतावनी दी है कि भविष्य में लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए, अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने एडीएम वित्त एव राजस्व योगानंद पांडेय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दूबे सहित सभी एसडीएम और तहसीलदारों के साथ राजस्व वसूली एवं कर करेत्तर की मासिक समीक्षा की। प्रत्येक दशा में शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तहसील दिवसों में प्राप्त शिकायतों को प्रत्येक दशा में निर्धारित अवधि में गुणवत्ता परक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के माध्यम से आनलाइन प्राप्त होने वाली शिकायतों की भी जिलाधिकारी ने समीक्षा की। वहीं, जिलाधिकारी कार्यालय से भेजी गई तहसील दिवसों से प्राप्त एवं मंडलायुक्त के स्तर से प्राप्त होने वाली सभी शिकायतें का निस्तारण ससमय किया जाए।

अभियान चलाकर लिए जाएं खाद्य पदार्थों के नमूने

जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों सहित सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य तेलों, मसालों, दूध पनीर, घी, मिठाई आदि के नमूने अभियान चलाकर लिए जाएं। जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों के अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि उनके नगर क्षेत्र में प्रमुख मार्गो पर अतिक्रमण नहीं होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

प्रति विवाह पर 51 हजार रूपये होते हैं खर्च

कुशीनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में एक जोड़े के विवाह पर 51 हजार रूपये खर्च होते हैं। इसमें 35 हजार रूपये युवती के खाते में दिए जाते हैं, 10 हजार रूपये सामान पर खर्च होते हैं तथा 6 हजार रूपये प्रति विवाह आयोजन पर खर्च होता है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह आज, 13 सौ से ज्यादा हुआ है आवेदन

कुशीनगर। जिला समाज कल्याण अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह बुद्धा पार्क रविन्द्रनगर धूस, कुशीनगर में आज शनिवार को आयोजित होगा। समाज कल्याण विभाग को 1300 से अधिक आनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने समस्त आवेदकों को अवगत कराया है कि वर पक्ष सहित दिनांक 09.12.2023 को बुद्धा पार्क रविन्द्रनगर धूस कुशीनगर में प्रातः 08ः00 बजे उपस्थित होकर सामूहिक विवाह में सम्मिलित होने का कष्ट करें।

तुर्कपट्टी व गुरवलिया में खाद्य पदार्थों की हुई जांच, 31 नमूनों में 13 फेल

कुशीनगर। सहायक आयुक्त खाद्य-।। ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन जनपद कुशीनगर के द्वारा आज फूड सेफ्टी ऑन व्हील के माध्यम से खाद्य पदार्थों की जॉच जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर खाद्य पदार्थो के नमूनों की जॉच करते हुए खाद्य पदार्थो के मिलावट के प्रति आम जनमानस को जागरूक किया गया, जिसमें खाद्य सुरक्षा से सम्बन्धित हाईजीन, सैनीटेशन, पैक्ड खाद्य पदार्थो मे लेबलिंग तथा न्यूट्रीशन व फोर्टीफिकेशन सम्बन्धित जानकारी खाद्य कारोबारकर्ताओं व आम जनमानस को दी गई। उन्होंने जॉच की गई नमूनों के सम्बन्ध में बताया कि तुर्कपट्टी बाजार व गुरवलिया बाजार में मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्ट्स के 02 नमूने लिए गए जो सभी मानक के अनुरूप सही पाए गए। इसी प्रकार मिठाई और नमकीन के 17 नमूने लिए गए जिसमे 09 मानक के अनुरूप पाए गए एवं 08 मानक के विपरीत पाए गए। स्पाइस के 06 नमूने लिए गए जिसमे 04 सही और 02 मानक के विपरीत पाए गए। इसी प्रकार सीरियल अनाज के 02 नमूने लिए गए जो सभी सही पाए गए। ऑयल घी वनस्पति का 01 नमूना लिया गया जो सही पाया गया। अन्य खाद्य पदार्थो के तीन नमूने लिए गए जो सभी मानक के विपरीत पाए गए। इस प्रकार कुल 31 नमूने संग्रहित किए गए जिसमें जॉच के दौरान कुल 18 नमूना पास पाए गए, तथा 13 नमूने फेल पाए गए।

गतिशील कृषक व ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन दिल्ली में हुए सम्मानित

उरई (जालौन)। प्रगतिशील कृषक व ब्लाक प्रमुख रामराजा निरंजन को मिलेनियम फार्मर आफ इंडिया अवार्ड 2023 से दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। अवार्ड मिलने पर नगर व क्षेत्र के लोगों ने उन्हें बधाई दी है। प्रगतिशील कृषक रामराजा निरंजन खेती में नवाचार को अपनाते हैं। खेती में फसल की पैदावार से लेकर उसकी गुणवत्ता पर भी ध्यान देते हैं। उन्नत बीज अन्य किसानों को भी उपलब्ध कराते हैं। कृषि में नवाचार के माध्यम से किसानों के लिए प्रेरणा बनने वाले किसानों को सरकारी संस्था भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान दिल्ली के माध्यम से सम्मानित किया जाता है। ऐसे किसान जिन्होंने कृषि क्षेत्र में विशेष कार्य किया हो और कृषि से होने वाली आय से करोड़पति बने हों उन्हें मिलेनियम फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया जाता है। ऐसे में प्रगतिशील कृषक व ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन को वर्ष 2003 अवार्ड के लिए चुना गया। संस्थान द्वारा चयनित किए गए किसानों को दिल्ली में आयोजित भव्य कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। गुजरात के राज्यपाल देवव्रत आचार्य ने प्रगतिशील किसान रामराजा निरंजन को प्रशस्ति पत्र के साथ शील्ड देकर सम्मानित किया गया। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित होकर उन्होंने नगर का नाम रोशन किया है। रामराजा निरंजन ने बताया कि छह दिसंबर को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें गुजरात के राज्यपाल द्वारा यह सम्मान दिया गया। उन्हें मिले इस सम्मान से अन्य किसान भी प्रेरणा लेंगे और कृषि क्षेत्र में प्रगति कर अपनी आय बढ़ा सकेंगे।

सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा के अथक प्रयास से तीन नई सड़कों के निर्माण की मिली मंजूरी

उरई (जालौन)। भाजपा के उरई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा विधानसभा क्षेत्र का विकास कराने के मामले में अन्य विधायकों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होने अपने क्षेत्र का विकास कराने में कोई कोताही नहीं बरती है यहीं कारण है कि भाजपा सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा क्षेत्र की जनता के चहेते बनते दिखाई देने लगे है। अभी हाल ही में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा के अथक प्रयास से उनकी मेहनत रंग लाई है जिन्होंने विधानसभा क्षेत्र की तीन नई सड़कों को स्वीकृत करवाये जाने का काम कर दिखाया है। जिनमें डकोर विकास खंड क्षेत्र के ग्राम कुसमिलिया से चिल्ली सम्पर्क मार्ग जिसकी लम्बाई 1.5 किलोमीटर और लागत 99.06 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत करवाई है जबकि बरसार कमठा से सिकरी व्यास सम्पर्क मार्ग लम्बाई 3.77 किलोमीटर लागत 240.48 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत करवाई इसी क्रम में विधानसभा क्षेत्र उरई-जालौन रोड़ से नहर पटरी होते हुए करसान सम्पर्क मार्ग लम्बाई 2.50 किलोमीटर लागत धनराशि 119 लाख रुपए की स्वीकृति करायीं गई। बताते चले कि इन क्षेत्रों में सड़कों का नामोनिशान तक नहीं था तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों आवागमन में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता था। क्षेत्रीय विधायक के अथक प्रयास से इन क्षेत्रों के रहने वाले ग्रामीणों को जरूर राहत मिलेगी।

बुद्धा घाट व पाथवे का डीएम ने किया निरीक्षण, सफाई का दिया निर्देश

अवधनामा संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर स्थित बुद्धा घाट (रामाभार स्तूप के निकट) हिरण्यवती नदी घाटों पर बने पाथवे का निरीक्षण जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अंकिता जैन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद कुशीनगर के ईओ से बुद्धा घाट व नदी के निकट कराए गए विकास परक निर्माण कार्यों एवं आसपास की साफ सफाई की जानकारी ली। जिलाधिकारी द्वारा स्वयं बुद्धा घाट हिरण्यवती नदी के घाटों पर बने पाथवे का निरीक्षण बुद्धा घाट से लेकर देवरिया रोड तक किया गया। जिलाधिकारी ने 2 सप्ताह के अंदर पाथवे के इर्द गिर्द फैली गन्दगी की उचित साफ सफाई कराने तथा हिरण्यवती नदी में उगे जलकुंभी व

शैवालों को साफ सफाई कराते हुए सौदर्यीकरण कराने हेतु ईओ कुशीनगर, नगर पा.प. कुशीनगर अध्यक्ष को निर्देशित किया। उन्होंने नदी में नियमित रूप से साफ पानी बने रहने तथा साफ सफाई के प्लान पर विस्तृत चर्चा की तथा विशेषज्ञों के सलाह उपरांत विस्तृत कार्य योजना बनाकर समक्ष प्रस्तुत करने के भी निर्देश ईओ कुशीनगर को दिए। उन्होंने कहा की इसकी नियमित रूप से उचित साफ सफाई होनी चाहिए ताकि पर्यटन हेतु आए पर्यटकों और आस पास के निवासियों के लिए यह आकर्षण का केंद्र बन सकें।

तीर्थराज नहर का भी डीएम ने किया निरीक्षण

इसी क्रम में पानी की कनेक्टिविटी को जोड़ने के परिदृश्य से कुशीनगर स्थित बाबा साहब आप्टे नगर, तीर्थराज नहर का भी निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने नहर का सर्वे कर संपूर्ण रिपोर्ट समक्ष प्रस्तुत करने हेतु उपजिलाधिकारी कसया को निर्देशित किया।

डुडा के तहत अशेष आवासों का निर्माण शीघ्र : आदेश कुमार

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। डिप्टी कलेक्टर/ जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) आदेश कुमार ने अवगत कराया है कि डूडा विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत अवशेष अनारम्भ आवासों का निर्माण कराये जाने हेतु 08 से 10 दिसम्बर के मध्य भूमि पूजन कार्यक्रम जनपद मथुरा में आयोजित किया जा रहा है। अभियान में नगर निकाय स्तर पर जनप्रतिनिधि अध्यक्ष, सम्बन्धित नगर पंचायत एवं अधिशासी अधिकारी इत्यादि की उपस्थिति में वृहद स्तर पर भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित कराया जा रहा है। इसके क्रम में आज नगर पंचायत बरसाना में भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया, जिसमें पदम सिंह फौजी चेयरमैन प्रतिनिधि-नगर पंचायत बरसाना, सभासद, अधिशासी अधिकारी एवं डूडा स्टाफ उपस्थित रहा। जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत कुल 38739 आवास स्वीकृत हैं, जिसके सापेक्ष 29700 आवास पूर्ण किए चुके है, शेष आवासों पर निर्माण कार्य पूर्ण कराने की कार्यवाही की जा रही है।

संयुक्त विकास आयुक्त ने किया अधिक ग्राम पंचायत का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश के अनुपालन में आगरा मंडल के संयुक्त विकास आयुक्त ने मथुरा जनपद की गोवर्धन विकासखंड के अडिंग पंचायत का निरीक्षण किया। पंचायत के अंतर्गत हुए विभिन्न कार्यो को देखकर उनकी गुणवत्ता और साफ सफाई से प्रभावित होकर पंचायत सेक्रेटरी के कार्य की सराहना की गई। जानकारी के अनुसार संयुक्त विकास आयुक्त आगरा मंडल शशिमोली मिश्र शासन की मनसा के अनुरूप शुक्रवार को अचानक अडीग ग्राम पंचायत का निरीक्षण करने पहुंचे। सूचना पाते ही खंड विकास अधिकारी गोवर्धन अश्वनी कुमार अपने अधीनस्थों के साथ मौके पर पहुंच गए संयुक्त विकास आयुक्त ने ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्य के अंतर्गत पंचायत सचिवालय लाइब्रेरी कंप्यूटर रूम ओपन जिम अमृत सरोवर सीसी रोड का वृक्षारोपण और गोलमेज सभा कक्ष का निरीक्षण किया गांव में साफ सफाई की स्थिति और विकास कार्यो की गुणवत्ता स्वच्छता और सुंदरता को निहार कर गद-गद हो गए संयुक्त विकास आयुक्त ग्राम प्रधान स्नेहलता और पंचायत सेक्रेटरी रामवीर सिंह के प्रयासों की सराहना की निरीक्षण के दौरान पंचायत सेक्रेटरी ज्वाला सिंह प्रधान प्रतिनिधि अमित रावत पंचायत सदस्य वीरेंद्र यादव,भोला सिहोरा, रईस खान, मुकेश, परशुराम गोला के अलावा ग्रामीण नरेंद्र सैनी, होशियार सिंह सैनी, ललन अंकुश अग्रवाल, कुंज बिहारी गर्ग, दिनेश यादव, दिनेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, बंसी त्रिपाठी आदि भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सुनसान मकान को चोरों ने खंगाला, नगदी समेत लाखों के गहने ले उड़े

हाटा कोतवाली क्षेत्र के मुजहना रहीम वार्ड नंबर दो का मामला

अवधनामा संवाददाता

हाटा कुशीनगर। नगर पालिका के वार्ड नंबर दो मुजहना रहीम में चोरों ने एक सुनसान मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवर चुरा लिया। इससे पहले भी इसी मुहल्ले में चोरी हो चुकी थी। लगातार हो रही चोरी से वार्ड के लोगों में दहशत का माहौल है। उधर पुलिस के कार्यप्रणाली पर तरह तरह के सवाल उठ रहे है। मिली जानकारी के अनुसार हाटाङ्ककसानगंज मार्ग पर मुजहना रहीम में सड़क के किनारे मनजीत कुमार सिंह वार्ड नंबर दो की मकान है। वे गुरुवार को मकान का ताला लगा कर कहीं चले गए थे। शुक्रवार को आने पर देखा तो ताला टूटा हुआ था और उनके घर में रखे मंगल सूत्र, चेन, बाली, पायल दो जोड़ी, गोलक दो, गायब थे। बताया गया है कि नकदी व जेवर मिलाकर एक लाख रुपए से अधिक की चोरी हुई है। इसके पूर्व दो दिन पहले मंगलवार की रात में इसी वार्ड में एक मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लगभग पांच लाख रुपए के कीमती जेवरात एवं बीस हजार रुपए नकदी की चोरी की थी और फरार हो गए थे। गृहस्वामी अदनान अपने परिवार को भटनी दादन में छोड़कर अपने गांव रूदौली फैजाबाद गए थे और मकान में कोई नहीं था। इस मामले में भी पुलिस को लिखित सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जानकारी होने पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में गन्ने की खेत में मिला किशोरी का शव

परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की जताई आशंका

अवधनामा संवाददाता

तमकुहीराज, कुशीनगर। तरया सुजान थाना क्षेत्र के टोला तरया हंसराज कोडारा में गन्ने के खेत में एक 12 वर्षीय किशोरी की शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिली। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या करने की आशंका जताई है। सूचना के बाद पाकर मौके पर पहुंची तरया सुजान पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया हैं। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक धवल जयसवाल ने मौके का निरीक्षण कर तरया सुजान पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। शुक्रवार की सुबह तरया सुजान के टोला तरया हंसराज कोडरा निवासी बृजेश कुशवाहा की बेटी प्रातः नौ बजे के आसपास शौच करने घर से बाहर गई थी। जब वह काफी समय तक वापस नहीं आई तो परिजन उसे ढूढने निकले तो उनकी बेटी का शव घर से महज सौ मीटर की दूरी पर लगे अपने ही गन्ने अर्धनग्न परिस्थितियों में पड़ी हुई मिली,

वहां मौके पर खून के धब्बे भी थे व किशोरी के कुछ अंदर के वस्त्र शरीर से अलग थे।जिसे देखते ही शोर मचाया तो थोड़ी देर में आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई जिसके हाथ पर दो जगह दांत से काटे जाने का निशान देखा गया। परिजनों के द्वारा शव को अपने दरवाजे पर लाया गया इसी बीच किसी ने घटना की सूचना तरया सुजान पुलिस को दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तरया सुजान में चिकित्सकीय परीक्षण के लिए ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वही घटना के सूचना पर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर धवल जायसवाल ने मौके पर पहुंचे परिजनों को ढांढस बढ़ाते हुए कहा कि मृतिका के पिता के लिखित तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। वही शव को डॉक्टरों की पैनल बनवाकर वीडियो ग्राफी के जरिए पोस्टमार्टम करवाई जा रही है, सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच की जा रही है बहुत जल्द घटना की अनावरण किया जायेगा।

11 ब्लॉकों में कई पदों निर्विरोध निर्वाचित हुए पदाधिकारी

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद अयोध्या ब्लॉक स्तरीय निर्वाचन चुनाव का नामांकन प्रात

11ः30 बजे से जिला अध्यक्ष शिवजी वर्मा के अध्यक्षता व जिला मंत्री कमला प्रसाद यादव के संचालन में शुरू हुआ काउंटर नंबर एक पर पूरा बाजार निर्वाचन अधिकारी सुरेंद्र प्रताप यादव सह निर्वाचन अधिकारी इंदु माझी की देखरेख में पूरा बाजार में सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचित हुए सभी पदाधिकारी इसी तरह मया बाजार ब्लॉक में भी कई पदों पर निर्विरोध निर्वाचित निर्वाचित हुए तारुन ब्लॉक में भी कई पदों पर सीधी टक्कर तो कई पदों पर निर्विरोध निर्वाचित हुए पदाधिकारी अमानीगंज ब्लाक में अध्यक्ष पद को लेकर सीधी टक्कर व कई पदों पर निर्विरोध निर्वाचित हुए वही मिल्कीपुर ब्लॉक में भी अध्यक्ष पद को लेकर सीधी टक्कर दिखाई दे रही है कई पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ हर्टिन्गंज ब्लॉक पर अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए व अन्य पदों पर भी निर्वाचित हुए रुदौली ब्लॉक पर अध्यक्ष पद पर सीधा मुकाबला है मवई ब्लॉक में पांचो पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए बीकापुर में पांचो पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं बचे हुए पदों के लिए लोगों ने पर्चा दाखिल किया 11 ब्लॉक के लिए काउंटर नंबर दो पर निर्वाचन अधिकारी राम तीरथ यादव सह निर्वाचन अधिकारी उदयभान यादव काउंटर नंबर 3 अविनाश कुमार निर्वाचन अधिकारी सह निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार पांडेय काउंटर नंबर 4 राममिलन यादव निर्वाचन अधिकारी सा निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह इस तरह से 11 ब्लॉक के प्रत्याशी और कर्मचारियों काफी उत्साहित दिखे अपने-अपने काउंटर पर पर्चा जमा किया । नामांकन और चुनाव चिन्ह का आवंटन समय अनुसार 2ः30 बजे तक संपन्न कर दिया गया इस मौके पर जिला अध्यक्ष शिवजी वर्मा जिला मंत्री कमल प्रसाद यादव कोषाध्यक्ष अनिल कुमार यादव संगठन मंत्री बबीता राज संप्रेक्षक रविंद्र कुमार पाल की देखरेख में चुनाव का नामांकन का कार्य संपन्न हुआ।

डॉ. अम्बेडकर सामाजिक समरसता के प्रणेता: प्रो0 आशुतोष सिन्हा

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग में बुधवार सायं बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. विनोद श्रीवास्तव एवं माइक्रोबायोलॉजी के प्रो. शैलेन्द्र कुमार द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओं ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. आशुतोष सिन्हा ने डॉ. अम्बेडकर को सामाजिक समरसता का प्रणेता बताते हुए उनके द्वारा दलितों, पिछड़ों एवं शोषितों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए दिए विशेष योगदान की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया की बाबा साहेब जाति, धर्म, वर्ण, लिंग आदि के आधार पर किसी भी प्रकार के विभेदीकरण के सख्त खिलाफ रहे और इसके उन्मूलन के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया। प्रो. सिन्हा ने भारतीय संविधान में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय की व्यवस्था का सम्पूर्ण श्रेय डॉ. अम्बेडकर को देते हुए इसको उनका विशिष्ट योगदान बताया। कार्यक्रम में उन्होंने डॉ. अम्बेडकर को महान अर्थशास्त्री, प्रकांड विद्वान एवं महान राष्ट्रभक्त बताते हुए छात्रों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने के साथ राष्ट्रहित में योगदान देने का आह्वान किया।कार्यक्रम में अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग में प्रो. विनोद श्रीवास्तव ने छात्रों को डॉ. अम्बेडकर के जीवन से सीख लेने एवं अन्याय के खिलाफ संघर्ष एवं उसका विरोध करने की बात कही। कार्यक्रम में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रो. शैलेंद्र कुमार ने छात्रों से डॉ बाबासाहेब के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कहीं। उन्होंने डॉ0 अंबेडकर के जीवन वृत्त पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. अलका श्रीवास्तव ने अम्बेडकर के जीवन से संबंधित विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया। कार्यक्रम में दिलीप पाल, मानसी सिंह, अहमद फराज सहित अन्य मौजूद रहे।

भारत विकसित संकल्प यात्रा के अंतर्गत पीएम आवास योजना के लाभार्थियों की भूमि का हुआ पूजन

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में बेघरों के लिए घर का सपना तेजी से हो रहा साकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंदों को सिर पर छत मिल रही है । इसके तहत नगर पालिका परिषद रुदौली के 110 लाभार्थियों का भारत विकसित संकल्प यात्रा के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अनारंभ लाभार्थियों का भूमि पूजन व लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र विधायक रामचंद्र यादव व सभासदों एवं परियोजना अधिकारी डूडा अयोध्या यामिनी रंजन, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद रुदौली सिविल इंजीनियर डूडा शुभम शुक्ला एवं समस्त संबंधित नगर पालिका के स्टाफ और संस्था के जिला समन्वक विवेक कुमार,संजीत सिंह, मिथलेश कुमार , कौशलेंद्र सिंह की उपस्थिति संपन्न किया गया। लाभार्थी सुमित्रा, नीलम, राजकुमारी, सुनीता, फुलमता, सुनीता, राधा, चम्पावती, राधा, शर्मावती को स्वीकृत प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

डी.बी.टी. योजना नें बदली देश की तकदीर : रामचंद्र यादव

रुदौली- अयोध्या। मोदी सरकार नें गरीबों के उत्थान और उनकी तरक्की के लिए सैकड़ो योजनाओं को धरातल पर उतारा है सभी योजनाओं का पैसा डी.बी.टी. के माध्यम से गरीबों के खातों में जानें के कारण शत प्रतिशत धनराशि गरीबों को मिल रहा है जिससे पिछले साढ़े नौ वर्षों में देश तेजी से तरक्की की राह पर चला है यह बातें विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्राथमिक विद्यालय बजौली मजरे सरैठा में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को सम्बोधित करते हुए रुदौली विधायक रामचंद्र यादव नें कही। इस अवसर पर विधायक ने प्रधानमंत्री आवास योजना के दो लाभार्थियों को मकान की चाभी, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्राप्त इज्जतघर के दो तथा किसान सम्मान निधि के आधा दर्जन लाभार्थियों को अपने हांथों से प्रमाण पत्र वितरित किया।

किसान भाई यंत्र अनुदान हेतु जल्द करे आवेदनः डॉ संजय कुमार त्रिपाठी

अयोध्या। उप कृषि निदेशक डॉ संजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जिन किसानो को यत्र अनुदान हेतु आवेदन करना था उसका इंतजार खत्म हो गया है अब सभी किसान भाई आवेदन कर सकते है त्रिपाठी ने बताया कि कृषि यंत्र वितरण हेतु लाभार्थी चयन से पहले आया पहले पाया व्यवस्था को समाप्त करके प्राप्त बुकिंग में से ई लॉटरी के माध्यम से लाभार्थी के चयन की व्यवस्था प्रारंभ है कृषि यंत्रिकरण समस्त योजनाओं NFSM , SMAM NFSM, TBOS में कृषि यंत्र कृषि रक्षा उपकरण कस्टम हायरिंग सेंटर हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग रेसिंग थ्रेसिंग फ्लोर एवं स्मॉल गोदाम प्राप्त करने हेतु आवेदन की बुकिंग दिनांक 30 /11/ 23 को मध्य 12:00 बजे से प्रारंभ होगी द्य इच्छुक लाभार्थी कृषक द्वारा दिनांक 14 /12/ 23 को रात्रि 12:00 बजे तक आवेदन की बुकिंग की जा सकती है इच्छुक लाभार्थी कृषक विभागीय पोर्टल www.agriculture.up.gov.in पर यंत्र अनुदान हेतु टोकन निकालने हेतु लिंक पर क्लिक कर online आवेदन किया जा सकता है।

नगर पालिका की बेशकीमती जमीन व्यापारी ने बेंच डाली, जांच में हुआ खुलासा

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। नगरपालिका परिषद अपनी ही सम्पत्तियों को बचा पाने में नाकाम साबित हुआ है। एक और मामले ने न सिर्फ सबके कान खड़े कर दिए बल्कि प्रशासन को भी हैरत में डाल दिया। नगरपालिका की 18 हजार से अधिक स्क्वायर फिट जमीन गुपचुप ढंग से लोगों में बेंच दी गई। मजदूर मंडी के लिए चयन होने के बाद जब उक्त जमीन की पैमाइश शुरू हुई तो जमीन के टुकड़ों की लिखा पढ़ी सामने आने लगी। जांच में हैरान करने वाला खुलासा हुआ। अब प्रशासन कार्रवाई के मूड में आ गया है।

हुआ यह कि नाका सतरिख, छाया आदि चौराहों पर सुबह लेबर मण्डी लगती है। सैकड़ों की संख्या में बेरोजगार मजदूर सुबह आते हैं। वहां पर लोग भवन निर्माण आदि कार्यों के लिए मजदूर दिहाड़ी तय करके ले जाते हैं। लेबर मण्डी के कारण सुबह के समय यातायात प्रभावित होता है। जिसे देखते हुए डीएम सत्येन्द्र कुमार ने लेबर अड्डा के लिए स्थान ढूंढने का निर्देश डीएम को दिया था। राजस्व अभिलेखों में छाया सिनेमाहाल के पीछे जमुरिया नाले के किनारे गाटा संख्या गाटा संख्या 149 सरकारी भूमि मिल गई। यह जमीन 172 एयर अर्थात 18 हजार 576 वर्ग फिट थी। उक्त जमीन को लेबर अड्डा के लिए प्रर्याप्त माना गया।

इसे लेकर बीते दिनों तहसील प्रशासन ने सरकारी जमीन को लेकर पैमाइश शुरू की। पैमाइश में जो सरकारी जमीन निकली उसमें कई पर कब्जा था। कुछ लोगों ने चाहरदीवारी भी बना रखी थी। किसी ने पांच हजार वर्ग फिट तो किसी ने तीन फिट जमीन खरीद रखी है। इन खरीदारों में शहर के कई प्रतिष्ठित व्यापारी व अन्य लोग शामिल हैं। इसे देख मौके पर मौजूद कर्मचारी हतप्रभ रह गए। कर्मचारियों ने पूरा मामला एसडीएम को बताया।

अंतिम चरण में भक्ति पथ का निर्माण, तीन दिन में काम हो जाएगा पूरा

- श्रृंगार हाट से हनुमान गढ़ी होते हुए सीधे राम मंदिर पहुंच सकेंगे श्रद्धालु
- 68.04 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है भक्ति पथ
- 742 मीटर लम्बा बनाया गया है भक्ति पथ

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अयोध्या में विकास कार्य तेज गति से चल रहा है। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इससे पूर्व विभिन्न योजनाओं को पूरा करने में कार्यदायी संस्थाएं लगी हैं। श्रृंगार हाट से सीधे राम जन्मभूमि तक जाने के लिए बनाए जा रहे भक्तिपथ का कार्य इसी सप्ताह में पूरा हो जाएगा। इसके बन जाने से जन्मभूमि जाने वाले श्रद्धालुओं को भीड़ का सामना नहीं करना पड़ेगा और सीधे मंदिर तक पहुंच हो सकेगी। इस मार्ग की खास बात यह रहेगी कि यहअयोध्या की प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर से होता हुआ जाएगा, जिससे श्रद्धालु हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि मंदिर का दर्शन सहज रूप से कर सकेंगे।

अयोध्या में बन रहे विभिन्न महत्वपूर्ण पथों में भक्ति पथ का एक विशेष महत्व है। इसका कारण यह है कि यह मार्ग श्रृंगार हाट से सीधे हनुमानगढ़ी होते हुए राम मंदिर तक जाएगा। भक्ति पथ के निर्माण में 68.04 करोड़ रुपए की लागत लगाई गई है। यह पथ 742 मीटर लंबा बनाया गया है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता शशि सिंह का कहना है कि भक्ति पथ पर 29 नवंबर 2022 को निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था और इसे पूरा होने के लिए 10 दिसंबर 2023 का समय निर्धारित किया गया था। विभाग की ओर से रात दिन कार्य चलाकर इसे निर्धारित समय में पूरा करने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने बताया कि कार्य निर्धारित समय में पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि वैसे अभी फुटपाथ का कार्य चल रहा है लेकिन उसे भी तीन दिन में पूरा कर लिया जाएगा।

यह कार्य धर्मार्थ विभाग की ओर से स्वीकृत बजट से कराया जा रहा है। जिसे लोक निर्माण विभाग पूरा कर रहा है। उन्होंने बताया कि फसाड लाइट का भी कार्य विकास प्राधिकरण की ओर से किया जा रहा है। लगभग 94 फ़ीसदी कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य तीन दिन में पूरा कर लिया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग 330 ए पर निर्माणाधीन रेलवे समपार संख्या 3बी0-3/114 का डीएम ने किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने राष्ट्रीय राजमार्ग 330 ए पर निर्माणाधीन रेलवे समपार संख्या 3बी0-3/114 का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित एनएचएआई के अधिकारियों को रेलवे सम्पार के कार्यो के प्रगति में और तेजी लाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर एनएचएआई द्वारा अवगत कराया गया कि एनएच 330 ए अयोध्या जगदीशपुर का 98.5 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित पीएनसी रायबरेली के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर को मार्ग के समस्त कार्यो को आपेक्षित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर उन्होंने मार्ग के दोनों तरफ अंतिम छोर तक की भूमि को समतल करने व जन उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने आबादी वाले क्षेत्रों में लगायी जा रही रेलिंग के फिनिसिंग कार्य व मीडियन के फिनिसिंग कार्य को भी शीघ्र पूर्ण करने तथा समस्त कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। इस अवसर पर पीएनसी रायबरेली के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ध्रुव खाडिया सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डाक घरो पर अब डाक सेवाओं संग ही मिलेगी सीएससी की भी सर्विस, शुरू हुआ प्रशिक्षण

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के डाक घरो पर अब डाक विभाग की सुविधा के साथ साथ सीएससी की सर्विस का भी लाभ लोगो को आसानी से मिल सकेगा। इसके लिये जनपद के सभी डाक विभाग के सब ऑफिस ब्रांच ऑफिस और हेड ऑफिस पर एक सीएससी काउंटर खोला जा रहा है जिसके लिये सभी कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है।

अधीक्षक डाकघर घनश्याम ने कार्यालय सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में यह जानकारी दी। बताया कि जिले में हेड ऑफिस, सब ऑफिस 39, ब्रांच ऑफिस 325 सेण्टर बनाये जा रहे है सीएससी और डाक विभाग की साझा पहल से अब गांव शहरी छेत्र के डाक घरो में एक छत के नीचे भारतीय डाक विभाग और सीएससी की सुविधा भी लोगो तक पहुचाई जाएगी। जिस के लिये जिला मुख्यालय में जिले के सभी पोस्ट ऑफिस के लोगो को सीएससी जिला प्रबंधक के द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से ट्रेनिंग दी जा रही है जिस से ये लोग आम जनता को सीएससी की सुविधा प्रदान कर सके

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित सीएससी कॉमन सर्विस सेंटर सीएससी अभी तक गाव और शहरों में लोगो को अपनी सुविधा दे रहे थे इसी क्रम में अब पोस्ट ऑफिस के माध्यम से भी आम जन लोगो को सीएससी की सुविधा भी आसानी से मिलेगी। अधीक्षक ने बताया कि जनपद के सभी डाक कर्मियों को 7 दिन में अलग अलग बैच बना कर सीएससी सर्विसेज की ट्रेनिंग दी गयी है जहा पर लोग रिटायर्ड हो गए है उनकी जगह आये कर्मचारियों कि आई डी बना दी गयी है।

जिला प्रबंधक रवि वर्मा ने बताया कि जिले के सभी डाकघरो के कर्मचारियों को सीएससी सर्विस में कैसे कार्य करना है उसकी लाइव ट्रेनिंग दे दी गयी है जरुरत पड़ने पर सभी को पुनः ट्रेनिंग दी जाएगी सभी लोगो को रेगुलर पोर्टल के माध्यम से ग्रामीण छेत्र में जिस भी सर्विस के लिये ग्राहक आते है उसमे जोड़ने के लिये बोला गया है।

रुदौली में आयोजित सांसद खेल प्रतियोगिता का भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया समापन

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। रुदौली में आयोजित सांसद खेल प्रतियोगिता का समापन जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने किया। प्रतियोगिता में वॉलीबॉल खो-खो रस्साकस्सी, दौड़ व कबड्डी जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। महानगर में दो दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम मकबरा में होगा। 800 मीटर दौड़ में दुर्गा यादव प्रथम, सुल्तान द्वितीय, सतीश यादव तृतीय आए । वहीं बालिका वर्ग में शालिनी प्रथम, सलोनी द्वितीय, नंदिनी तृतीय आई। 1500 मीटर दौड़ में सतीश यादव प्रथम, अंशुमान द्वितीय, अनुज यादव तृतीय आए। बालिका वर्ग में शालिनी प्रथम सलोनी द्वितीय सुभाषनी तृतीय आई। वॉलीबॉल की प्रतियोगिता में गौरैया मऊ विजेता व खैरनपुर उपविजेता हुई। रस्साकशी की प्रतियोगिता में नयपुरा विजेता, मीशा उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में आदर्श इंटर कॉलेज विजेता कस्तूरबा गांधी उपविजेता रही। महिला कबड्डी फाइनल में कस्तूरबा गांधी विजेता उपविजेता डीपीएस इंटर कॉलेज रहा।

खो-खो में कंपोजिट अख्तियारपुर विजेता सत्यनामी एजुकेशनल अकादमी और उपविजेता रहा। कबड्डी का फाइनल मुकाबला गौरिया मऊ और मीसा के बीच हुआ। जिसमें गौरिया मऊ विजेता रही

जिला अध्यक्ष संजीव सिंह ने विजेताओं को शील्ड देकर पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि खेलों में प्रतिभाग करने से हमारा शारीरिक के साथ मानसिक विकास भी होता है। व्यक्ति के भीतर टीम भावना जागृत होती है। यही टीम भावना आगे चलकर जीवन में काफी मददगार साबित होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को लेकर काफी प्रतिभाएं मौजूद हैं। इस तरह का आयोजन से ऐसी प्रतिभाओं को मंच मिलता है।

सड़क हादसे में पिता की मौत, पुत्र बाल बाल बचा

बाराबंकी। मसौली थाना क्षेत्र में हाईवे पर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार पिता की मौत हो गई जबकि उसका पुत्र बाल बाल बच गया। दोनों बहराइच जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार लखनऊ में ऐशबाग के रहने वाले मो. शाबिर (55) मो. ताहिर शुक्रवार की सुबह 11 बजे अपने बेटे साहिर के साथ लखनऊ से बहराइच बाइक से जा रहे थे। रास्ते मे शहाबपुर के टोल प्लाजा के आगे नया गॉव के पास सड़क दुर्घटना हो गई। दोनों बाइक से जा ही रहे थे कि बहराइच की ओर से आ रही अज्ञात स्कार्पियो ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी। हदए में गम्भीर रूप से घायल शाबिर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पुत्र बाल- बाल बच गया। मृतक लकड़ी व्यवसाई था, वह कैसरगंज स्थित पुश्तैनी घर जा रहा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

एसपी ने ली साप्ताहिक परेड की सलामी

अवधनामा संवाददाता

बाराबांकी। पुलिस अधीक्षक ने आज पुलिस लाइन पहुंचकर

साप्ताहिक परेड की सलामी ली। इसके बाद उन्होंने लाइन परिसर का जायजा लेकर दिशा निर्देश दिए।

एसपी शुक्रवार की सुबह पुलिस लाइन पहुंचे। यहां पर उनके द्वारा साप्ताहिक परेड की सलामी ली गई। इसके पश्चात परेड का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी ने लाइन परिसर के विभिन्न भागों के निरीक्षण भी किया।04

खेल प्रतियोगिता में बच्चों लहराया जीत का परचम

नंदाभार स्थित केडी स्कूल में वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। सिंदुरिया क्षेत्र के ग्राम सभा नंदाभार में स्थित केडी स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें वार्षिक खेलकूद और भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को मोमेंटम और मेडल देकर उनके हौसलाफजाई किया गया।

भाषण प्रतियोगिता में कार्तिकेय प्रथम, श्रेया सेकेंड और आर्यन तीसरे स्थान को हासिल किया। बालिबाल प्रतियोगिता में जीत हासिल करने वाले टीम के खिलाड़ी मेहताब, किशन, शाहिल,आदित्य, असलम, शिवम, आकाश, को बेहतर प्रदर्शन करने पर गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। बालिका वर्ग के दौड़ में अंशु प्रथम, करीना दूसरे स्थान पर रही। रिले रेस में दिग्विजय और बालिका वर्ग में हर्षिता अव्वल रही। साइकिल रेस में बालक वर्ग में श्याम मौर्य और बालिका वर्ग में श्रृष्टि पटेल प्रथम स्थान को प्राप्त किया। खो- खो की प्रतियोगिता क्लास नवी और दशवी के छात्राओं में हुआ जिसमें क्लास दसवीं की छात्राओं ने बाजी मारा। जीते सभी बच्चों को पदक और मोमेटम देते हुए प्रबंधक विपिन श्रीवास्तव ने कहा कि खेल में लगन, धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती हैं यह तीनों ना सिर्फ खेल का रेस बल्कि जीवन का रेस जीता देता हैं। खेल से जो शिक्षा मिलता है वह सफल जीवन के लिए अहम हैं। प्रधानाचार्य जेपी ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि खेल के माध्यम से बच्चों में टीम भावना और नेतृत्व की क्षमता का विकास होता हैं। इस दौरान शिक्षक एसके साहनी, गिरिजेश वर्मा, जितेंद्र मदेशियां, हरिशंकर, राजेश शर्मा, रामेश्वरम गुप्ता, नेहा मिश्रा, पुष्पजा मिश्रा, ललिता चौधरी, हरिपाल राव और नेहा दुबे समस्त अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

मास्टर डाटा 8 से 11दिसंबर तक होगा तैयार

महराजगंज। जिला समाज कल्याण अधिकारी शंकरलाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2023-24 में पूर्वदशम (कक्षा 09-10) छात्रवृत्ति योजना में मास्टर डाटा, ऑनलाइन आवेदन से लेकर वितरण हेतु संशोधित समयसारणी जारी किया गया है।

उन्होंने बताया कि मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने का कार्य 08 दिसंबर से 11 दिसंबर तक किया जायेगा। जबकि जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा उनके अधिकारिता में आने वाले समस्त विद्यालयों की मान्यता, स्वीकृत सीटों की संख्या एवं प्रोफाइल को ऑनलाइन करके प्रमाणित करने का कार्य 15 दिसंबर 2023 तक किया जाएगा।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ए बताया कि कक्षा 9 10 के छात्र-छात्राओं हेतु ऑनलाइन आवेदन 2 जनवरी 2024 तक किया जा सकता है, जबकि अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने के तीन दिन के भीतर आवेदन में हुई त्रुटियों में सुधार व फाइनल प्रिंट आउट निकालने का कार्य किया जाना होगा। सभी आवेदक छात्र/छात्राओं द्वारा 06 जनवरी 2024 तक ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकॉपी समस्त वांछित सलंग्नकों विद्यालय जमा किया जाना होगा। 15 जनवरी 2024 तक पात्र छात्र/छात्राओं का आवेदन ऑनलाइन सत्यापित और अग्रसारित करने का कार्य किया जाएगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन

मसौली बाराबंकी। विकास खण्ड मसौली की ग्राम पंचायत करन्द में शुक्रवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि विधानसभा संयोजक सोशल मीडिया कमलेश कुमार चौहान एवं ग्राम प्रधान बिजय बहादुर यादव सहित लोगों द्वारा स्वागत किया गया। इसी दौरान प्रधानमंत्री के भाषण को लोगों ने सुना। श्री चौहान ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी दी गई। इसके अलावा किसान सम्मान निधि व विधवा पेंशन और समूह वालों को प्रमाण पत्र दिया गया। विद्यालय के बच्चों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिनको पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रामकुमार मिश्र द्वारा किया गया।

इस मौके पर खण्ड शिक्षा अधिकारी संजय शुक्ला, एडीओ पंचायत जानकी राम, रंजित कुमार, संजीव सिंह, सौम्या सिंह,अकिब जमाल, रंजीत कुमार, अनिल कुमार दुबे, प्रदीप बाजपेई, सुशील रावत। इसके अलावा ग्राम पंचायत नेवला करसण्डा में भाजपा नेता राजकुमार सोनी ग्राम प्रधान कमला देवी, प्रतिनिधि मित्तल कुमार, ग्राम पंचायत सादामऊ में ग्राम प्रधान सुनील कुमार सहित लोगों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन सम्पन्न हुआ।

कोई पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे

विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन दिलाई गई शपथ

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बढ़नी अन्तर्गत ग्राम पंचायत धनौरा मुस्तहकम मे शुक्रवार को दुर्गा मंदिर के समाने विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुखई मौर्य की अध्यक्षता में किया गया। जिसके नोडल अधिकारी संतोष कुमार गुप्ता रहे। विकसित भारत संकल्प यात्रा में बाल विकास स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्टाल लगाकर सरकार की योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी गई तथा वहां उपस्थित स्वास्थ्य सम्बंधित जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज सेवी अनिल अग्रहरि ने कहा कि सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार गांव में जा कर विभाग के लोग कर रहे है ताकि पात्र व्यक्तियों तक लाभ पहुंचे इसके लिए हर ग्राम पंचायत में चौपाल लग रहा है। प्रधान प्रतिनिधि सुखई मौर्य ने कहा की आज हमारे गांव में आप सबकी समस्याओं को सुनने के लिए तथा योजनाओं का लाभ बताने व पहुंचाने के लिए स्वयं अधिकारी आये है। ग्राम पंचायत सचिव संतअखिलेश्वर ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा से लोगो को जागरूक किया जा रहा है ताकि कोई पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे। सांसद प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि विकसित भारत का उद्देश्य लोग को जागरूक करना जगह-जगह चौपाल लग रही है।

सरकार की किसी भी योजनाओं से ग्रामीण वंचित न रहे चाहे वह वृद्धा पेंशन हो विधवा पेंशन हो या आवास हो या पात्र गृहस्थी के तहद राशन देने की बात हो या उज्जवल गैस सिलेंडर हो किसी न किसी तरह लाभ सरकार किसानों को पहुंचा रही है।नोडल अधिकारी संतोष कुमार गुप्ता ने उपस्थित लोगों को विकसित भारत की शपथ भी दिलाया। स्कूली बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया। इस दौरान नर्वदेश्वर मणि, ग्राम प्रधान सरिता देवी, ए.डी.ओ.पंचायत शकील अहमद, हेड मास्टर दिनेश कुमार, कृषि विभाग से राम सेवक, जगजीवन प्रसाद, लेखपाल अनिल चौधरी, पंचायत सहायक अनवर आलम, स्वास्थ्यकर्मी, आंगनबाड़ी, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, रशीद, भोला शर्मा आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

कारागार में डीएम ने फीता काटकर किया कैंप का शुभारंभ

बांदा। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने शुक्रवार को मंडल कारागार में निरुद्ध बन्दियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल कैम्प का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने मेडिकल कैम्प में निरूद्ध बन्दियों से कहा कि बन्दियों को यदि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो तो इस कैम्प में चेक करा सकते हैं। उन्होने जेल में बन्दियों से उनके खान-पान और दी जा रही सुविधा के संबंध में जानकारी लेते हुए बताया कि इस कैम्प में टीवी रोग, हैपेटाइटिस बी, सी, एचआईवी एवं यौन युका रोगो की जांच भी की जायेगी। उन्होंने कहा कि बन्दी अपने सकारात्मक विचारों के साथ रहे और भविष्य में किसी प्रकार का गैर कानूनी कार्य न करें। उन्होंने बताया कि कारागार मे पाकशाला भोजनालय कक्ष बन्दी बैरकों व नाले-नालियों को सुव्यवस्थित किये जाने के लिए पांच लाख रूपये की सुदृढ़ीकरण के लिए दी जायेगी। उन्होंने उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि महिला बन्दियों के स्वास्थ्य जांच के लिए एक महिला चिकित्सक की भी इयूटी लगायी जाए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रधान ने बच्चों को किया पुरस्कृत

अवधनामा संवाददाता

लोटन सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड लोटन अन्तर्गत ग्राम पंचायत गदहमरवा व धरनीहवा में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम किया गया। जिसके नोडल अधिकारी क्षेत्रीय युवा समाज कल्याण से कुलदीप यादव रहे। गदहमरवा कार्यक्रम की देख रेख प्रधान प्रतिनिधि चन्द्रभाल ने किया। धरनीहवा में प्रधान तीरथ ने किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत स्टाल लगाकर जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा103मरीजो की जांच की गई। दुसरी टीम द्वारा काफी मरीजों की जांच की गई। गदहमरवा प्रधान प्रतिनिधि चन्द्रभाल ने कहा कि सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार गांव में जा कर विभाग के लोग कर रहे है। ताकी पात्र व्यक्तियों तक लाभ पहुंचे उन्होंने ने कहा की आज हमारे गांव में आप सबकी समस्याओं को सुनने के लिए तथा योजनाओं को बताने के लिए जिले व ब्लाक के अधिकारी आये है।

स्वास्थ्य से सम्बंधित लोगों ने कराई जांच

बी डी ओ राम प्रवेश ने कहा की आप लोग शपथ ले की भारत देश को 2047 तक विकसित करना है सरकार के तरफ से जो योजना चलाई जा रही है उस विभाग के लोग स्टाल लगाकर बैठे है उसका लाभ ले। गदहमरवा में राम कृष्ण मिश्रा व धरनिहवा मे बी डी ओ राम प्रवेश ने उपस्थित लोगों को विकसित भारत की शपथ भी दिलाया।गदहमरवा में विकसित भारत संकल्प यात्रा में स्कूली बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया।सांसद प्रतिनिधि दिलीप सिंह ने कहा सरकार आप के घर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत मोदी जी की रथ यात्रा आप के गांव मे पहुची है उनके सम्बोधन को आप ने सुना है आप लोग राष्ट्र के प्रति संकल्प ले की भारत देश को विकसित करना है।

इस दौरान सचिव रविन्द्र कुमार जाटव,गदहमरवा प्रधान सोनी राजभर डा प्रियंका त्रिपाठी मो आरीफ, हेड मासटर राहुल सिंह, सहायक अध्यापक शशीकान्त यादव, हरिश चन्द,प्रधान प्रतिनिधि अजय चौहान रोजगार सेवक रमेश चन्द अशोक कुमार, सफाई कर्मी मुनिराज यादव, खुशबू, बाल मुकुंद मिश्र, आरो फाउंडेशन निजाम जिलानी, आर बी एस के टीम डा जनार्दन मणि त्रिपाठी, चाद रानी राय, नितू, कृषि नीरज कुमार, कांति सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

चौपाल के माध्यम से ग्रामीणो को दी गई योजनाओं की जानकारी

अवधनामा संवाददाता

लोटन सिद्धार्थनगर। ब्लाक लोटन बाजार के ग्राम पंचायत पननी मे गांव की समस्या गांव में समाधान के तहत चौपाल लगाकर शुक्रवार को पननी प्रधान की अध्यक्षता में व सचिव की मौजूदगी में ग्रामीणों की समस्याओं को चौपाल मे सुना गया। सचिव ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान कराने के उद्देश्य से गांव मे चौपाल का आयोजन किया जाता है। लोगों को लाभकारी रोजनाओं को लाभ लेना चाहिए। ग्राम प्रधान फूलचन्द कन्नौजिया ने कहा की सरकार जो भी योजना चला रही है पात्र व्यक्ति को लाभ लेना चाहिए हमारे स्तर से जो भी ग्रामवासियों की मदद होनी है वह भी करते रहेंगे जिन बुर्जुग महिलाओं को पेंशन का लाभ न मिल रहा हूं वह पेंशन के लिए आनलाइन आवेदन कर लाभ ले।इस दौरान पंचायत सहायक अंजनी रोजगार सेवक ध्रुव तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

दौड़ प्रतियोगिता में गोलू, विशाल प्रथम

अवधनामा संवाददाता

कुदरहा। राघव राम बचन शिवा सरस्वती विद्यापीठ के मैदान में खेले जा रहे ब्लॉक स्तरीय सांसद खेल महाकुंभ के छठवें दिन शिक्षक नेता आनंद दुबे ने खेल का शुभारंभ खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया। आज के दिन खिलाड़ियों ने कबड्डी, वॉलीबॉल, दौड़, क्रिकेट आदि खेलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले चरण में अपनी जगह बनाई।

शुक्रवार को खेल के छठवें दिन मुख्य अतिथि शिक्षक नेता आनंद दुबे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद बताया कि सांसद खेल महाकुंभ ने ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं के लिए एक मंच प्रदान किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल की तमाम प्रतिभाएं छुपी हुई है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन संघर्ष को करीब से देखने का और उसका सामना करने का मौका सहज ही मिल जाता है। तीसरी खेल महाकुंभ का ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी शबरी से इंतजार कर रहे थे और उसके लिए तैयारी भी कर रहे थे, जिससे यह लगता है कि संसद खेल महाकुंभ जिस उद्देश्य के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा शुरू किया गया था वह लक्ष्य प्राप्त हो रहा है।

1500 मी जूनियर बालक वर्ग दौड़ प्रतियोगिता में गोलू प्रथम अंकुर यादव द्वितीय और सुमित तृतीय, 1500 मी सीनियर बालक वर्ग दौड़ प्रतियोगिता में विशाल प्रथम मोहन द्वितीय व प्रेमचंद्र तृतीय स्थान पर रहे। कबड्डी प्रतियोगिता में बालिका जूनियर वर्ग में पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुदरहा और द वंडर यूथ क्लब के बीच मैच खेला गया जिसमें द वंडर यूथ क्लब विजेता रहा। वही बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में द वंडर यूथ क्लब और वीके एकेडमी विजेता रही। क्रिकेट प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में राघव राम बचन शिवा सरस्वती विद्यापीठ कुदरहा और एसडीएस पियारेपर के बीच खेला गया जिसमें राघव राम बचन शिवा सरस्वती विद्यापीठ कुदरहा विजेता रहा। वही सीनियर बालक क्रिकेट प्रतियोगिता में नगर पंचायत गायघाट और लालगंज के बीच क्रिकेट मैच खेला गया जिसमें नगर पंचायत गायघाट विजेता रहा। वॉलीबाल प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमे चार टीमों ने अगले चरण में अपना जगह पक्का किया।

खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

संचालन श्रीकृष्ण त्रिपाठी शिबलू व कैलाश कुमार मौर्य ने किया। निर्णायक की भूमिका, दुर्गा प्रसाद, संजय कुमार, राम अवध, अवनीश, संदीप कुमार, आदित्य उपाध्याय, दिलीप कुमार, विजय प्रसाद गिरी,राम अवध, फूलचंद्र, कैलाश मौर्य, प्रवेश कुमार ने बखूबी निभाया।

इस मौके पर विजय शंकर मिश्र, ब्रजेश उपाध्याय, संतोष दुबे, मस्तराम राजभर, सहित तमाम शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सहकारी समिति पर वितरण किया यूरिया खाद

लोटन सिद्धार्थनगर (अवधनामा संवाददाता)। विकास खण्ड लोटन क्षेत्र के चनरैया साधन सहकारी समिति पर शुक्रवार को किसानों को निर्धारित मूल्य पर खाद दिया गया। दीपक कुमार सिंह द्वारा बताया गया की पोस मशीन से फिंगर लगाने के बाद ही खाद वितरण किया जा रहा है। समिति पर मौजूद अध्यक्ष बृजभूषण चौबे ने बताया की समिति के सदस्यों ने अगर हमे अध्यक्ष चुने है तो किसानों को खाद की कमी नही होगी। इस समय हर छोटा बडा किसान सहकारी समिति पर खाद लेने आ रहे है। किसानों ने बताया की हम लोगों ने पता किया तो सचिव ने बताया की खाद उपलब्ध है जिन भी किसानो को खाद लेना है आधार कार्ड के साथ आकर खाद ले सकते है। एडीओ कापरेटिव ने बताया की किसी भी समिति के खिलाफ शिकायत मिली तो कार्यवाही की जायेगी।

आधा दर्जन गांवों में सोशल ऑडिट टीम ने विकास कार्यों का किया सत्यापन

पौली (अवधनामा संवाददाता)। पौली विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोहलवा, लौकिहा,मडपौना,कुडवा, किशुनपुर में सोशल ऑडिट की टीम ने शुक्रवार को विकास कार्यों की धरातलीय निरीक्षण कर मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य योजनाओ का निरीक्षण किया तथा अभिलेखों का सत्यापन किया। बैठक मे मनरेगा मजदूरों का बयान दर्ज कर? कार्यो की मजदूरी पाने की पुष्टि की गई। खंड शिक्षा अधिकारी जनार्दन यादव के पर्यवेक्षण में सोशल ऑडिट हुआ। सोशल आडिट टीम के श्रीमती नीलम शर्मा, अखिलेश शर्मा,देवेन्द्र पाण्डेय राजकुमार, कालिंदी यादव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 मे ग्राम पंचायतो मे कराये गये मनरेगा कार्यो व पीएम आवास के लाभार्थीयो के आवास काम धरातलीय निरीक्षण कर जाच रिपोर्ट उच्च अधिकारियो को सौप दी जायेगी। इस मौके पर चंद्रशेखर यादव, अददया यादव, कुलदीप चौहान, हिफजुर्रहमान, राकेश नायक,सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

तीन सदस्यीय जाँच कमेटी ग्रामीणों को क्या दिला पायेगी न्याय?

अम्बेडकरनगर (अवधनामा संवाददाता)। विकास खण्ड बसखारी ग्राम सभा लखनपुर के प्रधान सुरेंद्र कुमार के विरुद्ध सैकड़ो ग्राम वासियों द्वारा अविश्वास प्रार्थना पत्र के कारण आज तीन सदस्य टीम द्वारा जांच करवाई गई जिसमें सहायक खंड विकास अधिकारी अध्यक्ष सहायक खंड विकास अधिकारी घनश्याम वर्मा पंचायत सहायक विकास अधिकारी कोऑपरेटिव अभियंता लघु सिंचाई की टीम द्वारा जांच की गई मनरेगा मजदूर जिनकी संख्या लगभग 50 की होगी काम किए हुए लगभग 2 साल से अधिक समय हो गया जिसका भुगतान नहीं हुआ था जांच किया गया तथा ग्राम प्रधान द्वारा घटिया नाली निर्माण एवं खड़ंजा का निरीक्षण भी किया गया गौरतलब है कि जो भी अधिकारी जांच किए हैं वो अधिकारी कर्मचारी विकास खण्ड बसखारी के है आप समझ सकते हैं कि जिस विकास खण्ड में भ्रष्टाचार हुआ है उसी विकास खण्ड के अधिकारी कर्मचारी जांच कर रहे हैं तो जांच कितना निस्पक्ष जांच करेंगे जांच पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह होगा कि जांच अधिकारी ग्रामीणों को न्याय दिला पाएंगे या फिर जांच में करेंगे लीपा पोती।

प्रधानमंत्री से ग्राम प्रधान तक की योजनाओं का मिले पत्रों को लाभः अजीत रावत

सोनभद्र। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत सदर ब्लाक क्षेत्र के भड़कना गांव में शुक्रवार को प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हुए पात्र व्यक्तियों को आवास के चाबी वितरित किए गए। मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर के ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ सभा को संबोधित करते हुए किया गया वहीं श्री रावत ने आए ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री सहित ग्राम प्रधान के तमाम योजनाओं को आम जनता तक पहुंचने को लेकर भाजपा सरकार का तो उपाध्याय है जिसको लेकर हर गांव में कैंप के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को उनका पत्र स्वीकृत विकृत करने का कार्य किया जा रहा है विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से उसी क्रम में शुक्रवार को भड़कना गांव में कल सहभागिता करने वाले 675 लाभार्थियों में कार्ड वित्त किया गया जिनमें पुरुष 345 महिला 330 वही किसान सम्मन निधि के पांच व्यक्ति आयुष्मान कार्ड के 5 लाभार्थी मौजूद रहे श्री रावत ने बताया कि सरकार की मंशा है हर घर खुशहाली लाना जिसके तहत अभियान चलाकर लोगों के घरों तक पहुंचाने का काम भाजपा सरकार कर रही है इस मौके पर नोडल अधिकारी धनंजय कुमार सिंह ,खंड शिक्षा अधिकारी रावटसगंज, महेंद्र नाम पाण्डेय मंडल अध्यक्षभाजपा, रमेश पासवान मंडल उपाध्यक्ष , राम सिंह ग्राम प्रधान, गुड्डू पासवान क्षेत्र पंचायत , भगवती शरण पूर्व क्षेत्र पंचायत सहित अन्य लोग मौजूद।

एडीओ पंचायत ने चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

अवधनामा संवाददाता

कुदरहा, बस्ती। कुदरहा विकास खंड के ग्राम पंचायत बरतनिया व कबराखास में गांव की समस्या गांव में समाधान योजना के तहत ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें आवास, शौचालय व पेंशन का मामला छाया रहा।

एडीओ पंचायत सुभाष चंद्र के नेतृत्व में चौपाल शुरु हुआ और ग्रामीणों की समस्याए सुनी। चौपाल में कुल 12 मामला आया। जिनमें तीन लोगों ने आवास की मांग उठाई। वही किसान सम्मन निधि, वृद्धा पेंशन व शौचालय का आया। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उनकी किसान सम्मन निधि और वृद्धा पेंशन खाते में नहीं आ पा रही है। हनुमान पुत्र श्री राम निषाद ने शौचालय न मिलने की शिकायत दर्ज कराई। बरतानिया गांव की लालती देवी ने जल निकासी की समस्याए बताते हुए पक्की नाली बनवाने की मांग की। एडीओ पंचायत सुभाष चंद्र ने लोगों की समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन देते हुए ग्राम पंचायत सचिव अजय कुमार को निर्देशित किया।

ग्राम चौपाल में आंगनबाड़ी छोड़ अन्य विभागों के जिम्मेदार नही पहुंचे। जबकि ब्लॉक क्षेत्र में संचालित हो रहे सभी विभागों के अधिकारियों का होना जरूरी होता है। स्वास्थ्य विभाग की एएनएम गुलनाज खातून और आंगनबाड़ी कार्यकत्री दीसि यादव आरती यादव के अलावा किसी विभाग का कोई भी प्रतिनिधि चौपाल में मौजूद नहीं रहा। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने एडीयो पंचायत से की जिस पर उन्होंने कार्रवाई का आश्वासन दिया। आंगनवाड़ी विभाग द्वारा गोद भराई का कार्यक्रम किया गया।

खेल स्वास्थ्य के लिए खाने में नमक के समान होता है : डॉ फरीद अहमद

अवधनामा संवाददाता

लोटन सिद्धार्थनगर। विकास खंड लोटन के खखरा बुजुर्ग में स्थित हाजी करम हुसैन सलफिया पब्लिक स्कूल में छात्रों के मानसिक विकास हेतु सलफिया प्रिमियम हैंड्रम क्रिकेट प्रतियोगिता काआयोजन किया गया। जिसमें 7टीमों ने भाग लिया लीग क्वार्टर सेमीफाइनल में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सलफिया सीनियर व सलफिया जूनियर में फाइनल का जोरदार मुकाबला हुआ।सलफिया सीनियर ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया 6ओवर में आठ विकेट खोकर 38 रन बनाये 39 रनों का पीछे करते हुए निर्धारित 6 ओवरों में सलफिया जूनियर आल आउट होकर मात्र 32 रन बना सकी

सलफिया सीनियर की तरफ से सबसे अधिक13 रन बनाने वाले मोहम्मद मुकीम मोहम्मद मुस्तकीम मैन आफ दी मैच तो वहीं प्रतियोगिता के सभी मैचों में बेहतर बोलिंग का प्रदर्शन करने वाले सलफिया जूनियर के मोहम्मद आसिफ मैन आफ दी सीरीज हुऐ बेस्ट बॉलर का पुरूस्कार शाहिद जमाल तो बेस्ट बैटिंग का पुरूस्कार अरशद सलफी को मिला। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि स्कूल के प्रबंधक ड़ा. फरीद अहमद सलफी रहे।डाक्टर सलफी ने सभी खिलाड़ियों के उज्जव भविष्य की कामना करते हुए बताया कि परिक्षा से पहले बच्चों के मानसिक तनाव समाप्त करने हेतु यह स्कूल के प्रिंसिपल का बेहतर कदम रहा खेल बच्चों के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना खाने में नमक होता है। इस दौरान घनश्याम सहानी, अशफाक खान, शिवनारायण प्रजापति, पंकज जयसवाल, जितेंद्र कुमार, विनय प्रकाश, चन्द्र भुषण वर्मा, ओम प्रकाश, अभिमन्यु गुप्ता, विजय सिंह, अन्जेश सिंह, रतीश सिंह, मोहम्मद इरफान, वन्दना मिश्रा, प्रतिज्ञा विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

पुलिस ने 50 ग्राम स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना पुलिस व एसओजी टीम ने बढ़नी रेलवे स्टेशन के सामने से 50 ग्राम स्मैक एवं 79 सौ नेपाली व 35 सौ भारतीय मुद्राओं के साथ एक पुरुष व एक महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गुरुवार को ढेबरुआ थानाध्यक्ष शशांक सिंह और एसओजी की संयुक्त टीम ने सूरज कुमार उर्फ पिंटू कुमार गुप्ता निवासी वार्ड नंबर 9 राम जानकीनगर बढ़नी व अर्चना गुप्ता निवासिनी भट्ठा मोहल्ला कस्बा बढ़नी थाना उपरोक्त को बढ़नी स्थित रेलवे स्टेशन के सामने से चेकिंग के दौरान 50 ग्राम स्मैक, 7900 रू नेपाली रुपये और 3500 रू भारतीय मुद्राओं के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस को पूछताछ के दौरान दोनों आरोपितों ने बताया कि वे पुड़िया बनाकर स्मैक को बढनी कस्बा सहित सीमा क्षेत्र के नेपाली युवाओं को बेचते थे। पकड़े गए आरोपितों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम की धारा एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह , एसओजी प्रभारी उप निरीक्षक शेषनाथ यादव, उप निरीक्षक चंद्र प्रकाश सिंह, उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सिंह, सर्विलांस प्रभारी हेड कांस्टेबल राजू शुक्ला, दिलीप कुमार, आशुतोष धर द्विवेदी, कांस्टेबल छवि राज यादव, वीरेंद्र तिवारी, हेड कांस्टेबल सर्विलांस टीम हिंद आजाद, विवेक मिश्रा, कांस्टेबल सतीश मौर्य, राजमणि, अजय यादव श्रीयंका सिंह शामिल रहें।

ऊर्जा संरक्षण शपथ के साथ हिण्डाल्को में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का शुभारंभ

सोनभद्र/रेणुकूट। हिण्डाल्को में कार्यरत कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को तथा रेणुकूट वासियों को ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिनांक 8 से 14 दिसम्बर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासनिक भवन लान में संस्थान के मुखिया एन. नागेश के निर्देशन में संस्थान के एनर्जी सेल द्वारा उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ऊर्जा शपथ दिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में पूरे सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों जैसे विद्यालयों में बच्चों के लिए ऊर्जा संरक्षण से सम्बन्धित पेन्टिंग प्रतियोगिता, कर्मचारियों एवं गृहणियों के लिए ऊर्जा संरक्षण आधारित क्विज़ प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक तथा प्लांट में विभिन्न स्थानों पर एनर्जी अवेयरनेस पेपटाक आदि कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

केयर इंडिया फाउंडेशन एवं एचडीएफसी के संयुक्त सहयोग से हुआ रक्तदान शिविर

अवधनामा संवाददाता

जलालपुर अंबेडकरनगर। रक्तदान कर तमाम लोगों को नया जीवन दिया जा सकता है इसलिए लोगों को बढ़ चढ़कर रक्तदान करना चाहिए जिससे तमाम लोगों के घरों में खुशियां वापस आ सके।

उक्त बातें नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष कमर हयात अंसारी ने नगर स्थित एचडीएफसी बैंक पर केयर इंडिया फाउंडेशन और एचडीएफसी बैंक जलालपुर के सहयोग से ब्लड डोनेशन का कैंप लगाया गया । जिसका उद्घाटन करते हुए इन्होंने कहा पूर्व अध्यक्ष ने उद्घाटन के दौरान कहा की रक्तदान महादान है हर सभी नौजवानों को ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करनी चाहिए और रक्तदान करना चाहिए रक्तदान करने से कई लोगों के घर में खुशियां बिखेरी जा सकती है लोगों के जान बचाए जा सकते हैं।

फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद इशाक अंसारी ने बताया कि अभी तक हमारी संस्था द्वारा तमाम ब्लड डोनेशन के कैम्प लगाए गए हैं और लोगों को रक्तदान भी उपलब्ध कराकर जीवन बचाया गया है यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा जिससे लोगों को रक्त की आवश्यकता को पूरा किया जा सके। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष अबुल बशर अंसारी, मोहम्मद शाहिद, शिवम जायसवाल, अली रजा, मोहम्मद अरमान, राहुल समेत तमाम लोग मौजूद रहे । इस कैम्प में 15 लोगों ने रक्तदान किया।

आत्म हत्या के विरूद्ध

आत्म हत्या के विरूद्ध बहुत सी दलीले दी जाती है। पहले धार्मिक रूप में इसे पाप माना जाता है। समाज और रिश्तेदार परिवार वाले, कुछ हद तक हालात और दबाव बना देते है कि आत्म हत्या करने वाला उसे झेल नहीं पाता है। उसे मौत ही इन सबसे निजात पाने का रास्ता दिखता है। जवानों और विद्यार्थियों में पढ़ाई को लेकर कोर्स की तैयारी को लेकर, नौकरी की परीक्षाओं को लेकर इतना दबाव बढ़ जाता है कि असफलता के डर से आत्महत्या की शरण में चले जाते है। कुछ उम्रदराज़ स्त्री और पुरूष दाम्पत्य समस्याओं को लेकर मौत की शरण में चले जाते है। खासकर महिलाओं को दहेज को लेकर इतना प्रताड़ित किया जाता है कि वे आत्महत्या कर लेती है। जवान लड़के लड़कियां प्रेम विफल हो जाने से या एक दूसरे के बेवफाई से इतने भावुक हो उठते है कि कभी साथ कभी अलग आत्महत्या कर लेते है। साइकट्रीस्ट, डाक्टर, समाज सुधारक इन सबका मूल कमजोर दिमाग या मानसिक बिमारी मानते है। सच भी है क्योकि कुछ लोग नितान्त निराशाजनक हालात से भी गुज़र कर अपने के स्थापित कर लेते है और कुछ लोग थोड़ा भी झटका सह नहीं पाते आत्म हत्या कर लेते है।

2022 का नेशलन क्राइम डाटा बताता है कि रोज का राष्ट्रीय आत्म हत्या औसत 500 के करीब है। डाटा यह भी बताता है कि आत्म हत्या करने वालो में तिहाई हिस्सा किसान, और दैनिक श्रमिक थे। 3000 विद्यार्थी अन्य समूह में थे। विद्यार्थियों के लिये इस समय कोटा सबसे बदनाम जगह बन गया है जहां विद्यार्थि विभिन्न पढ़ाई और विभिन्न सेवा में जाने के लिये तैयारी करने आते है। पढ़ाई का खर्च परिवार की आशायें खुद को सेवाओं में चुने जाने की गहन अभिलाषा उनके दिमाग पर भारी होकर लद जाते है।

विशेषज्ञ इनकी तीन वजहें गिनाते है, दिमागी स्वास्थ्य इनफ्रास्ट्रक्चर की कमी और जो है उनमें गुणवत्ता की बहुत कमी है। इसके सम्बन्ध में सन्तोषजनक कानून न होना और जो आत्महत्या की भावना से उबरना चाहते है उनके रास्ते में बहुत सी बाधायें है जो मदद की तलाश में रहते है। कोटा में 23 विद्यार्थियों ने इस साल आत्महत्या की। इसी रोकने का उपाय फैन की सीलिंग में स्प्रिंग लगाने की सलाह देते है। पर आत्महत्या पर उतारू शख्स दूसरे रास्ते तलाश लेगा। कुछ बालकनी के नीचे जाली लगाने का भी सुझाव देते है। पर ये सारे आत्महत्यों के लिये उपचार नहीं बन सकते।

आत्महत्या कोशिश को आईपीसी 309 को 2017 में जो मेन्टल हेल्थ ला था उसे डीक्रिमनलाइज्ड कर दिया गया है। नया बिल बीएनएस जल्द ही संसद में आने वाला है। इसमें उपरोक्त कानून के प्रावधान को पूरी तरह हटा दिया गया है जो एक सही कदम है। सुझाए गया बीएनएस में आत्म हत्या के लिये उकसाना जुर्म तो है पर इसे शरारतपूर्ण तरीके से या झूठे तरीके से साबित करना बहुत मुशकिल हो जायेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस सम्बन्ध में कहा है आत्म हत्या के लिये उकसाना किसी शख्स को दोषी मान कर मुकदमें के दायरे में लाना, उसके अपराधिक इरादे के उकसान के तुरन्त बाद आत्महत्या की गई है तभी उकसाने वाले पर मुकदमा चलाये जाना चाहिये। इसी बिना पर कोर्ट ने एक केस को खारिज कर दिया है और कहा है कि उपरोक्त साक्ष्य के बिना किसी पर मुकदमा चलाना कानूनी प्रक्रिया को दूषित करना होगा। इस तरह की समस्याये हमेशा पुलिस की नाकामी और कमजोर साक्ष्य की वजह से आती है।

आत्महत्या की कोशिश से बचकर निकल आते है उन्हें सहारे की जरूरत होती है। लम्बी अवधि के मदद की जरूरत होती है। वे कहां जायें जब हालात उन्हें आत्महत्या के कगार पर पहुंचाने के लिये ढकेल रहे है। 32 प्रतिशत आत्महत्यायें जो हुई है उनके कारक परिवारिक समस्यायें रही है। अगर कोई आदमी आत्महत्या की एक कोशिश में असफल हो जाता है तो दूसरे कोशिश भी कर सकता है। पर इसकी निगरानी कौन रक्खेगा। इसकी कोई व्यवस्था नहीं है। भारतीय प्रायः वित्तीय से लेकर व्यक्तिगत समस्यायें के लिये परिवार पर निर्भर रहते है। इसलिये परिवार में रहकर चर्चा एक बड़ा समाधान बन सकता है। पर इसके बावजूद मानसिक स्वस्थ्य के लिये कोई और विकल्प नहीं दिखता है। जो स्वंयसेवी संस्थाये, मददगार केन्द्र सरकारी गैर सरकारी हेल्पलाइन है, जो सहायक नेटवर्क है वे सभी पहुच के बाहर है और उनमें स्टाफकी भी बहुत कमी है।

यह भी गौर करने की बात है आत्महत्या से जो मौते हुये है उनमें 35 प्रतिशत मौते, 18-30 उम्र वालो की है। सृजन और आर्थिक गतिविधियों के लिये यह एजग्रुप बहुत सहायक होता है। राष्ट्र की उन्नति में ऐसी मौते बाधक है। अगर 18-30 के उम्र के 35 प्रतिशत लोग कालकवलित हो जाये राष्ट्र की जो आबादी बचेगी उसमें प्रौढ और वृद्ध जन होगे। प्रौढ़ तेजी से वृद्धा अवस्था की ओर बढ़ रहे होगे। राष्ट्र के हर गतिविधियों में इससे बाधा पहुंचेगी। चीन, जापान में बर्थ कन्ट्रोल और अन्य कानूनो के जरिये परिवार बहुत सीमित हो गया है। वृद्धजन भार बन गये है। जवान बहुत कम हो गये है। अब वहां परिवार बढ़ाने और ज्यादा बच्चे पैदा करने पर जोर दिया जा रहा है। भारत सावधान हो जाये।

खुदी कर बुलन्द इतना।
खुदा बन्दे से खुद पूछे बता तेरी रज़ा क्या है।।

प्रकृति से मानवीय खिलवाड़ के नतीजे

संजीव ठाकुर

भारत जैसे विकासशील देश में ही जहां गरीबी ने अपना परचम फैला रखा है। शहरों में पेट्रोल ,डीजल, केरोसिन से चलने वाली गाड़ियों और वातानुकूलित यंत्रों याने ए,सी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होने से वातावरण में उष्णता बढ़ते जा रही हैद्य इसके अलावा वनों का विनाश एक भयानक समस्या के रूप में देश में फैलता जा रहा हैद्य अंधाधुंध फैक्ट्रियों एवं मशीनों के उपकरणों से निकलने वाले धुंए से वातावरण विषैला बनाकर मनुष्य और जीव जंतुओं का जीना दूभर कर दिया है। वनों की कटाई के साथ-साथ कंक्रीट के जंगल धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगे हैं, ऐसे में शुद्ध वायु और और तापमान में आश्चर्यजनक बदलाव जिसके परिणाम स्वरूप वर्षा ऋतु के परिवर्तन एवं बारिश में न्यूनता आने से धरती के तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसी के चलते देश के कई शहरों में तापमान 48 से 50 सेल्सियस होने के कारण पशु पक्षी एवं मनुष्य की हीट स्ट्रोक से मृत्यु हुई हो जाती है। पानी की कमी तथा शरीर में डिहाइड्रेशन से लोगों की तथा वन्य पशुओं की लगातार मृत्यु हो रही है।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरा वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है। ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र मैं पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है। वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिज़वी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhnamahindi@gmail.com,

असल में भ्रष्टाचार एक विश्वव्यापी समस्या है। भारत में इसने कहर ढ़ाया है। इसके खिलाफ लड़ाई डेढ अरब़ जनता के हितों की लड़ाई है, जिसे हर व्यक्ति को लड़ना होगा। 'वही हारा जो लड़ा नहीं'- अब अगर हम नहीं लड़े तो भ्रष्टाचार की आग हर घर को स्वाहा कर देगी। नेहरू से मोदी तक की सत्ता-पालकी की यात्रा, लोहिया से राहुल-सोनिया तक का विपक्षी किरदार, पटेल से अमित शाह तक ही गृह स्थिति, हरिदास से हसन अली तक के घोटालों की साईज। बैलगाड़ी से मारुति, धोती से जीन्स, देसी घी से पाम-ऑयल, लस्सी से पेप्सी और वंदे मातरम् से गौधन तक होना हमारी संस्कृति का अवमूल्यन- ये सब भारत हैं।

भ्रष्टाचार का मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की

दुनियाभर में 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों में जागरूकता फैलाना है। इस दिवस को मनाते हुए सभी सरकारी, प्राइवेट, गैर-सरकारी सस्थाएं एवं नागरिक संगठन भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुटता से लड़ाई लड़ने का संकल्प लेते हैं। 31 अक्टूबर 2003 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाये जाने की घोषणा की। 2023 की थीम 'भ्रष्टाचार के खिलाफ दुनिया को एकजुट करना' है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सम्पूर्ण राष्ट्र एवं दुनिया का इस जंग में शामिल होना, एक शुभ घटना कही जा सकती है, क्योंकि भ्रष्टाचार आज किसी एक देश की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व की समस्या है। जैसे-जैसे इस दिवस को मनाने की सार्थकता एवं व्यापकता सफलता की ओर बढ़ी, वैसे-वैसे एक शंका जोर पकड़ती जा रही है कि एक शुभ शुरुआत का असर बेअसर न हो जाये क्योंकि यह समस्या कम होने की बजाय दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। यह शंका बेवजह भी नहीं है, क्योंकि यह जंग उन भ्रष्टाचारियों से हैं जो एक बड़ी ताकत बन चुके हैं।

ललित गर्ग

असल में राजनीतिक दुर्बलता के कारण ही बढ़ती है। हम सब जानते है सत्ता में बैठे कुछ व्यक्ति, आम जनता के साथ भ्रष्ट-व्यवहार करते है और उनकी स्वतंत्रता, स्वास्थ्य, जीवन और भविष्य छीन लेते है। जिसके बाद भ्रष्टाचार हर देश, क्षेत्र, समुदाय को प्रभावित करता है और कोई भी इस अपराध से अछूता नहीं है, जिसके लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में हमे भाग लेना चाहिए। असल में भ्रष्टाचार से लड़ना एक बड़ी चुनौती है, उसके विरुद्ध जन-समर्थन तैयार किया जाना जरूरी है, सभी गैर-राजनीतिक एवं राजनीतिक शक्तियों को उसमें सहयोग देना चाहिए। भ्रष्टाचार क्या है? सार्वजनिक जीवन में स्वीकृत मूल्यों के विरुद्ध आचरण को भ्रष्ट आचरण समझा जाता है। आम जन जीवन में इसे आर्थिक अपराधों से जोड़ा जाता है। भ्रष्टाचार में मुख्य हैं-घूस (रिश्वत), चुनाव में धांधली, सेक्स के बदले पक्षपात, हफ्ता वसूली, जबरन चन्दा लेना, अपने विरोधियों को दबाने के लिये सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग, न्यायाधीशों द्वारा गलत या पक्षपातपूर्ण निर्णय, ब्लैकमेल करना, टैक्स चोरी, झूठी गवाही, झूठा मुकदमा, परीक्षा में नकल, परीक्षार्थी का गलत मूल्यांकन-सही उत्तर पर अंक न देना और गलत, अलिखित उत्तरों पर भी अंक दे देना, पैसे लेकर संसद में प्रश्न पूछना, पैसे लेकर वोट देना, वोट के लिये पैसा और शराब आदि बाँटना, पैसे लेकर रिपोर्ट छापना, अपने कार्यों को करवाने के लिये नगद राशि देना, विभिन्न पुरस्कारों के लिये चयनित लोगों में पक्षपात करना, आदि। भारत में भ्रष्टाचार की समस्या इतनी उग्र है कि हर व्यक्ति इससे पीड़ित एवं प्रताड़ित है।

असल में भ्रष्टाचार एक विश्वव्यापी समस्या है। भारत में इसने कहर ढ़ाया है। इसके खिलाफ लड़ाई डेढ अरब़ जनता के हितों की लड़ाई है, जिसे हर व्यक्ति को लड़ना होगा। 'वही हारा जो लड़ा नहीं'- अब अगर हम नहीं लड़े तो भ्रष्टाचार की आग हर घर को स्वाहा कर देगी। नेहरू से मोदी तक की सत्ता-पालकी की यात्रा, लोहिया से राहुल-सोनिया तक का विपक्षी किरदार, पटेल से अमित शाह तक ही गृह स्थिति, हरिदास से हसन अली तक के घोटालों की साईज। बैलगाड़ी से मारुति, धोती से जीन्स, देसी घी से पाम-ऑयल, लस्सी से पेप्सी और वंदे मातरम् से गौधन तक होना हमारी संस्कृति का अवमूल्यन- ये सब भारत हैं। हमारी कहानी अपनी जुबानी कह रहे हैं। जिसमें भ्रष्टाचार व्याप्त है। आजादी के बाद से ही देश की जनता भ्रष्टाचार से जूझ रही है और भ्रष्टाचारी मजे कर रहे हैं। पंचायतों से लेकर संसद तक भ्रष्टाचार का बोलबाला है। मोदी के सख्त चेतावनी के बावजूद सरकारी दफ्तरों के चपरासी से लेकर आला अधिकारी तक बिना रिश्वत के सीधे मुंह बात तक नहीं करते। भ्रष्टाचार के कारण जहां देश के राष्ट्रीय चरित्र का हनन होता है, वहीं देश के विकास की समस्त योजनाओं का उचित पालन न होने के कारण जनता को उसका लाभ नहीं मिल पाता। अधिकांश धन कुछ लोगों के पास होने पर गरीब-अमीर की खाई दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। समस्त प्रकार के करों की चोरी के कारण देश को भयंकर आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। देश की वास्तविक प्रतिभाओं को धुन लग रहा है। भ्रष्टाचार के कारण कई लोग आत्महत्याएं भी कर रहे हैं। भ्रष्टाचार रूपी बुराई ने कैंसर की बीमारी का रूप अख्तियार कर लिया है। 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' वाली कहावत इस बुराई पर भी लागू हो रही है। अब तो हालत यह हो गई है कि हमारा देश भ्रष्टाचार के मामले में भी लगातर तरक्की कर रहा है। विकास एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत भ्रष्टाचार के मामले में नित नये कीर्तिमान बना रहा है। भले ही मोदी की भ्रष्टाचार विरोधी हुंकार के बाद देश में व्यापक बदलाव आया है। नोटबंन्दी एवं जीएसटी जैसे कठोर आर्थिक निर्णयों ने आर्थिक भ्रष्टाचार पर लगाम लगायी है। लेकिन अभी भी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक नयी राजनीतिक शक्ति को संगठित करने की जरूरत है। हर राष्ट्र के सामने चाहे वह कितना ही समृद्ध हो, विकसित हो, कोई न कोई चुनौती रहती है। चुनौतियों का सामना करना ही किसी राष्ट्र की जीवन्तता का परिचायक है। चुनौती नहीं तो राष्ट्र सो जायेगा। नेतृत्व निष्क्रिय हो जायेगा। चुनौतियां अगर हमारी नियति है, तो उसे स्वीकारना और मुकाबला करना हमें सीखना ही होगा और इसके लिये हर व्यक्ति को मोदी बनना होगा। हमारे राष्ट्र के सामने अनैतिकता, महंगाई, बढ़ती जनसंख्या, प्रदूषण, आर्थिक अपराध आदि बहुत सी बड़ी चुनौतियां पहले से ही हैं, उनके साथ भ्रष्टाचार सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ी है। राष्ट्र के लोगों के मन में भय, आशंका एवं असुरक्षा की भावना घर कर गयी है। कोई भी व्यक्ति, प्रसंग, अवसर अगर राष्ट्र को एक दिन के लिए ही आशावान बना देते हैं तो वे महत्वपूर्ण होते हैं। पर यहां तो निराशा और भय की लम्बी रात की काली छाया व्याप्त है। मोदी के रूप में एक भरोसा जगा क्योंकि मनमोहन सिंह की सरकार 'जैसा चलता है, वैसे चलता रहे' में विश्वास रखती थी, जिससे भ्रष्टाचार की समस्या को नये पंख मिले। उन्हें इस बात को समझना चाहिए था कि वे देश के प्रधानमंत्री है, राष्ट्र के हितों की रक्षा उनका पहला दायित्व है। उन्होंने टू-जी स्पैक्ट्रम घोटाले पर शुरू में लीपापोती की, थामस की सीवीसी पद पर नियुक्ति का जमकर बचाव किया, खेलों में भ्रष्टाचार को नजरअंदाज किया। ऐसा बहुत कुछ कहा जिससे साबित हुआ कि वे काजल की कोठरी में रहते हुए खुद अपने को और अपनी सरकार के कपड़ों को पूरी तरह धवल दिखाना चाहते थे और ऐसा करते हुए वे देश की आत्मा को तार-तार करते रहे, देश की अस्मिता एवं अस्तित्व को दागदार बनाते रहे। दुनिया के कई विकसित देशों में भ्रष्टाचार एक जायज व्यापारिक-राजनीतिक कार्रवाई है। संस्कृतियों के बीच अंतर ने भी भ्रष्टाचार के प्रश्न को पेचीदा बनाया है। भ्रष्टाचार का मुद्दा एक ऐसा राजनीतिक प्रश्न है जिसके कारण कई बार न केवल सरकारें बदल जाती हैं। बल्कि यह बहुत बड़े-बड़े ऐतिहासिक परिवर्तनों का वाहक भी रहा है। नदी में गिरी बर्फ की शिला को गलना है, ठीक उसी प्रकार भ्रष्टाचार से जुड़े तत्वों को भी एक न एक दिन हटना है।

सनातन को गाली देने की क्षुद्र राजनीति

सनातन को गाली और मुस्लिम तुष्टिकरण और जिहाद को बढ़ावा देना कांग्रेस को किस तरह भारी पड़ा है उसे छत्तीसगढ़ एक उदाहरण से समझा जा सकता है। छत्तीसगढ के 24 वर्षीय युवा भुवनेश्वर साहू को बेमेतरा के बिरनपुर में जिहादियों की भीड़ ने मार दिया था और उसके परिवार को कांग्रेस सरकार में न्याय नहीं मिला। उनके पिता ईश्वर साहू नितांत गरीब थे, उनको भाजपा ने 'साजा' सीट से टिकट दिया। भुवनेश्वर के पिता ईश्वर साहू ने 19600 मतों से 40 साल से कांग्रेस से विधायक मंत्री रविन्द्र चौबे को हरा दिया।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे घोषित हो चुके हैं। हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी हार से बौखलाई कांग्रेस और इंडिया गठबंधन फिर से एक बार क्षुद्र राजनीति पर उतर आया है। रस्मी तौर पर हर बार की तरह इस बार भी विपक्ष ने अपनी हार, नाकामियों और कमियों का ठिकरा ईवीएम के सिर फोड़ा है। लेकिन इस बार विरोध सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि द्रमुक सांसद सेंथिल कुमार ने लोकसभा में बयान देकर जनादेश को 'उत्तर बनाम दक्षिण' करने की मंशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भाजपा हिंदी पट्टी के 'गौमूत्र' वाले राज्यों में ही चुनाव जीतती है।

आशीष वशिष्ठ

यह भी कोई नई बात नहीं है कि डीएमके के किसी नेता ने इस तरह का बयान कोई पहली बार दिया है, इससे पहले भी उसके नेता विभाजनकारी बयान देते रहे हैं। डीएमके सांसद का यह विवादित बयान कोई अनायास नहीं आया है, यह सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। द्रमुक के नेताओं ने ही 'सनातन' के समूल नाश की बात कही थी और उसकी तुलना एड्स और कोढ़ जैसी बीमारियों से की थी। क्या ऐसी गालियां देना राजनीति के लिए जरूरी है? चाहे हिंदी भाषा की बात हो, सनातन संस्कृति की बात हो या फिर उत्तर-दक्षिण विवाद की बात हो, वे इसे लेकर विवादित बयान देते रहे हैं। द्रमुक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का ही घटक-दल है। विरोध के बाद सांसद को माफी मांगनी पड़ी, लेकिन ऐसा भाजपा-विरोध देश की 'विविधता में एकता' संस्कृति का अपमान और उल्लंघन है। हालांकि इस कथन को लोकसभा की कार्यवाही के रिकॉर्ड से बाहर कर दिया गया है, लेकिन यह अपमान कौन सहेगा?

इसमें कोई दो राय नहीं है कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस की करारी हार के पीछे सनातन का विरोध, सनातन के विरोध पर चुप्पी और मुस्लिम तुष्टिकरण बड़ी वजह है। एक तरफ जहां इस हार लेकर कांग्रेस में रोना-धोना मचा है, वहीं नैरेटिव का खेल भी जारी है। यानि कांग्रेस हार से सबक लेने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस के ही नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पार्टी को आईना दिखाते हुए कहा कि सनातन का श्राप कांग्रेस को ले डूबा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद लेफ्ट लिबरल गैंग और कांग्रेस समर्थक पत्रकारों-विश्लेषकों ने तरह-तरह के कुतर्क रचने शुरू कर दिए हैं। इंडिया टुडे के पत्रकार शिव अरूर ने कांग्रेस समर्थक पत्रकारों-विश्लेषकों की परतें उघार कर रख दी है। इसी वीडियो को शेयर करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए लिखा, 'वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद

और अज्ञानता से खुश रहें। लेकिन उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहें। 70 साल पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती।' पीएम मोदी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'ऐसे लोगों की बुद्धिमत्ता है कि उन्हें आगे कई और मेल्टडाउन्स के लिए तैयार रहना होगा।'

दरअसल कांग्रेस ने 70 सालों से यही अपना चाल,चेहरा और चरित्र बना लिया है। वह इस बात को समझ ही नहीं पाई सनातन संस्कृति के दम पर भारत हमेशा से धर्म परायण देश रहा है और यहां जातिवाद कभी नहीं रहा। कांग्रेस के तुष्टिकरण की पराकाष्ठा देखिए कि उदयपुर में कांग्रेस के प्रत्याशी गौरव वल्लभ ने कब्रिस्तान के लिए 5 बीघा जमीन मुफ्त देने की घोषणा ही कर डाली। उदयपुर वहीं जिला है, जहां दर्जी कन्हैयालाल की निर्मम हत्या हुई और ये मामले पूरे देश में सुर्खियां में रहा था। गहलोत सरकार इस पूरे मामले को लेकर सवालों के घेरे में रहीं। सनातन के विरोध और कन्हैयालाल के अपराधियों पर सख्त कार्रवाई न करने के चलते उदयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा। बीजेपी के ताराचंद जैन ने यहां जीत का परचम लहराया। सनातन को गाली और मुस्लिम तुष्टिकरण और जिहाद को बढ़ावा देना कांग्रेस को किस तरह भारी पड़ा है उसे छत्तीसगढ़ एक उदाहरण से समझा जा सकता है। छत्तीसगढ के 24 वर्षीय युवा भुवनेश्वर साहू को बेमेतरा के बिरनपुर में जिहादियों की भीड़ ने मार दिया था और उसके परिवार को कांग्रेस सरकार में न्याय नहीं मिला। उनके पिता ईश्वर साहू नितांत गरीब थे, उनको भाजपा ने 'साजा' सीट से टिकट दिया। भुवनेश्वर के पिता ईश्वर साहू ने 19600 मतों से 40 साल से कांग्रेस से विधायक मंत्री रविन्द्र चौबे को हरा दिया। रविन्द्र चौबे छत्तीसगढ़ में बघेल सरकार में कृषि मंत्री थे और सात बार विधायक रह चुके हैं। वोटबैंक के डर से और मुस्लिम तुष्टिकरण में कांग्रेस ने अपराधियों पर कार्रवाई नहीं की। ऐसे नतीजे कांग्रेस को हर बार बताते आएंगे कि आखिर क्यों जनता का समर्थन उसे नहीं मिलता।

इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कई बार तुलसीदास और रामचरितमानस के लिए विवादित शब्दावली का इस्तेमाल किया है। उन्होंने यहां तक कहा है कि हिन्दू नाम का कोई धर्म ही नहीं है, ये ब्राह्मण धर्म है। उन्होंने हिन्दू धर्म को धोखा बता दिया। इसी तरह, बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर यादव ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों के मन में रामचरितमानस को लेकर ज़हर भरा। स्वामी प्रसाद मौर्य और चंद्रशेखर यादव के अलावा उदयनिधि स्टालिन, ए. राजा, प्रियांक खड़गे आदि सनातन को भला-बुरा कहने और कोसने वालों की लंबी कतार है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि सनातन धर्म दुनिया का सबसे पुराना धर्म है। सनातन धर्म पर अर्नगल बयानबाजी और टिप्पणियां न सिर्फ सनातन धर्म के खिलाफ है, बल्कि भारत के खिलाफ भी है। सनातन के अपमान से करोड़ों देशवासियों की भावनाएं आहत होती हैं। वास्तव में बात बस इतनी सी है कि सनातन धर्म को लेकर जो-जो बातें कही गई, इस्लाम या ईसाई के लिए मुंह तक खोल देने पर ईशनिंदा का आरोप लग जाता है।

मुंबई में 26/11 आतंकी हमले की साजिश कांग्रेस ने हिंदू आतंकवाद का नैरेटिव सेट करने के लिए रची थी। कांग्रेस, अर्बन नक्सल, दिग्विजय सिंह, महेश भट्ट ने यह साबित करने की पूरी कोशिश की थी कि मुंबई आतंकी हमला हिंदू आतंकवाद के कारण हुआ। पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब हाथ में कलावा और आई कार्ड समीर चौधरी का लेकर भारत में घुसा था। अगर वह जिंदा पकड़ा नहीं जाता तो कांग्रेस हिंदू आतंकवाद को साबित करने में सफल हो

भ्रष्टाचार देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा

भारत देश में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कानूनी और नियामक ढांचे बनाये गए है। जैसे- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988, लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार के संबंध में और उन लोगों के लिए भी दंड का प्रावधान करता है जो भ्रष्टाचार के कृत्य को बढ़ावा देने में शामिल हैं। 2018 के संशोधन ने लोक सेवकों द्वारा रिश्वत लेने के साथ-साथ किसी भी व्यक्ति द्वारा रिश्वत देने दोनों को अपराध घोषित कर दिया। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम 2002, का उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग की घटनाओं को रोकना है और भारत में अपराध द्वारा आय के उपयोग पर रोक लगाना है। कंपनी अधिनियम 2013, कॉर्पोरेट प्रशासन और कॉर्पोरेट क्षेत्र में भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की रोकथाम प्रदान करता है। धोखाधड़ी शब्द को व्यापक परिभाषा दी गई है और यह कंपनी अधिनियम के तहत एक अपराध है।

भ्रष्टाचार समाज का वो नासूर है जो समृद्ध समाज के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा बनता है। लालच या मज़बूरी के कारण लोग भ्रष्टाचार का विरोध करने के बजाय उसे लगातार बढ़ावा देते हैं, जिससे अक्सर न्याय और मानवता की हार होती है। जिन्हें फायदा होता है वे अपने पद, शक्ति और प्रतिष्ठा का दुरुपयोग कर सरकार और जनता को लूटते हैं। हमें अक्सर कहीं न कहीं भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ता है, अनेक लोग कड़ी मेहनत करते हैं और वे संघर्ष करते ही रह जाते हैं और सफलता कोई अन्य ले लेता है। बहुत बार हर क्षेत्र, हर विभाग से जुड़ा कर्मचारी जानता है कि उसके यहां पर कहां भ्रष्टाचार पनपता है या गलत काम को बढ़ावा मिलता है, लेकिन कोई खुलकर विरोध नहीं करता, सब आँखे मूंदकर देखते रहते हैं क्योकि वें मानते है कि उससे उन्हें कोई दिक्कत नहीं हैं या फिर वह क्यों समस्या से उलझें। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए कई सख्त कानून हैं, सरकारी तंत्र काम कर रहे हैं, कई संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता भी भ्रष्टाचार के खिलाफ काम कर रहे हैं, फिर भी भ्रष्टाचार तेजी से फैल रहा है। भ्रष्टाचार से पीड़ित लोगों के जीवन की जद्दोजहद अति संघर्ष का सामना करने को मजबूर हो जाती है। भ्रष्टाचार भरोसा खत्म कर लोकतंत्र को कमजोर करता है, आर्थिक विकास को बाधित करके असमानता, गरीबी, सामाजिक विभाजन और पर्यावरण संकट को अधिक बढ़ाता है।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा किए गए करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2022 रिपोर्ट के अनुसार, भारत 40 अंक प्राप्त कर 180 देशों में से 85वां सबसे कम भ्रष्ट देश बना है। 89त्न प्रतिशत लोग मानते हैं कि सरकारी भ्रष्टाचार एक बड़ी समस्या है। पिछले 12 महीनों में 39 फीसदी सार्वजनिक सेवा उपयोगकर्ताओं ने रिश्वत दी। सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाले देशों में भ्रष्टाचार अक्सर मजबूत होता है। अफसोस की बात है कि भारत उनमें से एक है जिसकी प्रति व्यक्ति आय कम है। विश्व बैंक ने 2004 में कहा था कि रिश्वतखोरी के कारण दुनिया भर में हर साल 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता था। विश्व स्तर पर, वर्तमान में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने अनुमान लगाया है कि भ्रष्टाचार की लागत प्रति वर्ष लगभग 2.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर अर्थात 2,16,37,200 करोड़ रुपये है। राजनेता,

सरकारी अधिकारी, लोक सेवक, व्यवसायी या जनता के सदस्य कोई भी भ्रष्टाचार में शामिल हो सकता है। व्यापार, सरकार, अदालत, मीडिया, स्वास्थ्य, शिक्षा से लेकर बुनियादी ढांचे और खेल तक सभी क्षेत्रों में कहीं भी भ्रष्टाचार हो सकता है। राजनेता सार्वजनिक धन का दुरुपयोग कर अपने परिजनों, मित्रों और परिवारों को सार्वजनिक नौकरियां या अनुबंध दे सकते हैं, मन मुताबिक काम पाने के लिए पाने के लिए निगम अधिकारियों को रिश्वत दे सकते है। भारत भ्रष्टाचार सर्वेक्षण 2019 के अनुसार, 51 फीसदी उत्तरदाताओं ने रिश्वत देने की बात स्वीकार की।

भारत देश में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कानूनी और नियामक ढांचे बनाये गए है। जैसे- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988, लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार के संबंध में और उन लोगों के लिए भी दंड का प्रावधान करता है जो भ्रष्टाचार के कृत्य को बढ़ावा देने में शामिल हैं। 2018 के संशोधन ने लोक सेवकों द्वारा रिश्वत लेने के साथ-साथ किसी भी व्यक्ति द्वारा रिश्वत देने दोनों को अपराध घोषित कर दिया। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम 2002, का उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग की घटनाओं को रोकना है और भारत में अपराध द्वारा आय के उपयोग पर रोक लगाना है। कंपनी अधिनियम 2013, कॉर्पोरेट प्रशासन और कॉर्पोरेट क्षेत्र में भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की रोकथाम प्रदान करता है। धोखाधड़ी शब्द को व्यापक परिभाषा दी गई है और यह कंपनी अधिनियम के तहत एक अपराध है। भारतीय दंड संहिता 1860, ऐसे प्रावधानों को निर्धारित करती है जिनकी व्याख्या रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के मामलों को कवर करने के लिए की जा सकती है, जिसमें आपराधिक विश्वासघात और धोखाधड़ी से संबंधित अपराध भी शामिल हैं। बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम 1988, यह अधिनियम उस व्यक्ति को उस पर अपना दावा करने से रोकता है जिसने किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर संपत्ति अर्जित की है।

भ्रष्टाचार का प्रभाव समाज के सबसे कमजोर लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। जो राष्ट्र भ्रष्टाचार से लड़ते हैं और अपने कानून के शासन में सुधार करते हैं, वे अपनी राष्ट्रीय आय में 400 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकते हैं। लोगों की जागरूकता ही भ्रष्ट व्यवस्था को बदल सकती हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई और ईमानदारी, पारदर्शिता, कर्तव्यनिष्ठा को हमारे प्रत्येक के जीवन, समाज, संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। हमारे प्रणाली में निरंतर जांच और संतुलन बना रहना चाहिए। कर्मचारी या जन प्रतिनिधि का पद जितना ऊंचा होता है, वह जनता के प्रति उतना ही अधिक जवाबदेह होता है। भ्रष्टाचार संबंधित शिकायत के लिए भारत सरकार के केंद्रीय सतर्कता आयोग से संपर्क करने के लिए टोल फ्री- 1800110180, 1964 पर कॉल कर सकते है। इसके साथ ही राज्य सरकार के भ्रष्टाचार निरोधक विभाग भी इस समस्या से लड़ने के लिए सर्वदा तत्पर होते है। जैसे कि महाराष्ट्र राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक विभाग से संपर्क करने के लिए +91 22-249-21212, टोल फ्री नंबर 1064, व्हाट्सएप नंबर 9930997700, ई-मेल आईडी acbwebmail@mahapolice.gov.in का उपयोग कर सकते है। हमेशा जागरूक रहें, सतर्क रहें देशहित में कार्य करें।

महिलाएं क्यों नहीं करना चाहती हैं शादी

कभी माना जाता था कि महिलाओं को विवाहित होना, सांस लेने के बराबर जरूरी है। लेकिन नए जमाने की महिलाएं अविवाहित यानी सिंगल रहना पसंद कर रही हैं। शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने उनकी सोच और स्थिति को बदला है। लेकिन क्या सिर्फ यही एक वजह है या कारण और भी हैं? 40 वर्षीय सुनीता ने केवल इस वजह से सामाजिक समारोहों में जाना छोड़ दिया कि हर जगह लोग यही पूछते हैं कि च्शादी के लड्डू कब खिला रही हो? समाज में महिलाओं का सिंगल रहना एक तरह से वर्जित माना जाता रहा है। अगर किसी समारोह में कोई अविवाहित/सिंगल महिला दिख जाए तो उसके बारे में तरह-तरह की बातें की जाती हैं। कई बार तो ऐसी महिलाओं का उत्सवों में जाना भी मुश्किल हो जाता है। वस्तुतः यह समाज का नियम है कि जो चीज आपके पास न हो, लोग उसी के बारे में पूछते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से लड़कियों की रिश्तों में बंधने और कमिटमेंट में रहने की मानसिकता में तेजी से बदलाव आ रहा है। शादी, जिसे सात जन्मों का बंधन माना जाता था, उससे लड़कियां दूर जा रही हैं। आज उन्हें अकेले रहना और आत्मविश्वास से जीना भा रहा है। जमाने की रीति-नीति को झुठलाती ये लड़कियां पहले से ज्यादा आत्मविश्वास से लबरेज दिखती हैं। आज उनकी प्राथमिकताएं भी बदल चुकी हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाएं सिंगल रहना ज्यादा पसंद करती हैं। डाटा एनालिस्ट च्मिंटेलज् द्वारा किए गए इस अध्ययन के अनुसार, जहां 49 फीसदी पुरुष अपने सिंगल स्टेटस से खुश हैं, वहीं 61 फीसदी महिलाएं सिंगल रहना चाहती हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि सिंगल महिलाओं में लगभग 75 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जिन्होंने अपने लिए साथी ढूंढने की कोशिश भी नहीं की, जबकि महिलाओं के मुकाबले ऐसे पुरुष केवल 65 फीसदी हैं।

क्या होती है वजह

अध्ययन के नतीजों से यह बात सामने आई कि रिश्तों को चलाने के लिए पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को ज्यादा काम और मेहनत करनी पड़ती है, क्योंकि एक तरह से गृहस्थी की जिम्मेदारी हमारे देश में महिलाओं के हिस्से में ही डाल दी जाती है। रिलेशनशिप एक्सपर्ट की मानें तो महिलाएं रिश्तों को निभाने के साथ-साथ घर के कामकाज, जैसे कि खाना बनाना, घर-परिवार का ध्यान रखना, बच्चों की परवरिश करना और रिश्तों में होने वाली छोटी-मोटी लड़ाइयों का निपटारा करने जैसी चीजों में इतना ज्यादा उलझ जाती हैं कि एक समय के बाद उनकी रिश्तों के प्रति रुचि ही खत्म हो जाती है। उन्हें ये सब उलझन प्रतीत होने लगता है। वे अपना च्मीज् टाइम मिस करने लगती हैं। नतीजतन, वे विवाह के बंधन से दूर भागने लगती हैं। शादी और बच्चे को औरत की संपूर्णता से जोड़ने वाला यह दृष्टिकोण वक्त के साथ बदला है। अब सिर्फ शादी और बच्चे पैदा करना ही किसी महिला की प्राथमिकता नहीं रह गई है। 35 वर्षीय अकाउंटेंट प्रेरणा बताती हैं कि वे सिंगल वीमेन हैं। उन्हें विवाह करने की जरूरत कभी महसूस नहीं हुई। वह कहती हैं, मेरी जिंदगी में भी बहुत से लोग और दोस्त हैं, जिनके साथ मैं खुश हूं। उनके साथ उनकी ही एक दोस्त भी रहती हैं। दोनों अपनी जिंदगी में खुश हैं। अब तो घरवालों ने भी हारकर उन्हें शादी के लिए बोलना छोड़ दिया है। मजरूह सुल्तानपुरी ने ठीक ही कहा है, च्मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया।ज्ज् शायद आज के समय में यह शेअ्र इन महिलाओं पर फिट बैठता है। लेकिन सिर्फ अकेले ही जीवन जीना, विवाह को नकारने का कारण नहीं है, कई अन्य पहलू भी हैं, जिन पर गौर करने की आवश्यकता है, ताकि आप यह जान सकें कि आखिर आज युवतियों का रुझान विवाह के प्रति कम क्यों हो रहा है!

शिकायत नहीं जिंदगी से

अब महिलाएं करियर, सामाजिक रुतबा और मन-मुताबिक जिंदगी जीने को तवज्जो देने लगी हैं। यही वजह है कि कई महिलाएं शादी के बंधन में नहीं बंधना चाहतीं। हर किसी को अपने तरीके से जिंदगी जीने का हक है, मगर हमारे पुरुष प्रधान समाज में औरतों को हमेशा पुरुषों की मर्जी से चलना पड़ता है। लेकिन अब वक्त बदल रहा है। महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने उनकी स्थिति बदली है। सौ फीसदी न सही, लेकिन शिक्षित वर्ग की महिलाओं का एक बड़ा तबका अब अपनी शर्तों पर जिंदगी जी रहा है। समाज क्या कहेगा, इसकी चिंता छोड़कर ये महिलाएं वही करती हैं, जो उनका दिल कहता है। तभी तो आज अविवाहित महिलाओं की संख्या पहले की तुलना में काफी बढ़ी है। खास बात यह है कि इन सिंगल वीमेंस को अपने अकेलेपन से कोई शिकायत नहीं है और ये जिंदगी की रेस में जीत दर्ज करते हुए आगे बढ़ रही हैं।

संपूर्णता और खुशी की गारंटी नहीं

च्पत्नी और मां बने बिना औरत अधूरी है!ज् यह जुमला अब पुराने जमाने की बात हो गई है। 36 वर्षीय तनु कहती हैं, च्मुझे नहीं लगता कि शादी संपूर्णता और खुशी की गारंटी है। मैंने अपने बहुत से दोस्तों को देखा है, जो शादीशुदा होने के बावजूद अकेलापन और खुद को प्यार से वंचित महसूस करते हैं। अपने अंदर की रिक्तता को आप खुद ही भर सकती हैं, कोई और नहीं। मैं अपने कॅरिअर में खुश हूं और अपने शौक पूरे करके संतुष्ट हूं।ज्ज् आज अपने आस-पास टूट रहे वैवाहिक संबंधों को देखकर भी इन महिलाओं को अपने अकेले रहने के फैसले पर खुशी महसूस होती है। तनु कहती हैं, मैं घर से लेकर ऑफिस तक के काम में इतनी व्यस्त रहती हूं कि खुद के लिए भी फुरसत नहीं होती, तो अकेलापन कहां से महसूस होगा। वैसे भी घर में मम्मी-पापा सब हैं, तो कैसा अकेलापन। इन महिलाओं को देखकर कहा जा सकता है कि कभी पति के दायरे में सिमटी रहने वाली भारतीय महिलाओं की सोच और जिंदगी अब तेजी से बदल रही है।

सफलता के लिए विवाहित होना जरूरी नहीं

पहले किसी महिला की सफलता-असफलता का अंदाजा उसकी वैवाहिक स्थिति से लगाया जाता था। मतलब अगर महिला की शादीशुदा जिंदगी सुखी है तो वह सफल है और अगर वह असफल है तो इसके पीछे का कारण उसकी डिस्टर्बिंग वैवाहिक जिंदगी है। लेकिन आज की महिलाएं यह जान चुकी हैं कि उनकी सफलता का विवाह से कोई लेना-देना नहीं है। कोई महिला कितनी सफल है, यह उसके कॅरिअर और आत्मनिर्भर होने से जुड़ा मुद्दा है, न कि विवाह से जुड़ा।

स्वतंत्र रहने की चाहत

हमारे देश का पारिवारिक ढांचा ऐसा है, जिसमें पढ़ी-लिखी और कामकाजी महिलाओं को भी आजादी नहीं मिल पाती है। उन पर तरह-तरह की पाबंदियां होती हैं। उन्हें हर बात का हिसाब देना पड़ता है। अगर वे बाहर काम करती हैं तो उन्हें घरेलू कामों से भी राहत नहीं दी जाती है। इसके अलावा उन्हें अपनी आय में से अपने ही ऊपर पैसे खर्च करने से पहले पूछना पड़ता है। शादीशुदा होने की स्थिति में भी उनके पैसे पर पति का ही अधिकार होता है। इस सबसे बचने के लिए ही आजकल लड़कियां सिंगल रहना ज्यादा पसंद करती हैं।

आड़े आती है अधिक उम्र

कई लड़कियां तो पढ़ाई करने, जॉब में सेट होने या कुछ करने की चाहत में भी सिंगल रह जाती हैं, क्योंकि जब तक वे अपने इस सपने को पूरा करती हैं, उनकी उम्र निकल जाती है और फिर उन्हें अच्छे रिश्ते नहीं मिल पाते। इसलिए विवाह करने की इच्छा होने के बावजूद सिंगल रहना उनकी मजबूरी बन जाती है। भारत में रिश्तों का परिदृश्य तेजी से और लगातार बदल रहा है। पिछले कुछ सालों में यह परंपरागत समाज की तुलना में आधुनिक ढांचे की ओर बढ़ रहा है। शादी और रिश्तों से जुड़े अलग-अलग सवालों को लेकर किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि भारतीय महिलाएं विशेष रूप से सिंगल रहना पसंद कर रही हैं। आज वे केवल सामाजिक मांगों के कारण रिश्ते में बंधने की जल्दबाजी नहीं कर रही हैं।

ये हैं देश की पहली महिलाएं, जिन्होंने अपने क्षेत्र में रचा इतिहास

भारत पुरुष प्रधान देश है, जहां एक दौर था जब महिलाओं को शिक्षा का अधिकार नहीं था। बाल विवाह, विधवा विवाह समेत कई रूढ़िवादी प्रथाओं से भारतीय समाज ग्रसित था। हालांकि वक्त के साथ इन विचारधाराओं में बदलाव आया और प्रथाओं का अंत हुआ। आज महिलाएं उन बाधाओं को पार करके कामयाबी की राह तलाश रही हैं। कई क्षेत्रों में महिलाओं का परचम हैं। वर्तमान में देश की राष्ट्रपति एक महिला है। वहीं राजनीति से लेकर खेल जगत और रक्षा क्षेत्र से लेकर प्रशासनिक सेवा तक में महिलाओं की स्थिति मजबूत हुई है। हालांकि महिलाओं को इन क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने का श्रेय इतिहास की कुछ महिलाओं को जाता है, जो अपने कार्य और प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। भारत की कुछ महिलाएं हैं जो अपने क्षेत्र में प्रथम है। आइए जानते हैं ऐसी महिलाओं के बारे में, जिन्हें भारतीय इतिहास में प्रथम महिला की उपाधि मिली हुई है।

इंदिरा गांधी

इंदिरा गांधी भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने भारत की राजनीति में ही नहीं बल्कि वैश्विक मंच पर भी अलग छाप छोड़ी। वह लगातार 3 बार भारत की प्रधानमंत्री रहीं। चौथी बार 1980 से 1984 तक फिर पीएम पद पर रहीं। इंदिरा गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं। इंदिरा वह प्रधानमंत्री हैं, जिनके शासनकाल में 1971 का युद्ध हुआ और पाकिस्तान के दो टुकड़े व बांग्लादेश नया देश बना।

सावित्री बाई फुले

देश की पहली महिला शिक्षक सावित्री बाई फुले हैं। महाराष्ट्र में जन्मी सावित्री बाई ने उस दौर में शिक्षा हासिल की, जब लड़कियों के पढ़ने को पाप समझा जाता था। दलितों के लिए शिक्षा अपराध रूपी थी। उन्होंने न केवल खुद शिक्षा हासिल की, बल्कि लड़कियों के लिए 18 स्कूल खोले। बाल विवाह, सती प्रथा जैसे अंधविश्वास और रूढ़ियों की बेड़ियां तोड़ने के लिए संघर्ष किया।

किरण बेदी

भारत की पहली महिला आईपीएस किरण बेदी थीं। उनका जन्म 1949 को अमृतसर के पंजाब में हुआ था। देश की पहली महिला आईपीएस बनने का गौरव प्राप्त करने वाली किरण बेदी को उनके कार्यों की वजह से जाना जाता है। कहते हैं कि किरण बेदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की कार को पार्किंग नियमों के उल्लंघन करने पर क्रेन से उठवा लिया था और जुर्माना लगाया था।

मैरी कॉम

भारतीय महिला मुक्केबाज मैरी कॉम 6 बार विश्व चैंपियन रह चुकी हैं। ओलंपिक में कांस्य जीतकर उन्होंने महिला मुक्केबाजी में अपना स्थान सर्वोच्च निर्धारित कर लिया। दो बच्चों को जन्म देने के बाद भी मैरी कॉम बॉक्सिंग रिंग में उतरीं और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच पर मेडल दिलाया।

लाखों गर्भवतियों का कराया मुफ्त में प्रसव

चिकित्सा खर्च का बोझ मध्यवर्गीय परिवारों पर भारी पड़ जाता है। उनके लिए रोटी कपड़ा और मकान की जरूरत को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बीच चिकित्सीय सहायता दबाव जैसा होता है। बीमारी और अचानक अस्पताल जाना घर परिवार की आर्थिक स्थिति को बिगाड़ देता है। हालांकि अस्पताल जाना किसी खुशखबरी का संकेत भी होता है लेकिन गर्भावस्था और प्रसव में होने वाले खर्च के कारण कई परिवार इस खुशखबरी के लिए कई बार सोचते हैं।

महंगाई के इस दौर में एक ऐसी महिला हैं जो वर्षों से गर्भवतियों की मुफ्त में डिलीवरी कराई। अब तक इस महिला ने लाखों महिलाओं की मुफ्त में डिलीवरी कराते हुए बच्चों को जीवनदान दिया और उनके परिवार के लिए बच्चे के जन्म को बोझ बनने से बचाया। इस महिला का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे अधिक डिलीवरी कराने के लिए दर्ज हुआ है। इस महिला को पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। आइए जानते हैं इस महिला की प्रेरणादायक कहानी। बच्चों की डिलीवरी कराने का यह श्रेय डॉक्टर भक्ति यादव को जाता है। डॉक्टर भक्ति यादव ने 91 साल तक गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी कराई। इस कारण वह डॉक्टर दादी के रूप में मशहूर हैं।

डॉक्टर भक्ति यादव का जीवन परिचय

भक्ति यादव का एक महाराष्ट्रीयन परिवार से संबंध है। 3 अप्रैल 1926 को उज्जैन के महिदपुर में भक्ति यादव का जन्म हुआ। उन्होंने गांव के स्कूल में सातवीं कक्षा तक पढ़ाई की। बाद में इंदौर के अहिल्या आश्रम स्कूल में उनका दाखिला कराया गया। 1948 में उन्होंने बीएससी की पढ़ाई इंदौर के होलकर साइंस कॉलेज से पूरी की। वह कॉलेज टॉपर रह चुकी हैं। बाद में महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एमजीएम से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करते हुए इंदौर की पहली महिला डॉक्टर बनने का खिताब हासिल किया। उस दौरान 40 एमबीबीएस छात्रों में वह इकलौती महिला थीं।

डॉक्टर भक्ति यादव का करियर

डॉक्टर भक्ति एक स्त्री रोग विशेषज्ञ थीं। वह गरीब मिल मजदूरों की पत्नियों का इलाज किया करती थीं। अपना पूरा जीवन काल 70000 से अधिक महिलाओं को डिलीवरी और डेढ़ लाख से ज्यादा परेशान करने का रिकॉर्ड स्थापित किया। गरीबों को मुफ्त इलाज देने के लिए उन्होंने नंदलाल भंडारी मातृत्व गृह में काम किया। इसके लिए उन्होंने सरकारी नौकरी का प्रस्ताव तक ठुकरा दिया था। अपने आवास पर ही वात्सल्या नर्सिंग होम की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने लगभग एक हजार महिला रोगियों का मुफ्त इलाज किया। वह किसी महिला की डिलीवरी कराने के लिए महज एक रुपया फीस लेती थीं।

डॉक्टर भक्ति यादव की उपलब्धि

भक्ति यादव को 30 मार्च 2017 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया हालांकि डाक्टर दादी यह सम्मान लेने नहीं जा पाई थीं।

इस पर कलेक्टर और प्रभार मंत्री ने उनके घर पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया था। उन्हें डॉक्टरों के विशेष सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। 91 साल की उम्र तक डॉक्टर भक्ति डिलीवरी कराती रहीं। 2017 में डॉक्टर दादी का देहांत हो गया।

मिलिए अन्ना चांडी से, जिन्होंने दीपिका पादुकोण को अवसाद से बाहर आने में की मदद

हर वो महिला जो समाज में सकारात्मकता ला रही हैं, नारी शक्ति की मिसाल हैं। घर-परिवार के साथ ही देश और समाज के लिए के बेहतर निर्माण व विकास में योगदान देने वाली हर महिला को एक हीरो की तरह देखना चाहिए। इन्हीं दमदार महिलाओं में एक नाम अन्ना चंडी का है। अन्ना चंडी का अभिनेत्री दीपिका पादुकोण से नाता है। दीपिका एक दमदार अभिनेत्री के साथ ही खुद के दम पर इंडस्ट्री में टॉप पर पहुंचने और मुकाम हासिल करने वाली महिला हैं। वहीं अन्ना चंडी ने दीपिका पादुकोण के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाकर उन्हें उस मुकाम तक पहुंचने में मदद की, जहां आज दीपिका हैं।

अन्ना चांडी, देश की पहली पर्यवेक्षण और प्रशिक्षण लेनदेन विश्लेषक हैं, जो दीपिका पादुकोण के नेतृत्व वाले लिव लव लाफ फाउंडेशन की अध्यक्ष हैं। बेंगलुरु के इंदिरानगर इलाके में बोर्ड मार्किंग हेडक्वार्टरों के बीच दीपिका पादुकोण द्वारा स्थापित द लिव लव लाफ फाउंडेशन के मुख्यालय का भी बोर्ड लगा है। इस मुख्यालय की चेयरपर्सन अन्ना चंडी काउंसलिंग में विशेषज्ञता के साथ इंटरनेशनल ट्रांजैक्शन एनालिसिस एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त भारत की पहली पर्यवेक्षण और प्रशिक्षण लेनदेन विश्लेषण हैं। उन्हें न्यूरो-भाषाई प्रोग्रामिंग और कला चिकित्सा में भी प्रमाण मिल चुका है। मूल रूप से चेन्नई की रहने वाली अन्ना का ज्यादातर जीवन बेंगलुरु में बीता।

अपने 30 साल के करियर के दौरान अन्ना ने बेहतर अनुभव के साथ ही कई भूमिकाओं में अपना बेहतर योगदान दिया। दक्षिण भारतीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली अन्ना ने बेंगलुरु के बिसप काटेन बालिका स्कूल से शुरुआती शिक्षा हासिल की। आगे की पढ़ाई के लिए माउंट कार्मल कॉलेज में दाखिला लिया।

रोगियों की काउंसलिंग करती हैं अन्ना चांडी

शादी के कुछ समय बाद ही अन्ना को पता चला कि उनके पति के भाई को Schizophrenia नाम की बीमारी है, जो एक तरह का मानसिक विकार है। हालांकि शुरुआत समय में परिवार को इस बीमारी के बारे में कुछ अधिक जानकारी नहीं थी। विशेषज्ञ ने उन्हें बीमार को संभालने के तरीके के बारे में सीखने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने एक एनजीओ विश्वास में फ्रीलांस काम करके करियर की शुरुआत की। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने नेशनल टेलीविजन पर मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बात की थी। अवसाद की स्थिति से निकलने में दीपिका को अन्ना चंडी का साथ मिला। आज वह अन्ना की संस्था से जुड़ी हुई हैं

जम्मू कश्मीर की साइमा उबैद के नाम है बड़ी उपलब्धि, हर महिला के लिए बनी मिसाल

महिलाओं की स्पोर्ट्स में हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। महिला हॉकी टीम और महिला क्रिकेट टीम को भी अब वहीं पहचान मिलने लगी है जो पुरुष खिलाड़ियों को मिलती है। इसके साथ गही महिलाएं कुश्ती, कबड्डी और बॉडी बिल्डिंग जैसे खेलों में भी पुरुषों की तरह शामिल होने लगी हैं। आमिर की फिल्म दंगल हो या शाहरुख की फिल्म चक दे इंडिया या फिर सलमान की दंगल, इन सभी फिल्मों में लड़कियों को कुश्ती और हॉकी खेलते देखा जा चुका है। भारत में भी आज महिलाएं कुश्ती, कबड्डी और वेट लिफ्टिंग के अपने शौक को करियर बना रही हैं। कश्मीर की लड़कियां भी इस तरह के स्पोर्ट्स में शामिल हो गई हैं। इसकी शुरुआत कश्मीर की पहली महिला पावर लिफ्टर साइमा उबैद ने की है। पावर लिफ्टिंग के करियर में अपनी पहचान बनाने वाली साइमा उबैद ने राज्य स्तरीय पदक अपने नाम करके साबित कर दिया है कि महिलाएं भी किसी से कम नहीं हैं।

साइमा उबैद मूल रूप से जम्मू कश्मीर के श्रीनगर की निवासी हैं। साइमा ने अपनी शुरुआती शिक्षा श्रीनगर से प्राप्त की और आगे की पढ़ाई श्रीनगर के ही सरकार कॉलेज से की। साइमा ने होम साइंस में ग्रेजुएशन किया है। बाद में साइमा ने पावर लिफ्टिंग को अपना करियर बनाया और ट्रेनिंग शुरू की। उनकी शादी हो चुकी है और एक बच्चे की मां भी है। इसके बावजूद साइमा ने ट्रेनिंग जारी रखी है। उनका साथ साइमा के पति ने दिया, जो ट्रेनिंग में उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।

साइमा का पावर लिफ्टिंग में करियर

दरअसल, जम्मू कश्मीर में हर साल पावर-लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन होता है। वैसे तो इस प्रतियोगिता में पुरुष हिस्सा लेते हैं लेकिन साल 2021 में ये प्रतियोगिता उस समय चर्चा में आई जब पहली बार महिलाओं के लिए पावर लिफ्टिंग का आयोजन हुआ। साइमा उबैद ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इतना ही नहीं साइमा ने पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल भी हासिल किया और जम्मू कश्मीर के साथ ही देश का नाम भी रोशन किया। साइमा के नाम 255 किलो वजन उठाने की उपलब्धि है।

साइमा को मिला पति का साथ

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साइमा को बचपन से पावर-लिफ्टिंग का शौक था और उन्होंने इसे करियर बनाने की ठान रखी थीं। वह कम उम्र में ही जिम जाने लगी थीं। शादी के बाद भी साइमा ने अपने सपने और शौक को भुलाया नहीं बल्कि ट्रेनिंग जारी रखी। उनके पति उबैज हाफिज ने भी साइमा का साथ दिया।

कौन हैं सुधा मूर्ति जिनकी सादगी है मिसाल

74 वें गणतंत्र दिवस पर भारत सरकार ने पद्म पुरस्कारों के लिए जिन लोगों के नामों की घोषणा की, उसमें से एक सुधा मूर्ति हैं। सुधा मूर्ति को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके पहले उन्हें पद्मश्री भी मिल चुका है। सुधा मूर्ति का नाम हाल के वर्षों में कई कारणों से सुर्खियों में रहा है। सुधा मूर्ति औद्योगिक जगत को बड़ा और सम्मानित नाम हैं। वह एक दमदार पारिवारिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं, बावजूद इसके सुधा मूर्ति की सादगी से लोग अधिक प्रभावित हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उनके प्रेरक किस्से और जीवन जीने की कला सिखाते वीडियो वायरल हो जाते हैं, जिससे हर किसी को प्रेरणा लेनी चाहिए। सुधा मूर्ति प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और लेखिका हैं। सुधा मूर्ति ने आठ उपन्यास लिखे हैं। वह भारत की सबसे बड़ी ऑटो निर्माता इंजीनियरिंग और लोकोमोटिव कंपनी टेल्को में काम करने वाली पहली महिला इंजीनियर भी हैं।

सुधा मूर्ति की पारिवारिक पृष्ठभूमि

सुधा मूर्ति इंफोसिस फाउंडेशन के संस्थापक नारायण मूर्ति की पत्नी हैं। सुधा मूर्ति के दो बच्चे हैं, बेटी अक्षता मूर्ति और बेटा रोहन मूर्ति। अक्षता नारायण मूर्ति ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय फैशन डिजाइनर हैं और यूके के प्रधानमंत्री की पत्नी हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक सुधा मूर्ति के दामाद हैं। रोहन मूर्ति, मूर्ति क्लासिकल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया के साथ ही एक डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन स्टार्ट अप सोरोको के संस्थापक हैं। सुधा मूर्ति का जन्म उत्तरी कर्नाटक में शिगांव में 19 अगस्त 1950 को हुआ था। सुधा के पिता का नाम आर.एच कुलकर्णी और माता विमला कुलकर्णी है। उन्होंने बीवीबी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हुबली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया। सुधा इंजीनियरिंग कॉलेज में 150 स्टूडेंट्स के बीच दाखिला पाने वाली पहली महिला थीं। जब वह क्लास में प्रथम आईं तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने उन्हें पदक से सम्मानित किया। बाद में इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स की डिग्री ग्रहण की। सुधा की सबसे बड़ी ऑटो निर्माता कंपनी टेल्को में काम करने वाली पहली महिला इंजीनियर सुधा मूर्ति बनीं। पुणे में विकास अभियंता के रूप में काम करने के बाद उन्होंने मुंबई और जमशेदपुर में भी काम किया। पति ने जब इंफोसिस फाउंडेशन की स्थापना की तो सुधा मूर्ति ने उन्हें 10000 रुपये उधार दिए और अपनी नौकरी छोड़कर कंपनी शुरू करने में पति नारायण मूर्ति की मदद की।

इटावा महोत्सव एवं प्रदर्शनी: 10 दिसंबर को कोकण कलेक्टिव बैंड की प्रस्तुति के साथ होगा उद्घाटन समारोह

वहाज अली निहाल

■ बी प्राक, डॉ.कुमार विश्वास, कुमार सत्यम व उमा लहरी होंगे मुख्य

इटावा। इटावा महोत्सव एवं प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन समारोह 10 दिसंबर रविवार को शाम 4 बजे से महोत्सव मुख्य गेट के सामने आयोजित किया गया है। प्रदर्शनी समिति के अध्यक्ष व डीएम अवनीश राय इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। शुक्रवार को प्रदर्शनी समिति के जनरल सेक्रेटरी व एसडीएम सदर विक्रम सिंह राघव ने नुमाइश कैंप में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष प्रदर्शनी को भव्य व दिव्य बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। परंपरागत उद्घाटन समारोह शाम 4 बजे से शुरू होगा। जिसमें वेदी पूजन के साथ द्वार पूजन की परंपरा का निर्वहन किया जाएगा। इसके अलावा विकास प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद लाइट की आकर्षक सजावट का उद्घाटन भी जिलाधिकारी द्वारा बटन दबाकर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके बाद महोत्सव पंडाल में पिछले वर्षों की तरह ही उद्घाटन समारोह की औपचारिकताएं पूरी की जाएगी। मुंबई के कोनकण कलेक्टिव बैंड की प्रस्तुति होगी। महाराष्ट्र के इस मशहूर बैंड ने देश-विदेश के कई मंचों पर अपनी प्रस्तुति दी है और वह पहली बार इटावा महोत्सव में उद्घाटन समारोह में अपनी प्रस्तुति के लिए आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 23 दिसंबर को अखिल भारतीय मुशायरा का आयोजन शाम 7:30 से महोत्सव पंडाल में होगा। जिसमें देश के नामचीन शायरों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। इनमें मंजर भोपाली जैसे मशहूर शायर भी शामिल हैं। 24 दिसंबर को होने वाले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में भी प्रख्यात कवियों को आमंत्रित किया गया है। 27 दिसंबर को श्री खाटू श्याम महोत्सव संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें खाटू भक्त व गायिका उमा लहरी की प्रस्तुति होगी। 29 दिसंबर को संगीत संध्या का कार्यक्रम बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर प्रतिभा सिंह बघेल और ग्रुप के जरिए प्रस्तुत किया जाएगा। 2 जनवरी को रियलिटी शो में इंडियन आइडल के विजेता सलमान अली व पारुल मिश्रा बॉलीवुड तरानों का राग छेड़ेंगे। 3 जनवरी को रात 8 से महोत्सव पंडाल में एक सूफियाना शाम कुमार सत्यम और ग्रुप मुंबई द्वारा आयोजित की गई हैं। 4 जनवरी को एक शाम डॉ. कुमार विश्वास के नाम कार्यक्रम का आयोजन होगा जबकि 6 जनवरी को इटावा महोत्सव की सबसे यादगार शाम बॉलीवुड मेगा नाइट में मशहूर सिंगर बी प्राक अपनी प्रस्तुति देंगे। प्रेस वार्ता में जिला सूचना अधिकारी नीलम यादव, वरिष्ठ लिपिक नुमाइश प्रदर्शनी शिवचरण राठौर आदि लोग मौजूद रहे।

113 वर्षों से हो रहा हैं महोत्सव का आयोजन

देश और प्रदेश के कुछ ऐतिहासिक व प्राचीन महोत्सव के आयोजनों में से इटावा महोत्सव को भी जाना जाता है यही कारण है कि 113 वर्षों से आयोजित हो रहे इस महोत्सव का लोग वर्ष पर इंतजार करते हैं। इटावा के वार्षिक उत्सव के रूप में पहचान बनाने वाले महोत्सव के आयोजन को लेकर इन दिनों की तैयारियां जोर-जोर से चल रही है। एक ओर जहां पर मंच की साज सज्जा की जा रहीं है वहीं दूसरी ओर झूले खेल तमाशा आदि की व्यवस्था भी की गई है। खेल तमाशा के ठेकेदार टीपू यादव का कहना है कि इस वर्ष सर्कस के साथ ही भूत बंगला व टावर झूला आदि भी मंगाया गया है लोगों की डिमांड पर ब्रेक डांस, मौत का कुआं, आसमानी झूला, नाव झूला, हथोड़ा झूला आदि भी नुमाइश में लगाए गए इसके अलावा बच्चों के लिए ट्रेन, घोड़ा गाड़ी, एरोप्लेन की व्यवस्था की गई है। ड्रैगन ट्रेन को भी लगाने का काम इन दोनों जोर-जोर से चल रहा है।

अतिवीर सिंह यादव को बेहतर शिक्षा देने के लिए किया गया सम्मानित

इटावा। इटावा में एमनीव ग्रुप के चेयरमैन अतिवीर सिंह यादव शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहे है। यहां उनके द्वारा माउंट लिट्रा जी स्कूल का संचालन किया जा रहा है। उनके इन कार्यों को देखते हुए कानपुर में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार की वाणिज्यकर मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने उन्हें सम्मानित किया। इटावा शहर में अतिवीर सिंह यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में पिछले वर्षों में बेहतरीन कार्य करके एक बड़ा मुकाम हासिल किया है और शिक्षा जगत में उनका नाम काफी प्रमुखता से लिया जाता है।

प्रतिष्ठित शिशु बल्लभ सम्मान से सम्मानित होंगे कवि कुमार मनोज

■ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलनों के संचालक है कवि कुमार मनोज

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। इटावा हिंदी सेवा निधि के 31वें सास्वत सम्मान समारोह में अहीकारीपुर चौबिया के रहने वाले राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बनाने वाले डॉ.कुमार मनोज को प्रतिष्ठित शिशु बल्लभ सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। 17 दिसंबर को इस्लामिया इंटर कॉलेज में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री किरण रिजूजु होंगे। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट के कई न्यायाधीश और वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ साहित्य प्रेमी भी इस सम्मान समारोह में जुड़ेंगे। कवि कुमार मनोज ने इटावा हिंदी सेवा निधि द्वारा दिए जा रहे इस सम्मान के लिए निधि के पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया। आयाम पत्रिका के संपादन के साथ ही काव्य संग्रह समंदर बोल उठता है का संपादन भी कवि कुमार मनोज ने किया है। इसके अलावा वह प्रशस्ति स्टूडियो के संचालक है व राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलनों के मंच पर अपने विशेष प्रकार के संचालन के लिए जाने जाते हैं। मूलरूप से अहीकारीपुर चौबिया के रहने वाले कवि कुमार मनोज ने आगरा विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा दीक्षा ग्रहण की है। इसके अलावा 2004 में पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलम से भी उन्हें सम्मान प्राप्त हुआ है। इटावा हिंदी सेवा निधि द्वारा पुरस्कारों की घोषणा होने के साथ ही कवि कुमार मनोज को शिक्षा, चिकित्सा, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग देने वाले कवियों के द्वारा बधाई दी गई।

सरकार वारिसे पाक के कुल शरीफ के बाद उर्स मुबारक हुआ पूरा

■ रात भर मेहफिले सिमा में कब्बालों ने बांधा समा

■ देश भर से आये श्रद्धालुओं ने उर्स में की शिरकत

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। कटरा शहाब खां स्थित दरगाह वारसी में आयोजित 99 वें सालाना उर्स मुबारक का समापन शांतिपूर्ण माहौल में सरकार वारिसे पाक के कुल शरीफ के साथ पूरा हो गया। समापन के दौरान रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाती दरगाह वारसी श्रद्धालुओं से खचाखच भरी हुई थी। उर्स के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रहे। दरगाह वारसी पर रात भर महफिले सिमा का आयोजन किया गया उसके बाद रात के अंतिम पहर 4:13 पर हज़रत हाजी हाफिज़ सैय्यद वारिस अली शाह रह.का कुल शरीफ हुआ जिसमें कव्वाल दानिश मूनिस रामपुर, फैजान जीशान बरेली, अफ्फान देवा शरीफ ने बेहतरीन कलाम पेश जमकर वाहवाही हासिल की। महफ़िल में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कव्वालों की खिदमत में खूब नजराने पेश किया। कुल शरीफ में शब्बीर अली वारसी, शहज़ी वारसी कलकत्ता व हसनैन वारिस वारसी हनी सेकेट्री दरगाह वारसी ने नज़र पेश की। इसी क्रम में मजलिस इमाम हुसैन शहीदाने कर्बला हुई जिसमें तबरेज़ वारसी कलकत्ता ने अपनी बेहतरीन आवाज़ में सलाम पेश किया, मजलिस में पंजतन पाक सहित शहीदाने कर्बला इमाम हुसैन का जिक्र किया गया। देवा शरीफ के कव्वाल अफ्फान ने कलाम पेश करते हुए कहा कि तेरा दर मिल गया मुझको सहारा हो तो ऐसा हो, तेरे टुकड़ों पर पलते है सहारा हो तो ऐसा हो। बरेली के कव्वाल फैजान जीशान ने कलाम पेश करते हुए कहा कोनेन के सुल्तान हसनैन करीमेन है। उर्स के समापन के बाद दरगाह हज़रत अबुल हसन शाह वारसी ट्रस्ट की ओर से बाहरी जनपदों से आये श्रद्धालुओं को स्वागत के साथ विदा किया गया। उर्स में कलकत्ता, मुम्बई, चेन्नई, झारखण्ड, अयोध्या, रांची, जमशेदपुर टाटा नगर, दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, अलीगढ़ कन्नौज, आगरा, अलीगंज, एटा, मैनपुरी, औरैया, बनारस, भदोई, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, कानपुर देहात सहित तमाम जनपदों से श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके अलावा विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं ने दरगाह वारसी पहुंचकर उर्स में भाग लेकर माथा टेका और मन्नतें मांगी। ट्रस्ट ने सभी का स्वागत किया। उर्स के दौरान एसएसपी के निर्देशन में पहली बार दरगाह गेट के पास सुरक्षा की दृष्टि से अस्थाई पुलिस चौकी स्थापित कर पुलिस फोर्स तैनात किया गया। शहर कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह चौहान तथा नया शहर चौकी प्रभारी मिलन सिरोही ने सुरक्षा को लेकर उर्स सराहनीय योगदान दिया। सीएमओ डा.गीताराम ने उर्स में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को लेकर एक एम्बुलेंस उपलब्ध कराई। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका व चेयरमैन द्वारा उर्स के दौरान सफाई व्यवस्था का बेहतरीन इंतजाम किया गया। दरगाह शरीफ के ट्रस्ट की ओर से उर्स को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सीएमओ, ईओ, चेयरमैन, श्रद्धालुओं सहित दरगाह के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

नारायण कॉलेज को हराकर सुदिति ग्लोबल बना चैंपियन

अवधनामा ब्यूरो

■ 21 विद्यालयों की टीमों ने की प्रतिभागिता

इटावा। सहोदया ग्रुप के अंतर्गत चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन संपन्न हुआ। टूर्नामेंट समापन के अवसर पर पुलिस मॉडर्न स्कूल के प्रधानाचार्य अभिषेक सक्सेना ट्रेजरार सहोदय ग्रुप, नारायण कॉलेज के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र, एरिस्टोटल स्कूल के प्रधानाचार्य वेदपाठी त्रिपाठी, डिवाइन लाइट पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य मनोज एम एस विद्यालय के प्रबंधक सतीश कुमार, निदेशक मयंक कुमार एवं प्रधानाचार्य कमल कुमार उपस्थित रहे। सहोदय ग्रुप के अंतर्गत चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन सुदिति ग्लोबल एकेडमी के के मैदान में हो रहा था जिसमें गुरुवार को फाइनल मैच के अंतर्गत सुदिति ग्लोबल अकैडमी की टीम ने 21 रनों से नारायण कॉलेज की टीम को हराया सुदिति ग्लोबल एकेडमी की टीम ने 12 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 107 रन बनाए तथा सेकंड इनिंग में नारायण कॉलेज की टीम 11 ओवर और दो गेंदों में सिमट गई और अपने सभी विकेट खो दिए। बेस्ट बॉलर के रूप में सुदिति ग्लोबल के छात्र ओम तिवारी को चुना गया जिन्होंने चार मैच में 12 विकेट लिए तथा बेस्ट बैट्समैन के रूप में नारायण कॉलेज के प्रशांत को चुना गया जिन्होंने 5 मैच में 161 रन बनाए और द्वितीय बैट्समैन के रूप में सुदिति ग्लोबल के छात्र तथा टीम के कप्तान अंकित यादव ने अपना नाम दर्ज कराया जिन्होंने चार मैच में 131 रन दिए और पहले मैच में शतक मार कर 101 रन बनाए थे। सुदिति ग्लोबल के सभी खिलाड़ी छात्रों ने बहुत ही शानदार तरीके से सभी मैच खेले और तीनों मैच जीत कर फाइनल मैच में भी अपनी शानदार जीत हासिल की। सुदिति ग्लोबल एकेडमी की क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अंकित यादव(कप्तान), प्रद्युम्न, कुमार, कृष्णकांत, आयुष, तरुण वर्मा, ओम तिवारी, शैलेंद्र अभिमन्यु, हर्षित, आर्यन, आशीष, कार्तिक, गौरव, गगन और प्रज्ञान थे। क्रिकेट टूर्नामेंट में सुदिति ग्लोबल एकेडमी ने प्रथम स्थान, नारायण कॉलेज ने दूसरा स्थान तथा संत विवेकानंद कॉलेज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट टूर्नामेंट ऑर्गेनाइजर एवं कोच सुदिति ग्लोबल एकेडमी के पी टी आई ओपी सिंह, उन्नाव से पधारे अंपायर के रूप में मनीष दीक्षित जी एवं श्रीमती कंचन यादव ने अपने निष्पक्ष निर्णय से मैच संपन्न कराए। बोर्ड एवं थर्ड अंपायर की भूमिका अजय कुशवाहा जी ने निभाई।

विद्यालय के निदेशक मयंक कुमार प्रधानाचार्य कमल कुमार एवं नारायण कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र ने खिलाड़ी छात्रों को ट्रॉफी, मैडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कमल कुमार ने कहा की खेल हमारे मन मस्तिष्क व शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ आपसी सौहार्द बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डुडा के तहत अशेष आवासों का निर्माण शीघ्र

मथुरा। डिप्टी कलेक्टर/ जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) आदेश कुमार ने अवगत कराया है कि डूडा विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत अवशेष अनारम्भ आवासों का निर्माण कराये जाने हेतु 08 से 10 दिसम्बर के मध्य भूमि पूजन कार्यक्रम जनपद मथुरा में आयोजित किया जा रहा है। अभियान में नगर निकाय स्तर पर जनप्रतिनिधि अध्यक्ष, सम्बन्धित नगर पंचायत एवं अधिशासी अधिकारी इत्यादि की उपस्थिति में वृहद स्तर पर भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित कराया जा रहा है। इसके क्रम में आज नगर पंचायत बरसाना में भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया, जिसमें पदम सिंह फौजी चेयरमैन प्रतिनिधि-नगर पंचायत बरसाना, सभासद, अधिशासी अधिकारी एवं डूडा स्टाफ उपस्थित रहा।

डीएम ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व प्रशासन, राजस्व कार्यों, राजस्व वादों, आईजीआरएस, लोकसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों तथा, खाद्य सुरक्षा/खाद्य एवं रसद विभाग विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। जिलाधिकारी ने निर्धारित लक्ष्य से कम वसूली करने वाले अधिकारियों को चेतावनी दी है कि भविष्य में लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए, अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने ने एडीएम वित्त एव राजस्व योगानंद पांडेय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दूबे सहित सभी एसडीएम और तहसीलदारों के साथ राजस्व वसूली एवं कर करेत्तर की मासिक समीक्षा की। प्रत्येक दशा में शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तहसील दिवसों में प्राप्त शिकायतों को प्रत्येक दशा में निर्धारित अवधि में गुणवत्ता परक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के माध्यम से आनलाइन प्राप्त होने वाली शिकायतों की भी जिलाधिकारी ने समीक्षा की। वहीं, जिलाधिकारी कार्यालय से भेजी गई तहसील दिवसों से प्राप्त एवं मंडलायुक्त के स्तर से प्राप्त होने वाली सभी शिकायतें का निस्तारण ससमय किया जाए।

विज्ञान हमारे जीवन स्तर को ऊपर उठाता है: जिलाधिकारी

■ 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले लोग अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज करायें: सिंह

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में जनपद के वेणीमाधव विद्यापीठ बालिका इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मंगला प्रसाद की उपस्थित में किया गया, इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने जिलाधिकारी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। जिलाधिकारी ने कहा कि विज्ञान का हमारे जीवन विज्ञान का बहुत महत्व है और यह विज्ञान हमारे जीवन स्तर को ऊपर उठाता है। उन्होंने यह भी कहा कि 01 जनवरी 2024 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले लोग मतदाता सूची में अपना नाम शामिल अवश्य करवा लें तथा अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। बच्चों ने अत्यंत सुंदर मॉडल प्रस्तुत किये। जिलाधिकारी ने मॉडलों का अवलोकन किया तथा बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। गाँधी इंटर कॉलेज की छात्रा हृषिता वैश्य ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने वाली तकनीक को प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी इससे प्रभावित दिखे। आर आर इंटर कॉलेज के लाईफाई मॉडल, सेंट जेम्स स्कूल के ड्रिंक एण्ड ड्राइव सेफ्टी मॉडल, वेणीमाधव के इलोफ्रेंडली फूड प्रिजर्वेटिव मॉडल व दुर्गा प्रसाद इंटर कॉलेज खसौरा के स्मार्ट डस्टबिन मॉडल ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर जिला विज्ञान क्लब हरदोई के समन्वयक सतीश चन्द्र, जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुन्द, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, प्रधानाचार्य गीता शुक्ला व अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

शासन ने दिया छात्रवृत्ति आवेदन का एक और मौका

मथुरा। जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेंद्र पाल सिंह ने बताया है उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर जनपद में विभिन्न शिक्षण संस्थानों और विद्यालय में अध्यनरत कक्षा 9 और 10 के छात्र-छात्राएं वित्तीय वर्ष के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन नहीं कर पाए हैं ऐसे छात्रों को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए सरकार ने एक मौका और दिया है जिसके माध्यम से समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित ऑनलाइन आवेदन करने के उपरांत जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय में भी प्रस्तुत कर सकते हैं जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय से पासवर्ड प्राप्त कर नवीन संस्थाएं और डाटा भी इसमें संपूर्ण सूचनाऐ भरकर 8 दिसंबर से 11 दिसंबर तक समय सारणी निर्धारित की गई है जिला समाज कल्याण अधिकारी के अनुसार जनपद में संचालित समस्त पूर्वदशम कक्षा 9 व 10 शिक्षण संस्थानों को समय रहते निर्गत समय सारणी को संज्ञान में रखते हुए शिक्षण संस्थान में अध्यनरत कक्षा 9 और 10 के छात्रों को ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन पत्र भरवाना सुनिश्चित करें।

दिनदहाड़े ज्वेलर्स से हुई लूट की घटना का खुलासा

अवधनामा संवाददाता

■ लूट के माल सहित तीन गिरफ्तार चौथ फरार

मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र में 15 दिन पूर्व हुई दिनदहाड़े सर्राफा व्यवसाई की दुकान से लूट की घटना का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और एसपी सिटी और क्षेत्राधिकार नगर की सुपरविजन में थाना सदर बाजार पुलिस थाना कोतवाली पुलिस स्वाट टीम और सर्विलेंस टीम नए संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट का माल सोने चांदी के आभूषण, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और अवैध असला बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे ने बताया थाना सदर बाजार क्षेत्र के अंतर्गत 21 नवंबर को नरसिंहपुरम स्थित ज्वेलर्स की दुकान में नकाब पोषधारक बदमाशों ने एकांत माहौल देखकर घुस गये दुकान मालिक को तमंचे की नौक पर लेकर दुकान में रखें करीब 50 ग्राम सोने और 3 किलो500 ग्राम चांदी के आभूषण लूट कर ले गए पीड़ित ने शोर मचाया तो बदमाशों ने उसके ऊपर फायरिंग कर दी घटना की सूचना मिलती है पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया घटना की रिपोर्ट पीड़ित अभिषेक पुत्र संजीव वर्मा निवासी नर्सीपुरम थाना सदर बाजार मथुरा ने अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को दर्ज करते हुए सीसीटीवी कैमरे और अन्य जांच में कार्तिक पटेल उर्फ पपला गुर्जर पुत्र राजवीर पटेल निवासी आजमपुर थाना रिफाइनरी अरविंद पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम अवेरनी थाना बलदेव और सौरभ चौधरी पुत्र विनोद कुमार निवासी नगला भरऊ थाना राया के नाम प्रकाश में आए की सूचना पर सिंचाई विभाग की खाली जमीन कच्चा रास्ता औरंगाबाद से 7 दिसंबर की शाम को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट का 90 प्रतिशत मॉल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के अलावा असलाह बरामद किया है। बदमाशों का साथी दिनेश पुत्र भूरी सिंह निवासी रदोई थाना बलदेव फरार बताया जा रहा है जिसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है। एसएसपी ने पुलिस पार्टी को 25 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है।

गली, नाली बनवायें जाने को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को दिया ज्ञापन

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला प्रभारी मनोज अग्रवाल महामंत्री धर्मेंद्र जैन जिला संगठन मंत्री रजीत सिंह यादव के नेतृत्व में लक्ष्मीपुरम कॉलोनी के निवासियों ने जल भराव की समस्या को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट दिग्विजय प्रताप सिंह को ज्ञापन दिया

ज्ञापन में मांग करते हुए कहा लक्ष्मीपुरम कॉलोनी गेट नंबर 1 पचौरी वाली गली पूरी तरह से गली में नाली का गंदा पानी भरा हुआ है गंदा पानी निकालने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है गंदा पानी भरे होने के कारण संक्रमित बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है।

स्कूल जाने वाले बच्चे आए दिन पानी में गिरते हैं लक्ष्मीपुरम कॉलोनी की गली का खारिंजा नाली बनवाए जाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में युवा जिला महामंत्री रंजीत सिंह कुशवाहा सभासद मीरा देवी राम खिलाड़ी ओम सिंह योगेंद्र सिंह यतेंद्र अनिल कुमार शिवराज सिंह हरकेश बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल रहे।

खाद्य एवं पेय पदार्थो विशेषकर दूध पर शुद्धता एवं गुणवत्ता लिये गये नमूने

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ तथा जिलाधिकारी आज़मगढ़ के आदेश के क्रम में जनपद मे आम जनमानस को खाद्य एवं पेय पदार्थो विशेषकर दूध पर शुद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित कराये जाने हेतु आज मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, दीपक कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में सिधारी चौराहे पर घेरा बन्दी कर फेरी द्वारा दूध बेच रहे दूधियों की जाचं की। मौके पर मोटर साइकिल द्वारा दूध विक्रय कर रहे दूधियों से सन्देह के आधार पर दूध के 03 नमूना नमूना लिया गया। तत्पश्चात एक मिष्ठान प्रतिष्ठान से गुणवत्ता खराब की आशंका पर 01 दूध का नमूना लिया। सिधारी बाजार से ही छापा दल ने एक किराने के दुकान से 01 अरहर की दाल का नमूना जांच हेतु लिया गया। छापा दल ने मुबारकपुर में दो मोटर साइकिल से दूध के केन में लगभग 80 लीटर मिश्रित दूध विक्रय हेतु ले जा रहे दूध विक्रेताओं से 02 मिश्रित दूध जांच हेतु लिया। तत्पश्चात् सठियांव बाजार में एक मिष्ठान प्रतिष्ठान से दूध में मिलावट की आशंका पर 01 दूध का नमूना जांच हेतु लिया गया। इसके पूर्व आजमगढ़ शहर में चौक बाजार स्थित एक प्रतिष्ठान से मिलावट के संदेह के आधार पर 02 सरसों के तेल का नमूना लिया गया तथा कोटिला बाजार से 01 पैक्ड दूध का भी नमूना लिया गया। इस प्रकार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कार्यवाही के दौरान कुल 11 खाद्य पदार्थो के नमूनें जांच हेतु संग्रहित किये गये। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यवाही से क्षेत्र में हड़कंप मच गया तथा सभी दूधियें रास्ता बदल कर भाग निकले। तदोपरान्त छापा दल द्वारा कार्यवाही के दौरान मौके पर उपस्थित खाद्य कारोबारकर्ताओं को साफ-सफाई असंतोषप्रद पाये जाने पर चेतावनी देते हुए पायी गयी त्रुटियों को अविलम्ब सुधारने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा उक्त अभियान लगातार जारी रहेगा। निरीक्षण को दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के टीम में श्री राम बुझावन चौहान, श्री अंकित कुमार सिंह, राकेश कुमार शुक्ला, लालमणि यादव, अमर नाथ, प्रेमचन्द्र, संजय कुमार सिंह, रामचन्द्र यादव खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं श्री अनिल कुमार खाद्य सहायक शामिल रहें।

75 वर्ष की हुई विद्यार्थी परिषद

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अब 75 वर्ष की हो गई है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 75वें वर्ष में आयोजित हो रहे चार-दिवसीय 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा दिल्ली के बुराड़ी स्थित डीडीए ग्राउंड में बसाई गई टेंट सिटी इंद्रप्रस्थ नगर के मदनदास देवी सभागार में किया गया। विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन उद्घाटन के अवसर पर अमित शाह ने परिषद के थीम सॉग और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित 5 पुस्तकों का विमोचन भी किया। अभाविप के राष्ट्रीय अधिवेशन में देश के प्रत्येक ज़िले व विश्वविद्यालय- महाविद्यालय परिसर से दस हजार से अधिक छात्रा-छात्र इस महाकुंभ का हिस्सा बनने हेतु दिल्ली के बुराड़ी स्थित डीडीए मैदान पहुँचे हैं। इस अधिवेशन में सांस्कृतिक राष्ट्रीयता पर आधारित 8 थीम वाली विशाल प्रदर्शनी लगायी गयी है जिसमें भारतीय स्वाधीनता आंदोलन, राष्ट्रीय एकात्मता, विद्यार्थी परिषद की 75 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाया गया है, इस प्रदर्शनी को परिषद के संस्थापक सदस्य और संघ के वरिष्ठ प्रचारक स्व. दत्ताजी डिडोलकर के नाम पर समर्पित किया गया है। अधिवेशन के लिए 52 एकड़ में फैले विस्तृत परिसर में ऐतिहासिक इंद्रप्रस्थ नगर के स्वरूप में टेंट सिटी बसाई गई है,जहां देश के हर एक कोने से आये विद्यार्थी 4 दिन तक रुकेंगे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी, स्वागत समिति महामंत्री आशीष सूद, अभाविप दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ अभिषेक टंडन, प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री उपस्थित रहे।

संयुक्त विकास आयुक्त ने किया अधिक ग्राम पंचायत का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश के अनुपालन में आगरा मंडल के संयुक्त विकास आयुक्त ने मथुरा जनपद की गोवर्धन विकासखंड के अडिंग पंचायत का निरीक्षण किया। पंचायत के अंतर्गत हुए विभिन्न कार्यों को देखकर उनकी गुणवत्ता और साफ सफाई से प्रभावित होकर पंचायत सेक्रेटरी के कार्य की सराहना की गई।

जानकारी के अनुसार संयुक्त विकास आयुक्त आगरा मंडल शशिमोली मिश्र शासन की मनसा के अनुरूप शुक्रवार को अचानक अडीग ग्राम पंचायत का निरीक्षण करने पहुंचे। सूचना पाते ही खंड विकास अधिकारी गोवर्धन अश्वनी कुमार अपने अधीनस्थों के साथ मौके पर पहुंच गए संयुक्त विकास आयुक्त ने ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्य के अंतर्गत पंचायत सचिवालय लाइब्रेरी कंप्यूटर रूम ओपन जिम अमृत सरोवर सीसी रोड का वृक्षारोपण और गोलमेज सभा कक्ष का निरीक्षण किया गांव में साफ सफाई की स्थिति और विकास कार्यों की गुणवत्ता स्वच्छता और सुंदरता को निहार कर गद- गद हो गए संयुक्त विकास आयुक्त ग्राम प्रधान स्नेहलता और पंचायत सेक्रेटरी रामवीर सिंह के प्रयासों की सराहना की निरीक्षण के दौरान पंचायत सेक्रेटरी ज्वाला सिंह प्रधान प्रतिनिधि अमित रावत पंचायत सदस्य वीरेंद्र यादव कुंज बिहारी गर्ग, दिनेश यादव, दिनेश अग्रवाल ,मनीष अग्रवाल, बंसी त्रिपाठी आदि भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

हार्टअटैक नहीं बल्कि इस वजह से अस्पताल में भर्ती हैं दिनेश फडनिस

लोकप्रिय टीवी शो सीआईडी में फ्रेडरिक्स की भूमिका निभाने वाले अभिनेता दिनेश फडनिस को हाल ही में अस्पताल ले जाया गया और वह वर्तमान में वेंटिलेटर पर हैं। 50 वर्ष से अधिक उम्र के अभिनेता का मुंबई के तुंगा अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं अब अभिनेता से जुड़ी नई खबर सामने आई है। दरअसल, दिनेश के सीआईडी सह-कलाकार और अभिनेता दयानंद शेट्टी ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि दिनेश को दिल का दौरा पड़ा था। दरअसल, हाल ही में दिए इंटरव्यू में दयानंद शेट्टी ने कहा, दिनेश फडनिस अस्पताल में भर्ती हैं और वेंटिलेटर पर हैं। डॉक्टर उनकी निगरानी कर रहे हैं। उन्हें दिल का दौरा नहीं पड़ा है। यह एक अलग इलाज है और मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा। बता दें कि दयानंद शेट्टी ने शो में सीनियर इंस्पेक्टर दया की भूमिका निभाई थी। दिनेश लंबे समय तक चलने वाले टीवी शो सीआईडी का हिस्सा थे, जो पहली बार 1998 में प्रसारित हुआ और सोनी टीवी पर बीस साल तक चला। उन्होंने लोकप्रिय सिटकॉम तारक मेहता का उल्टा चश्मा में भी उपस्थिति दर्ज कराई और सुपर 30 और सरफरोश जैसी फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाईं। दिनेश इन दिनों भले ही पर्दे से दूर हैं, लेकिन वे सोशल मीडिया पर सक्रीय रहते हैं और अपने फैंस के साथ जुड़े रहते हैं। वे अक्सर सीआईडी से तस्वीरें और अपनी बेटी के साथ मनमोहक तस्वीरें साझा करते हैं। अभिनेता के तबीयत बिगड़ने के बाद से उनके फैंस भी परेशान हैं। इंटरनेट पर फैंस अभिनेता के जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। उनमें से एक ने लिखा, जल्द ठीक हो जाओ लीजेंड। वहीं, दूसरे ने कहा, मजबूत रहो भाई। अभिनेता दिनेश फडनिस को हाल ही में अस्पताल ले जाया गया और वह वर्तमान में वेंटिलेटर पर हैं। 50 वर्ष से अधिक उम्र के अभिनेता का मुंबई के तुंगा अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं अब अभिनेता से जुड़ी नई खबर सामने आई है। दरअसल, दिनेश के सीआईडी सह-कलाकार और अभिनेता दयानंद शेट्टी ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि दिनेश को दिल का दौरा पड़ा था। दरअसल, हाल ही में दिए इंटरव्यू में दयानंद शेट्टी ने कहा, दिनेश फडनिस अस्पताल में भर्ती हैं और वेंटिलेटर पर हैं। डॉक्टर उनकी निगरानी कर रहे हैं। उन्हें दिल का दौरा नहीं पड़ा है। यह एक अलग इलाज है और मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा।

निकले थे कभी हम घर से सुनकर भावुक हुए शाहरुख खान

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म डंकी को लेकर लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं। फिल्म के टीजर और पहले गाने को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। वहीं, हाल ही में मेकर्स ने डंकी ड्रॉप 3 के नाम से फिल्म का दूसरा गाना जारी किया है। रिलीज हुआ गाना निकले थे कभी हम घर से रिलीज होते ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। इस गाने ने किंग खान को उनके माता-पिता की याद दिला दी है। आस्क एसआरके सेशन के दौरान उन्होंने इसका खुलासा किया है।

डंकी के तीसरे गाने निकले थे कभी हम घर से में शाहरुख खान के किरदार द्वारा सीमाओं को पार करने और अपने सपनों की मंजिल तक पहुंचने के संघर्ष को दर्शाया गया है। फिल्म का दूसरा गाना रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। कई सोशल मीडिया यूजर्स इस गाने को सुनकर इमोशनल हो गए हैं। इस गाने को सुनकर खासतौर पर एनआरआई भावुक हो गए हैं। शाहरुख ने हाल ही में खुलासा किया कि पहली बार ये गाना सुनने के बाद वह बेहद भावुक हो गए थे। किंग खान ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार निकले थे कभी हम घर से गाना सुना तो उन्हें अपने माता-पिता की याद आ गई। अभिनेता ने %आस्क एसआरके% सेशन के दौरान इस बात का खुलासा किया है। एक फैन ने शाहरुख से पूछा, %सर, इस गाने ने मुझे अपने घर की याद दिला दी, क्या जब आपने इसे पहली बार सुना था तो क्या आपको भी वैसा ही महसूस हुआ था? शाहरुख खान ने इसका जवाब देते हुए लिखा, %हां, यह वास्तव में मुझे मेरे माता-पिता, मेरे दिल्ली के दिनों के बारे में सोचने पर मजबूर करता है। दोस्त बने और समय के साथ खो गए। बहुत भावुक करने वाला है।% इसके आगे उन्होंने अपनी फिल्म डंकी को टैग किया। वहीं, एक अन्य ट्वीट में सुपरस्टार ने बताया कि उन्हें अपने माता-पिता की बहुत याद आती है। आस्क एसआरके% सेशन के दौरान एक अन्य यूजर ने पूछा, %सर आपको दिल्ली की याद आती है क्या? अपने बचपन के बारे में बताइये ना?% इसके जवाब में किंग खान ने लिखा, %मैं तो अभी भी बचा हुआ हूं। मेरा बचपन बहुत प्यारा था और मुझे अपने माता-पिता की बहुत याद आती है।% बता दें कि राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी डंकी% 21 दिसंबर 2023 को रिलीज होगी। इस फिल्म में शाहरुख खान के अलावा विक्की कौशल, बोमन ईरानी और तापसी पन्नू जैसे सितारे नजर आएंगे।

डंकी के तीसरे गाने निकले थे कभी हम घर से में शाहरुख खान के किरदार द्वारा सीमाओं को पार करने और अपने सपनों की मंजिल तक पहुंचने के संघर्ष को दर्शाया गया है। फिल्म का दूसरा गाना रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। कई सोशल मीडिया यूजर्स इस गाने को सुनकर इमोशनल हो गए हैं। <

मेरे लिए कबीर सिंह, समाज का हिस्सा है

साउथ निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने साबित कर दिया है कि उनमें डार्क सब्जेक्ट्स पर फिल्में बनाने की जो कला है, ऐसे ही किसी में नहीं होती। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी और रणबीर कपूर-रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म %एनिमल% इस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल होने की तरफ अपने कदम बढ़ा चुकी है। हालांकि, जहां एक तरफ %एनिमल% को वयस्कों से भरपूर प्यार मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ बहुत से नेटिजन्स फिल्म को इसके कंटेंट के कारण ट्रोल भी कर रहे हैं। इन सबके बीच संदीप रेड्डी वांगा की सुपरहिट फिल्म %कबीर सिंह% को लेकर मनोज बाजपेयी का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

%एनिमल% को दर्शकों से मिल रहे शानदार रिस्पॉन्स को देखते हुए लग रहा है कि %एनिमल% कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स को चकनाचूर करने वाली है। रणबीर कपूर के अभिनय से लेकर संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन और पटकथा लेखन तक को देखकर सभी तालियां बजाने पर मजबूर हो रहे हैं। लेकिन जहां संदीप रेड्डी वांगा की %एनिमल% बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है, वहीं फिल्म को इसमें दिखाई गई टॉक्सिक मर्दानगी, स्त्री द्वेष, गोरखधंधे और हिंसा के लिए खूब ट्रोल भी किया जा रहा है। फिल्म को सभी से मिली-जुली समीक्षाएं मिल रही हैं और इस बीच अब अभिनेता मनोज बाजपेयी का %कबीर सिंह% पर किया गया कमेंट इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

एनिमल की रिलीज के बीच कबीर सिंह पर मनोज बाजपेयी का बयान वायरल

साल 2019 में रिलीज हुई शाहिद कपूर स्टारर %कबीर सिंह% पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया था, लेकिन इसके साथ ही फिल्म को बहुत सी चीजों के लिए काफी ट्रोल भी किया गया था। हालांकि, उस समय इंडस्ट्री के मंझे हुए कलाकारों में गिने जाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी ने संदीप रेड्डी वांगा की %कबीर सिंह% को सपोर्ट करते हुए बयान दिया था। अब जब निर्देशक की दूसरी हिंदी फिल्म %एनिमल% पर भी बहुत से लोग सवाल उठा रहे हैं, तब मनोज बाजपेयी का यह पुराना बयान फिर से वायरल हो रहा है। इस बयान में मनोज बाजपेयी ने कहा था कि उनके लिए कबीर सिंह हमारे समाज का अभिन्न अंग है। एक बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने संदीप रेड्डी वांगा की %कबीर सिंह% को संबोधित करते हुए कहा था कि, %मेरे लिए कबीर सिंह, समाज का हिस्सा है। आप इसे वैसे ही लेना चाहते हैं जैसे यह है, तो कोई दिक्कत नहीं है। आप इसे उस तरह से नहीं लेना चाहेंगे जैसा यह है, तो इसे न देखें। जिस पल आप इस पर अपनी नैतिकता का बोझ डालना चाहते हैं, तो समाज के अन्य सभी वर्गों के लिए तैयार रहें, जो उंगली उठाएंगे और अन्य सामग्रियों को सेंसर करने का प्रयास करेंगे जो उनकी नैतिकता और उनके अनुसार नहीं होंगे। लेकिन सवाल उठता है कि क्या आप इसके लिए तैयार हैं? मनोज बाजपेयी ने इसके बाद कहा था कि ऐसी फिल्मों को बंद करना बेकार की कवायद है। अभिनेता बोले, %अगर आप एक कबीर सिंह को बंद कर देते हैं, तो 50 अन्य फिल्में होंगी जिनसे आप सहमत होंगे और अन्य वर्ग इससे सहमत नहीं होंगे, उन पर अपनी नैतिकता का बोझ आ जाएगा और वे इसे सेंसर करना शुरू कर देंगे।

मुदस्सर खान के वेडिंग रिसेप्शन में सादगी भरे अंदाज में शामिल हुए सलमान खान

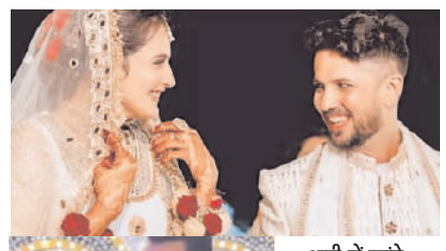

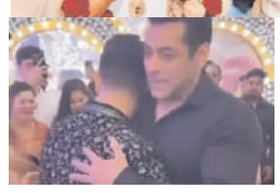

शादी में पहुंचे सलमान काली शर्ट और डेनिम पैंट में नजर आए

सलमान खान हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे पड़े सितारों में से एक हैं। करोड़ों की संख्या में लोग उन्हें फॉलो करते हैं। हालांकि, अभिनेता अपने सादगी की वजह से काफी मशहूर हैं। हाल ही में सलमान ने कोरियोग्राफर मुदस्सर खान के रिसेप्शन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मुदस्सर ने समारोह से एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अभिनेता उन्हें गले लगाते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

शादी में पहुंचे सलमान काली शर्ट और डेनिम पैंट में नजर आए। मुदस्सर ने भी इस उपस्थिति के लिए अभिनेता का आभार जताया है। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, ÷वह पल जो हमेशा मेरे दिल में रहेगा... धन्यवाद सर।÷ अभिनेता की सादगी की उनके फैंस भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि मुदस्सर ने सलमान के साथ %दबंग%, %बॉडीगार्ड% और %रेडी% जैसी फिल्मों में काम किया है। मुदस्सर ने हाल ही में रिया किशनचंदानी के साथ शादी की है। नवविवाहित जोड़े मुदस्सर और रिया ने रविवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर समारोह की झलकियां साझा कीं। मुदस्सर ने अपना आभार व्यक्त करते हुए लिखा, ÷अल्हम्दुलिल्लाह, दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की रिया किशनचंदानी से शादी। हमारे सभी दोस्तों और प्रियजनों के समर्थन और प्यार के लिए हम दोनों के परिवारों की ओर से धन्यवाद। दुआ में याद रखना।ज्ज् सलमान की बात करें तो वे हाल ही में %टाइगर 3% में नजर आए थे। फिल्म को दिवाली के दिन रिलीज किया गया था। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं की है। यह फिल्म अब तक 300 करोड़ का आंकड़ा पार करने में असफल साबित हुई है। फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान की अगली स्पाई यूनिवर्स की फिल्म टाइगर वर्सेस पठान को भी कुछ समय के लिए टाल दिया गया है। यह फिल्म 2024 में शुरू होने वाली है।

वीर-हरनाज ने डेटिंग की अफवाहों पर लगाई मुहर

पूरी दुनिया पर अपने हुस्न का जादू चलाने के बाद साल 2021 में मिस यूनिवर्स का ताज अपने सिर सजाने वाली हरनाज संधू अपने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के चलते अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। दरअसल, हरनाज को उनके अचानक बढ़े वजन के लिए खूब ट्रोल किया जाता है, लेकिन इसके अलावा वह अपनी लव लाइफ को लेकर भी आए दिन चर्चा बटोरती हैं। हरनाज संधू की जिंदगी में इश्क का टेलीफोन बजने की अफवाह तब से उड़ रही है, जब से वह जियो वर्ल्ड प्लाजा लॉन्च के दौरान वीर पहारिया के साथ पहुंची थीं। इवेंट में पहुंचकर दोनों ने डेटिंग की खबरों को हवा दी थी, लेकिन अब सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा हुआ कि नेटिजन्स का मानना है की ये अफवाहें बिल्कुल सच हैं।

मिस यूनिवर्स के कमेंट ने बढ़ाई हलचल

मुंबई में जियो वर्ल्ड प्लाजा के लॉन्च में एक साथ दिखाई दिए हरनाज संधू और वीर पहारिया की डेटिंग अफवाहों ने इंटरनेट पर हलचल बढ़ा दी थी। दोनों ने अपने रिश्ते पर चुप्पी साधी हुई थी, लेकिन अब मिस यूनिवर्स ने अभिनेता के इंस्टाग्राम पोस्ट पर कुछ कमेंट किया है, जिसने फिर से इन अटकलों को हवा दे दी हैं। सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर अभिनेता वीर पहारिया के सोशल मीडिया पोस्ट पर हार्ट इमोजी के साथ कमेंट करती हैं। एक तस्वीर पर तो हरनाज संधू ने कमेंट कर लिखा, %जंगल में सिर्फ और सिर्फ एक ही राजा होता है।% इस तरह के कमेंट्स ने सोशल मीडिया यूजर्स को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ये दोनों सच में डेटिंग कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीर पहारिया के कुछ पोस्ट वायरल हो रहे हैं, जिन पर हरनाज संधू ने कमेंट किए हैं। नेटिजन्स ने कमेंट सेक्शन में अपनी राय व्यक्त की और इस रिश्ते पर मुहर लगाई। एक व्यक्ति ने लिखा, %मुझे लगता है कि वे डेटिंग कर रहे हैं क्योंकि वीर पहारिया भी हरनाज की पोस्ट पर कमेंट करते हैं।% एक अन्य व्यक्ति ने लिखा, %ओह हाँ, मैंने देखा कि मुझे लगता है कि वे... डेटिंग कर रहे हैं।% एक अन्य ने कहा, %हो सकता है कि वे एक साथ कोई प्रोजेक्ट कर रहे हों।% बता दें, कहा जाता है कि वीर पहारिया पहले सारा अली खान को डेट कर रहे थे। गौरतलब है कि वीर और शिखर पहारिया महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो वीर पहारिया अक्षय कुमार की स्काई फोर्स से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। ऐसा कहा जाता है कि %स्काई फोर्स% की कहानी प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नेतृत्व में पाकिस्तान पर भारत के पहले हवाई हमले के इर्द-गिर्द घूमती है। मुंबई में जियो वर्ल्ड प्लाजा के लॉन्च में एक साथ दिखाई दिए हरनाज संधू और वीर पहारिया की डेटिंग अफवाहों ने इंटरनेट पर हलचल बढ़ा दी थी। दोनों ने अपने रिश्ते पर चुप्पी साधी हुई थी, लेकिन अब मिस यूनिवर्स ने अभिनेता के इंस्टाग्राम पोस्ट पर कुछ कमेंट किया है, जिसने फिर से इन अटकलों को हवा दे दी हैं। सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर अभिनेता वीर पहारिया के सोशल मीडिया पोस्ट पर हार्ट इमोजी के साथ कमेंट करती हैं। एक तस्वीर पर तो हरनाज संधू ने कमेंट कर लिखा, %जंगल में सिर्फ और सिर्फ एक ही राजा होता है।% इस तरह के कमेंट्स ने सोशल मीडिया यूजर्स को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ये दोनों सच में डेटिंग कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीर पहारिया के कुछ पोस्ट वायरल हो रहे हैं, जिन पर हरनाज संधू ने कमेंट किए हैं। नेटिजन्स ने कमेंट सेक्शन में अपनी राय व्यक्त की और इस रिश्ते पर मुहर लगाई। एक व्यक्ति ने लिखा, %मुझे लगता है कि वे... डेटिंग कर रहे हैं।

ज्योतिषी की सलाह पर विजय वर्मा को कर दिया गया था फिल्म से बाहर

विजय वर्मा की गिनती बॉलीवुड के उम्दा कलाकारों में होती है। उन्होंने अब तक कई फिल्मों में अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीता है। हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई उनकी फिल्म जाने जां में उनके किरदार की लोगों ने काफी तारीफ की थी। हालांकि, इस सफलता को पाने में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा है। हाल ही में अभिनेता ने एक बातचीत में अपने रिजेक्शंस को लेकर खुलकर बात की।

एक साक्षात्कार में अभिनेता ने साझा किया कि उन्हें एक बार एक फिल्म से हटा दिया गया था, क्योंकि फिल्म निर्माता के ज्योतिषी को उन पर विश्वास नहीं था। विजय वर्मा ने इस घटना पर बात करते हुए बताया कि एक समय था जब उन्हें एक भूमिका मिली थी और बाद में उनसे कुछ तस्वीरें भेजने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने यह खुलासा नहीं किया कि अनुरोध किसने किया था। इसके बाद उन्हें फिल्म से हटा दिया गया। विजय का मानना है कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि एक ज्योतिषी को उनकी तस्वीरें आकर्षक नहीं लगीं। ज्योतिषी ने उन्हें कास्ट करने के विचार का समर्थन नहीं किया, जिसकी वजह से वे फिल्म का हिस्सा नहीं बन सके। उन्होंने बताया कि ज्योतिषी को उन पर विश्वास नहीं था। कई चुनौतियों का सामना करने के बाद भी विजय ने खुलासा किया कि उन्होंने कभी हार मानने के बारे में नहीं सोचा। वे अपने दृढ़ संकल्प का श्रेय अनुभवी अभिनेता नसीरुद्दीन शाह को देते हैं। उनकी दी गई एक सलाह को याद करते हुए विजय ने कहा, च्च्जब हम छात्र थे तब नसीर (नसीरुद्दीन शाह) साहब ने हमें बताया था ÷%यदि आप एक अभिनेता बनना चाहते हैं, लेकिन आपके पास प्लान बी भी है, तो बस वह प्लान बी लें, क्योंकि यदि आप अभिनेता बनना चाहते हैं, तो आपको बहुत कठिन समय से गुजरना होगा। यह आपके लिए आसान नहीं हो सकता है।

चुनावी नतीजों में भाजपा की जीत देख गदगद हुईं कंगना रणौत

राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के 2023 राज्य विधानसभा चुनाव परिणाम आज तैयार किए जा रहे हैं। रुझानों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी की भारी जीत दिख रही है, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस आगे चल रही है। तीन राज्यों में बीजेपी की जीत का जश्न मनाते हुए, कंगना रनौत ने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक तस्वीर साझा की है। साथ ही अभिनेत्री का कैप्शन फैंस का खासा ध्यान आकर्षित कर रहा है।

तीन राज्यों में बीजेपी की जीत का जश्न मनाते हुए, कंगना रनौत ने एक्सपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक तस्वीर साझा की। फोटो के साथ उन्होंने हिंदी में लिखा, भगवान राम आ गए हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने हैशटैग चुनाव नतीजे का भी इस्तेमाल किया है। उनकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने टिप्पणी की, टवह सचमुच (पीएम मोदी) की तुलना हिंदू भगवान से कर रही हैं...क्या हिंदू धर्म में इसकी अनुमति है?% पंगा अभिनेत्री ने नेटिजन पर पलटवार करते हुए लिखा, %हां, इसकी अनुमति है। श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि मैं वही हूं जो मेरा सच्चा भक्त है, उनमें और मेरे बीच कोई अंतर नहीं है, हम बहुत प्यारे और शांतचित्त हैं। न सिर काटना, न कोड़े मारना, तुम भी हमारे दल में आ जाओ।% कंगना रणौत ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा, %मेरे उद्धरण का मतलब यह भी है कि मोदी जी राम जी को अयोध्या लाए थे, इसलिए जनता उन्हें लेकर आई है, लेकिन आप जो समझ रहे हैं वह भी गलत नहीं है। जनवरी 2024 में पीएम मोदी शामिल होंगे।% कंगना रणौत ने चुनाव के नतीजे देखते हुए एक अन्य ट्वीट कर लिखा है, %जो सनातन नहीं मिटा था रावण के अहंकार से, जो सनातन नहीं डिगा था कंस की हुंकार से, जो सनातन नहीं मिटा था बाबर और औरंगजेब के अत्याचार से, वह सनातन क्या मिटेगा पप्पू पनौती के प्रयास से।% इस पोस्ट के जरिए कंगना ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर तंज कसा है। इस बीच, काम के मोर्चे पर, कंगना को आखिरी बार एरियल एक्शन फिल्म %तेजस% में देखा गया था। अक्तूबर में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों ने पूरी तरह से नकार दिया और यह बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। अभिनेत्री अगली बार राजनीतिक ड्रामा इमरजेंसी में दिखाई देंगी, जिसमें वह पूर्व भारतीय पीएम इंदिरा गांधी की भूमिका निभाएंगी। कंगना ने आने वाली फिल्म का निर्देशन भी किया है।

एनिमल की कमाई का जश्न मनाते दिखे रणबीर

रणबीर कपूर के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर है। उनकी फिल्म एनिमल को दर्शकों का जबर्दस्त प्यार मिल रहा है। फिल्म ने रिलीज के साथ ही कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। फिल्म की इस अपार सफलता पर रणबीर को बॉबी देओल, अनिल कपूर, संदीप रेड्डी वांगा और निर्माता भूषण कुमार के साथ जश्न मनाते देखा गया। बता दें कि एनिमल शुक्रवार यानी एक दिसंबर को रिलीज हुई थी और इसने भारत में बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन 63.8 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी। फिल्म ने सिर्फ एक दिन में दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार कर लिया था। यह फिल्म रणबीर की सबसे बड़ी ओपनर बन चुकी है। हाल ही में रणबीर को एनिमल की कोर टीम के साथ इसकी कामयाबी का जश्न मनाते देखा गया। पार्टी में रणबीर को पूरी तरह से काले रंग की पोशाक में देखा गया। तस्वीरों में फिल्म से जुड़े सभी सदस्यों के चेहरे पर मुस्कान साफतौर पर देखी जा सकती है। एनिमल ने दूसरे दिन भी शानदार कलेक्शन दर्ज किया है। संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित इस फिल्म की कमाई में दूसरे दिन उछाल देखने को मिला। शनिवार को फिल्म ने 66.27 करोड़ का कारोबार किया। फिल्म के धमाकेदार कलेक्शन को देखते हुए यह उम्मीद जताई जा रही है कि यह तीसरे दिन 200 करोड़ के आंकड़े को आसानी से पार कर लेगी। लोगों के साथ फिल्म को समीक्षकों की भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन और रणबीर कपूर, बॉबी देओल और अनिल कपूर की एक्टिंग की भी जमकर प्रशंसा की जा रही है। केवल जनता को ही नहीं बल्कि सेलेब्स को भी यह फिल्म काफी पसंद आ रही है। आलिया समेत कई सितारों ने सोशल मीडिया पर एनिमल की खूब तारीफ की है। रणबीर कपूर के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर है। उनकी फिल्म एनिमल को दर्शकों का जबर्दस्त प्यार मिल रहा है। फिल्म ने रिलीज के साथ ही कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। फिल्म की इस अपार सफलता पर रणबीर को बॉबी देओल, अनिल कपूर, संदीप रेड्डी वांगा और निर्माता भूषण कुमार के साथ जश्न मनाते देखा गया। बता दें कि एनिमल शुक्रवार यानी एक दिसंबर को रिलीज हुई थी और इसने भारत में बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन 63.8 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी। फिल्म ने सिर्फ एक दिन में दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार कर लिया था। यह फिल्म रणबीर की सबसे बड़ी ओपनर बन चुकी है। हाल ही में रणबीर को एनिमल की कोर टीम के साथ इसकी कामयाबी का जश्न मनाते देखा गया। पार्टी में रणबीर को पूरी तरह से काले रंग की पोशाक में देखा गया। तस्वीरों में फिल्म से जुड़े सभी सदस्यों के चेहरे पर मुस्कान साफतौर पर देखी जा सकती है। एनिमल ने दूसरे दिन भी शानदार कलेक्शन दर्ज किया है।

मशहूर असमिया गायक अरुण दास का निधन

मशहूर असमिया गायक अरुण दास का आज निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। गायक ने आज रविवार की सुबह करीब 4ः45 बजे अंतिम सांस ली। गायक के निधन के बाद से इंडस्ट्री में गम का माहौल है। अरुण दास की निधन की खबर से असम के मुख्यमंत्री हिंमत बिस्वा को भी गहरा झटका लगा है, जिसके बाद उन्होंने अपना दुख व्यक्त किया। गायक ने कई शानदार गानों को अपनी सुरीली आवाज में पिरोया है। अरुण दास ने तुमी जानू जाना सुन%, %किमन मोरोम तुमाले%, %जासिसिलु गोपोन गोपोन और अन्य जैसे लोकप्रिय गीतों को अपनी आवाज दी। वे अपनी कला में निपुण थे और उनकी आवाज उनके प्रशंसकों को खुशी और दुख दोनों में संतुष्ट करती थी।

गायक के जाने के बाद भी प्रशंसक हाथों में गिटार और दिल में उनकी प्रस्तुति के साथ मंच पर उनके अविस्मरणीय प्रदर्शन को कभी नहीं भूलेंगे। वहीं गायक के निधन पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट किया, %प्रिय गायक अरुण दास के निधन की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति।

शाह का जीरो टेरर प्लान

आतंकवाद के इकोसिस्टम पर प्रहार से उखड़ने लगी दहशतगर्दों की सांस

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए जीरो टेरर प्लान तैयार किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भरोसा है कि इसके जरिए 2026 तक जम्मू-कश्मीर से दहशतगर्दी को उखाड़ फेंका जाएगा। शाह ने कहा कि पहले सिर्फ आतंकवादियों को मारा जाता था, लेकिन अब इसके पूरे इकोसिस्टम को खत्म किया जा रहा है। जीरो टेरर प्लान के तहत ही कम्प्लीट एरिया डॉमिनेशन प्लान बनाया गया है। यह 2026 तक समाप्त हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय, हर माह कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करता है। हर तीसरे माह में वे स्वयं वहां जाकर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करते हैं। 2010 में जम्मू-कश्मीर में 2,654 पथराव की घटनाएं हुई थीं, जबकि 2023 में पथराव की एक भी घटना नहीं हुई है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2023 व जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर

इकोसिस्टम

शाह ने कहा कि पहले सिर्फ आतंकवादियों को मारा जाता था, लेकिन अब इसके पूरे इकोसिस्टम को खत्म किया जा रहा है।

चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही है। आतंकवाद के मूल में धारा 370 के कारण खड़ी हुई अलगाववाद की भावना थी। अब धारा 370 खत्म हो चुकी है तो अलगाववाद में भी बहुत बड़ी कमी आ रही है। आतंकी घटनाओं में भी कमी आने लगी है। 1994 से 2004 के बीच कुल 40,164 आतंकवाद की घटनाएं हुईं थी। 2004 से 2014 के बीच इन घटनाओं की संख्या 7,217 रही है। गत वर्षों में इन घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। अब ऐसी घटनाएं 2,197 रह गई हैं। इन

घटनाओं में से 65 प्रतिशत, पुलिस कार्रवाई के कारण घटित हुई थी।

2023 में एक भी पथराव की घटना नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, 9 वर्षों में नागरिकों की मृत्यु की संख्या में 72 प्रतिशत और सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या में 59 प्रतिशत की कमी आई है। साल 2010 में जम्मू और कश्मीर में 2,654 पथराव की घटनाएं हुई थीं, जबकि 2023 में पथराव की एक भी घटना नहीं हुई है। 2010 में 132 ऑर्गेनाइज्ड हड़तालें हुई थीं, जबकि 2023 में एक भी नहीं हुई। 2010 में पथराव में 112 नागरिकों की मत्यु हुई थी, जबकि 2023 में एक भी नहीं हुई। 2010 में पथराव में 6,235 सुरक्षा कर्मी घायल हुए थे, 2023 में एक भी नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर में इस प्रकार की व्यवस्था की है कि वहां पर अब एक कंकड़ फेंकने की भी हिम्मत नहीं हो रही। साल 2010 में सीजफायर उल्लंघन की 70 मामले सामने आए थे। 2023 में सिर्फ 2 घटनाएं हुई हैं। 2010 में घुसपैठ की 489 घटनाएं हुई थीं। 2023 में सिर्फ 48 घटनाएं हुई हैं।

अब इकोसिस्टम को खत्म करने पर जोर

शाह के मुताबिक, जम्मू कश्मीर में जीरो टेरर प्लान बनाया गया है। इस पर पिछले तीन वर्षों से अमल हो रहा है। 2026 तक यह जीरो टेरर प्लान पूरी तरह से अमल में आ जाएगा। इसके साथ ही कम्प्लीट एरिया डॉमिनेशन प्लान बनाया गया है। पहले सिर्फ आतंकवादियों को मारा जाता था। अब इसके पूरे इकोसिस्टम को खत्म किया जा रहा है। टेरर फाइनेंस के तहत एनआईए ने 32 मामले दर्ज किए हैं। ये मामले इसलिए दर्ज हुए हैं, क्योंकि आतंकियों की मदद के लिए पाकिस्तान से पैसा आ रहा था। अब इस फंडिंग पर रोक लगाई गई है। एनआईए द्वारा दर्ज किए गए 32 और एसआईए द्वारा दर्ज 51 मामलों को मिलाकर टेरर फंडिंग के कुल 83 केस दर्ज किए गए हैं।

फडणवीस के चिट्ठी पर अजित पवार ने दी प्रतिक्रिया

कहा- नवाब मलिक का पक्ष जानने के बाद देंगे जवाब

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने साथी डिप्टी सीएम अजित पवार को नवाब मलिक को सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल करने पर विरोध करते हुए चिट्ठी लिखी है। राज्य के डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि वह पहले नवाब मलिक के पक्ष को जानने के बाद अपना जवाब देंगे। अजित पवार ने कहा, मुझे फडणवीस का चिट्ठी मिला। मैं नवाब मलिक के आधिकारिक पक्ष को जानने के बाद अपनी बात रखूंगा। विधानसभा में कौन कहां बैठेगा, यह मैं तय नहीं करता हूं। स्पीकर इसे तय करते हैं। नवाब मलिक के अजित पवार गुट में शामिल होने पर विवाद महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया है। अजित पवार गुट के राकांपा नेता अमोल मिटकारी ने कहा, नवाब मलिक पार्टी के प्रवक्ता और एक वरिष्ठ नेता रहे हैं। अब वह खुद अपना पक्ष स्पष्ट करेंगे। उन्होंने कहा, बैठने की व्यवस्था सरकार की तरफ की गई है। अगर विधानसभा स्पीकर ने बैठने की व्यवस्था की है तो मुझे लगता है कि

अजित पवार से मुलाकात की और अब पार्टी के वरिष्ठ नेता इस पर अपना पक्ष स्पष्ट करेंगे। अजित पवार गुट के राकांपा नेता सुनील तटकरे ने गुरुवार को कहा, नवाब मलिक वर्षों से हमारे वरिष्ठ नेता रहे हैं। बीमारी की वजह से जब उन्हें जमानत दी गई तो हम उस समय साथी के तौर पर उनका हाल चाल पूछने के लिए उनसे मिले। उस दौरान हमारे बीच कोई भी राजनीतिक बातचीत नहीं हुई थी। आज विधानसभा में आने के बाद, जाहिर है कि आप अपने पूराने साथियों से उनके पास और अधिक जानकारी होगी। नवाब मलिक अब पार्टी के प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता है। कल राकांपा के हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील तटकरे ने पक्ष स्पष्ट कर दिया था। मैंने मुलाकात जरूर करेंगे।

देवेंद्र फडणवीस के चिट्ठी पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, फडणवीस से प्रफुल्ल पटेल, हसन मुशरीफ या अजित पवार पर उनकी राय पूछी जानी चाहिए, क्योंकि इन सभी नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। अजित पवार गुट के कई नेताओं पर आरोप लगाए गए हैं। फिर ये भाजपा गठबंधन का हिस्सा कैसे है? अगर नैतिकता की बात होती तो आप उनके साथ सरकार नहीं बनाते। केवल नवाब मलिक पर ही हमला क्यों?

फडणवीस ने अपनी चिट्ठी में लिखा- आपकी पार्टी में कौन शामिल होगा, कौन नहीं, इसका फैसला करने का अधिकार आपका है लेकिन मुझे लगता है कि नवाब मलिका को पार्टी में शामिल करने से गठबंधन को नुकसान हो सकता है। महाविकास अघाड़ी की सरकार में नवाब मलिक मंत्री थे और गिरफ्तारी के बावजूद मंत्री बने रहे थे लेकिन हमारा गठबंधन महाविकास अघाड़ी की तरह नहीं है।

मैं कानून और संविधान का सेवकः डी वाई चंद्रचूड़

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि एक न्यायाधीश के तौर पर वह कानून और संविधान के सेवक हैं और उन्हें निर्धारित स्थिति का पालन करना होता है। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने जैसे ही कार्यवाही शुरू की तो अधिवक्ता मैथ्यूज जे. नेदुम्पाडा ने अदालत के समक्ष एक मामले का उल्लेख किया। उन्होंने पीठ से कहा कि कॉलेजियम प्रणाली में सुधार के साथ-साथ वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा समाप्त करने की आवश्यकता है। चंद्रचूड़ ने कहा, आपको अपने मन की बात रखनी की स्वतंत्रता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में खासकर एक न्यायाधीश के रूप में, मैं कानून और संविधान का सेवक हूं। मुझे एक रुख का पालन करना होगा, जो निर्धारित किया गया है। उन्होंने आगे कहा, मैं यह नहीं कह सकता कि मुझे यही पसंद है और मैं ऐसा करूंगा। इस साल अक्तूबर में सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों को वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम दिए जाने को चुनौती देने वाली एक याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि पदनाम देने की प्रणाली मनमानी नहीं है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अगुवाई वाली पीठ ने अधिवक्ता मैथ्यूज जे. नेदुम्पाडा और सात अन्य की ओर से दाखिल एक याचिका पर यह फैसला सुनाया था। न्यायमूर्ति कौल ने कहा था, हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में जरा भी हिचकिचाहट नहीं है कि रिट याचिका दुस्साहसी है, खासतौर पर याचिकाकर्ता संख्या एक (नेदुम्पाडा) की, और यह पूर्व के उनके ऐसे ही कार्य की निरंतरता है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि ऐसा प्रतीत होता है कि अदालत द्वारा पहले पारित निर्णयों और आदेशों का याचिकाकर्ता नंबर एक पर आत्मनिरीक्षण को लकर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

केंद्र सरकार में मनमर्जी से हो रहे विदाई-सम्मान समारोह

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में अफसरों और कार्मिकों द्वारा विदाई/सम्मान समारोह आयोजित करने में मनमर्जी बरती जा रही है। यह भी देखने में आया है कि सरकार द्वारा तय मापदंडों के विपरित, गिफ्ट लिए जा रहे हैं। सीसीएस (आचरण) नियम, 1965 के नियम 14 के अनुसार, निजी निकायों और संस्थानों के सरकारी कर्मचारियों द्वारा पुरस्कार स्वीकार करने के संबंध में डीओपीटी द्वारा समय-समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद पूरी तरह से तय नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं हो पा रहा। अब सरकार द्वारा ऐसे मामलों में सख्ती बरती जाएगी। इस तरह के समारोह में शामिल होने या गिफ्ट लेने से पहले, बॉस से लेकर बाबू तक सभी को इजाजत लेनी होगी।

बता दें कि सीसीएस (आचरण) नियम, 1964 के नियम 14 में प्रावधान है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी, सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना, कोई भी मानार्थ या विदाई

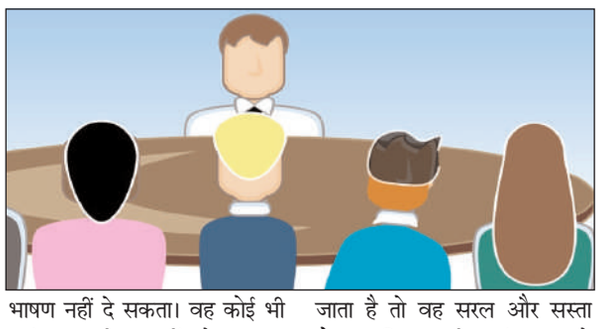

भाषण नहीं दे सकता। वह कोई भी प्रशंसापत्र स्वीकार नहीं करेगा। अगर किसी अधिकारी या कर्मचारी के सम्मान में कोई समारोह/मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित होता है तो वह उसमें भाग नहीं लेगा। हालांकि इन नियमों में कुछ ढील भी दी गई है। जैसे किसी सरकारी कर्मचारी के सम्मान में आयोजित समारोह/मनोरंजन कार्यक्रम, निजी और अनौपचारिक हो। सेवानिवृत्ति, स्थानांतरण या कोई ऐसा व्यक्ति, जिसने हाल ही में सरकार की सेवा छोड़ दी है तो उस स्थिति में सार्वजनिक निकायों या संस्थानों द्वारा जो भी समारोह आयोजित किया जाता है तो वह सरल और सस्ता होना चाहिए। यानी वहां पर सस्ते मनोरंजन की स्वीकृति रहेगी।

डीओपीटी के मुताबिक, सामान्य तौर पर, ऐसे पुरस्कार निजी निकायों और संस्थानों द्वारा दिए जाते हैं। इन संस्थानों को सरकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी सरकारी कर्मचारी ने कोई उत्कृष्ट कार्य किया है, तो उसकी योग्यताओं और सेवाओं को मान्यता देने के लिए सरकार के पास स्वयं कई तरीके खुले हैं। ऐसे में वह किसी निजी संस्था से पुरस्कार स्वीकार करे, ऐसा करना उचित नहीं होगा। असाधारण परिस्थितियों में अपने कार्यों के दायरे से बाहर किए गए काम के लिए सरकार खुद प्रोत्साहन देती है। ऐसी स्थिति में किसी अधिकारी की योग्यता को पुरस्कृत करने के बारे में सरकार विचार करती है। अगर कोई कर्मचारी किसी विशेष पुरस्कार का हकदार है तो ऐसे मुद्दों पर निर्णय लेना सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर छोड़ दिया जाता है। यहां पर देखा जाता है कि वह प्रक्रिया तय मानदंड के आधार पर हो और उचित एवं विवेकपूर्ण रहे। उस पुरस्कार में कोई मौद्रिक घटक नहीं होना चाहिए।

डीओपीटी द्वारा 4 दिसंबर को जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि सरकारी कर्मचारियों को निजी ट्रस्टों/फाउंडेशनों आदि द्वारा स्थापित मौद्रिक लाभ के पुरस्कार स्वीकार करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके बावजूद यह देखा गया है कि इन निर्देशों का उनकी वास्तविक भावना के अनुसार पालन नहीं किया जा रहा है। निजी निकायों/संस्थाओं/संगठनों द्वारा दिए

सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। देश में प्याज की बढ़ती मांग और बढ़ती कीमतों के चलते सरकार ने यह फैसला किया है। बता दें कि फिलहाल यह प्रतिबंध अगले साल मार्च तक लगाया गया है। विदेशी व्यापार के डायरेक्टोरेट जनरल की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि 31 मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

हालांकि डीजीएफटी के नोटिफिकेशन में ये भी कहा गया है कि देशों की मांग पर केंद्र सरकार की इजाजत से प्याज का निर्यात किया जा सकेगा। बता दें कि देश में अभी प्याज खुदरा कीमत में 60 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है। अगस्त में सरकार ने प्याज के निर्यात को कम करने के लिए इस पर 40 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दी थी।

यह आदेश 31 दिसंबर 2023 तक के लिए था। हालांकि केंद्र सरकार ने बंगलूरू रोज किस्म की प्याज को एक्सपोर्ट ड्यूटी से मुक्त रखा था। यह प्याज बंगलूरू और कर्नाटक क्षेत्र के आसपास उगाया जाता है और इसे 2015 में जीआई टैग मिला था।

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक समूहों की गति-विधियों को दबाने में कुछ देशों की मिलीभगत

न्यूयॉर्क। भारत आतंकवाद के बढ़ते खतरों को रोकने के प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध है। यह बात संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने गुरुवार को कही। इसके साथ ही उन्होंने कुछ ऐसे देशों के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया, जो आतंकवादियों को पनाह देना जारी रखे हैं।

अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध, बढ़ती चुनौतियां और नए खतरे विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की चर्चा में कंबोज ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, हमें अंतरराष्ट्रीय आपराधिक समूहों की गतिविधियों को दबाने में बढ़ती राजनीतिक या राष्ट्र की मिलीभगत पर बात करने की जरूरत है। कुछ देश आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह देना जारी रखे है। इन लोगों न केवल गंभीर अपराध किए हैं, बल्कि जालसाजी और विरोधी-राज्य की मुद्रा के प्रसार, सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने के लिए हथियारों, ड्रग्स और अन्य साधनों की आपूर्ति जैसे माध्यमों से अपने विरोधी-

राज्यों की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाना जारी रखा है।

रुचिरा कंबोज ने कहा कि ऐसे देशों की कार्रवाई को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ट्रिलियन डॉलर का सवाल शांति सुनिश्चित करना है। उन्होंने पूछा कि क्या हमारे पास वर्तमान समय और समकालीन वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व करने वाला शांति बुनियादी ढांचा है? या 2023 नया 1945 है?

कंबोज ने यूएनएससी की खुली बहस में कहा, मैं आश्वस्त करती हूं कि भारत अंतरराष्ट्रीय समुदायों को मजबूत करने व संगठित अपराध और आतंकवाद के बढ़ते खतरों को रोकने के प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध है।

तत्काल कार्रवाई की जरूरत

पिछले साल नई दिल्ली में 90वीं इंटरपोल महासभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणियों को याद करते हुए कंबोज ने कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सामूहिक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने आगे कहा कि कई देश आपराधिक और आर्थिक अपराधियों को आर्थिक नागरिकता देते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे देशों को यूएनएससी के संबंधित प्रस्तावों के तहत अपने दायित्वों को पूरा करना चाहिए।

रिश्वत लेने के आरोपों में घिरे जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव

टोक्यो। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजू मात्सुनो पर अपनी ही पार्टी द्वारा फंडरेजिंग इवेंट के दौरान 10 मिलियन येन की रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। मात्सुनो सत्तारूढ़ पार्टी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के सबसे बड़े गुट से ताल्लुक रखते हैं। इन आरोपों पर मात्सुनो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनका इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं है।

मात्सुनो ने कहा, मैं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य का पालन करुंगा। उन्होंने बताया कि उनका गुट फिलहाल आरोपों से जुड़े तथ्यों की पुष्टि करने में जुटा हुआ है। अभियोजकों ने शिकायत के बाद रिश्वत घोटाले की जांच शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा गुट समेत पांच एलडीपी नेताओं के खिलाफ फंडरेजिंग पार्टियों से अपना राजस्व कम बताने का आरोप लगाया गया है।

सूत्रों के अनुसार, एलडीपी गुट ने पार्टी टिकटों के लिए अपने विधायकों का कोटा निर्धारित किया है, जिसकी कीमत 20 हजार येन होता है। उन्होंने आगे बताया कि अगर वो अपने लक्ष्य को पार कर जाते हैं तो उनकी अतिरिक्त कमाई कुछ इंट्रापार्टी समूहों के जरिए रिश्वत के तौर पर लौटा दी जाती है। सूत्रों के अनुसार 100 सांसदों में से 10 को रिश्वत मिली है। उनमें से कुछ को 10 मिलियन येन या उससे अधिक दी गई है।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने उत्तरकाशी सुरंग हादसे के हीरो को सराहा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई संसद को संबोधित करते हुए भारत के उत्तरकाशी सुरंग हादसे के हीरो ऑर्नोल्ड डिक्स को सराहा। बता दें कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा में सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बचाने में ऑस्ट्रेलिया के सुरंग खुदाई के विशेषज्ञ प्रोफेसर आर्नोल्ड डिक्स की तारीफ की और कहा कि दोनों देश उनके कर्जदार हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा कि मैं एक महान ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसर आर्नोल्ड डिक्स की तारीफ के लिए खड़ा हुआ हूं, उन्होंने जो किया है, उससे भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों में मजबूती आई है। आज उनके (आर्नोल्ड डिक्स) और भारतीय अथॉरिटीज की कड़ी मेहनत से 41 लोगों को जीवित बता लिया गया। यह एक अद्भुत कहानी है। दो हफ्ते से ज्यादा समय तक 41 मजदूर उत्तरी भारत में एक पहाड़ी सुरंग के ढहने से उसमें फंस गए थे और पूरी दुनिया की उस पर नजर थी।%

भारत और ऑस्ट्रेलिया, ड्विक्स के कर्जदार

एंथनी अल्बानीज ने कहा कि यह

रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद जटिल था और एक गलती भी मजदूरों की जान पर भारी पड़ सकती थी लेकिन काफी खतरे के बावजूद प्रोफेसर डिक्स और उनकी टीम ने लोगों को बचाने की कोशिश जारी रखी और आखिरकार 41 जिंदगियां बचा ली गईं। हमारे भारतीय दोस्त और पीएम मोदी भी इससे बेहद खुश हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि एक ऑस्ट्रेलियाई की वजह से भारत को यह खुशी मिली। अल्बानीज ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों देश अर्नोल्ड डिक्स के कर्जदार हैं।

बता दें कि बीते दिनों उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल में फंसे सभी 41 मजदूरों को सुरक्षित बचा लिया गया। प्रोफेसर अर्नोल्ड डिक्स ने भी उत्तरकाशी टनल ऑपरेशन को अपने करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन बताया था। साथ ही केंद्र सरकार, राज्य सरकार, सेना और अन्य एजेंसियों के बीच के तालमेल की तारीफ भी की थी।

बेघर अतिक्रमणकारी ने पहले की भारतीय मूल के मोटेल मालिक की हत्या

न्यूयॉर्क। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में 46 वर्षीय भारतीय मूल के मोटेल मालिक को एक बेघर अतिक्रमणकारी ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी ने खुद को भी गोली मार ली। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपनी जान लेने से पहले खुद को एक कमरे में कैद कर लिया था।

पुलिस ने बताया कि ठीक 10 बजे उन्हें एक कॉल आया जिसमें पुलिस को होस्टेज हाउस में एक व्यक्ति के अतिक्रमण होने की जानकारी दी गई। थोड़ी देर बाद दूसरा कॉल आया जिसमें बताया गया कि अतिक्रमणकारी ने खुद को गोली मार ली। आरोपी की पहचान टोरी केल्लम के तौर पर की गई है।

मोटेल मालिक के बाहर निकलने के बाद आपातकालीन कर्मी उन्हें इलाज के लिए कार्टेरेट हेल्थ केयर ले गए, जहां उन्हें बाद में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मोटेल मालिक यह व्यवसाय अपने परिवार के साथ चलाते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान होस्टेज हाउस और अन्य क्षेत्रों में अवैध कब्जा करने वालों के तौर पर किया गया है। कई घंटों तक पुलिस और आरोपी के बीच बातचीत होती रही। स्पेशल रिस्पॉन्स टीम (एसआरटी) आरोपी को लगातार सरेंडर करने के लिए मना रहे थे। काटेरट काउंटी शेरिफ आसा बक ने बताया, एसआरटी की टीम घटनास्थल पर पहुंची। हमने आसपास के स्कूलों को बंद रखने की बात की। क्योंकि, हम सुनिश्चित करना चाहते थे कि आरोपी उस कमरे में ही बंद हो। आरोपी के बाहर निकलने से इनकार करने पर एसआरटी की टीम कमरे के अंदर प्रवेश की, लेकिन तबतक उसने कमरे में ही खुद को गोली मार ली थी।

महिला के बेघर होने के डर का फायदा उठा किया दुर्व्यवहार

वॉशिंगटन। जॉर्जिया में एक भारतीय मोटल प्रबंधक को गुलामी के लिए एक महिला की तस्करी करने के जुर्म में 57 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा, सात लोगों को 40 हजार डॉलर से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया गया है।

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, 71 साल के श्रीश तिवारी ने सन् 2020 में जॉर्जिया के कार्टर्सविले में बजटेल मोटल का काम शुरू किया था। इसी दौरान उसने एक महिला को मोटल में नौकरानी के रूप में काम पर रखा और उसे रहने के लिए एक कमरा दिया। तिवारी को पता था कि पीड़िता पहले ही बेघर हो चुकी है। वह नशे की लत से जूझ रही थी और अपने छोटे बच्चे की कस्टडी खो चुकी थी। तिवारी ने पीड़िता से वादा किया था कि वह उसे वेतन और रहने के लिए एक अपार्टमेंट देगा। इसके अलावा उसके बच्चे को हासिल करने में उसकी मदद करने के लिए भी कहा था।

भारतीय मूल के मैनेजर पर आरोप, फुटबॉल टीम के दो करोड़ डॉलर चुराकर खरीदी लग्जरी कारें

वॉशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के मैनेजर पर आरोप लगा है कि उसने अमेरिका के फुटबॉल क्लब को दो करोड़ 20 लाख डॉलर का चूना लगाया है। आरोप है कि मैनेजर ने धोखाधड़ी कर फुटबॉल क्लब के करोड़ों डॉलर अपने शौक पूरे किए। आरोपी ने धोखाधड़ी कर फुटबॉल क्लब के पैसों से अपने लिए लग्जरी कारें और अन्य सामान खरीदा। आरोपी की पहचान अमित पटेल के रूप में हुई है, जो अमेरिका के जैक्सनविले जगुआर फुटबॉल क्लब के वित्तीय मैनेजर थे।

अमित पटेल 2018 में फुटबॉल क्लब का वित्तीय मैनेजर बने थे और अगले पांच सालों तक इस पद पर रहे। इस साल फरवरी में क्लब ने आरोपी को नौकरी से निकाल दिया था। जैक्सनविले के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में जो दस्तावेज पेश किए गए हैं, उनके मुताबिक अमित पटेल पर आरोप है कि वह क्लब के अकेले प्रशासक थे और उन्होंने टीम के

लिए सामान खरीदने के लिए इस्तेमाल होने वाले वर्चुअल क्रेडिट कार्ड प्रोग्राम का इस्तेमाल निजी खरीद के लिए किया।

पटेल ने क्लब के पैसों से अपने लिए टेस्ला मॉडल 3 सेडान कार, एक निसान पिकअप ट्रक, 95 हजार डॉलर की एक लग्जरी घड़ी और निवेश के लिए क्रिप्टोकरेंसी खरीदी। एफबीआई इस मामले की जांच कर रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी के वकील एलेक्स किंग ने कहा है कि उनका मुवक्किल अपने किए के लिए शर्मिंदा है और अपने किए के लिए माफी मांगता है। वकील ने बताया कि पटेल को जुए की लत है और उसने जुए की लत के चलते ही क्लब में पैसों की धोखाधड़ी की और जुए में हारी रकम को चुकाने के लिए फुटबॉल क्लब के पैसों का इस्तेमाल किया।

मिस्त्र की इस्राइल से कूटनीतिक संबंध तोड़ने की धमकी

तेल अवीव। गाजा पट्टी में इस्राइली हमलों के चलते बड़ी संख्या में फलस्तीनी लोग गाजा छोड़कर मिस्त्र की सीमा में दाखिल हो रहे हैं। अब इसे लेकर मिस्त्र ने नाराजगी जाहिर की है और धमकी दी है कि अगर उन उनके यहां शरणार्थियों का आना बंद नहीं हुआ तो वह इस्राइल के साथ अपने कूटनीतिक संबंध खत्म कर देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा पट्टी से लोग मिस्त्र के सिनाई पेनिनसुला पहुंच रहे हैं।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने एक बयान में गाजा पट्टी में मारे जा रहे आम नागरिकों की मौतों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि दक्षिणी गाजा में इस्राइल की कार्रवाई को एक हफ्ता बीत गया है लेकिन उन्होंने वादा किया था कि आम नागरिकों की सुरक्षा की जाएगी लेकिन उनके वादे और असल नतीजों में अंतर दिख रहा है।

प्रयागराज में वायु प्रदूषण ही नही बल्कि आय का जरिया बन रही है पराली

- योगी सरकार के प्रयास से पराली प्रबंधन प्लांट बनकर तैयार
- पराली से सीएनजी गैस का होगा उत्पादन

प्लांट निर्माता, किसान और एफपीओ के बीच हुआ समझौता

प्रयागराज में धान और गेहूं के फसल अवशेष पराली के मुख्य संगठक हैं। बायो फ्यूल समिति के संयोजक सचिव विनोद कुमार बताते हैं कि जिले में अकेले धान से 5 लाख मीट्रिक टन पराली एक सीजन में होती है। इसके अलावा सात 3 लाख मीट्रिक टन पराली गेहूं के फ़सल अवशेष से आती है। मशीनीकरण का दौर आने के पहले यह पराली पशुपालक अपने पशुओ को खिलाते थे जहां इसकी खपत हो जाती थी। लेकिन अब गांवों में भी मशीनों के आने से पशुओं की सख्या बहुत कम रह गयी है जिससे किसान इसे खेतों में जलाने लगे। जिससे वायु प्रदूषण में तेजी आई है लेकिन अब नए प्लांट के लगने से इस समस्या से छुटकारा मिल जाएगा।

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। कृषि क्षेत्र में पराली को जलाने से रोकना बड़ी चुनौती है। योगी सरकार ने इसके लिए कई प्रयास किए हैं जिससे इसके सकारात्मक नतीजे सामने आने लगे हैं। प्रयागराज में अब पराली को खेतों से उठवाकर इससे सीएनजी बनाने की पहल हुई है। इससे बड़ी समस्या से निजात तो मिलेगी ही, साथ ही किसानों की आय के अवसर भी बढ़ेंगे। प्रयागराज में वायु प्रदूषण पैदा करने के लिए जिम्मेदार मानी जाने वाली पराली भी अब किसानों के फायदे का सौदा बन गई है। इस वर्ष खेतों में पराली जलाने के बजाय कमाने का जरिया बन गई है। इससे कई तरह के रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया बताते हैं कि जिले के नैनी में इसके लिए एक प्लांट की स्थापना की गई है। इस प्लांट में मीथेन गैस बनाई जाती है जिसके बनाने के लिए 70 प्रतिशत पराली, 30 प्रतिशत फल-फूल, साग-सब्जी का मंडियों में निकलने वाला कचरा प्रयोग में लाया जाता है। इसके लिए मेजा के डाबर तथा चंदपुर गांव में पराली डंपिंग सेंटर बनाए गए हैं। खेतों में ट्रैक्टर से जुड़ी एक मशीन बेलर के जरिए पराली का गट्ठर बनाया जाता है और फिर ट्रैक्टर ट्राली पर लादकर उसे प्लांट तक पहुंचाया जाता है। डंपिंग सेंटर के इंचार्ज धीरज कुमार सिंह ने बताया कि डाबर स्थित डंपिंग सेंटर में मेजा, मांडा, ऊरुवा, भारतगंज, कोरांव, कोहड़ार, खीरी, लेड़ियारी क्षेत्र के खेतों की पराली इकट्ठा की जा रही है। अभी तक 100 टन से अधिक पराली यहां इकट्ठा की जा चुकी है। प्रयागराज में बायो फ्यूल समिति के संयोजक सचिव विनोद कुमार के मुताबिक़ जिले के नैनी इलाके में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इसके लिए एक प्लांट लगाया है जिसमे पराली से कंप्रेस्ड बायो गैस बनाई जायेगी। इस प्लांट की प्रतिदिन की क्षमता 60 मीट्रिक टन की है। इसके लिए पराली यहाँ के किसानो से खरीदी जा रही है जिससे किसानो को भी अतिरिक्त आय हो रही है।

जल शक्ति मंत्री द्वारा 'गंगा सम्मान' से सम्मानित हुई एशा सिंह

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। प्रदेश में गंगा और उसकी सहायक नदियों की अविरलता, निर्मलता एवं संरक्षण हेतु पृथक-पृथक जनपदों से गंगा व सहायक नदियों के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं को राज्य सरकार द्वारा गंगा सम्मान से राजधानी लखनऊ में सम्मानित किया गया। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। प्रयागराज जनपद से गंगा स्वच्छता, संरक्षण एवं अन्य सामाजिक कार्यों में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए एषा सिंह को गगा सम्मान प्रदान किया गया। जिला गंगा समिति वन विभाग में जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे पद पर है द्य कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रमुख सचिव नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव एवम परियोजन निदेशक डॉ. बलकार सिंह मौजूद रहे द्यगंगा सम्मान के मौके पर जलशक्ति मंत्री ने कहा नदियों का संरक्षण रखना हम लोग का कर्तव्य है। राज्य सरकार ने निर्मल गंगा अविरल गंगा जन गंगा जैसे प्रमुख पहलुओं पर ध्यान करते हुए एक सराहनीय कार्य और मिशन संचालन किया है द्य गंगा स्वच्छता पर कार्य कर रही नारी शक्ति व मातृ शक्ति का अभिनंदन और सराहना करते है जिनके साथ अथक प्रयासों से पूर्ण समर्पण से गंगा स्वच्छता में व्यापक परिवर्तन आया है। पिछले कई वर्षों से निरंतर सामाजिक कार्य में अपना योगदान देने वाली एषा सिंह ने नमामि गंगे परियोजना के अंर्तगत विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम कराए। जिसमें मुख्य रूप से गंगा किनारे गांवों के युवाओं को गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु चौपाल, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, विभिन्न स्कूलों में प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं, गंगा आरती, श्रमदान आदि रहे।

सर्वसम्मति से दुर्गा प्रसाद राय को कार्य वाहक अध्यक्ष बने हर्ष

आजमगढ़। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद आजमगढ़ की बैठक प्रभा सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज्य कर्मचारी सं परिषद आजमगढ़ की अध्यक्षता में अमीन संघ भवन आजमगढ़ में बजे से प्रारंभ की गई बैठक का संचालन अनिल तिवारी मंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा किया गया राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष रविंद्र श्रीवास्तव जी के निधन और मंत्री अनिल तिवारी की सेवानिवृत्त उपरांत सांगठनिक गतिविधियों को गति प्रदान करने हेतु सभी उपस्थित घटक दल संगठन द्वारा सर्वसम्मति से दुर्गा प्रसाद राय जी को अध्यक्ष(कार्य वाहक) एवं अजीत कुमार को मंत्री(कार्य वाहक) नामित किया गया सभी कर्मचारी प्रतिनिधियों में हर्ष एवं खुशी का माहौल है बैठक में जीवान अहमद संप्रेक्षक सतीश सिंह मंत्री ग्राम विकास अधिकारी ऐशो आशीष सिंह अध्यक्ष ग्राम पंचायत अधिकारी संघ दीनदयाल बौद्ध अध्यक्ष अमीन संघ मंत्री सुशील सुरेंद्र यादव जी अध्यक्ष नलकूप संघ मंडल मंत्री अजय राय रघुवंश पांडे जी अध्यक्ष अनु सेवक संघ अनिल कुमार जी मंत्री ग्राम पंचायत अधिकारी संघ रविंद्र यादव अध्यक्ष आईटीआई उपस्थित रहे। संजय पांडे जी अध्यक्ष पीदडब्लूडी अपने साथियों सहित उपस्थित रहे सफाई कर्मी संघ के मीडिया प्रभारी गुलाब चौरसिया जी सहित कई संगठन के प्रतिनिधि कर्मचारी उपस्थित रहे। मनोनीत अध्यक्ष श्री दुर्गा प्रसाद राय जी द्वारा सभी को धन्यवाद देते आभार व्यक्त किया गया और सभी घटक संघ के सभी को यह विश्वास दिलाया गया कि संगठन की मजबूती और साथियों का सम्मान सर्वोपरी है।

हमारा संकल्प भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है: राजेंद्र मिश्रा

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन अल्लापुर लेबर चौराहा और सुलेंम सरांय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि हमारा संकल्प की भारत आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बने। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की योजनाएं गांव, गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान, व्यापारी और महिलाओं के जीवन में खुशहाली लाने की गारंटी है।

इस अवसर पर उन्होंने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए उपस्थित जनों के साथ संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा विधायक हर्षवर्धन बाजपेई ने कहा कि हमारा संकल्प है कि हमारा भारत विकसित राष्ट्र बने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश विकसित राष्ट्र के लिए कदम बढ़ा चुका है जो पूरी दुनिया को मार्गदर्शन करेगा। तत्पश्चात नगर निगम के द्वारा मेरी कहानी मेरी जुबानी के द्वारा सरकार के विभिन्न योजनाओं से लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के द्वारा अनुभव साझा किया गया। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर एलसीडी वैन के माध्यम से मोदी सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई और स्वास्थ्य परीक्षण, निशुल्क उज्जवला गैस कनेक्शन, आधार सेवा केंद्र, निशुल्क आयुर्वेदिक दवा वितरण, के कैंप लगाए गए। इस अवसर पर रामलोचन साहू, नवीन, प्रशांत शुक्ल, कुलदीप मिश्र, रवींद्र गाँधी, संदीप कुशवाहा, श्याम पाण्डेय, संजीव जयसवाल, नीलू शुक्ल मनोज, राकेश आदि मौजूद रहे।

राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष को दी गई श्रद्धांजलि

- करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोगामेड़ी की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण: ओमप्रकाश

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। राजपूत सेवा समिति ने राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या पर शुक्रवार को महाराणा प्रताप प्रतिमा स्थल कालीचाबाद में शोक सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर राजपूत सेवा समिति के सदस्य व भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या से पूरे देश का क्षत्रिय समाज आहत है। श्री सिंह ने आगे कहा इनकी हत्या कैसे हुई सभी जानते है इसके लिए अब क्षत्रिय समाज के लोगों को कमर कसकर हत्यारे को सजा दिलाने के लिए लड़ाई लड़नी होगी। आगे उन्होंने कहा कि राजपूत सेवा समिति व करणी सेना मिलकर एक प्रस्ताव बनाकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। शशि मोहन सिंह ने कहा कि कहा कि यदि गोगामड़ी के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार नहीं किया जाता है तो इससे समाज में आक्रोश बढ़ेगा। कहा कि गरीब, शोषित और असहाय लोगों की लड़ाई लड़ने वाले राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष की निर्मम हत्या अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। दिनेश सिंह बब्बू ने कहा कि समाज के लिए संघर्ष करते हुई सुखदेव सिंह की हत्या,जब तक कार्यवाही नही होगी तब तक हम चैन से नही बैठेंगे। अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह ने कहा कि मेरी कौम अगुवाई के लिए सछम नही है हम संगठित होंगे तो सब सुरक्षित रहेंगे।। इसके बाद सभी ने राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी के फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रधांजलि दिए। इस मौके पर दिनेश सिंह बब्बू, डॉ एन के सिंह, अधिवक्ता दुष्यन्त सिंह, अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह, मुन्ना सिंह, शशि मोहन सिंह, रविन्द्र कुमार सिंह, डॉ सिद्धार्थ सिंह, अजीत सिंह, अभय सिंह, प्रदीप सिंह, राहुल सिंह, शशि सिंह, मनीष सिंह, डॉ संजय सिंह, सिंह, अजय सिंह, अमर बहादुर सिंह, सर्वेश सिंह, संजय सिंह बिशेन, सिद्धार्थ सिंह, सुजीत सिंह समेत समित के अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रकाशन कारोबारी के पास मिली सौ करोड़ से अधिक की अघोषित संपत्ति

- कारोबारी के सहयोगियों के घर भी छापा, आयकर विभाग की तीन दिन तक चली कार्रवाई

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। प्रकाशन समूह के मलिक और उसके सहयोगियों के ठिकानों पर तीन दिन तक चली आयकर विभाग की कार्रवाई में सौ करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित संपत्ति का पता चला है। इसका रिकॉर्ड नहीं मिल सका। इसमें भूमि और ज्वेलरी भी शामिल हैं। इसके अलावा अलग-अलग जगहों से डेढ़ करोड़ रुपये फिर मिले हैं। इसके साथ ही नकदी की बरामदगी बढ़कर सात करोड़ रुपये हो गई है। इसके साथ ही आठ किलो से अधिक सोने के आभूषण भी मिले हैं, जिनका सत्यापन किया जा रहा है।

तीन दिन तक चली सघन छापे की कार्रवाई बृहस्पतिवार को पूरी हो गई। इस अवधि में मिली अघोषित संपत्ति के बारे में आयकर विभाग की टीम ने समूहों के स्वामियों से कागजात मांगे हैं। यह संपत्ति उनके पास कहां से और कैसे आई, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल कागज नहीं दिखाए जा सके हैं।

आयकर विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार सुबह भी प्रकाशन समूह के प्रयागराज के अलावा दिल्ली और मुंबई के 20 से अधिक ठिकानों पर छापे की कार्रवाई पूरी की। सिविल लाइंस, बमरौली, कटरा, चर्चलेन, हीवेट रोड, रामबाग, नैनी, जीरो रोड स्थित ज्वेलरी शॉप, प्रिंटिंग प्रेस के रिकॉर्ड खंगालने के बाद सौ करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित संपत्तियों का सत्यापन शुरू कर दिया गया है। जिन ठिकानों पर आयकर की टीम ने छापे की कार्रवाई की है, उनमें अधिकांश प्रतिष्ठान एक बड़े कारोबारी के हैं, जबकि अन्य में उसके कुछ करीबी भी शामिल हैं। इन तीन दिनों में जांच टीमों को कारोबारियों के यहां से नकदी, आभूषण, संपत्ति के कागजात मिले हैं। करीब सात करोड़ रुपये नकद मिले हैं, जिसे बैंकों में जमा करवा दिया गया है। आभूषणों की सूची बनाते हुए लॉकरों को भी सीज कर दिया गया है। आयकर विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक एक कारोबारी के यहां से सात किलो से अधिक सोने के आभूषणों का हिसाब नहीं मिला है। सबसे अधिक रुपये भी यहीं से बरामद हुए हैं। भूमि, भवन के कागज मिले हैं, जिसे टीमों ने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। कारोबारी द्वारा पत्रिका मार्ग पर अभी कुछ समय पहले ही करोड़ों की जमीन खरीदी गई है। इसके अलावा जिले में और भी कई जगह भूमि और भवनों का पता चला है। दिल्ली, मुंबई में भी संपत्तियां खंगाली गई हैं।

अतीक की गुर्गे सहित तीन पर धोखाधड़ी का केस

प्रयागराज। माफिया अतीक के गुर्गे कम्मू, जाबिर व नासिर इकबाल के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा लिखा गया है। फौजी अवध नारायण की तहरीर पर धूमनगंज पुलिस ने तीनों को नामजद किया है। नासिर इकबाल को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाजीपुर के मुहम्मदाबाद तिवारीपुर निवासी अवध नारायण सेना में कार्यरत हैं। उनका आरोप है कि वर्ष 2016 में डिफेंस कालोनी निवासी नासिर इकबाल व बेली गांव में रहने वाले कम्मू, जाबिर से मुलाकात हुई थी। नासिर ने साढ़े सात लाख रुपये में एक जमीन का सौदा तय किया। पूरा पैसा लेने के बाद फर्जी कागजात तैयार करके जमीन की रजिस्ट्री की गई।

सपा मनोनित अधिवक्ता का हुआ स्वागत

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के मनोनित पदाधिकारियों का सम्मान समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर राष्ट्रीय, प्रादेशिक,एवं जिले में विभिन्न पदों पर पदाधिकारी मनोनीत हुए। मिर्जा रेहान कैसर, नायब यादव,राष्ट्रीय सचिव पद पर एवं सौरभ श्रीवास्तव, विजय प्रताप श्रीवास्तव, रमापति सिंह यादव, यादव, राम दरस यादव, सुनील यादव ठेकमा, चंद्रकेश यादव प्रदेश सचिव पद पर ,एवं सैयद मोहम्मद मेहंदी, बृजलाल, कमलेश यादव, जिला उपाध्यक्ष पद पर एवं रत्नेश पांडे जिला कोषाध्यक्ष पद,एवम मनीष श्रीवास्तव, नसीरुद्दीन खान, हरेंद्र जायसवाल, आदि जिला सचिव के पद के साथ ही साथ सभी तहसील स्तर पर भी अध्यक्ष मनोनित किए गए । सम्मान कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक हुए विधायक संग्राम यादव, विधायक अखिलेश यादव, विधायक श्रीमती पूजा सरोज,पूर्व विधायक श्यामबहादुर यादव ने कहा की समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव तथा अखिलेश यादव ने प्रदेश के सभी कचहरी में चेंबर बनाया उनके सम्मान बहुत सारी योजनाएं लागू की थी।वर्तमान जिला अध्यक्ष हवलदार यादव ने कहा की अधिवक्ता समाज का सजग प्रहरी है यह समाज गरीब मजलूम को न्याय दिलाने का कार्य करता है, आज देश की मोदी सरकार संविधान व लोकतंत्र को खत्म करने का काम कर रही है। पूंजीपतियों के हित के लिए संसद में कानून पास कराकर गरीबों, किसानों, व अधिवक्ता समाज को लगातार कमजोर किया जा रहा है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का किया गया आयोजन

अवधनामा संवाददाता

- सामुदायिक शौचालय व आयुष्मान कार्ड पर सम्बन्धित अधिकारी को डीएम ने लगाई फटकार

जौनपुर (महराजगंज) विकास खण्ड के विझवट ग्राम पंचायत में जिलाधिकारी अनुज कुमार झां के नेतृत्व में शुक्रवार को जन चौपाल का आयोजन किया गया।जन चौपाल कार्यक्रम में स्टाल लगाकर ग्राम विकास योजनाओ की ग्रामीणो को जानकारी दी गयी।

चौपाल में विजली विभाग के एसडीओ सुरेन्द्र कुमार ने विजली बिल में छूट के बारे मे जानकारी दी।ग्राम विकास अधिकारी विकास यादव ने बताया कि विझवट ग्राम पंचायत में 116 किसान सम्मान निधि व 14 महिलाओ को विधवा पेंशन तथा 31 दिब्यांगो पेंशन दिये जाने की बात कहीं।

जिलाधिकारी अनुज कुमार झां ने चौपाल में जुटे ग्रामीण से पूछा कि क्या तुम लोग अपने यहां के लेखपाल व सिक्रेटरी का नाम जानते हो।जबाब में पर मात्र दो तीन लोगो ने कहा कि जानते है बाकी सब चुप हो गये। जिस पर डीएम ने नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने सामुदायिक शौचालय सुबह शाम कितने बजे खुलता है ये जानकारी जिम्मेदार समूह की महिला केयर टेकर संजू देवी से पूछा तो वह ठीक समय बता नही पायी उचित उत्तर न मिलने पर ग्राम विकास अधिकारी विकास यादव को समय सारणी की जानकारी न दिये जाने को लेकर डीएम ने फटकार लगाई। आयुष्मान कार्ड की जानकारी न दे पाने पर जिलाधिकारी ने प्रभारी सीएचसी अधीक्षक महराजगंज डा0 राजेन्द्र प्रसाद और आयुष्मान मित्र आशीष कुमार को फटकार लगाते हुए तीन दिन के अन्दर सभी पात्र गृहस्ती के 6 यूनिट तक राशन कार्ड धारको का ग्राम प्रधान व कोटेदार की मदद से बनाए जाने का निर्देश दिया।

चौपाल में जिलाधिकारी ने दो गर्भवती महिला पूजा देवी और संगीता पटेल की गोद भराई का रस्म निभाया उन्हे सम्मान में पोष्टिक आहार फल चना गुड़ आदि अपने हाथो सौपा। चौपाल में दो नन्हे बालक अथर्व और अंकिता को जिलाधिकारी अनुज कुमार झां ने चम्मच से खीर खिलाकर उन्हे वस्त्र भी सौपा। जन चौपाल में गांव के 6 किसान अशोक सिह ,रामलाल गुप्ता ,जेठूराम ,सभाजीत सिह,चन्द्रभान, गिरीश सिह को जिलाधिकारी के हाथो पीएम सम्मान निधि प्रशस्ति पत्र सौपा गया।

चौपाल के समापन पर जिलाधिकारी के साथ किसानो के समक्ष बगल गेहू के खेत में कृषि विभाग ने डोर्न द्वारा दवा छिड़काव कराये जाने की प्रदर्शनी दिखाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अनुज कुमार झां व संचालन परियोजना निदेशक जयकेश त्रिपाठी ने किया साथ में बीडीओ नीरज कुमार जिला विकास अधिकारी विजय कुमार यादव एडीओ पंचायत कृष्णकुमार पांडेय ग्राम विकास अधिकारी विकास यादव प्रधान अम्बालिका सिह समेत सैकडों ग्रामीण उपस्थित रहे।

बार एसोशिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारीयो ली सपत

सरायमीर आजमगढ़। निजामाबाद तहसील सभागार मे बार एसोशिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारी अध्यक्ष रामाश्रय चदुर्वेदी मंत्री रामचेत यादव सहित अन्य पदाधिकारीयो को सपत दिलाई गई एवं पूर्व कमेटी से चार्ज भी लिया। इस भव्य कार्यक्रम मे मंचासीन क्षेत्रीय विधायक आलम बदी मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि सरफ़राज अहमद नगर पालिका अध्यक्ष आजमगढ़,एवं नगर पंचायत अध्यक्ष निजामाबाद अलाउद्दीन अहमद सहित उपजिलाधिकारी निजामाबाद संत रंजन, तहसीलदार निजामाबाद कमल कुमार सिंह का माला व साल भेट कर कार्यक्रम मे स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान नवागत अध्यक्ष ने कहा की जो जिम्मेदारी हमारे वकील भाईयो ने हमे दी है मै उनके सम्मान और हित के लिए सदैव तत्पर रहूंगा।

जनपदीय पीआरडी स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जिला युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 अधिकारी सुल्तान सिंह ने बताया है कि प्रान्तीय रक्षक दल एवं युवा कल्याण विभाग आजमगढ़ द्वारा 75 वां जनपदीय पी.आर.डी. स्थापना दिवस समारोह का आयोजन दिनांक 11 दिसम्बर, 2023 को स्व. सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम ब्रह्मस्थान आजमगढ़ में किया जा रहा है। जनपदीय पी.आर.डी. स्थापना दिवस समारोह में जनपद-आजमगढ़ के न्यूनतम् 66 पी.आर.डी. सवयं सेवकों को 7 3 के फॉरमेशन में प्रतिभाग कराया जायेगा। उक्तानुसार परेड में प्रतिभाग करने वाली 3 टोलियां तैयार की जायेगी तथा प्रत्येक टोली का एक कमाण्डर होगा। उक्त के अतिरिक्त परेड कमाण्डर प्रथम, द्वितीय व तृतीय के नेतृत्व में परेड का आयोजन किया जायेगा। परेड में एक टोली महिला पी.आर.डी. स्वयंसेवकों की भी प्रतिभाग करेगी। पी.आर.डी. स्थापना दिवस के अन्तर्गत पी.आर.डी. जवानों द्वारा रैतिक परेड एवं पी.आर.डी. जवानों का रस्साकस्सी की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। पी.आर.डी. जवानों के रैतिक परेड के मुख्य अतिथि परीक्षित खटाना, मुख्य विकास अधिकारी आजमगढ़ होंगे। मार्च पास्ट एवं रस्साकस्सी की प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पी.आर.डी. जवानों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा।

09 दिसम्बर को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। सिविल जज सी0डि0 /प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं वाणी रंजन अग्रवाल, माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर महोदया के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर के तत्वावधान में 09 दिसम्बर 2023 दिन शनिवार को प्रातः 10:00 बजे से दीवानी न्यायालय परिसर, जौनपुर एवं समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में ई-चालान व आर्बिट्रेशन के निष्पादन वाद, प्री-लिटिगेशन (वाद-पूर्व) स्तर पर पारिवारिक/ दाम्पत्य विवाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, धन वसूली वाद, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जल बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानों के विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), भरण-पोषण वाद तथा अन्य प्रकार के आपराधिक शमनीय व सिविल वाद तथा विभिन्न न्यायालयों में लम्बित आपराधिक शमनीय वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जलकर बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानों के विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित) पारिवारिक वाद आपसी सुलह-समझौतें के आधार पर निस्तारित होने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा।

गुरूओं की भी गुरू होती हैं पुस्तकें: श्याम सिंह यादव

- राष्ट्रभाषा हिन्दी के लिये सांसद ने आयोजित करवाया पुस्तक वितरण व सम्मान समारोह
- जौनपुर के साहित्यकारों ने की ऐसे अनोखे कार्य की सराहना

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। कहते हैं अच्छी किताबें और अच्छे लोग तुरन्त समझ में नहीं आते, उन्हें पढ़ना और समझना पड़ता है। कम्प्यूटर और इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। लोगों और किताबों के बीच की इस बढ़ती दूरी को पाटने की अनोखी पहल बीते दिनों सांसद श्याम सिंह यादव ने जौनपुर में आयोजित पुस्तक वितरण सम्मान समारोह में देखने को मिली। जयकेश त्रिपाठी परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक को राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं हिन्दी साहित्य के प्रचार-प्रसार हेतु पुस्तक वितरण के लिए कार्यदायी संस्था बनाया गया। स्थानीय क्षेत्र विकास योजना अन्तर्गत राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु सांसद श्याम सिंह यादव की अनुशंसा पर हिन्दी साहित्य से संबंधित हिन्दी के महान लेखकों की रचनाओं से समृद्ध एक मिनी लाइब्रेरी की पुस्तकों का वितरण व सम्मान समारोह का श्री गणेश बीते 16 नवम्बर को नगर के शिया इंटर कॉलेज में हुआ। सांसद श्री यादव के सांसद निधि से 60 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों को 10 हजार, 32 उच्च विद्यालयों को 25 हजार एवं 16 कॉलेज/इंटर कॉलेजों को 50 हजार की पुस्तकों के वितरण एवं जौनपुर के 12 साहित्यकार डॉ राजदेव दुबे, अजय सिंह, अहमद निसार, सभाजीत द्विवेदी, डॉ. शरतेंदु दुबे, होरी लाल 'अशांत', जनार्दन अस्थाना, योगेन्द्र मौर्य, डॉ. ज्योति सिन्हा, डॉ. ब्रजेश यदुवंशी, मजहर आसिफ, प्रशांत मिश्र (शांत जौनपुरी) को सम्मानित होने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। जौनपुर के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि जनपद के 108 शैक्षणिक संस्थाओं को एक मिनी लाइब्रेरी की पुस्तकों की प्राप्ति के साथ ही सांसद द्वारा जनपद के एक दर्जन साहित्यकारों का सम्मान हुआ। पुस्तक वितरण व सम्मान समारोह के समापन पर जनपद के साहित्यकारों ने शुक्रवार को सिविल लाइंस के पास बैठक के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त किया। इस मौके पर डॉ. सत्य नारायण दुबे 'शरतेंदु' ने कहा कि पुस्तकें अपने समय के समाज का दर्पण होती हैं तथा इनमें तत्कालीन समाज का तथा लेखक का जीवन दर्शन निहित होता है। जनार्दन प्रसाद अस्थाना ने कहा कि पुस्तकें मात्र ज्ञान का साधन-माध्यम ही नहीं होती, बल्कि विभिन्न संस्कृतियों को जानने-समझने में सेतु का निर्माण करती हैं। अहमद निसार ने कहा कि एक साहित्यकार के लिखने का मकसद एक सभ्य समाज की संरचना के अलावा और हो भी क्या सकता है। योगेन्द्र प्रताप मौर्य ने कहा कि ÷स्वप्न सारे वक्त के साकार करती हैं। ये किताबें जिंदगी उजियार करती हैं।÷ किसी भी देश, समाज को जानने, समझने में किताबें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अजय सिंह ने कहा कि किताबें और पढ़नेवाले हाशिये पर पहुँच गये हैं। लाइब्रेरी आन्दोलन आखिरी साँसें ले रहा है। ऐसे में किसी सांसद द्वारा किताबें बाँटना यकीनन एक उल्लेखनीय घटना है। डॉ. ब्रजेश यदुवंशी ने कहा कि पुस्तकें सिर्फ कागज का पुलिन्दा नहीं, पुस्तकें आपकी कल्पना को रोशन करती हैं। किताबें आपको अपने आस-पास की दुनिया के बारे में अपना अनूठा दृष्टिकोण बनाने में भी मदद करती हैं। लोकसभा क्षेत्र जौनपुर के सांसद श्याम सिंह यादव द्वारा राष्ट्रभाषा हिन्दी, हिन्दी साहित्य और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन वाकई काबिले तारीफ है। इस आयोजन से यमदग्नि ऋषि की तपःस्थली, धनुर्धर परशुराम की प्रशिक्षण भूमि, मध्यकाल के शीराज-ए-हिन्द जौनपुर के विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति लगाव बढ़ेगा। डॉ. ज्योति सिन्हा ने कहा कि पुस्तकें मात्र ज्ञान का साधन-माध्यम ही नहीं होती, बल्कि विभिन्न संस्कृतियों को जानने-समझने में सेतु का निर्माण करती हैं। आज तकनीकी साधनों ने पुस्तकों के प्रति आम जनमानस की अभिरुचि को भी प्रभावित किया है।

एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा

आरबीआई गवर्नर ने की मौद्रिक नीति की घोषणा

अर्थव्यवस्था

« वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है।

आरबीआई एमपीसी ने एक बार फिर रेपो रेटो को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने बताया कि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। बैंकों के बैलेंस शीट में मजबूती दिखी है। केंद्रीय बैंक की एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।आरबीआई गवर्नर के अनुसार इसके फलस्वरूप स्थायी जमा सुविधा दर 6.25प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा दर तथा बैंक दर 6.75प्रतिशत पर बनी हुई है। आरबीआई गवर्नर ने FY24 में जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि घरेलू मांग के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी जारी है। लागत खर्च में कमी से विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती आई है। सरकारी खर्चे से निवेश के रफ्तार में आई तेजी है। एग्रो क्रेडिट में ग्रोथ से रिकवरी बेहतर होने का अनुमान है। एमपीसी के छह में पांच स्थर अकोमोडेटिव रुख वापस लेने के पक्ष में। सभी सदस्यों ने रेपो रेट को स्थिर रखने पर सहमति जताई।

आरबीआई गवर्नर ने का कि नवंबर-दिसंबर महीने में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि महंगाई के लिहाज से चिंता का कारण बना हुआ है। ग्रामीण मांग में सुधार दिख रही है। FY 24 के सीपीआई 5.4 प्रतिशत पर बने रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई दर चार प्रतिशत पर लाने के प्रति आरबीआई प्रतिबद्ध है और हर संभव कोशिशें कर रहा है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि चीनी की कीमतों में तेजी से चिंता बढ़ी है। इसके अलावा आरबीआई ने महंगाई के अनुमान को भी जारी किया है। FY24 की तीसरी तिमही के लिए CPI अनुमान 5.6प्रतिशत पर बरकरार है। वहीं FY25 की पहली तिमाही में CPI अनुमान 5.2प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। FY25 की तीसरी तिमाही के लिए CPI अनुमान 4.7 फीसदी किया गया है।

रिजर्व बैंक की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार को शुरू हुई। आरबीआई आमतौर पर एक वित्त वर्ष में छह द्विमासिक बैठकें आयोजित करता है, जहां यह ब्याज दरों, धन की आपूर्ति, मुद्रास्फीति दृष्टिकोण और विभिन्न व्यापक आर्थिक संकेतकों पर विचार-विमर्श करता है। लगातार चौथी बार मौद्रिक नीति समिति ने अक्टूबर की समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया था।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि सिस्टम में नकदी की स्थिति संतुलित है। OMO की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के लिए बैंक और एनबीएफसी के लिए हाल में उठाए कदम जरूरी थे। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कनेक्टेड लेंडिंग के लिए यूनिफाइड रेगुलेटरी फ्रेमवर्क लाएंगे। उन्होंने कहा कि वेब एग्रीगेशन के लिए रेगुलेटरी फ्रेमवर्क लाएंगे। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2024 तक फिनटेक रिपॉजिटरी की शुरुआत की जाएगी।

शेयर बाजार नए रिकॉर्ड हाई पर, सेंसेक्स 303 अंक उछला

मुंबई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स एक बार फिर ऑल टाइम हाई पर पहुंचे। निफ्टी पहली बार 21000 पार पहुंचने में सफल रहा। शुक्रवार को सेंसेक्स 303.91 (0.43%) अंकों की बढ़त के साथ 69,825.60 के लेवल पर बंद हुआ।

घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। इस दौरान बाजार के प्रमुख इंडेक्स एक बार फिर ऑल टाइम हाई पर पहुंचे। निफ्टी पहली बार 21000 पार पहुंचने में सफल रहा। शुक्रवार को सेंसेक्स 303.91 (0.43%) अंकों की बढ़त के साथ 69,825.60 के लेवल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, निफ्टी 68.25 (0.33%) अंकों की मजबूती के साथ 20,969.40 के स्तर पर बंद हुआ। आरबीआई एमपीसी की ओर से रेपो रेट को 6.5% पर अपरिवर्तित रखने के फैसले का बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा।

निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर

शुकवार को बाजार में जोश आईटी, बैंकिंग और रियल एस्टेट सेक्टर के शेयरों से आया। इससे पहले गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 132 अंक नीचे 69,521 पर बंद हुआ था। निफ्टी ने शुक्रवार को 21,006 का रिकॉर्ड स्तर छुआ। वहीं सेंसेक्स भी के 69,893 का रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। निफ्टी बैंक भी 47,303 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

गेहूं की जमाखोरी को रोकने के लिए उठाया कदम

अंकुश

« खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि कमी को रोकने और जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए ऐसा किया गया है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गेहूं की जमाखोरी पर लगाम लगाने के लिए स्टॉक सीमा को ज्यादा कठोर कर दिया है पत्रकारों को जानकारी देते हुए खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं और प्रोसेसरों के लिए स्टॉक रखने के नियमों को तत्काल प्रभाव से और सख्त कर दिए गए हैं।

साथ ही उन्होंने बताया कि थोक विक्रेताओं के लिए स्टॉक सीमा मौजूदा 2000 टन से घटाकर 1 हजार टन कर दी गई है। वहीं प्रत्येक रिटेलर पर स्टॉक सीमा 10 टन से बजाए पांच टन, बड़े चेन रिटेलर के प्रत्येक डिपो के लिए 5 टन और सभी टिपो के लिए कुल एक हजार टन होगी। उन्होंने कहा कि प्रोसेसर के मामले में वे मासिक स्थापित क्षमता का 70 प्रतिशत 2023-24 के शेष महीनों से गुणा करके रख सकते हैं।

खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि कमी को रोकने और जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए ऐसा किया गया है। यह संशोधिक स्टॉक सीमा तत्काल प्रभाव से लागू होगी।उन्होंने कहा कि व्यापारियों को स्टॉक को संशोधित सीमा तक कम करने के लिए 30 दिन का समय मिलेगा।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि सभी गेहूं स्टॉकिंग संस्थाओं को गेहूं स्टॉक सीमा पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। साथ ही हर शुक्रवार को स्टॉक की स्थिति को अपडेट करनी होगी।

यदि कोई भी संस्था, जो पोर्टल पर पंजीकृत नहीं पाई गई या स्टॉक सीमा का उल्लंघन करती है, उसके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत उचित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। 12 जून को खाद्य मंत्रालय ने विभिन्न प्रकार के व्यापारियों पर मार्च 2024 तक स्टॉक रखने की सीमा लगा दी थी।

सरकार जनवरी से मार्च के दौरान बाजार में 2.5 मिलियन टन गेहूं उतारेगी

नई दिल्ली। सरकार जनवरी से मार्च के दौरान ओएमएसएस के तहत एफसीआई का 2.5 मिलियन टन अतिरिक्त गेहूं उतारने को तैयार है। सरकार खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत थोक उपभोक्ताओं को एफसीआई का 2.5 मिलियन टन अतिरिक्त गेहूं बेचने का एलान कर दिया है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इस साल मई में अनाज की खरीद और वितरण के लिए सरकार की नोडल एजेंसी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को गेहूं उत्पादक राज्यों में खरीद अवधि को छोड़कर पूरे वित्त वर्ष में ओएमएसएस के तहत ई-नीलामी के माध्यम से केंद्रीय पूल से थोक उपभोक्ताओं को गेहूं बेचने का आदेश दिया गया था।

खाद्य सचिव ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि अब तक एफसीआई ने साप्ताहिक ई-नीलामी के माध्यम से प्रसंस्करणकर्ताओं को 4.46 लाख टन गेहूं बेचा है। चोपड़ा ने कहा, इससे सस्ते दामों पर खुले बाजार में गेहूं की उपलब्धता बढ़ी है, जिससे देश भर के आम उपभोक्ताओं को फायदा हुआ है।

बंधन म्यूचुअल फंड ने बंधन निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड लॉन्च किया

नई दिल्ली। बंधन म्यूचुअल फंड ने बंधन निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के लॉन्च की घोषणा की, जो एक ओपन-एंडेड फंड है जो निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स को ट्रैक करेगा। इसके साथ ही इसमें बाजार पूंजीकरण के अनुसार 251-500 रैंक वाले स्टॉक शामिल होते हैं। यह फंड पैसिव निवेश के माध्यम से संभावित मल्टी-बैगर्स और उभरते बिजनेसेज का लाभ उठाने का अवसर प्रदान करता है। नया फंड ऑफर मंगलवार, 12 दिसंबर, 2023 को निवेश के लिए खुलेगा और मंगलवार, 19 दिसंबर, 2023 को बंद होगा। बंधन निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड में निवेश लाइसेंस प्राप्त म्यूचुअल फंड वितरकों, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और डायरेक्ट माध्यम से किया जा सकता है। बंधन म्यूचुअल फंड की वेबसाइट https://bandhanmutual.com/nfo/bandhan-nifty-smallcap-250-index-fund/ पर जाएं।

इस बात पर जोर देते हुए कि निवेशकों को बंधन निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड में निवेश करने पर विचार क्यों करना चाहिए, बंधन एएमसी के सीईओ विशाल कपूर ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उभरते सेक्टर्स से लाभ उठाने के लिए तैयार, स्मॉल कैप तेजी के बाजारों के दौरान बड़े पैमाने पर लाभ देने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। इस अवसर से लाभ उठाने के लिए, स्मार्ट निवेशक सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले पैसिव तौर पर प्रबंधित स्मॉल-कैप फंडों का पीछा करने के बजाय, एक इंडेक्स फंड चुन सकते हैं जो स्मॉल-कैप के पूरे यूनिवर्स को ट्रैक करता है। 30 नवंबर, 2023 तक इंडेक्स का 1-वर्षीय वार्षिक रिटर्न 32.8% था, जो उच्च अस्थिरता के बावजूद मजबूत प्रदर्शन का संकेत देता है। लागत कम रखते हुए स्मॉल-कैप सेगमेंट में सरल निवेश चाहने वाले निवेशक बंधन निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं।

भारत ने पांच और देशों को गैर बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी, आधिकारिक अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। घरेलू कीमतों पर अंकुश लगाने और घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 20 जुलाई को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर रोक लगा दी गई थी।

इससे पहले, भारत ने नेपाल, कैमरून, कोटे डी आइवर, गिनी गणराज्य, मलेशिया, फिलीपींस, सेशेल्स, संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर को चावल की ऐसी किस्म के निर्यात की अनुमति दी थी।

एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर भारत ने कोमोरोस, मेडागास्कर, इक्वेटोरियल गिनी, मिस्र और केन्या को अलग-अलग मात्रा में गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है।

बता दें कि घरेलू कीमतों पर अंकुश लगाने और घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 20 जुलाई को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर रोक लगा दी गई थी। इससे पहले, भारत ने नेपाल, कैमरून, कोटे डी आइवर, गिनी गणराज्य, मलेशिया, फिलीपींस, सेशेल्स, संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर को चावल की ऐसी किस्म के निर्यात की अनुमति दी थी।

विदेश व्यापार महानिदेशालय ने गुरुवार देर शाम अपनी अधिसूचना में कहा कि इन देशों को निर्यात की अनुमति राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड के माध्यम से दी जाती है। चावल निर्यात नीति में शुरू में संशोधन करते हुए डीजीएफटी ने कहा कि निर्यात की अनुमति सरकार द्वारा अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए दी गई अनुमति के आधार पर और उनकी सरकार के अनुरोध के आधार पर दी जाएगी।

पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन भारत से गैर-बासमती चावल के प्रमुख आयातकों में से एक है। अन्य गंतव्य देश संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, बांग्लादेश, चीन, कोटे डी आइवर, टोगो, सेनेगल, गिनी, वियतनाम, जिबूती, मेडागास्कर, कैमरून सोमालिया, मलेशिया और लाइबेरिया हैं।

अगस्त के अंत में, भारत ने बासमती चावल के निर्यात पर न्यूनतम मूल्य लागू करके अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी पेश किए ताकि गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को रोका जा सके, जो जुलाई से पहले से ही निषिद्ध श्रेणी में था।

मार्च 2024 तक पीली मटर के ड्यूटी फ्री आयात की अनुमति

एक आधिकारिक गजट अधिसूचना में कहा गया है कि भारत ने मार्च 2024 तक पीली मटर के ड्यूटी फ्री आयात की अनुमति दी है। यह समग्र दाल बास्केट की कीमतों को कम करने के लिए नई दिल्ली के हस्तक्षेप का हिस्सा है। कथित तौर पर, पीली मटर पर शुल्क पहली बार नवंबर 2017 में 50 प्रतिशत पर लागू किया गया था। भारत बड़े पैमाने पर कनाडा और रूस से पीली मटर का आयात करता है। गुरुवार शाम को जारी गजट अधिसूचना में कहा गया है, %%यह अधिसूचना आठ दिसंबर, 2023 से प्रभावी होगी और 2023 मार्च, 2024 तक प्रभावी रहेगी।

सरकारी बैंक कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर है। इंडियन बैंक एसोसिएशन और यूनियनों के साथ सरकारी बैंकों के कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने के लिए एक वेतन समझौते पर सहमति बनी है। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) और अन्य यूनियन पांच सालों के लिए 17 फीसदी वेतन वृद्धि करने पर सहमत हो गई हैं। ये वेतन बढ़ोतरी एक नवंबर 2022 से पेंडिंग थी और इसके लिए एमओयू भी साइन हो गया। वेतन समझौते के अनुसार एक नवंबर 20222 से 17 फीसदी वेतन बढ़ोतरी का निर्णय लागू होगा। इसके तहत बेसिक और डीए पर तीन फीसदी लोडिंग का लाभ मिलेगा। पेंशन रिवीजन के साथ साथ पांच दिनों के वर्किंग का नियम भी लागू होगा। समझौते के बाद अब ये मामला वित्त मंत्रालय के पास पहुंच गया है।

ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन ने एक्स पर पोस्ट में जानकारी दी है कि एआईबीओसी की ओर से कॉमरेड बालाचंद्र पीएम (अध्यक्ष) ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जॉइंट नोट को अंतिम रूप देने से पहले किसी भी बचे मुद्दे पर फिर से चर्चा की जाएगी। इसमें ये भी कहा गया कि हालांकि बांटी गई रकम उनकी शुरुआती अपेक्षाओं को पूरा नहीं करती है, लेकिन पेंशनर्स के लिए एक अच्छी खबर है क्योंकि अब उन्हें लंबे समय से इंतजार के बाद अनुग्रह राशि का फायदा मिलेगा यानी पेंशन का रिविजन किया जाएगा। वेतन में 17 फीसदी बढ़ोतरी को लेकर IBA के साथ समझौते के बाद पेंशन रिवीजन पर भी रजामंदी बन गई है। हालांकि शनिवार की छुट्टी की मांग पर अभी मामला अटका है और नोट में इस पर दस्तखत नहीं हुए हैं। एआईबीओसी की ओर से कहा गया है कि सैलरी परसेंटेज और वेटेज अनुमान से कम होने के बावजूद ये देश के 8.50 लाख बैंक कर्मचारियों के लिए खुशी की बात है।

टाटा पावर 1 लाख करोड़ रुपये (1 ट्रिलियन) मार्केट कैप वाली कंपनियों के एलिट क्लब में शामिल

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक, टाटा पावर ने 1 लाख करोड़ रुपये (1 ट्रिलियन) से अधिक मार्केट कैप वाली कंपनियों के एलिट क्लब में प्रवेश किया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली टाटा पावर इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग की दूसरी और टाटा ग्रुप की छठी कंपनी बन गई है। इस स्टॉक ने 2023 में 56.8त्न रिटर्न दिया है।

आज जब सीओपी28 में, दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के बारे में विचार-विमर्श कर रही हैं, टाटा पावर ने पहले ही 2.8 गीगावाट की दो पंप हाइड्रो स्टोरेज परियोजनाओं में 13,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का नेतृत्व किया है, जिससे कंपनी को उपभोक्ताओं को चौबीसों घंटे (आरटीसी) नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

हाल ही में एक विश्लेषक बैठक में, टाटा पावर ने वित्तीय वर्ष 2027 तक 60,000 करोड़ रुपये के कैपेक्स की घोषणा की; जिसका 45त्न नवीकरणीय क्षेत्र में दिया जाएगा। टाटा पावर के पास वर्तमान में 5.5 गीगावाट का स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो है, जिसे 2030 तक 20 गीगावाट तक ले जाने का कंपनी का लक्ष्य है। वित्तीय वर्ष 2023 में स्वच्छ और हरित ऊर्जा क्षमता को 43त्न से 68त्न पर ले जाने का कंपनी का लक्ष्य है। 3.7 गीगावाट क्षमता पहले से ही निर्माणाधीन है। आरई पोर्टफोलियो में मजबूत वृद्धि, ट्रांसमिशन और वितरण परिसंपत्तियों से उच्च लाभप्रदता के साथ-साथ समूह कैप्टिव और सौर रूफटॉप में मजबूत अवसरों के आधार पर वित्त वर्ष 27 तक राजस्व, ईबीआईटीडीए और पीएटी को दोगुना करने की योजना प्रबंधन ने बनाई है। एक हालिया रिपोर्ट में, जेएम फाइनेंशियल ने टाटा पावर को होल्ड से अपग्रेड करके %बाय% कर दिया है और टारगेट प्राइस को 220 रुपये से बढ़ाकर 350 रुपये कर दिया है।

स्पाइसजेट के खिलाफ अब कोई आदेश नहीं, दुबई में खड़े विमान पर एयरलाइन ने दी जानकारी

मुंबई। नए आदेश में स्पाइसजेट को हुए नुकसान की जांच का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पाइसजेट द्वारा किए गए कानूनी खर्चों का भुगतान करने का भी आदेश दिया है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि संक्षेप में, अब डीआईएफसी अदालत का ऐसा कोई आदेश नहीं है जो स्पाइसजेट को डीडब्ल्यूसी से प्रस्थान करने सहित विमान के संचालन से रोकता हो।

नागर विमानन क्षेत्र की प्रमुख एयरइलान स्पाइसजेट ने बताया है कि दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर (डीआईएफसी) अदालत ने 30 अक्टूबर 2023 को भारतीय पंजीकरण चिह्न वीटी-एसएलएम वाले विमानों में स्थापित कुछ इंजनों के संबंध में फ्रीजिंग आदेश जारी किया था।

उपर्युक्त आदेश के परिणामस्वरूप, एक विमान को अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, दुबई (डीडब्ल्यूसी) पर खड़ा कर दिया गया था और तब से यह वहीं खड़ा था। 7 दिसंबर 2023 को डीआईएफसी अदालत की सुनवाई में, स्पाइसजेट के पक्ष में आदेश दिया गया है।

इसके अतिरिक्त न्यायाधीश ने आदेश के परिणामस्वरूप स्पाइसजेट को हुए नुकसान की जांच का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पाइसजेट द्वारा किए गए कानूनी खर्चों का भुगतान करने का भी आदेश दिया है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि संक्षेप में, अब डीआईएफसी अदालत का ऐसा कोई आदेश नहीं है जो स्पाइसजेट को डीडब्ल्यूसी से प्रस्थान करने सहित विमान के संचालन से रोकता हो।

लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव में बृज की होली के रंग बिखरे

लखनऊ। बिरज में होरी रे रसिया, होरी रे रसिया बरजोरी रे रसिया... पर जब सुजीत अलबेला, शिवा, ईशान, आकाश, आंसू, काव्या, मानसी, अंकिता, सुभाषिनी और आयुशी ने जब भाव पूर्ण

अभिनय युक्त नृत्य प्रस्तुत किया तो लोग ठगे से रह गये। यह खूबसूरत मौका था प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के संयुक्त तत्वावधान में अवध शिल्प ग्राम, अवध विहार योजना शहीद पथ लखनऊ में चल रहे 5वें लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव की तृतीय सांस्कृतिक संध्या का।

इसके पूर्व लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव की तृतीय सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और एन.बी. सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर पवन पाल, शालिनी श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वीरवर लक्ष्मण जी को समर्पित लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव की आज की संध्या का शुभारंभ गणेश वंदना बजा के ढोलक बप्पा मेरे नाचे पर अंकिता, सुभाषिनी, आयुशी, काव्या और आंशु के भाव नृत्य से हुआ। विघ्न विनाशक भगवान गणेश जी के चरणों में समर्पित इस प्रस्तुति के उपरान्त आकाश, आशु, काव्या और मानसी ने राम आए अवध की ओर पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

मन को मोह लेने वाली इस प्रस्तुति के उपरान्त शिखर वर्मा और तनुश गौतम ने अपनी खनकती हुई आवाज़ में ओ रे पिया, कभी जो बादल बरसे, दिल संभल जा जरा गीत को सुना कर श्रोताओं का दिल जीता।

आईआईएम कोझिकोड के एमबीए प्रोग्राम को मिली बेहतर इंटरनेशनल रैंकिंग

नई दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कोझिकोड ने 2023 के लिए प्रतिष्ठित फाइनेंशियल टाइम्स और क्वाक्वेरेली साइमंड्स रैंकिंग में प्रभावशाली रैंकिंग के साथ मैनेजमेंट

एजुकेशन में एक वैश्विक प्रमुख के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। फाइनेंशियल टाइम्स मास्टर्स इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2023: आईआईएम कोझिकोड के प्रमुख एमबीए प्रोग्राम ने फाइनेंशियल टाइम्स मास्टर्स इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2023 में 77वां स्थान हासिल करके वैश्विक स्तर पर अपनी शुरुआत की। यह उपलब्धि आईआईएम कोझिकोड को दुनिया भर के शीर्ष 100 बी-स्कूलों में शामिल करवाने में सफल रही है। इसके अलावा, संस्थान अपने फुलटाइम एमबीए प्रोग्राम के लिए एशियाई बी-स्कूलों में 10वें और सभी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में चौथे स्थान पर है। एफटी रैंकिंग विभिन्न मानकों पर परखती है, जिसमें औसत ग्रेजुएट वेतन, वेतन प्रतिशत वृद्धि, वैल्यू फॉर मनी, कैरियर ग्रोथ, विविधता और बहुत कुछ शामिल हैं।

इन उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आईआईएम कोझिकोड के डायरेक्टर प्रोफेसर देबाशीष चटर्जी ने कहा कि विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित एफटी रैंकिंग में आईआईएम कोझिकोड का टॉप 100 बी-स्कूलों में शामिल होना और एनआईआरएफ 2023 में भारत के टॉप 3 बी-स्कूलों में हमारा प्रवेश शामिल है। इसके साथ ही शिक्षा में एक्सीलेंस, डिजिटल एज में अग्रणी योगदान और हमारे फैकेल्टी, कर्मचारियों, स्टूडेंट्स और भागीदारों के समर्पण के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम सीखने, विविधता को अपनाने, अनुसंधान को बढ़ावा देने और विचार को बढ़ावा देने के लिए लीडरशिप एक समग्र दृष्टिकोण से प्रेरित हैं। प्रबंधन भारत की सबसे बड़ी सॉफ्ट-पॉवर है और हमारा लक्ष्य विश्व स्तर पर नए आधार बनाना जारी रखना और भारतीय विचारों का वैश्वीकरण करते हुए भारतीय बी-स्कूलों के लिए विशिष्ट पहचान बनाना है।''

विविध समूह और शैक्षणिक मान्यता आईआईएम कोझिकोड विविधता में अग्रणी है और 2013 में 50 प्रतिशत से अधिक महिला उम्मीदवारों के साथ एमबीए बैच रखने वाला पहला आईआईएम था, जब बी-स्कूलों में महिलाओं का ऐतिहासिक प्रतिशत लगभग 8-10 प्रतिशत था। 2023 में, आईआईएम कोझिकोड ने छात्रों के एक विविध समूह का स्वागत किया, जिसमें 45 प्रतिशत महिला उम्मीदवार और 58 प्रतिशत नॉन-इंजीनियरिंग स्टूडेंट थे, जो 601 स्टूडेंट्स का सबसे बड़ा समूह था। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने छह देशों के 12 इंटरनेशनल छात्रों को अपने कार्यक्रमों में प्रवेश दिया। इस वर्ष की शैक्षणिक विविधता उल्लेखनीय है, जिसमें 58 प्रतिशत नॉन-इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से आते हैं, जो साइंसिज, ह्यूमैनिटीज, आर्ट्स, कॉमर्स, मेडिकल (एमबीबीएस), और चार्टर्ड अकाउंटेंसी जैसे विषयों की एक विस्तृत सीरीज का प्रतिनिधित्व करते हैं।

एफटी ओपन-एनरोलमेंट एक्जीक्यूटिव एजुकेशन रैंकिंग 2023रू फाइनेंशियल टाइम्स ग्लोबल रैंकिंग ने आईआईएम कोझिकोड को अपने ओपन एनरोलमेंट एक्जीक्यूटिव एजुकेशन प्रोग्राम के लिए भारत के टॉप 4 स्कूलों और दुनिया भर के शीर्ष 75 स्कूलों में शामिल किया है। भारतीय बी-स्कूलों में, आईआईएम कोझिकोड टॉप प्रोवाइडर्स में से एक के रूप में खड़ा है, जो इटली के बोलोग्ना बिजनेस स्कूल, बेल्जियम के सोल्वे ब्रसेल्स स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट और यूनाइटेड के एनटीयू के नॉटिंघम बिजनेस स्कूल जैसे यूरोपीय बिजनेस स्कूलों से आगे है।

गोरखपुर में पहली बार चार दिनी ट्रेड शो, सीएम ने किया उद्घाटन

स्थानीय से लेकर देश के बडे उद्योगों की है सहभागिता, ब्रांड यूपी गोरखपुर को मिलेगी

ट्रेड शो जरूर देखिएए यह गोरखपुर के लिए अवसर : सीएम योगी

गोरखपुर। ट्रेड शो का उद्घाटन और अवलोकन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर और इस अंचल के सभी लोगों से इस चार दिवसीय आयोजन में आने की अपील की। उन्होंने कहा, यह गोरखपुर के लिए अवसर है। प्रदर्शनी ट्रेड शो जरूर देखिए। यहां आपको प्रदेश के उद्यम क्षेत्र का पोटेंशियल देखने को मिलेगा। गीडा के स्थापना दिवस समारोह के मुख्य मंच पर अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि सितंबर में ग्रेटर नोएडा में एक ट्रेड 1 प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इसमें 70 हजार बायर्स आए थे जिनमें से 500 विदेश के थे। गोरखपुर ट्रेड शो भी उसी पैटर्न का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में पहले इस तरह का ट्रेड शो सपना था। बदलते गोरखपुर में यह सपना अब साकार हुआ है।

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। सो छह साल पहले तक बीमा का दंश झेलने वाले गोरखपुर के लिए प्रगति मैदान में लगने वाले ट्रेड फेयर जैसा आयोजन सिर्फ कल्पना की बात लगती थी। परए योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद माहौल ऐसा बदला है कि यह कल्पना हकीकत में बदल गई। गीडा के संस्थागत क्षेत्र में पहली बार आयोजित चार दिवसीय गोरखपुर ट्रेड शो में आप मिनी प्रगति मैदान जैसे स्वरूप को निहार सकते हैं स्थानीय से लेकर देश के बडे उद्योगों में तैयार उत्पाद का अवलोकन कर औद्योगिक और व्यावसायिक प्रगति के साक्षी बन सकते हैं। यह आयोजन ब्रांड यूपी और ब्रांड गोरखपुर कोऔर मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप गोरखपुर ट्रेड शो का आयोजन गीडा के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में किया गया है। 3 दिसंबर तक चलने वाले इस ट्रेड शो का शुभारंभ गुरुवार को सीएम योगी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने ट्रेड शो में लगे स्टालों पर प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया और वहां मौजूद प्रतिनिधियों से विविध जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सभी स्टालों की सराहना की और सबकी उन्नति के लिए शुभकामनाएं दीं। गोरखपुर ट्रेड शो में ढाई सौ स्टाल लगाए गए हैं। हर स्टाल अपनी कंपनी या संस्था के उत्पाद या सेवा का कंप्लीट शो केस नजर आता है। यहां रसोई में प्रयोग होने वाले उत्पाद हैं तो नाश्ते के लिए कई तरह के स्नैक्स। कपोंए जूतों और अन्य तरह के अपैरल हैं तो स्पोर्ट्स आइटम्स भी। पेंट्सए प्लाईए पैकेजिंग आइटम्स के अलावा कई बडे औद्योगिक समूहों के उत्पाद भी श्रृंखलाबद्ध तरीके से प्रदर्शित किए गए हैं। इन सबके बीच तमाम बैंकों और वित्तीय संस्थानों के स्टाल ऋण देने की जानकारी देने को तत्पर हैं। सूचना विभाग की तरफ से लगाई गई विकास प्रदर्शनी प्रदेश की प्रगति गाथा को खुबसूरती से संजोए हुए है।

पराली जलाने पर पांच किसानों पर लगा जुर्माना

अवधनामा संवाददाता

अहिरौली बाजार, कुशीनगर। हाटा तहसीलदार धर्मवीर सिंह ने सोमवार को विभिन्न गांव में पराली जलाए जाने को लेकर मिली सूचना के आधार पर सूचना पर क्षेत्र के कई गांव में छापेमारी किया। हाटा तहसील के पोखारभिंडा निवासी अरुण कुमार पुत्र शोभा पडरी गांव निवासी राम निवास पुत्र भोला, डुमरी गांव के बाबूलाल पुत्र कुक्कुर, जोलहपुरवा के महेन्द्र पुत्र राजकिशोर एवं भलुहा गांव निवासी राम प्रकाश पुत्र राम अधार पर पराली जलाने के करण तहसील प्रशासन ने 25-25 सौ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए हाटा तहसील प्रशासन ने कुल पांच किसानों पर जुर्माना लगाया है। इस दौरान तहसीलदार ने बिना रैपर के चल रहे दो कंबाइन मशीन को सीज कर दिया है। तहसील प्रशासन की इस प्रकार की कार्रवाई से तहसील क्षेत्र के गांव में हड़कंप मच गया है। इस दौरान राजस्व निरीक्षक सुकरौली प्रदुमन राव, लेखपाल प्रदीप गुप्ता, राजस्व निरीक्षक अहिरौली डेबा प्रसाद, लेखपाल राजेंद्र यादव, विश्व प्रकाश राजन, बृजेश धर द्विवेदी यादव आदि मौजूद रहे।

चेयरमैन ने किया डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारम्भ

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। छात्र-छात्राओं के लिये आधुनिक शिक्षा की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने का उद्देश्य लिये स्टडी हब डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारम्भ चेयरमैन प्रीति उमर ने फीता काट कर किया।

शुक्रवार को अपने पति चेयरमैन प्रतिनिधि महेश उमर के साथ डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारम्भ करते हुये चेयरमैन प्रीति उमर ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी छात्रों की शैक्षणिक सुविधाओं की दिशा में मील का पत्थर बने यह शुभकामना है।

उन्होंने कहा कि जल्द ही नगर पंचायत द्वारा भी नगरवासियों को सभी सुविधा युक्त लाइब्रेरी शुरू कर दिया जायेगा, इसके लिए शासन से धन स्वीकृत हो चुका है। बता दे शपथ ग्रहण के बाद ही अपनी प्राथमिकता में चेयरमैन प्रीति उमर ने लाइब्रेरी की स्थापना किये जाने की घोषणा किया था। इस अवसर पर सभासद ममता मद्धेशिया, सूरज सोनकर, लक्ष्मण साहनी, रामदास गुप्ता, नेयाज कुरैशी, बीरू गुप्ता, दीपक शर्मा, दीपक गौड़, मनोज निगम, हिमांशु गौड़, बबलू मद्धेशिया, प्रह्लाद यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

शादी में भोज के दौरान विवाद नौ नामजदऔर अज्ञात पर दर्ज हुआ केस

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के उज्जीखोर में लडकी की शादी में भोज के दौरान पुरानी रंजिश को लेकर दो सगे पट्टीदार आपस में भिड़ गए। पुलिस ने दोनो पक्षों की शिकायत पर नौ नामजद और अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। एक पक्ष से अशोक विश्वकर्मा जिनकी लडकी की शादी बुधवार को थी। भी चल रहा था। उसी दौरान मनबढ पुरानी रंजिश को लेकर मुझे,भाई, पिता को मारपीट कर घायल कर दिए। और जान से मारने की धमकी दिए। पुलिस ने विवेक, इंद्रेश, विक्की,भंडोली, दिवासी के खिलाफ बलवा,मारपीट,और जान मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है। वही दूसरे पक्ष के विकास विश्वकर्मा बुधवार को रात्रि में मित्र के बारात में गए हुए थे। पट्टीदार के घर शादी थी। पुरानी रंजिश को लेकर पट्टीदार फोन कर धमकी दिए की भाई और पिता की हत्या कर देंगे। जब घर पहुंचा तो आरोपी ईट पत्थर से हमला कर मुझे, भाई, पिता को पिटकर घायल कर दिए। पुलिस ने आरोपी दिलीप विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, विशाल विश्वकर्मा, विशाल विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा तथा अन्य के खिलाफ बलवा, मारपीट,जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

छठ के त्योहार पर दिखी भारत की हार की टीस

छठ घाटों पर व्रती महिलाओं और परिजनों के बीच वर्ल्ड कप के फाइनल की चर्चा

मलुकहीं घाट पर अर्धय देती महिलाएं

अवधनामा संवाददाता

कुशीनगर। उल्लास, उमंग और भक्ति से सराबोर छठ की छटा शहर से लेकर गांवों तक फैली थीए लेकिन भक्ति गीतों के बीच क्रिकेट प्रेमियों की टीस भी रह रहकर उभर रही थी। वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार की चर्चा महिलाओं के बीच भी थी। नगर पंचायत मथौली के छठ घाट पर बड़ी स्क्रीन पर मैच की लाइव स्ट्रीमिंग की भी व्यवस्था थी। अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देकर लौट रहीं कुछ क्रिकेट प्रेमी महिलाएं कम स्कोर के बाद भी छठी माई से जीत की प्रार्थना कर रहीं थी। अगली सुबह जब घाट पर व्रती लौटीं तो उनके चेहरों पर हार की मायूसी थी। गौरतलब है कि भोर से ही व्रती महिलाएं व श्रद्धालु घाट पर पहुंचने लगे। रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद घर में भरी कोसी को भोर में घाट पर पहुंचाया गया और छठ वेदी पर गन्ने के बीच कोसी रखकर षष्ठी माता व भगवान तपन की धूप दीप, नैवेद्य अर्पित कर पूजा अराधना की गई। सूर्योदय होते ही व्रतियों ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान गांव से लेकर शहर तक के घाटों पर छठ पूजा के पारंपरिक व कर्णप्रिय गीत गूंजते रहे। छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का आस्था का सैलाब उमड पडा था। अर्घ्य देने के लिए व्रती महिलाएं जहां पानी में खड़ी होकर हाथ में फल्ल आदि से भरा सूप लेकर भगवान भानु की स्तुति करते हुए उनके उदय होने का इंतजार कर रही थी वही उनके साथ गई अन्य महिलाए समूह मे छठी मइया की गीत गा रही थी। जैसे ही आकाश मे भगवान आदित्य की लालिमा छाई अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू हो गया।

रंग-बिरंगी रोशनी से गुलजार रहा घाट

छठ महापर्व पर सोमवार की सुबह रंग.बिरंगी रोशनी में जिले भर के छठ घाट गुलजार रहे। गीतों की गूंज दूर तक सुनाई देती रही। हाथ में जल लेकर भगवान तजोरुप की ओर टकटकी लगाए पानी में खडी महिलाओं की श्रद्धा देखने लायक रही। ठंड में भी भगवान दीप्तमूर्ति के दर्शन के लिए महिलाओं का धैर्य नहीं टूटा। उगते हुए ओजस्कर को अडर्घ्य देने के बाद महिलाओं ने जलते हुए दीप पानी में प्रभावित किया। इसी के साथ छठ पूजन के तीन दिवसीय व्रत का समापन हुआ।

छठ घाटों पर मेले जैसा दिखा उत्साह

पडरौना नगर छावनी स्थित पोखराए जंगल बेलवा स्थित घाटए रामलीला मैदान स्थित पोखराए बावली चौक स्थित पोखराए कसया में हिरण्यावती नदी घाटए श्रीनाथ पोखराए कप्तानगंज में राम जानकी घाटए हाटा स्थित काशी विश्वनाथ काशी विश्वनाथ काशी विश्वनाथ मंदिर की छठ घाट, सेवरही के शिवा घाट, बांसी घाट, मथौली में काली मंदिर घाट सहित जिले के सभी छठ घाटों पर व्रती महिलाओं का उत्साह देखने लायक था। घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। यहां का दृश्य मेले जैसे था।

सुरक्षा को लेकर पुलिस मुस्तैद रही

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद रही। एसपी धवल जायसवाल ने खुद छठ घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा के इंतजाम को देखा और मातहतों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस प्रशासन के लोग मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों ने मांगा आर्शीवाद

छठ घाट पर जनप्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए छठी मइया एवं व्रती महिलाओं से अपने राजनीति उज्जवल भविष्य की कामना के लिए आर्शीवाद प्राप्त किया।

सांस्कृतिक संगम सलेमपुर के गायकों की भजनों पर झूमते रहे श्रद्धालु

अवधनामा संवाददाता

कप्तानगंज कुशीनगर। बोदरवार छठ काली मंदिर परिसर व छठ घाट पर सलेमपुर की सांस्कृतिक संगम के कलाकारों के भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक थिरकते रहे। विधायक प्रतिनिधि तथा जेपी इण्टर कालेज कप्तानगंज के प्रधानाचार्य श्रीराम प्रसाद ने मंच का फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जबकि संचालन अवधेश गिरी ने किया। रविवार शाम डूबते सूर्य को अर्घ देने छठ घाट पर पहुंची श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए ग्राम सभा सुधियानी शेखपुरवां मेहड़ा भलुही असना महुई बनकटा डोमबरवां आदि गांव में ग्राम सभा की ओर से छठ की बेदी का रंग रोगन तथा साफसफाई का बेहतर इंतजाम किया गया था। बोदरवार ग्राम सभा के प्रधान राजकमल मद्धेशिया ने व्रती महिलाओं के आने जाने के लिए रास्ते में प्रकाश की व्यवस्था किया था। सुरक्षा के मद्देनजर पीआरबी तथा बोदरवार पुलिस चौकी की पुलिस किसी अनहोनी निपटने के लिए चौकी प्रभारी रणजीत सिंह बघेल के नेतृत्व में पूरी रात तैनात रही। सांस्कृतिक संगम सलेमपुर के भजन गायक आरडी शर्मा सीमा भारती तथा देवरिया से आई रवीना गोंड के भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक थिरकते रहे। गजबे कईल भोला रे माई भंगिया पी पी के गायिका सीमा के भजन युग युग रखिअ ख्याल छठी मइयां हरदम दिहअ आशीर्वाद छठी मैया, रवीना गोंड के गाए भोजपुरी पचरा गीत मन भायें संइया जी चुनरिया गोटेदार संइया ले ले अइहं जातअ बाड़अ कुशीनगर बाजार संइया ले ले अइहं, पर श्रोता देर रात तक थिरकते रहे।

सड़क दुर्घटना में अधेड़ महिला की मौत

अवधनामा संवाददाता

मथौली बाजार, कुशीनगर। स्थानीय कस्बे के वार्ड नंबर 8 इंदिरानगर निवासी एक महिला की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के नगर पंचायत मथौली वार्ड नंबर आठ इंदिरानगर निवासी विमला देवी पत्नी गोविंद गौंड उम्र 45 वर्ष सोमवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे अपने पति के साथ बाइक से सिरसिया धुस होते हुए मथौली किसी काम से आ रही थी कि अभी वह सिंघसनी देवी मंदिर से कुछ ही दूरी पर पहुंचे ही थे कि बाइक अनियंत्रित हो गया और विमला देवी सर के बल गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर मौके से पहुंचे नगर अध्यक्ष नवरंग सिंह ने आस पास के लोगों की मदद से विमला देवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मथौली ले आएए जहां डाक्टरों ने जांचोपरांत मृत्यु घोषित कर दिया।

घर में घुसकर महिला के साथ छेड़छाड़ केस दर्ज

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर । सहजनवा थाना क्षेत्र के सीहापार में घर में सो रही महिला को अकेला पाकर नशेड़ी जेठ में महिला के साथ छेड़छाड़ किया। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी जेठ के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से सीहापार निवासी एक महिला को उसका जेठ देखकर गलत नियत रखता था। और हमेशा छेड़छाड़ करने का प्रयास करता रहता था। पति बाहर रहकर मजदूरी करते है। बच्चो के साथ घर पर अकेला रहती है। बुधवार की रात्रि में 8 बजे जेठ नशे की हालत में आया और घर में घुसकर छेड़छाड़ करने लगा। विरोध किया तो वह मारपीट कर घायल करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। पुलिस ने आरोपी जेठ मानदेव निषाद पुत्र कोईल निवासी सीहापार के खिलाफ छेड़छाड़,मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

दूसरे पति ने साजिश कर 4.10 लाख हड़पा तीन पर केस दर्ज

अवधनामा संवाददाता

सहजनवा गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के बाधागाड टोला जीतपुर निवासी रीना देवी के पहले पति की 5 अक्टूबर 2018 में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। कुछ माह बाद देवर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बना शुरू कर दिया। परिजन और रिस्तेदारो के सहमति के बाद 15 मार्च 2019 को देवर ने गोरखपुर मंदिर में हिंदू रीति रिवाज के साथ शादी रचाया। और उसका अनुबंध पत्र भी बनाया। इसके बाद दूसरे पति ने साजिश करते हुए मुआवजे में मिले 4.10 लाख रुपए अपने मां के खाते में ट्रांसफर करा लिया। जब पीड़िता ने रूपये के बारे में जानकारी लेनी चाही। तो मारना पिटना शुरू कर दिया। इस दौरान जबरजस्ती शारीरिक संबंध बनाता रहा। जानकारी मिली की दूसरा पति थाना बेलीपार निवासी एक लडकी से शादी करने जा रहा है। जब लडकी के पिता से इस बात की जानकारी लेनी चाही तो वह भी गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। आदेश पर पुलिस ने आरोपी पति अविनाश कुमार,सास कौशल्या देवी,नेत्रपाल के खिलाफ दहेज उत्पीड़न,साजिश कर हड़पने,मारने पीटने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

दहेज में 2 लाख रुपया और बुलेट न मिलने पर जेठ ने कर दिया छेड़छाड़

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर । सहजनवा थाना क्षेत्र के मईला निवासी चंद्रशेखर ने अपनी पुत्री रीतिका की शादी 2 दिसंबर 2022 को असौजी थाना सिकरीगंज निवासी धनपत कसौधन के साथ किया था। शादी में उपहार के तौर पर 5 लाख रुपया नकद,गहने,और सामान दिया गया था। विवाहिता जैसे ही ससुराल पहुंची तो परिजन काम दहेज लाने का ताना मारने लगे। और 2 लाख रुपया और बुलेट लाने की मांग होने लगी। मायके के लोगो को बताया जो असमर्थता जाहिर किए।

मानक विहीन बन रही सड़क को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

गोरखपुर, *संवाददाता*। गोला क्षेत्र में मानक विहीन बन रही तिलसर-बड़गो सड़क मार्ग को लेकर ग्रामीणों ने सड़क पर खड़े होकर धरना प्रदर्शन करते हुए जांच की मांग किया। तिलसर-बड़गों सड़क मार्ग का तिलसर के तरफ से मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है। जिसको लेकर क्षेत्र के लोगों में खुशी है। लेकिन मानक विहीन बन रही सड़क को लेकर लोगों में आक्रोश हैं। इस मार्ग पर स्थित गडरी के आक्रोशित मुस्तकीम, नीरज, जनार्दन, कालीचरण, रामचन्द्र, प्रभुनाथ, नितेश, आशीष ओझा, बालेंदु दूबे, प्रह्लाद सिंह आदि ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन करते हुए उच्च अधिकारियों से मानक विहीन बन रही इस इस सड़क की जांच की मांग किया है।

डॉ यशपाल एक चिकित्सक ही नहीं समाज सुधारक भी थे : अतुल सिंह

अवधनामा संवाददाता

कप्तानगंज, कुशीनगर। सोमवार को स्व. यशपाल सिंह की तीसरी पुण्य तिथि व गरीबों को कंबल वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश में दर्जा प्राप्त मंत्री अतुल सिंह रहे। उन्होंने डॉ यशपाल सिंह के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया। उन्होंने इस मौके पर डॉ यशपाल को याद करते हुए कहा कि डॉ साहब एक चिकित्सक ही नहीं अपितु एक समाज सुधारक रहे। वे समय समय पर गरीबों की मदद के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि डा भगवान का रूप होता है। वह मर्ज के अलावा उसके दर्द को भी समझता है। उनमें से एक थे यशपाल जी थे। इस मौके पर स्व यशपाल सिंह के ज्येष्ठ पुत्र रुद्रप्रताप, डॉ बी पी सिंह, डॉ आलोक सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने पत्रकारों को अंग वस्त्र भेट किया तदोपरांत सैकडों गरीबों को कंबल वितरण किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार बेचू बीए ने किया। इस मौके पर अनुपम सिंह, सुदर्शन राव,पल्लवी, रीता सिंह, सत्यप्रकाश पांडेय, सोनू खेतान नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि, दिनेश, बबलू सिंह, अभयानंद, पिंटू सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एम्स गोरखपुर में आईएपीएसएम के मंच पर फाइलेरिया मरीजों की आवाज बनीं पूजा

कम्युनिटी का प्रतिनिधित्व कर कम्युनिटी मेडिसिन के विशेषज्ञों से साझा किये फाइलेरिया नेटवर्क के कार्य

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स गोरखपुर में इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन का दो दिवसीय छब्बीसवां कांफ्रेंस लाइलाज उपेक्षित बीमारी फाइलेरिया के लिहाज से भी खास रहा । पहली बार इस मंच पर फाइलेरिया उत्तरजीवी नेटवर्क की सदस्य पूजा सिंह को भी अपनी कहानी सुनाने का मौका मिलाए जिससे इस उपेक्षित बीमारी के मरीजों को भी स्वर मिला । फाइलेरिया मरीजों की बात आई तो इसके उन्मूलन के प्रयासों के बारे में भी कई कहानियां सामने आई । पूरा सत्र जीवंत बन गया और कार्यकारी निदेशक डॉ सुरेखा किशोर की उपस्थिति में हुई इस खुली चर्चा की सभी ने सराहना की। कांफ्रेंस के पहले दिन का आखिरी सत्र फाइलेरिया उन्मूलन का था जिसके मॉडरेटर रहे बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन में नेगलेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीज इलिमिनेशन प्रोग्राम्स के कंट्री लीड डॉ भूपेंद्र त्रिपाठी। उन्होंने इस लाइलाज बीमारी के विभिन्न पक्षों की जानकारी दी। पाथ संस्था के राज्य प्रतिनिधि डॉ. शोएब अनवर और पीसीआई संस्था के प्रतिनिधि रनपाल सिंह ने भी फाइलेरिया की गंभीरता से सबको अवगत कराया। सीफार संस्था की कार्यकारी निदेशक डॉ अखिला शिवदास ने कार्यक्रम में सामुदायिक भागीदारी पर प्रकाश डाला और इसमें फाइलेरिया नेटवर्क के प्रयासों को साझा किया। इसी क्रम में फाइलेरिया नेटवर्क की सक्रिय सदस्य सदस्य पूजा सिंह को अपनी कहानी के लिए आमंत्रित किया ।

पेशे से शिक्षिका पूजा ने बताया कि करीब दस से बारह साल पहले वह फाइलेरिया से ग्रसित हुई थीं। उन्हें फाइलेरिया हुआ तो वह भी इस बीमारी से अपरिचित थीं। जब उन्होंने बीमारी के बारे में बताया तो उनके जानने वाले लोगों ने तरह तरह की जड़ी बूटी और गैर वैज्ञानिक उपायों से यह बीमारी ठीक होने की सलाह दी। वह लोगों की सलाह पर भटकती रहीं। धीरे धीरे परेशानी बढ़ने लगी और पैर में दर्द और सूजन बढ़ता गया। एक बार तो सूजन इतना अधिक बढ़ गया कि पैर से पानी का रिसाव होने लगा। दर्द इतना भयानक था कि वह कई रातें सो नहीं पाई। उन्होंने कई डॉक्टर को दिखाया पर कोई सही इलाज नहीं मिला इस कारण से उन्हें अपना अध्यापक का काम छोड़ना पड़ा और इससे उनकी आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई। बीमारी के कारण उन्हें सामाजिक उपेक्षा और भेदभाव भी झेलना पड़ा। लोगों को यह लगता था कि उनके पैर के पानी से उन्हें भी संक्रमण हो जाएगा। वह हीन भावना का शिकार होने लगीं। वह शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर होने लगीं।

इसी बीच पूजा के गांव में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च संस्था के सहयोग से फाइलेरिया रोगी नेटवर्क का गठन किया गया और नियमित बैठकें होने लगीं। पूजा भी इसमें भाग लेने लगीं और विशेषज्ञों से बीमारी के बारे में कई प्रमुख जानकारी ली और देखभाल के तरीके सीखे। इससे उनके मन में सकारात्मकता का संचार हुआ। व्यायाम और फाइलेरिया प्रभावित अंग की देखभाल से उन्हें आराम मिला है और वह आज दूसरे लोगों को इस बीमारी के प्रति व्याप्त भ्रांतियों के बारे में जागरूक कर रही हैं।

खुल कर हुई चर्चा

पूजा की कहानी सुनने के बाद सत्र में इस मुद्दे पर जीवंत चर्चा हुई। गोरखपुर के जिला मलेरिया अधिकारी अंगद सिंह ने कहा कि सहयोगी संस्था पीसीआई और सीफार तथा फाइलेरिया रोगी नेटवर्क की पहल से जिले में कई अभिनव प्रयास हुए हैं। उन्होंने पिपराईच ब्लॉक के महराजी गांव का भी उदाहरण दिया जहां अभियान के दौरान सौ फीसदी 100 प्रतिशत परिवारों को दवा का सेवन कराया गया और प्रवासी लोगों को भी घर वापस आने पर फाइलेरिया कार्नर के जरिये दवा खिलाया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक डॉ हरिशंकर जोशी ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि एम्स में बने बूथ के जरिये बड़े पैमाने पर लोगों ने इस बार फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन किया है । खुली चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि समाज के प्रभावशाली लोग जब दवा का सेवन करेंगे तो आमजन भी बचाव की दवा खाएंगे और इस बीमारी का उन्मूलन संभव होगा। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को इस दवा का सेवन सबसे पहले करना चाहिए।

फाइलेरिया को जानिए

- यह गंदे पानी में पनपने वाले क्यूलेक्स मादा मच्छर के काटने से होता है। यह न तो अनुवांशिक है और न ही इसके मरीज के साथ उठने या बैठने से यह बीमारी होती है।
- फाइलेरिया का संक्रमण होने के बाद इसके लक्षण दिखने में पांच से पंद्रह साल तक का समय लग सकता है। इसके लक्षण हाइड्रोसीलए हाथीपांव, स्तन में सूजन आदि के जरिये प्रकट होते हैं।
- पांच साल तक लगातार साल में एक बार दवा का सेवन करने से इससे बचाव होता है।
- शुरूआती दौर में इसकी पहचान हो जाने से एमएमडीपी के जरिये इसे नियंत्रित किया जा सकता है और इसके एक्यूट अटैक से भी बच सकते हैं।

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति, मेजर जनरल (सेवा निवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है।

इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्व विद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

टूटी परम्पराओं की श्रृंखला, पिया बने भागीदार

एक साथ पुरुष नसबंदी करवा, दो सगे भाई बने प्रदेश के पहले नज़ीर, पुरुष नसबंदी में जनपद मंडल में टॉप

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। गर्भधारण से लेकर बच्चों का जन्म व पालन-पोषण जैसी सभी जिम्मेदारियाँ महिलाएं ही उठाती हैं और बात जब नसबंदी की हो तो उन्हें ही आगे आना पड़ता है। लेकिन इस परंपरा को तोड़ दो सगे भाइयों ने एक साथ पुरुष नसबंदी की सेवा लेकर नजीर पेश की है। जिला स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सूचना अधिकारी बृजेश सिंह की माने तो दो सगे भाइयों का एक साथ नसबंदी कराने का फैसला उत्तर प्रदेश का पहला मामला है। फखरपुर के अरई कला निवासी 35 वर्षीय प्रकाश के चार और छोटे भाई 28 वर्षीय अरविन्द के तीन बच्चे हैं। दोनों सगे भाई खेती करते हैं। अरविन्द कहते हैं परिवार पूरा था इसलिए पत्नी की नसबंदी कराने की बात चल रही थी। इसी बीच आशा कार्यकर्ता तारावती ने पुरुष नसबंदी की जानकारी दी। बताया यह महिला नसबंदी से काफी आसान है, इसमें न तो कोई चीरा-टांका लगता है न ही मर्दानगी पर कोई असर पड़ता है।

अरविन्द ने यह बात बड़े भाई प्रकाश से बताया तो उन्हे विश्वास नहीं हुआ कि बिना चीरा लगाए नसबंदी कैसे होगी। शंका समाधान के लिए आशा तारावती ने गांव के विश्वनाथ से मिलवाया जिन्होंने एक सप्ताह पहले नसबंदी कराई थी। विश्वनाथ ने बताया उन्हें न तो कोई चीरा-टांका लगा था न ही भर्ती होने की जरूरत पड़ी। वह स्वस्थ हैं और पहले जैसे ही अपने

सभी काम-काज कर रहे हैं। संतुष्टि मिलने पर दोनों भाइयों ने एक साथ नसबंदी कराने का फैसला लिया। अरविन्द ने इसकी चर्चा गाँव निवासी गोविंद से की जो तीन बच्चों के बाद अपनी पत्नी की नसबंदी के बारे में सोंच रहे थे। जब उन्हें पुरुष नसबंदी की सही और पूरी जानकारी मिली तो वह भी तैयार हो गए और 28 नवंबर को सभी ने एक साथ नसबंदी करवा ली।अरविन्द ने बताया नसबंदी में लगभग 5 मिनट लगे थे और घर आने के बाद उसी दिन खेत में गेहूं की बुवाई कराने चला गया। वहाँ सरावन जिसे पाटा कहते हैं उस पर बैठ कर खेत की मवाई भी कराई। वह कहते हैं पत्नी की नसबंदी होती तो टांका कटने और सामान्य कार्य करने में एक सप्ताह से अधिक समय लग जाता। डीपीएम सरजू खान ने बताया आमतौर पर पुरुष नसबंदी के बारे में चर्चा नहीं होती। ऐसे में दो सगे भाइयों ने आपस में बातचीत कर एक साथ नसबंदी की सेवा लेकर मिसाल पेश की है। उन्होंने बताया जनपद में अप्रैल से अब तक 45 लोगों को पुरुष नसबंदी की सेवाएँ दी जा चुकी हैं जो मण्डल में सबसे अधिक है। इच्छुक लोग क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता या मोबाइल नंबर 6393805282 पर संपर्क कर पुरुष नसबंदी के बारे में अधिक जानकारी ले सकते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु बैठक आयोजित

वादकारियों से अधिक से अधिक वादों के निस्तारण कराने का किया आह्वान

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त दिशा-निर्देशों एवं जिला जज/अध्यक्ष ललितपुर चन्द्रोदय कुमार की अध्यक्षता में 09 दिसम्बर 2023 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु जनपद के समस्त न्यायिक अधिकारियों के साथ एक बैठक का आयोजन 08 दिसम्बर 2023 को किया गया। बैठक में विगत राष्ट्रीय लोक अदालत में निर्णीत वादों पर चर्चा की गयी एवं 09 दिसम्बर 2023 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के संबंध में विस्तार पूर्वक विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित अधिकारियों से अपेक्षा की गयी कि गयी कि वह अपने-अपने स्तर से अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु प्रयास करें, जिससे राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सकें। वादकारियों से आह्वान किया गया कि वह अपने लंबित वादों को आपसी सुलह समझौता के आधार पर निस्तारित कराना चाहते हों तो 09 दिसम्बर 2023 को समय सुबह 10 बजे जनपद न्यायालय परिसर ललितपुर में उपस्थित होकर अपने वादों का निस्तारण कराकर राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठायें। बैठक में अपर जिला जज प्रथम/नोडल अधिकारी गुलाब सिंह, अपर जिला जज एस.सी./एस.टी. मो.बाबर खान, अपर जिला जज ई.सी.एक्ट लोकेश कुमार, अपर जिला जज पॉक्सो मेराज अहमद, अपर जिला जज/सचिव कुलदीप सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विभान्शु सुधीर, सिविल जज (सी.डि.) नरेश कुमार दिवाकर, अपर सिविल जज (सी.डि.) अक्षयदीप यादव, सिविल जज (जू.डि.) अदिति जैन, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट बहादुर सिंह आदि मौजूद रहे।

सिंचाई बन्धु की बैठक 12 दिसम्बर को

बहराइच। सदस्य सचिव एवं अधि.अभि. स.न.ख.-पंचम दिनेश कुमार ने बताया कि शासन द्वारा नामित उपाध्यक्ष जनपद सिंचाई बन्धु राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक 12 दिसम्बर 2023 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से कल्पीपारा कालोनी स्थित सिंचाई विभाग के आफीसर्स फील्ड हास्टल में आयोजित की गयी है। सदस्य सचिव श्री कुमार ने बताया कि जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक में नहरों की समुचित सफाई, नहरों की कटिंग तथा टेल तक पानी की उपलब्धता, रोस्टर के अनुसार नहरों का संचालन, नहरों के कुलाबों की व्यवस्था, राजकीय नलकूपों का संचालन व बन्दी की समीक्षा, सिंचाई शुल्क निर्धारण, कृषकों से प्राप्त अन्य प्रकार की शिकायतों के निराकरण के सम्बंध में विचार-विमर्श किया जायेगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का रिसिया के बुलबुल नेवाज में कार्यक्रम हुआ संपन्न

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। विकासखंड रिसिया की ग्राम सभा बुलबुल नेवाज में विकसित भारत संकल्प यात्रा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्वागत गीत देशगीत तथा मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर 2023 को झारखंड से पूरे देश में विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की थी। जिसके क्रम में ग्राम पंचायत गोकुलपुर व बुलबुल नेवाज में संयुक्त रूप से कार्यक्रम में सहभागिता कर विभिन्न योजनाओं के काउंटर्स लगाए गये। जिसे केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य हो सके। पंचायत से आई हुई महिलाएं युवा वृद्ध इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए लाभार्थियों को उनके प्रमाण पत्र और चाभियां दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष दीपक सत्या विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख रिसिया संजय जयसवाल मंडल प्रतिनिधि भाजपा आलोक अग्रवाल महामंत्री आयुष अग्रवाल ग्राम प्रधान गोकुलपुर भगवती प्रसाद वर्मा तथा ग्राम प्रधान बुलबुल नेवाज प्रिंस खंड विकास अधिकारी रिसिया सहायक विकास अधिकारी पंचायत गुलामुद्दीन जिलानी ग्राम पंचायत सचिव दुरे हसन सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण युवा महिलाएं एवं विद्यालय की छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

जिला अस्पताल के लिये तीन टीमें हुई गठित

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर लगातार स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज में मरीजों को होने वाली समस्याओं व बाहर की दवा और जांच लिखने की शिकायतों को जिलाधिकारी ने संज्ञान में लिया है। जिसके चलते मुख्य चिकित्साधिक्षक को सचेत करते हुए चेताया भी है, की यदि अतिशीघ्र सुधार नही हुआ तो गंभीर कार्यवाही होगी। जिलाधिकारी के निर्देश पर स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज में अब आगंतुक चेहरों की पहचान के लिए मुख्य चिकित्साधिक्षक डॉ.एसके गोयल द्वारा तीन टीमें गणित की गई है, टीम का काम सुबह छः बजे से रात 8 बजे तक स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज की ईमरजेंसी, ओटी, लैब, ओपीडी, ब्लड़बैंक व अस्पताल परिसर में बगैर जरूरत के दिखाई पड़ते है, उनकी सघन जांच, पड़ताल और तसल्लीबख्श जवाब ना मिलने पर पुलिसिया कार्यवाही होगी।औचक निरीक्षण टीम का हिस्सा खुद सीएमएस डॉ.एसके गोयल भी होगें।टीम द्वारा आवांछित लोगों व ऐसे डॉक्टरों पर भी नज़र रखी जाएगी, जिनके साथ दवा विक्रेता, लैब संचालक व मरीजों को अस्पताल से निजी हास्पिटल में ट्रांस्फर करवाया जाता है। मुख्य चिकित्साधिक्षक डॉ.गोयल ने बताया की शासन की मंशानुसार ही अस्पताल चलेगा, यदि इसमें व्यवधान पैदा किया गया तो कार्यवाही कठोर होगी।

संक्षिप्त समाचार

दो दिवसीय उद्यान मेला का होगा आयोजन

हमीरपुर। उद्यान अधिकारी नें जानकारी देते कहा कि ÷कृषकों की आय वृद्धि में औद्यानिक का योगदान नवीनतम औद्यानिक विधाओं का समावेश विषय पर जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 12.12.2023 व 13.12.2023 तक दो दिवसीय उद्यान मेला / कृषक गोष्ठी का आयोजन राजकीय पौधशाला बिवांर, हमीरपुर में किया जा रहा है जिसमें कृषि वैज्ञानिकों / प्रगतिशील कृषकों द्वारा कृषकों की आय वृद्धि कैसे की जाये पर चर्चा/व्याख्यान दिये जायेगें। अतः आप सभी से अनुरोध है कि दिनांक 12.12.2023 को प्रातः 10:00 बजे राजकीय पौधशाला बिवांर, हमीरपुर पहुंचकर मेले में प्रतिभाग कर लाभ उठायें।

जखेला गांव में खंड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम चौपाल

कुरारा, हमीरपुर। विकास खंड क्षेत्र के जखेला गांव में खंड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। तथा ग्रामीणों की समस्या सुनी गई। तथा निस्तारण किया गया। क्षेत्र के जखेला गांव स्थित पंचायत भवन में गांव की समस्या गांव में समाधान के अभियान के तहत ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। खंड विकास अधिकारी गरिमा सोनकिया ने लोगो की समस्या सुनी तथा मौके पर निस्तारण किया गया। ग्रामीणों सफाई व्यवस्था व आवास , पेंशन आदि की शिकायत की। जिसका निस्तारण किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रामा देवी, सहित ब्लाक स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे।

गाली गलौज करने वाले के खिलाफ की शिकायत

कुरारा, हमीरपुर। थाना क्षेत्र के जखेला गांव निवासी महिला ने गाली गलौज करने व मना करने पर मारपीट करने की तहरीर थाने में दी है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट करने का मुकदमा दर्ज किया है। क्षेत्र के जखेला गांव निवासी महिला रेखा देवी पत्नी मोहनलाल ने थाने में तहरीर देकर बताया कि मेरे देवर कन्धी लाल पुत्र बारे लाल ने गाली गलौज किया मना करने पर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी है।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट करने का मुकदमा दर्ज किया गया है।

ई-बैंक कर्मियों ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

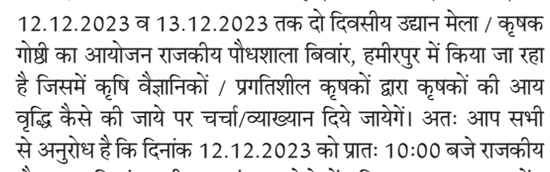

ललितपुर। एच.डी.एफ.सी. बैंक की जनपद शाखा के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उदघाटन मुक्ति संस्था अध्यक्ष/वैश्य समाज जिलाध्यक्ष अज्जू बाबा व मुक्ति संस्था महासचिव सत्येन्द्र प्रताप सिंह सिसौदिया ने संयुक्त रूप से किया। बैंक कर्मचारियों के अलावा अन्य लोगों ने भी रक्तदान करते हुये इस महादान में बढ़-चढ़कर भूमिका निभाई। रक्तदान करने वालों में कपिल नगाइच, सुनील तोमर, विवेक श्रीवास्तव, पवन कुमार, आयुष जैन, सत्यम मिश्रा, संजय सोनी, कोमल यादव, आशीष पटैरिया, सेजल जैन, देवी सिंह, अंकित चौधरी, रहमान, प्रभान सिंह, हितेश्वर चन्द्रा, बृजकिशोर आदि शामिल रहे। इस मौके पर ब्रांच यूनिट हैड मनीष निगम, ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर मुबीन उद्दीन, जूनियर ऑफीसर विक्रम बुन्देला, ब्रांच मैनेजर नीरज मिश्रा मौजूद रहे।

सर्व स्वर्णकार महासंगठन के राष्ट्रीय सचिव बने कृष्णकांत

ललितपुर। सर्व स्वर्णकार महासंगठन राष्ट्रीय महामंत्री तेजराम सोनी ने जानकारी दी है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.विश्वनाथ सोनी ने कार्यकारिणी की सहमति से राष्ट्रीय पदाधिकारी की नवीन सूची जारी की है। जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, राष्ट्रीय सह सचिव, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सहित 24 पदाधिकारियों की घोषणा की है। शीघ्र ही प्रदेश स्तर एवं जिले स्तर पर भी अन्य पदाधिकारीयो की भी घोषणा की जाएगी। कार्यकारिणी की सहमति से राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.विश्वनाथ सोनी ने कृष्णकांत सोनी पत्रकार को उनके स्वर्णकार समाज के प्रति कार्यों, रुचि एवं सहयोगात्मक कार्य शैली को देखते हुए सर्व स्वर्णकार महासंगठन का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। इससे नगर में स्वर्णकार समाज में हर्ष की लहर है। स्वर्णकार समाज के सभी स्वजातीय बंधुओ ने कृष्णकांत सोनी को बधाई दी। कृष्णकांत सोनी ने कहा कि मैं पूरी जिम्मेदारी एवं गरिमा के साथ इस पद पर रहकर स्वर्णकार समाज को आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा। सर्व स्वर्णकार महासंगठन के शीर्ष नेतृत्व एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.विश्वनाथ सोनी का आभार जताया।

शिक्षक के शव का 54 घंटे बाद अंतिम संस्कार

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले के बल्दीराय थाना क्षेत्र के केवटली गांव निवासी शिक्षक सूर्य प्रकाश द्विवेदी का गुरुवार करीब 54घंटे बाद अंतिम संस्कार कुड़वार राजघाट पर किया गया। मृतक शिक्षक के बेटे की तहरीर पर तीसरे दिन (बीईओ)खंड शिक्षा अधिकारी मनोजीत राव पर एफआईआर दर्ज हुआ।जिसके बाद परिवारीजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। गुरुवार की सुबह करीब 7बजे डीएम ज्योत्सना और एसपी सोमेन वर्मा मृतक शिक्षक सूर्य प्रकाश द्विवेदी के घर केवटली पहुंचे।परिजनों से अंतिम संस्कार करने की वार्ता करते हुए शिक्षक के बेटे की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कराया। वहीं जानकारी देते हुए भाजपा नेता महिमा शंकर द्विवेदी ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में संगठन के सभी पदाधिकारी मंगलवार देर शाम से ही परिवार की ताकत बन कर कंधे से कंधा मिलाकर लगे हुए हैं।श्री द्विवेदी ने कहा कि जिला प्रशासन अपनी नाकामी छिपाने के लिए 54घंटे तक पीड़ित परिवार की तहरीर पर आरोपी बीईओ पर एफआईआर दर्ज नहीं किया। यह बहुत ही निंदनीय है। कुड़वार ब्लाक के पूरे चित्ता के जूनियर हाईस्कूल में प्रधानाचार्य सूर्य प्रकाश द्विवेदी पर भ्रष्ट बीईओ ने पैसे की डिमांड की नहीं देने पर धमकाते हुए निलंबन की बात कही।बीईओ के उत्पीड़न से आहत होकर शिक्षक सूर्य प्रकाश द्विवेदी ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री अखिलेश तिवारी ने कहा कि जब शिक्षक सूर्य प्रकाश द्विवेदी ने अपनी पाकेट डायरी में बीईओ द्वारा उत्पीड़न की बात लिखी हुई है। उन्होंने लिखा था कि तवियत बिगड़ने का कारण बीईओ कुड़वार द्वारा मानसिक प्रताड़ना, जिला प्रशासन शिक्षक के पीड़ित परिवार की मांग पर 54घंटे तक बीईओ पर एफआईआर दर्ज नहीं कराया जाना पूरे प्रशासनिक सिस्टम को फेलियर साबित कर रहा है।

आरोपित बी.ई.ओ. के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ेगा संघ

अवधनामा संवाददाता

लंभुआ, सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ , जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ,शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन, अनुदेशक संघ सहित विभिन्न शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने यह निर्णय लिया है कि स्व सूर्य प्रकाश द्विवेदी को मानसिक रूप से परेशान कर आत्महत्या हेतु उकसाने वाले भ्रष्ट बेइमान संवेदनहीन खण्ड शिक्षा अधिकारी मनोजीत राव को गिरफ्तार कर निलम्बित करते हुए बर्खास्तगी की कार्यवाही प्रशासन द्वारा की जाए ऐसा न होने पर शिक्षकों शिक्षा मित्रों अनुदेशकों आदि में आक्रोश व्याप्त है। आज प्रत्येक वी आर सी हुई श्रद्धांजलि सभा में सभी शिक्षकों ने एक स्वर से प्रशासन से यह मांग की है।

इस बाबत शिक्षक संगठनों ने कल पुलिस अधीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुल्तानपुर को इस आशय का पत्र भी रिसीव करवा दिया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सुल्तानपुर के जिला मीडिया प्रभारी रणवीर सिंह ने बताया कि सभी संगठन एकजुट होकर रणनीति तैयार करने में लगे हैं जल्द गिरफ्तारी न हुई तो संघ निर्णय लेकर संघर्ष करने हेतु सड़क पर उतरेगा। सभी बी आर सी पर श्रद्धांजलि सभा में शिक्षकों ने जमकर शासन प्रशासन को कोशते हुए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि चौवन घंटे तक शिक्षक का शव पड़ा रहा पर प्रशासन के कान में जूं तक नहीं रेगा,अंत शिक्षकों व परिवार जनों के आगे घुटने टेकते हुए एफआईआर दर्ज किया गया।। सभी बी आर सी पर शिक्षकों ने कर्मठी शिक्षक, कुशल उद्घोषक, स्व सूर्य प्रकाश द्विवेदी को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर रणवीर सिंह लीला यादव नीलम पूनम विद्या प्रजापति जयशंकर श्रीवास्तव केदारनाथ दूबे राधेश्याम यादव कृष्ण कुमार चौरसिया विवेक सिंह जयप्रकाश यादव संतोष सिंह सुरेंद्र यादव प्रमोद मिश्रा राकेश मणि पाण्डेय रामकेश देवेन्द्र कविराज आदि उपस्थित रहे।

बच्चों को बूथ पर पोलियो की खुराक जरूर पिलायें: सीएमओ

पोलियो बूथ दिवस पर खुले रहेंगे स्कूल, दवा पिलाकर बच्चों को सुरक्षित करें

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। दस दिसंबर रविवार को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो बूथ दिवस को लेकर पल्स पोलियो जागरूकता रैली निकाली गई। सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली जीजीआईसी से प्रारंभ होकर कचहरी चौराहा, तुवन चौराहा से होकर सीएमओ कार्यालय पहुंची और यहीं रैली का समापन हो गया। सीएमओ ने बताया कि इस बार पल्स पोलियो दिवस पर 0 से 5 साल तक के 186829 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर को 802 बूथों पर दवा पिलाई जाएगी। जो बच्चे बूथ दिवस पर दवा पीने से छूट जाएंगे, उन्हें स्वास्थ्य विभाग की 464 टीमें 11 दिसंबर से 15 दिसंबर (सोमवार से शुक्रवार) तक घर घर जाकर दवा पिलाने का काम करेगी। इसके बाद भी जो बच्चे छूट जाएंगे, उन्हें रविवार सोमवार को दवा पिलाई जाएगी। पल्स पोलियो अभियान की मॉनिटरिंग के लिए 124 सुपरवाइजर लगाए गए हैं। इसके अलावा जिला स्तर पर जिला स्तरीय अधिकारी भी पल्स पोलियो टीमों का औचक निरीक्षण करेंगे। पल्स पोलियो अभियान का रोजाना शाम को ब्लाक स्तर के नोडल अधिकारियों द्वारा फीडबैक लिया जाएगा और अभियान की समीक्षा होगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग के अलावा आईसीडीएस, शिक्षा विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है। जहां भी बूथ दिवस आयोजित होगा, वह सभी स्कूल खुले रहेंगे। उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा.सौरभ सक्सेना ने बताया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए माइक्रोप्लान बना लिया गया है। सीएमओ द्वारा अभियान में लगी टीमों को अलर्ट कर दिया गया है कि वह अपना काम पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। जिलाधिकारी ने पल्स पोलियो दिवस के दिन जिले के समस्त प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक खुला रखे रहने के निर्देश बीएसए को दिए हैं। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.वीरेंद्र सिंह, डिप्टी सीएमओ डा.आर.एन.सोनी, चिकित्सा अधिकारी डा.राजेश भारती, उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा.सौरभ सक्सेना, परामर्शी डा.हुसैन खान, प्रधानाचार्य पूनम मलिक, यूनिसेफ से ज्योति तिवारी, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डा.सुमित सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

ये है ब्लाकवार संख्या

विकास खण्ड बार में 25114, बिरधा में 31030, जखौरा में 29159, ललितपुर नगर में 24067, मडावरा में 24595, महरौनी में 24829, तालबेहट में 28035 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इस तरह जिले में 186829 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।

पीपीसी पर होगा बूथ का उद्घाटन

जिला महिला चिकित्सालय स्थित प्रसवोत्तर केंद्र पर रविवार को सुबह 10 बजे पल्स पोलियो बूथ का उद्घाटन होगा। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बच्चे को पोलियो खुराक पिलाई जाएगी।

राष्ट्रीय महिला आयोग के मोबाईल एप का शुभारम्भ

सुल्तानपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस, प्रतिवर्ष नौ नवम्बर को विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम को लागू होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम दिनांक नौ नवम्बर 1995 को प्रभाव में आया था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अपर जनपद न्यायाधीश / सचिव अभिषेक सिन्हा ने बताया कि यह दिवस, सभी लोगों, विशेषकर महिला, बच्चे, अल्पसंख्यक, दिव्यांग उपेक्षित समुदाय आदि, जिन्हें विधिक अधिकारों की जानकारी कम है, में विधिक जागरूकता का प्रसार करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस को मनाये जाने का उद्देश्य यह भी है कि नागरिकों को विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अन्तर्गत उपलब्ध निशुल्क व समक्ष विधिक सेवाओं तथा लोक अदालत के महत्व के सम्बन्ध में जानकारी दी जाए।

रासेयो के विद्यार्थियों ने लिया पुलिस एक्सपेरिमेंटल लर्निंग का प्रशिक्षण

ललितपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी/पुलिस क्षेत्राधिकारी इमरान अहमद तथा नोडल अधिकारी (एस.पी.ई.एल.) डा.ओ.पी.चौधरी के नेतृत्व में जारी छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम स्टूडेंट पुलिस एक्सपेरिमेंटल लर्निंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

इसके तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र व छात्राओं के समूह को निरीक्षक अजीत कुमार यादव, निरीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह, उप निरीक्षक सन्नो देवी एवं उप निरीक्षक अनीता द्वारा थाना कोतवाली में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने बीट पुलिसिंग तथा नारी सशक्तिकरण एवं इसके संबंध में भारतीय संविधान व अन्य कानूनों पर प्रकाश डाला गया, जिसके तहत एंटी रोमियो अभियान तथा नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया। उप निरीक्षक सन्नोदेवी व उप निरीक्षक अनीता ने कहा कि किसी स्त्री का पीछा करना, स्टॉकिंग, चिढ़ाना, बुलिंग व अन्य अपराधों के बारे में अवगत कराते हुए वर्तमान में आईपीसी व साइबर क्राइम से संबंधित आईटी एक्ट में किए गए प्रावधानों से उन्हें अवगत कराया गया। तत्पश्चात भारत के संविधान में मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्यों में बालको एवं महिलाओं के प्रति हमें एक सम्मान की भावना रखने तथा उनकी गरिमा का ध्यान रखने तथा उनकी सुरक्षा के संबंध में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया।

किसानो की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने प्रदर्शन कर, सौंपा ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले में हो रही खाद की किल्लत व खाद की कीमतों में की गई बढ़ोतरी को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व नेता सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर डीएम के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञात हो कि किसानों की रवि की बुवाई का अति महत्वपूर्ण समय है जिसमें किसानों को समय पर डी0ए0पी0 खाद नहीं उपलब्ध हो पा रही है, जिससे किसान अपनी फसलों की बुवाई के लिए अत्यधिक चिंतित हैं। वहीं सरकार द्वारा खाद की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई है जिससे किसान बढ़े हुए दामों में खाद लेने में असमर्थ हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा किसानो की समस्याओं को लेकर दो दर्जन से अधिक की संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भेजा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है, चुनाव के समय में यही किसान को अन्नदाता

कहते है, और जब चुनाव का समय निकल जाता है तो किसानों को अपनी फसलों की बुवाई के लिए सुबह 4 बजे से उठकर डी0ए0पी0 खाद के लिए लाइन में खड़े होते हैं लेकिन उन्हें समय पर डी0ए0पी0 खाद नहीं उपलब्ध हो पा रही है , एक तरफ जहां महंगाई से आम जनमानस त्रस्त है, वहीं सरकार ने अचानक डी0ए0पी0 खाद के दाम बढ़ा दिए हैं महंगे दामों में किसान खाद खरीदने में असमर्थ है। वहीं उन्होंने जिले में हो रही खाद की किल्लत की पूर्ति व खाद के दामों में की गई बढ़ोतरी को सरकार तत्काल वापस ले अन्यथा इसके लिए कांग्रेस बड़े पैमाने पर आंदोलन करने हेतु बाध्य होगी।शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में किसान अत्यधिक परेशान हैं, भाजपा के लोग सरकार बनाने में मस्त हैं इधर किसान रवि की फसल की बुवाई के लिए खाद के लिए दर दर की ठोकरे खा रहे हैं, लाइन में लगने के बाद किसानों को खाद तो नहीं मिल पाती लेकिन पुलिस की लाठियां जरूर मिल जाती हैं। इस मौके पर जिला प्रवक्ता नफीस फारुकी, सुब्रत सिंह सनी, तेज बहादुर पाठक, हाजी फिरोज अहमद, गुड्डू जायसवाल, अर्श खान लकी, मिर्जा अकरम बेग, सिराज सिद्दीकी, सिराज अहमद, सुनील सिंह, सर्वेश विक्रम सिंह,मो इमरान खान (मीडिया प्रभारी) अतिउल्ला अंसारी, नंदलाल मोर्य, विभु पांडे, चंद्रभान सिंह चुन्ना, इमरान अहमद,पवन मिश्रा कटावा, जयप्रकाश तिवारी, अवधेश कुमार गौतम, राहुल मिश्रा, अशोक सिंह, नितिन मिश्रा, शहबाज खान, अनवर शाही,मो इकबाल पवन मिश्रा नन्हे आदि लोग मौजूद रहे।

जीजीआईसी में आयोजित हुई विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता व प्रदर्शनी

अवधनामा संवाददाता

प्रदर्शनी में विभिन्न मॉडल का जिलाधिकारी ने किया अवलोकन

हमीरपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ. प्र.(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उ. प्र. शासन) द्वारा प्रायोजित जिला विज्ञान क्लब के तत्वाधान में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों हेतु जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हमीरपुर मे किया गया जिसमें 100 से अधिक मॉडल का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम के शुभारम्भ समारोह के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी राहुल पांडेय ने मॉडल प्रदर्शनी एवं कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए लगाए हुए

मॉडल का तारीफ करते हुए कहा कि बच्चो द्वारा मानव जीवन के लिए बेहतर प्रयोग हेतु प्रदर्शन किया गया और कहा कि बच्चो के अंदर उत्सुकता बनी रहेगी तो अपने परिवार समाज और देश का नाम रोशन करेंगे कार्यक्रम के प्रतिभागी सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सदर विधायक डॉ मनोज कुमार प्रजापति ने मॉडल को व्यवहारिक और प्रायोगिक बताया: और कहा कि आज के समाज मे उनका उपयोग कर बच्चे दुनिया मेअपने देश का नाम रोशन करेंगे जल सरंक्षण भौतिक विज्ञान जैविक खेती पर अभिनव प्रयोग और तन्मयता के साथ मॉडल तैयार किये है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्री कुलदीप निषाद ने कहा कि उद्देश्य पूर्ण मॉडल बनाये गए बच्चो ने समर्पित भाव से गुरु जनों के मार्गदर्शन में कार्य किया है। मॉडल प्रदर्शनी में सरस्वती बाल मंदिर के अतुल राजपूत ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 5000 रुपये प्रखर सक्सेना ने द्वतीय स्थान प्राप्त कर 3000 रुपए, सेठ छोटलाल एकेडमी के आदर्श सोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 2000 रुपये साध्वी तिवारी ने सांत्वना पुरस्कार 1000, इंडस वैली पब्लिक स्कूल राठ के निखिल कुमार को 1000 रुपये से पुरष्कृत किया गया इसके अलावा मुस्कान निषाद राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हमीरपुर ,आर्यन अग्रवाल,श्रष्टि सिंह शशांक सेन ,शुभांगी गुप्ता,ब्यूटी सिंह ,आराधना,हर्षित,समीक्षा निषाद ,जतिन कुमार कुल 15 बच्चो का चयन मंडल स्तर के लिए किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अमित दक्ष ने किया। कार्यक्रम के निर्णायक राजकीय महाविद्यालय कुछेछा के प्राध्यापक डॉ युधिष्टिर सिंह ,डॉ ज्ञानेंद्र सिंह,डॉ के के श्रीवास्तव ,एवं डॉ0 विद्या सिंह का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम की उपादेयता जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक डॉ जी के द्विवेदी ने प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की उपलब्धिया बताई कार्यक्रम में प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक बाबू संतोष कुमार शर्मा ने बच्चो को मार्गदर्शन प्रदान किया कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सरस्वती देवी ,नीना पांडेय ,प्रेरणा सिंह, आरती सक्सेना शिवांगी स्वर्णकार ,मीनू ,राजेन्द्र कुमार, प्रजापति डॉ योगेश ज्ञानी देवेश निषाद, अमर सचान ,मानवेन्द्र सिंह ,नेहा गुप्ता, आरती वर्मा ,विशाखा नेहा वर्मा, सादिया आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में चमत्कारों की व्याख्या रमाकांत ने प्रस्तुत किया तथा विद्यालय की छात्राओं द्वारा विज्ञान पर आधारित रंगोली,विज्ञान गीत नृत्य,धूम्र पान निषेध निक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

जहरीला पदार्थ खाने से विवाहिता की मौत, हत्या का आरोप

अवधनामा संवाददाता

बबेरू कोतवाली क्षेत्र के परास गांव का मामला

मायके पक्ष का ज़हर खिलाने का आरोप

बांदा। ससुराल में नवविवाहिता की जहरीला पदार्थ खाने से हालत बिगड़ गयी। परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां पर उसकी मौत हो गयी। मृतका के मामा ने ससुरालीजनों पर जहर खिलाकर हत्या किये जाने का आरोप लगाया है। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के परास गांव निवासी आरती (26) पत्नी राजाभइया की गुरूवार की सुबह जहरीला पदार्थ खा लेने से हालत बिगड़ गयी। ससुरालीजनों ने देखा तो उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां उपचार के दौरान शाम को उसकी मौत हो गयी। मौत की खबर मिलते ही परिवारीजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतका के मामा ने शिवरतन ने आरोप लगाया कि मृतका की बहन सुधा की शादी में दहेज में बाइक और अन्य सामान दिया गया था। आरती के ससुराल वाले भी पांच लाख रूपया और बाइक की मांग कर रहे थे, न देने पर ससुरालीजनों ने जहर खिलाकर आरती को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

अधिवक्ता पुत्र उत्कर्ष का विदेश मंत्रालय में चयन से हर्ष

अखिल भारतीय परीक्षा में बनाया 24 वा स्थान

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता रमाकांत श्रीवास्तव के पुत्र उत्कर्ष श्रीवास्तव ने सीजीएल की अखिल भारतीय परीक्षा में 24वा स्थान पाकर जिले का मान बढ़ाया है। उनका चयन विदेश मंत्रालय में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर हुआ है। इनके चयन पर अधिवक्ताओं, नगर के रहवासियों, परिवारीजनों एवं शुभ चिंतकों में हर्ष व्याप्त है। बता दें कि पूर्व में उत्कर्ष आयकर विभाग में टैक्स असिस्टेंट के पद पर कार्य कर चुके हैं।वर्तमान में केंद्रीय सचिवालय

सूचना व प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी,मृदुभाषी उत्कर्ष की प्रारंभिक शिक्षा सेंट जोसेफ कॉन्वेंट हाई स्कूल राबर्ट्सगंज तथा बीटेक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर से हुई है। जहां से उनका कैंपस प्लेसमेंट बहुराष्ट्रीय कंपनी इन्फोसिस में हुआ था। ज्ञातव्य हो कि उत्कर्ष जनपद के अधिवक्ताओं के प्रेरणाश्रोत रहे स्व रमाशंकर लाल श्रीवास्तव के पौत्र हैं। इनके चाचा विद्याकांत वरिष्ठ चिकित्साधिकारी एवम कमलकांत अपर जिला जज के पद पर कार्यरत हैं। उत्कर्ष की इस उपलब्धि पर अधिवक्ता राम प्रसाद यादव, राजेश कुमार पाठक, अशोक श्रीवास्तव आदि ने हर्ष जाहिर किया है।

राज्य बाल विज्ञान कॉंग्रेस के लिए चुने गये चार बाल वैज्ञानिक

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉंग्रेस द्वारा ''स्वास्थ्य और कल्याण के लिए परितंत्र को समझना'' केन्द्रीय विषय पर पिछले दिनों ज़िला स्तरीय आयोजन सम्पन्न हुआ था, जिसमें जनपद से विज्ञान के विविध विषयों पर छात्र-छात्रओं ने अपने वैज्ञानिक प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का परिचय दिया था। अब राज्य स्तरीय बाल विज्ञानक कॉंग्रेस का तीन दिवसीय आयोजन 16 से 18 दिसम्बर को नोएडा में किया जा रहा है, जिसमें जनपद से चार बाल वैज्ञानिकों का चयन किया गया है।

कार्यक्रम के जिला समन्वयक डॉ. इरफान ह्यूमन ने बताया कि राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कॉंग्रेस के लिए जूनियर वर्ग से लीड कान्वेंट से नबा

खान का प्रोजेक्ट वन स्टेप फॉर नेचुरल फॉर्मिंग थ्रो सीआरएम इन डिस्ट्रिक्ट शाहजहांपुर, पूर्व माध्यमिक विद्यालय निवाड़ी के सौरभ मौर्या का प्रोजेक्ट स्टडी ऑफ कल्चरल प्रेक्टिसेज़ इन दा कान्टेक्स ऑफ कन्ट्रोल एंड ट्रीटमेंट ऑफ आई फ्लू इन विलेज निवाड़ी और सीनियर वर्ग से नेषनल गर्ल्स इंटर कॉलेज की खुषी नाज़ का प्रोजेक्ट स्टडी ऑफ मिलेट्स इकोफ्रेंडली क्रॉप एंड सुपर हेल्थी फूड और राजकीय इंटर कॉलेज के अभिषेक पांडेय का प्रोजेक्ट टू स्टडी द इम्प्रोटेंस ऑफ प्लांट ड्रग्स टू कंट्रोल सीज़नल डिसीज़ का चयन किया गया है।

राज्य स्तरीय आयोजन में चार बाल वैज्ञानिकों के साथ राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉंग्रेस द्वारा चयनीत नेषनल गर्ल्स इंटर कॉलेज की स्कॉर्ट टीचर फौजिया जलील और समन्वयक प्रतिनिधि लीड कान्वेंट स्कूल की प्रधानाचार्या तराना जमाल प्रतिभाग करेंगी। आपको बताते चलें कि बीते सालों में भी राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉंग्रेस के माध्यम से जनपद के विद्यार्थी साइंस एक्टिविस्ट डॉ. इरफान ह्यूमन के निर्देषन में राष्ट्रीय तक अपनी प्रतिभा का परचम फहराते रहे हैं।

पीएम आवास के 55 लाभार्थियों के भवन की पूजा संपन्न

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत शुक्रवार को रावटसगंज नगर पालिका क्षेत्र के लगभग 55 लाभार्थियों के आवास का भूमि पूजा संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री नगरी आवास योजना के तहत शुक्रवार को लगभग 55 लाभार्थियों के भूमि पूजन नगर पालिका क्षेत्र में किए गए वहीं डूडा अधिकारी राजेश उपाध्याय के नेतृत्व में जानकारी मिली है कि 16सौ25 लाभार्थियों के आवास स्वीकृत किए गए हैं वहीं रूबी प्रसाद ने बताया कि प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भाजपा सरकार सशक्त सरकार है और सरकारी योजनाओं का लाभ धरातल तक उतरने के लिए हर शंभू मदद कर रही है हर पात्र व्यक्ति को उसका लाभ मिलना तय है जिसको लेकर भाजपा कार्यकर्ता घर-घर पहुंच रहे हैं योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सरकार के साथ सरकारी कर्मचारी भी लगे हुए हैं विकसित भारत की संकल्प यात्रा योजना के तहत हर पात्र व्यक्ति को पक्का मकान बनाना ही भाजपा का संकल्प है इस दौरान लाभार्थी सावित्री पत्नी राजेश द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के भुमि पूजा किया गया।

बच्चों के विवाद में किसान की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

बांदा। बच्चों के विवाद में उलाहना देना किसान को महंगा पड़ गया। इसकी कीमत किसान को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। उलाहना देने के बाद खेत पहुंचे चार लोगों ने किसान को घेर लिया। एक ने किसान को तमंचा लगा दिया। जबकि बाकी लोगों ने कुल्हाड़ी से वार कर किसान को मरणासन्न कर दिया। मेडिकल कालेज में उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मानिकपुर कोतवाली क्षेत्र के गड़चपा गांव निवासी ननकुवा (50) का भतीजा अमन और पड़ोसी रामप्रसाद का पुत्र एक ही विद्यालय में पढ़ते हैं। गुरूवार की दोपहर दोनों बच्चों के बीच स्कूल में विवाद हो गया था। अमन अपने घर पहुंचा और चाचा ननकुवा को झगड़े के बारे में जानकारी दी। इस पर चाचा ननकुवा रामप्रसाद के घर उलाहना देने चला गया। वहां पर कहासुनी के बाद मामला ठंडा हो गया।

सभी लोग अपने बच्चों की पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं: डीएम

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को पल्स पोलियो अभियान की जन जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली कलेक्ट्रेट परिसर से खिरनी बाग कचहरी चौराहा , टाउन हॉल होते हुए नगर निगम कार्यालय परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने अपील करते हुए कहा कि पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत जनपद में 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दिया जाएगा। सभी लोग अपने बच्चों की पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। जनजागरूकता रैली में स्काउट गाइड बेसिक शिक्षा कंपोजिट विद्यालय अटसलिया,नेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज, क्रिश्चियन गर्ल्स इंटर कॉलेज,आर्य कन्या इंटर कॉलेज, आर्य महिला इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज, सरदार पटेल हिंदू इंटर कॉलेज,राजकीय इंटर कॉलेज,ए0 जेड खान इंटर कॉलेज,फ्लोरेंस इंटर कॉलेज, मंगल भारती इंटर कॉलेज आदि के छात्र - छात्राओं तथा आशा, आंगनबाड़ी ने प्रतिभाग कर पल्स पोलियो अभियान के प्रति लोगों को बैनर पोस्टर इत्यादि के माध्यम से जागरूक किया। सीएमओ डॉ.आर के गौतम ने पल्स पोलियो अभियान रैली को सफल बनाने के लिए सभी अध्यापक,बच्चों अन्य सहयोगी संस्थाओं को बहुत-बहुत धन्यवाद प्रस्तुत किया और बच्चों को घर-घर जाकर पल्स पोलियो के प्रति लोगों को जागरूक करने को कहा। रैली में एडीएम राशिद अली खान,उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एस पी गंगवार, यूनिसेफ से हुदा जेहरा, एसएमओ डॉ.आकांक्षा यादव, डीएचइआईओ वीरेन शर्मा,कोर से मनोज कुमार, शशिबिंद शुक्ला, पुनिष कुमार, सर्वेश कुमार इत्यादि मौजूद रहे।

शिक्षिका ज्योति ने चित्रांकन से कराए राम दर्शन

बांदा। जिले के उच्च प्राथमिक विद्यालय जारी भाग एक में कार्यरत शिक्षिका ज्योति विश्वकर्मा ने रामोत्सव के अन्तर्गत चित्र कथा बाइस्कोप राम दर्शन के माध्यम से बच्चों को प्रभुराम के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को चित्रांकन के जरिए विद्यार्थियों को विस्तृत वर्णन कराया। शिक्षिका ज्योति ने मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन को चित्रांकित कर विभिन्न रंग भरे उसको आकर्षक बनाया और अध्ययनरत विद्यार्थियों को द्रस्यांकन के जरिए समझाया। एक चित्र कथा बाइस्कोप का निर्माण किया, जिसमें राम जन्म से लेकर रावण वध तक की विभिन्न महत्वपूर्ण दृश्य है, जैसे सीता स्वयंवर, राम वन गमन, सीता हरण, अशोक वाटिका, भरत मिलाप आदि का चित्रण किया गया है। शिक्षिका ने बताया कि इसके निर्माण का उद्देश्य बच्चों को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध कर अपनी संस्कृति से जोड़े रखना है।

अध्यक्ष पद पर सर्वाधिक 6 प्रत्याशियों ने लिया पर्चा

एसबीए चुनाव

23 पद के लिए कुल 36 प्रत्याशियों ने लिया पर्चा

संयुक्त मंत्री और सदस्य कार्यकारिणी छोड़कर सभी पदों पर होगा मुकाबला

12 व 13 दिसंबर को होगा पर्चा दाखिल

प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से किया संपर्क, चुनावी सरगर्मी हुई तेज

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के निर्वाचन सत्र 2023924 के लिए हो रहे मतदान के लिए शुक्रवार को अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री,

कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सहित भिन्न-भिन्न पदों के लिए कुल 36 प्रत्याशियों ने पर्चा लिया। जिसमें सर्वाधिक 6 प्रत्याशी अध्यक्ष पद के लिए पर्चा लिया। संयुक्त मंत्री पुस्तकालय, प्रकाशन और प्रशासन के तीन पद और सदस्य कार्यकारिणी के 12 पदों को छोड़कर शेष सभी पदों पर मुकाबला होगा। हालाकि आगामी 12 व 13 दिसंबर को पर्चा दाखिल होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से संपर्क किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शशि कुमार मिश्र ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए कुल 6 प्रत्याशी विनय कुमार सिंह,धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी, पूनम सिंह, ओम प्रकाश राय, रमेश देव पांडेय व अरुण कुमार मिश्रा ने पर्चा लिया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी शारदा प्रसाद मौर्या एवं लालता प्रसाद पाण्डेय, महामंत्री पद के लिए तीन प्रत्याशी अरुण कुमार सिंघल, राजीव कुमार सिंह गौतम व अखिलेश कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर के लिए तीन प्रत्याशियों दिलीप कुमार त्रिपाठी, संतोष कुमार मिश्रा एवं संतोष कुमार सिंह तथा उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे के लिए चार प्रत्याशी सीताराम चौहान, अनुज प्रसाद अवस्थी, आशुतोष कुमार दुबे व मोहित कुमार मिश्रा, संयुक्त मंत्री प्रशासन दुर्गाशंकर चौबे, प्रकाशन विवेक कुमार पांडेय व श्यामकिशोर, कोषाध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशियों अनिल कुमार पाण्डेय , उमेश कुमार शुक्ल व राजकुमार सिंह ने पर्चा लिया है। वही सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से नीचे के लिए 6 प्रत्याशी अनुराग सिंह पटेल, सत्यनारायण गुप्ता, सतीश कुमार चौबे, आनंद कुमार श्रीवास्तव, राकेश धर द्विवेदी व योगेश कुमार एवं सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से ऊपर के लिए 6 प्रत्याशी दिनेश दत्त पाठक, अरुण कुमार पांडेय, सत्यदेव पांडेय, विवेकानंद चौबे, संतोष कुमार जैन व यशवंत कुमार सिंह ने पर्चा लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि 12 दिसंबर एवं 13 दिसंबर को प्रत्याशी अपना पर्चा दाखिल करेंगे। उधर प्रत्याशियों द्वारा समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से संपर्क किया गया। जिसकी वजह से चुनावी सरगर्मी तेज हो गई।

जाम के जंजाल में फंसता हुआ मौदहा

हिफजुर्रहमान

मुख्य मार्ग का चौड़ी करण कर डिवाईडर की है जरूरत

मौदहा - हमीरपुर। देश आजाद होए 75 वर्ष का एक लम्बा समय गुजर चुका लेकिन बेचारा मौदहा आज भी मूलभूत समस्याओं के लिए जूझ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ, सड़क, पानी, बस-टैंड व ट्रेन जैसी बुनियादी सुविधाओं का आज भी अभाव है।इस गुजरे हुए लम्बे समय में सभी पार्टियों की सरकारे आती जाती रही लेकिन किसी भी सरकार नें या किसी भी चुनें हुए सांसद विधायक, एम एल सी या चेयरमैन नें मौदहा के विकास के लिए कुछ नही किया हां जनप्रतिनिधि चुनें जानें से पहले मौदहा को दुल्हन की तरह सजानें के वादे जरुर किये जाते रहे हैं लेकिन चुने जानें के बाद केवल मेरा घर, मेरा परिवार मेरा अपना विकास के सिवा किसी ने कुछ नही किया।मौदहा में हमेशा से बड़ा चौराहा से स्टेशन तक एक ही मुख्य मार्ग रहा है जो आज भी एक ही है। 50 वर्ष पहले जब आबादी बहुत कम होती थी और निजि साधन बिल्कुल भी थे लेकिन अब जब आबादी कई गुना बढ़ गई और निजी साधनों में 100 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है।ऐसा इसलिए है क्योंकि अगर कुछ घरों में कोई वाहन नहीं है तो कुछ घरों में कई कई निजी वाहन हैं जिस के हिसाब से साधन 100 प्रतिशत बढ़े हैं और रोड मात्र वही जो 50 वर्ष पहले था उसकी चौड़ाई व लंबाई भी उतनी ही है जितनी साधन जीरो रहनें पर थी तो जाम का लगना स्वाभाविक है लेकिन इसका स्थाई हल किया जिना सरकार की जिम्मेदारी है अन्यथा जाम के कारण आम जन मानस का सड़क पर चलना दुर्लभ होजाएग।

यह हैं जाम से बचने के उपाय: आज की भाग दौड़ भरी जिन्दगी में हर इन्सान को जल्दी बहुत है किसी के पास रास्ते में रुकने के लिए बिल्कुल भी समय नही इन हालात में जाम की स्थिति उत्पन्न होना एक बडी मुसुबत है। जाम के झाम से बचने के लिए आबादी व वाहनों को मद्देनजर रखते हुए सड़क को चौड़ा कर उस मे डिवाइडर बनाया जाना अतिआवश्यक। इस के अतिरिक्त नरहय्या व थाना चौराहा से मराठीपुरा बाईपासों को सही व मजबूत बनाया जाना भी जरूरी है ताकि इन सड़कों पर आवागमन होनें लगे जिस से मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक लोड कम हो सके । दिन में मलिकुआं चौराहा से ऊदल चौक तक ट्रैफिक को वन वे किया जाए तथा सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक मलिकुआं से स्टेशन तक भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहे तो शायद जाम के झाम से बचा जा सकता है।

सड़क चौकड़ी न होनें के कारण: विगत कई वर्षों से देखा गया है कि जब कभी मौदहा में सड़क चौड़ी करण का अभियान नाजायज इनक्रोचमेनट को हटाने का चलाया जाता है तो अभियान में बेचारे गरीब पटरी दूकानदारो के टीन टप्पर, तख्त आदि को हटा कर मात्र औपचारिकताऐं पूरी कर जिम्मेदार अपनी पीठ थपथपा लेते हैं और कुछ दिनों बाद वही दूकानदार उसी स्थान पर फिर पहुंच जाते है जहां से उन्हें पीछे किया जाता है। इस का स्थाई व न्याय पूर्वक इलाज यह है कि बड़े चौराहा से स्टेशन तक एक निर्धारित माप के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए जो कुछ उस माप के अन्तर्गत आए उसे हटा कर फौरन पालिका या पी डब्ल्यू द्वारा हद मुकर्रर कर दी जाए ताकि दोबारा इन्क्रोचमेनट न हो सके तभी जाम से मौदहा को बचाया जा सकता है वर्ना जाम ऐसा वायरस है जिस से बच्चे, बूढ़े, अमीर गरीब, स्त्री-पुरुष, बीमार, स्वस्थ, नेता अभिनेता सभी प्रभावित होते हैं और घुटन महसूस करते हैं।

रोजगार मेले में 300 अभ्यर्थियों में 130 हुए चयनित

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। शुक्रवार को जय मां भगवती सोनांचल पीजी कॉलेज पुसौली सोनभद्र में जिला सेवा योजना कार्यालय सोनभद्र की तरफ से रोजगार मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर अखिलेश मिश्र ने सरस्वती प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। उपरोक्त आयोजन में निजी क्षेत्र से अपराजिता ऑटोमोबाइल, वज्र इंडस्ट्रीज, वैभव इंटरप्राइजेज, इंडिगो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुखराज हेल्थ केयर, मिण्डा इलेक्ट्रॉनिक, ग्रेविटी फैसिलिटी सॉल्यूशन , प्राइवेट

लिमिटेड,भारतीय जीवन बीमा, इत्यादि कंपनियों ने प्रतिभागी अभ्यर्थियों को उनके योग्यता के अनुसार पदों पर चयन किया। उपरोक्त आयोजन में कुल सम्मिलित अभ्यर्थियों की संख्या 300 थी ,जिसमें विभिन्न कंपनियों द्वारा 113 लोगों का चयन किया गया। कार्यक्रम में जिला सेवा योजना कार्यालय से सच्चिदानंद सिंह जितेंद्र कुमार सुरेंद्र कुमार प्रजापति पवन सोनकर एवं प्रदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में शिक्षक समस्याओं के समाधान की मांग

अवधानामा संवाददाता

बांदा। पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय में बुंदेलखंड में उच्च शिक्षा की समस्याओं और समाधान रास्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से संबंधित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर केएस कुशवाहा ने की। मुख्य अतिथि डा. हरिराम मिश्र, प्रोफेसर संस्कृति एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली थे। हरिराम मिश्र बुंदेलखंड और बांदा के विकास के लिए बांदा में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और केंद्रीय चिकित्सा संस्थान की स्थापना की मांग की और सामूहिक प्रयास द्वारा शिक्षक की समस्याओं के समाधान की बात की। कार्यक्रम में महिला महाविद्यालय प्राचार्य डा. दिपाली गुप्ता, डा. ओमकार चौरसिया, डा. अश्विनी कुमार शुक्ल, डा. शशिभूषण, डा. सूर्यकांत मिश्र के द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 की समस्याओं और समाधान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डा. रोहित सिंह, डा. कुंदन सिंह, डा. सर्वेश निगम, डा. जितेंद्र बाजपेयी, डा. छवि पुरवार, डा. दिव्या सिंह, डा. मुक्ता सिंह, डा. अर्पण मिश्र, डा. एसएन त्रिपाठी, डा. अजय यादव, डा. सुनील यादव, डा. अंकुर मलिक सहित महाविद्यालय के तमाम शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

खनिज टीम की कार को मौरंग लोड ट्रक ने मारी टक्कर, बाल बाल बची टीम

अवधानामा संवाददाता

हमीरपुर। लोकेशनबाजो की हरकत की वजह से गुरुवार रात बड़ा हादसा बचा । लोकेशन लेकर निकाला जा रहा बगैर रॉयल्टी के मौरग से भरा ट्रक चेकिंग के डर से बस स्टैंड से बैंक होकर तेजी से कुरारा की ओर भागने लगा। खनिज विभाग की टीम ने ट्रक का पीछा किया तो चालक ने अमन शहीद तिराहे पर ट्रक रोका और पकड़े जाने के भय से कूदकर फरार हो गया। ढाल में रुका मौरग से लोड ट्रक तक आगे बढ़ गया। आगे लगी खनिज विभाग की कार को टक्कर मारी। जिससे कार का टायर फट गया और पीछे का हिस्सा डैमेज हो गया। कार के चालक ने

हिम्मत दिखाते हुए किसी तरह ट्रक पर काबू पाया। ट्रक थोड़ा और आगे बढ़ता तो सड़क किनारे किसी भी मकान में घुसकर गंभीर हादसे का कारण बन सकता था। इस घटना की वजह से रात में अमन सहित मोहल्ले में अफरा तफरी मच गई। गुरुवार की रात भी खनिज इंस्पेक्टर पंकज कुमार दो गार्डो और चालक के साथ रानी लक्ष्मीबाई तिराहे पर चेकिंग में लगे थे। वहां से उनकी टीम बस स्टैंड को चली।

इसी दौरान लोकेशन वालों ने इधर-उधर खड़े ट्रैकों को रास्ता साफ होने की लोकेशन देते हुए गाड़ियां निकालने को हरी झंडी दे दी। ऐसा ही एक चौदह चक्का ट्रक बगैर रॉयल्टी लिए कुरारा की ओर से कानपुर जाने को निकला। ट्रक बस स्टैंड के आसपास ही पहुंचा था कि खनिज निरीक्षक की टीम कुरारा की ओर मूव करने लगी। ट्रक चालक को फिर से निर्देश मिले की गाड़ी लेकर वापस कुरारा की ओर भागो। इस आपाधापी में चालक ने ट्रक को पेट्रोल पंप से मोडा और वापस लेकर चल दिया। लेकिन खनिज निरीक्षक ने अमन शहीद में पीछा करते हुए ट्रक को रुकवा लिया। ट्रक चालक ने ट्रक तो रोक लिया मगर खुद ट्रक का चालक कूद कर फरार हो गया। जिसकी वजह से अमन शहीद तिराहे से ट्रक ढाल की वजह से लुढ़कने लगा। आगे खड़ी खनिज निरीक्षक की कार को भी ट्रक ने टक्कर मारी जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। और पिछला पहिया भी क्षतिग्रस्त हो गया। इससे कार में मौजूद गार्ड और चालक सकते में आ गए। बाद में लुढ़कते ट्रक को खनिज विभाग के चालक ने ही काबू में किया, वरना कोई गंभीर हादसा हो सकता था। मौरंग से भरा ट्रक सड़क किनारे किसी भी रिहायशी मकान में घुस सकता था। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस रात में ही मौके पर पहुंच गई। शोर शराबा सुनकर लोगों की भीड़ सड़क पर लग गई। खनिज निरीक्षक द्वारा इस घटना की तहरीर कोतवाली में दी गई है। लोकेशन का खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा, रात्रि होते ही लोकेशन ग्रुप निकल पड़ता है।

लोकेशन का खेल जनपद में रुकने का नाम नहीं ले रहा है। रात होते ही लोकेशन के ग्रुप निकल पड़ते हैं। अवैध रूप से निकाली गई मौरग की ढुलाई को रोकने के लिए खनिज विभाग सहित प्रशासनिक टीम सक्रिय रहती हैं। जो अक्सर बगैर रॉयल्टी और ओवरलोड मोरंग लेकर निकलने वाले ट्रैकों की धरपकड़ करती रहती हैं। इस हादसे को देखकर यह प्रमाणित होता है की लोकेशन वाले जनपद में दिन-रात कैसे सक्रिय रहते हैं जो अधिकारियों की आने जाने की लोकेशन निरंतर उन्हें मिलती रहती है।

एक हजार नई मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के गठन जल्द किया जाय

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। मत्स्य विकास मंत्री डॉ0 संजय कुमार निषाद ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विभाग में मछुआ कल्याण के लिए संचालित सभी योजनाओं को तेजी से क्रियान्वित किया जाय जिससे योजनाओं का लाभ मत्स्य पालन में लगे हुए लोगों को समय से प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम सहकार से समृद्धि योजना के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष में प्रदेश की सभी ग्राम सभाओं को सहकारिता से जोड़ना है और इसके तहत एक हजार नई मत्स्यजीवी सहकारी समितियों का गठन किया जाना है। इन समितियों का गठन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय में लक्ष्य पूरा किया जाय। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की हीला-हवाली या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी और इसका मौके पर भौतिक सत्यापन भी कराया जायेगा।

मत्स्य विकास मंत्री ने आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मत्स्य विकास विभाग की योजनाओं की अद्यतन प्रगति एवं बजट की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निषाद राज बोट सब्सिडी योजनान्तर्गत शीघ्र लक्ष्यों का निर्धारण किया जाय। उत्तर प्रदेश मत्स्य कल्याण कोष के सम्बंध में मछुआ आवास के लक्ष्यों एवं केज योजना हेतु जनपदवार लक्ष्य निर्धारण के सम्बंध में कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाय। डॉ0 निषाद ने मछुआ कल्याण कोष के सम्बंध में पोर्टल विकसित किये जाने के निर्देश दिये। मत्स्य विकास मंत्री ने सहकारी समितियों, मत्स्य आवंटन हेतु नदियों की नीलामी, जलाशयों के निस्तारण की भी समीक्षा की।

डॉ0 निषाद ने मत्स्य विकास विभाग की बजट की समीक्षा की और

योजनाओं में अपेक्षित प्रगति प्राप्त न करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी : डॉ संजय निषाद

अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि वर्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व विभाग द्वारा वर्तमान बजट में प्राविधानित धनराशि का सदुपयोग करने के साथ-साथ शत-प्रतिशत उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित किया जाय और वर्तमान एवं भावी योजनाओं के अनुरूप ही बजट के लिए प्रस्ताव प्रेषित किया जाय और जितनी आवश्यकता हो उतनी ही मांग प्रेषित की जाय। उन्होंने वर्ष 2023 में मात्स्यिकी क्षेत्र में देश में सर्वश्रेष्ठ अर्न्तस्थलीय राज्य का प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने पर अधिकारियों की सराहना की।

सरकार योजनाओं का लाभ देने के लिए स्वयं घर घर जा रही

लखनऊ। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का मोदी की गारंटी वाला रथ आज भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर की पश्चिम विधानसभा में कुंवर ज्योति प्रसाद वार्ड राजाजीपुरम पहुंचा जहां पात्र लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और मुख्य अतिथि एमएलसी अवनीश सिंह उपस्थित रहे। प्रशासन के माध्यम से लगाए गए विभागों के कैंप में पात्र लोगों का निःशुल्क रजिस्ट्रेशन किया गया और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पात्र लोगों को स्वीकृति हुए आवास का प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया।

आनंद द्विवेदी ने कहा कि यह पहला अवसर है जब कोई सरकार योजनाओं का लाभ देने के लिए घर घर स्वयं जा रही है। अन्य दल सिर्फ वोट मांगने घर-घर जाते हैं और चुनाव के बाद क्षेत्र में उनका कोई जनप्रतिनिधि नजर नहीं आता है पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता 365 दिन क्षेत्र में जनता के बीच सहयोग के लिए उपस्थित रहता है।

स्वास्थ्य देखभाल विषयों के बीच सहयोग व तालमेल की आवश्यकता

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सोसाइटी फॉर अलाइड हेल्थ एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन्स एजुकेशन एंड रिसर्च का दो दिवसीय पहला राष्ट्रीय सम्मेलन 'स्वास्थ्य के लिए एक साथ' विषय पर 8 और 9 दिसंबर को आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य संबद्ध पेशेवरों को एक साथ लाना है। वैज्ञानिक, चिकित्सक और शिक्षाविद ज्ञान साझा करने, अंतः विषय सहयोग को बढ़ावा देने और एक साझा लक्ष्य रोगी सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य परिणाम की दिशा में काम करने के लिए एक ही छतरी के नीचे आते हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों और विभिन्न विषयों से आये वक्ताओं ने अपने अनुभव और ज्ञान साझा किये। इसने स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के लिए अधिक एकीकृत और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त किया। दो दिवसीय सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज का समर्थन प्राप्त था।

प्रोफेसर (डॉ.) आलोक कुमार, सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय, लखनऊ ने 08 दिसंबर 2023 को मिनी ऑडिटोरियम, एरा यूनिवर्सिटी, लखनऊ में प्रोफेसर (डॉ.) अब्बास अली महदी, कुलपति और प्रोफेसर (डॉ.) फ़राजाना महदी, प्रो वाइस चांसलर, एरा यूनिवर्सिटी, लखनऊ की उपस्थिति में सम्मेलन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों के पुष्प सम्मान और उसके बाद दीप प्रज्वलन से हुई। प्रोफेसर (डॉ.) फ़राजाना महदी ने दर्शकों को संबोधित किया और सम्मेलन के सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और उल्लेख किया कि आज की जटिल और परस्पर जुड़ी दुनिया में, विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल विषयों के बीच सहयोग और तालमेल की आवश्यकता कभी भी इतनी महत्वपूर्ण नहीं रही है।

वन मंत्री से मिले यूपी सम्वर्ग के 2021 बैच के अधिकारी

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ अरुण कुमार सक्सेना से आज भारतीय वन सेवा, उत्तर प्रदेश सम्वर्ग 2021 बैच के बी शिव शंकर, जयन्त भीमराव शेन्दे, स्वाति, तापस मिहिर, वन्दना एवं शुभम सिंह ने शिष्टाचार भेंट की गयी।

इस अवसर पर डा सक्सेना द्वारा उन्हें शुभकामनाएं देते हुए जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होने, उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण तथा वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध होने का संदेश दिया। नवागत वनाधिकारियों द्वारा मंत्री जी को इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून तथा विभिन्न प्रभागों में प्राप्त फील्ड प्रशिक्षण के बारे में अवगत कराया गया। यह वनाधिकारी आन्ध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश राज्य से आते हैं।

11.21 करोड़ से बनेगा पर्यटक सुविधा केंद्र : जयवीर

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली जनपद चित्रकूट स्थित वाल्मीकि आश्रम के निकट यात्रियों एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए लगभग 11.21 करोड़ रुपये की लागत से एक पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण किया जायेगा। इससे यहाँ आने वाले पर्यटकों को सुविधा मिलेगी और साथ ही पर्यटन को बढ़ावा एवं स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

यह जानकारी आज यहाँ प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज-चित्रकूट मार्ग पर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम लालापुर में आदि ग्रन्थ रामायण महाकाव्य के प्रणेता महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है। इस स्थल की मान्यता प्राचीन समय से तीर्थ स्थल के रूप में की जाती है। यहां बड़ी संख्या में लोग दर्शन पूजन और भ्रमण के लिए आते हैं।

जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन

चित्रकूट में महर्षि वाल्मीकि आश्रम के समीप बनेगा

विभाग आश्रम के निकट लगभग11.21 करोड़ रुपये से पर्यटक सुविधा केंद्र बनाएगा। यहां सीसी रोड, पार्किंग, बागवानी, सैंड स्टोन पाथवे, ग्रेनाइट कोबल पाथवे, ट्यूबवेल, छतरी निर्माण, तालाब का विकास कार्य, म्यूरल वाल, वाल पैनलिंग, ग्रेनाइट फ्लोरिंग, फाल्स सीलिंग और साइनेज समेत कई और कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्थित महापुरूषों से जुड़े स्थानों का कायाकल्प किये जाने का निर्णय लिया गया है, ताकि यहाँ पर पर्यटक एवं श्रद्धालु आ सकें।

पर्यटन मंत्री 10 दिसम्बर तक आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी के भ्रमण पर

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह आज 08 दिसम्बर से 10 दिसम्बर तक मैनपुरी, फिरोजाबाद एवं आगरा के भ्रमण पर रहेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार पर्यटन मंत्री आज लखनऊ से प्रस्थान कर सायं 06:00 बजे समाधिया फार्म हाउस मथुरा रोड, मण्डी अण्डरपास के सामने सिकन्दरा आगरा में आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा रात्रि को लगभग 08:00 बजे गुंजन रिसोर्ट सिरसागंज, फिरोजाबाद में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पर्यटन मंत्री अगले दिन 09 दिसम्बर को शिविर कार्यालय निकट रेलवे क्रासिंग करहल रोड मैनपुरी में पूर्वान्ह 09:00 बजे से अपरान्ह 01:00 बजे तक जन समस्याओं की सुनवाई करेंगे। इसके उपरान्त जिला सहकारी बैंक मुख्यालय परिसर कचहरी रोड मैनपुरी में 85वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक में शामिल होंगे। इसके उपरान्त दो मांगलिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इसके उपरान्त बाबा बालनाथ मंदिर ग्राम पतारा मैनपुरी में पर्यटन विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे। इसके पश्चात विकास खण्ड परिसर करहल मैनपुरी में दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जयवीर सिंह 10 दिसम्बर को सिरसागंज जनपद फिरोजाबाद कैम्प कार्यालय में जन समस्याओं की सुनवाई करेंगे। इसके उपरान्त अपरान्ह 02:00 बजे प्राचीन शिव मंदिर के पर्यटन विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे।

धूमधाम से मना आशियाना जैन मंदिर का 22वाँ स्थापना दिवस

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। आशियाना समाज के लिए अत्यन्त सौभाग्यशाली रहा जब आचार्य श्री भरत सागर महाराज ने मन्दिर की स्थापना की जो आज हमारे दर्शनार्थ ,पूजनादि और अनुष्ठान में देवरूप सहायक है। यह बताते हुये उ.प्र. जैन विद्या शोध संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. अभय कुमार जैन ने कहीं। उन्होने कहा कि परम सौभाग्य है कि मैं इस मन्दिर के शिलान्यास के साथ से ही जुड़ा हूँ।

इस अवसर पर जैन मिलन महिला मण्डल, आशियाना की ओर से 24 घण्टे का अखण्ड श्री भक्तामर स्त्रोत के पाठ का आयोजन प्रातः 08 बजे प्रारम्भ किया। अध्यक्ष अल्पना, मंत्री ऋचा, सहमंत्री सोनी, सांस्कृतिक मंत्री रिमझिम, संरक्षिका कुसुम शाह, किरन जैन एवं मनीषा जैन ने दीप प्रज्वलन से पूर्व अखण्ड पाठ के निर्विघ्न समाप्त होने के लिए संकल्प लिया। आचार्य विशद सागर ने सभी को पाठ को निर्विघ्न समाप्त होने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश, निवर्तमान अध्यक्ष बृजेश जैन बन्टी, जैन मिलन के अध्यक्ष संजीव जैन, चतुर्मास समिति के मुख्य संयोजक डॉ. संजीव जैन सहित भक्तगण उपस्थित रहे।

विद्युत नियामक आयोग ने बिजली फ्यूल सरचार्ज में कमी के फैसले को टाला

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन व प्रदेश की बिजली कंपनियों के दबाव में अंतंता विद्युत नियामक आयोग ने बिजली फ्यूल सरचार्ज में कमी के फैसले को टाल दिया है जो अपने आप में रेगुलेटरी फ्रेमवर्क का उल्लंघन है विद्युत नियामक आयोग को रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत विद्युत उपभोक्ताओं को फ्यूल सरचार्ज में राहत देना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं किया जो अपने आप में गंभीर मामला है विद्युत नियामक आयोग को रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत स्वतंत्र होकर काम करना चाहिए किसी के दबाव में नहीं? प्रदेश की बिजली कंपनियों की तरफ से 20 अक्टूबर को विद्युत नियामक आयोग में वर्ष 2023 -24 अप्रैल मई जून 2023 क्वार्टर-1 के लिए फ्यूल सरचार्ज में 35 पैसा प्रति यूनिट के आधार पर कैटिगरी वाइज अलग-अलग

मामले को टू अप में देखने का फरमान

श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को 18 पैसे से लेकर 69 पैसे प्रति यूनिट तक अगले 3 महीना तक बिजली दरों में कमी को लेकर याचिका दाखिल की थी।

इसकी भनक लगते ही उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक पहुंचकर सदस्य तकनीकी श्री संजय कुमार सिंह से दर्ज कराया अपना विरोध कहा यह प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के साथ बडा धोखा इस पर आयोग पुनः करें विचार।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा विद्युत नियामक आयोग अब 2 महीने बाद यह तर्क दे रहा है कि भारत सरकार द्वारा मंथली बेसिस पर फ्यूल सरचार्ज का रूल बनाया गया है उसके मद्दे नजर अब जो फ्यूल सरचार्ज का मामला बिजली दर के ट्रू -आप के समय देखा जाएग सबसे बडा सवाल यह उठना है कि यह रूल वर्ष 2022 में बना था और अभी इसके पहले विद्युत नियामक आयेग ने पावर कारपोरेशन के फ्यूल सरचार्ज के उसे आदेश पर जिसमें अगस्त 2023 में 28 पैसे से लेकर रुपया 1.09 पैसा बढोतरी की बात की गई थी उसे पर कार्यवाही का आदेश क्यों निर्गत किया गया था? और कार्यवाही का निर्णय सुना दिया था जिसमें उपभोक्ताओं पर भार पड़ना था जब पब्लिक को राहत देने की बात आती है तब नए कानून की बात की जाती है विद्युत नियामक आयोग को रेगुलेटरी फ्रेमवर्क में यह जानकारी तो होगी ही की वर्तमान में फ्यूल सरचार्ज का जो कानून उत्तर प्रदेश में लागू है वह विद्युत नियामक आयोग द्वारा बनाया गया कानून है और उसमें क्वार्टरली उपभोक्ताओं को लाभ मिलना है।

दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण के लिए 10 करोड़ की स्वीकृत

लखनऊ। सरकार ने प्रदेश में डेयरी विकास के लिए दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण एवं उन्हें पुनर्जीवित करने की योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ रूपये की धनराशि चतुर्थ किश्त के रूप में स्वीकृत की है। यह धनराशि आगरा, मैनपुरी जालौन(उरई), हमीरपुर, झांसी,बांदा, महोबा, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत, मेरठ रामपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, मऊ, प्रयागराज, प्रतापगढ, कानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बहराइच, तथा गोंडा जनपदों के लिए स्वीकृत की गई है।

इस संबंध में दुग्ध विकास विभाग द्वारा शासनादेश जारी करते हुए योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में सम्बन्धित जनपदों के दुग्धशाला विकास अधिकारी/उप दुग्धशाला विकास अधिकारी तथा आहरण वितरण अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिये गये हैं।

कार्यशालाएं समय की मांग : डॉ. अब्बास अली

अवधनामा संवाददाता

`पुराने दर्द प्रबंधन और पैलिएटिव केयर पर विचार-एक एकीकृत दृष्टिकोण' विषय पर हुई कार्यशाला

लखनऊ। एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, एरा यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने एलाइड हेल्थ एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन्स एजुकेशन एंड रिसर्च के तत्वाधान में 'पुराने दर्द प्रबंधन और पैलिएटिव केयर पर विचार-एक एकीकृत दृष्टिकोण' विषय पर 8 दिसंबर को फार्मेसी बिल्डिंग, एरा यूनिवर्सिटी, लखनऊ में कैंसर एड सोसाइटी ऑफलखनऊ के सहयोग से पहली दर्द और पैलेटिव केयर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य स्वास्थ्य पेशेवरों को अपने रोगियों और उनके परिवारों को उत्कृष्ट उपशामक देखभाल प्रदान करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. अनिल अग्रवाल, प्रमुख, एनेस्थीसिया विभाग, अपोलो मेडिक्स, लखनऊ के पुष्प स्वागत से हुई। इसके बाद एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, एरा यूनिवर्सिटी, लखनऊ के प्रिंसिपल डॉ. जमाल मसूद ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कार्यशाला के सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और मुख्य अतिथि का परिचय दर्शकों से कराया। इसके बाद एरा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अब्बास अली महदी द्वारा अध्यक्षीय भाषण दिया गया। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए रेडियोथेरेपी विभाग को बधाई दी और उल्लेख किया कि इस प्रकार की कार्यशालाएं समय की मांग है और विशेष रूप से असाध्य रूप से बीमार रोगियों के लिए पैलेटिव केयर के क्षेत्र में नियमित आधार पर आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि शीघ्र ही एराज हॉस्पिटल असाध्य रूप से बीमार रोगियों के व्यापक उपचार के लिए पैलेटिव केयर और पेन क्लिनिक शुरू करेगा। प्रोफेसर डॉ. अनिल अग्रवाल ने अपने संबोधन में एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एवं होपिटल को कार्यशाला के आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने आगे प्रशामक देखभाल की भूमिका का उल्लेख किया और यह कैसे आपको एक सक्रिय, संतुष्टिदायक और यथासंभव दर्द-मुक्त जीवन जीने में मदद करने के लिए उन्नत देखभाल योजना और एक सहायता प्रणाली प्रदान करता है। कार्यक्रम का समापन कैंसर सहायता सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. डी. पी. गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ और संचालन डॉ. तरूणा सिंह ने किया।

टीएमयू स्टुडेंट्स की ऊंची उड़ान को वीवो ने दिए पंख

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के सीसीएसआईटी और मैनेजमेंट के 04 स्टुडेंट्स का बहुप्रतिष्ठित मल्टीनेशनल कम्पनी वीवो मोबाइल इंडिया प्रा. लि. में चयन हुआ है। रिक्रूटमेंट ड्राइव में बीटेक और एमबीए फाइनल ईयर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। चारों चयनित विद्यार्थियों को ऑफर लेटर भी मिल गए हैं। इससे पूर्व वीवो एचआर टीम ने कम्पनी के बारे में प्रेजेन्टेशन और जॉब के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके पश्चात छात्रों के ग्रुप-डिस्कशन राउंड और इन्टरव्यू हुआ। इस चयन प्रक्रिया के बाद अंततः 4 लाख के वार्षिक पैकेज पर वीवो एचआर के लिए बीटेक इलेक्ट्रिकल के छात्र कौशिक मिस्त्री एवम् एमबीए की स्टुडेंट्स खुशी गुप्ता, शगुन शुक्ला और सिमरन हबीब का सेलेक्शन हो गया।

ये चयनित स्टुडेंट्स यूपी, उत्तराखंड और असम के हैं। इनका जॉब प्रोफाइल

वीवो एचआर के लिए चयनित बीटेक इलेक्ट्रिकल एवम् एमबीए के स्टुडेंट्स यूपी, उत्तराखंड और असम के बाशिंदे

एचआर है। सीसीएसआईटी के निदेशक प्रो. आरके द्विवेदी और टिमिट के निदेशक प्रो. विपिन जैन ने चयनित इन स्टुडेंट्स को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है,जबकि टीएमयू कॉर्पोरेट रिसोर्स सेन्टर के डायरेक्टर विनीत नेहरा ने कंपनी प्रतिनिधियों को साधुवाद देते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी के स्टुडेंट्स का देश और विदेश की नामचीन कंपनियों में प्लेसमेंट कराना ही हमारा लक्ष्य है, ताकि चयनित इन स्टुडेंट्स का भविष्य स्वर्णिम रहे। इस अवसर पर वीवो के एचआर कैंपस स्क्रूटमेंट लीड आदित्य कुमार, सीनियर एचआर मैनेजर, पे रोल कमल वशिष्ठ, एचआर लीड रिक्रूटमेंट तक्ष कुमार, एचआर मैनेजर स्क्रूटमेंट हार्दिक ठाकुर भी मौजूद रहे।

प्रदेश में अब तक 14.75 लाख मीट्रिक टन हुई धान की खरीद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के उद्देश्य से खरीफ क्रय वर्ष 2023-24 में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य कॉमन धान 2183 रूपये प्रति कुं0 और धान ग्रेड-ए 2203 रूपये प्रति कुं0 की निर्धारित दर से खरीद की जा रही है।

विभिन्न धान क्रय केन्द्रों के माध्यम से अब तक 14.75 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान किसानों से क्रय किया गया है। इस योजना से अब तक लगभग 219936 किसानों को लाभान्वित करते हुए 2731.649 करोड़ रूपये का भुगतान उनके खातों में किया गया है। खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज 87147 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। खरीद केन्द्रों पर किसानों को कोई असुविधा न हो, इसका पूरा-पूरा ध्यान रखते हुए खरीद की जा रही है।

हिंदुस्तान हस्त शिल्प महोत्सव में समाजसेवी अब्दुल वहीद को किया गया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। मां गायत्री जन सेवा संस्थान और नीशु वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा 30 नवंबर से 15 दिसंबर 2023 तक काशीराम सांस्कृतिक स्थल स्मृति उपवन बांग्ला बाजार में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव 2023 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे बड़ी संख्या में लोग आकर खरीदारी कर रहे हैं। आयोजन स्थल पर लगे सांस्कृतिक पंडाल में प्रतिदिन प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी जा रही है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद समाजसेवी अब्दुल वहीद को समारोह के मंच पर आयोजक अरुण प्रताप सिंह और गुंजन वर्मा ने अंगवस्त्र और स्मृति सिंह देकर सम्मानित किया। ज्ञात हो कि इस हस्तशिल्प महोत्सव में देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए दुकानदारों ने अपनी कलाकृतियों की प्रदर्शनी को एक ही स्थान पर संग्रहित किया है।आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मानित होने पर समाजसेवी अब्दुल वहीद ने कहा कि आयोजकों का यह प्रयास बहुत अच्छा है कि हस्तशिल्प की वस्तुओं को जो की अच्छी क्वालिटी की और सही दाम की हैं, वो उनको लखनऊ की जनता के बीच में प्रदर्शित करके एक उत्तम कार्य कर रहे हैं। ऐसी प्रदर्शनी उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर भी होनी चाहिए जिससे क्षेत्रीय जनता को अच्छी क्वालिटी का सामान सही दाम पर एक ही जगह पर मिल सके। इस अवसर पर आयोजक अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा, विनय दुबे, रनवीर सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। साँस्कृतिक कार्यक्रम पण्डाल में भोजपुरी, हिन्दी गीतों का जनता ने भरपूर आनन्द लिया। समारोह का शानदार संचालन मशहूर एंकर प्रदीप शुक्ला द्वारा किया गया।

राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेजों के लिए 50 लाख स्वीकृत

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सरकार द्वारा प्रदेश के राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेजों की सज्जा/उपकरण और संयंत्र हेतु 50 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिसमें राजकीय नेशनल होम्योपैथिक कालेज लखनऊ के लिए 8 लाख 25 हजार, राजकीय के0जी0के0 होम्योपैथिक मेडिकल कालेज मुरादाबाद के लिए 6 लाख 89 रुपये, राजकीय लालबहादुर शास्त्री हौम्योपैथिक मेडिकल कालेज प्रयागराज हेतु 7 लाख 12 हजार, पं0 जवाहरलाल नेहरू राजकीय होम्योपैथिक कालेज कानपुर के लिए 7 लाख 22 हजार, राजकीय गाजीपुर होम्योपैथिक कालेज गाजीपुर हेतु 6 लाख 42 हजार, राजकीय वृजकिशोर होम्योपैथिक कालेज अयोध्या के लिए 7 लाख 10 हजार एवं राजकीय श्री दुर्गा जी होम्योपैथिक मेडिकल कालेज आजमगढ़ के लिए 7 लाख रुपये की स्वीकृति शामिल है।

इस संबंध में आयुष अनुभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है। जारी शासनादेश में यह निर्देश दिए गए हैं कि निदेशक होम्योपैथी यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रश्नगत वित्तीय स्वीकृति जिस कार्य/मद हेतु की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्य/मद हेतु किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को व्यय किये जाने में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी एवं वर्तमान में प्रभावी मितव्ययिता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।